जीवन सार 6

जिनस्य अनुयायी इति जैनः
मेरे महावीर जैन नही जिन थे।

I gain nothing Infact I Lost anger
Depression jealousy irritation insecurity.

Government means for the people
by the people of the people.

मिलते है हजारो लोग मगर
हजारो गल्तियां माफ करने वाले माँ बाप नही मिलते।

Life is beautiful
who knows how to celebrate the pain.

जिंदगी मे एक बार मिलते है	माँ बाप, वक्त, सच्चे दोस्त
सोच समझकर उठाओ	कदम, कसम, कलम
सोच कर करो	मोहब्बत, बात, फैसला
इंतजार नहीं करती	मौत, वक्त, उम्र
छोटा ना समझो	कर्ज, फर्ज, मर्ज
दर्द देती है	धोखा, बेवसी, बेवफाई

इनटेक्शन कितना भी अच्छा हो दुनिया प्रजेन्टेशन देखती है
प्रजेन्टेशन कितना भी अच्छा हो ऊपर वाला इनटेनशन देखता है
choice is yours.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Every one have two eyes But
No one has the same view.

Don't have ego of knowledge.

माँ बाप के बुढापे में बच्चो को उनके प्रेम का
ऋण चुकाना चाहिये।

---

of people are trying to bring you down.
It only means that you are above them.

Alphabet O stands for opportunity
which is absent in yesterday. Available
only once in Today and three time in
Tomorrow and also in good morning.

Only message are not life but
our life should be a message to other.

Risk is my life. Possible is my hope.
Impossible is my enemy. Dangerous is my game.
walk with success.

आहार ही औषधि है।

माँ के बाद मासी होती है। (मा सी)

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

आकस्मिक आपदाएं हमे यह शिक्षा देती है कि
अगले पल का भरोसा नहीं है। अतः हमे अपने
आज को सार्थक रूप से जीना चाहिये ।

रात सुबह का इन्तजार नहीं करती
खुशबु मौसम का इन्तजार नही करती
जो भी जिन्दगी में मिले उसको खुशी से जियो
क्योकि जिन्दगी वक्त का इन्तजार नहीं करती।

रास्ते को किसी भगवान का नाम देना आसान है
लेकिन भगवान के बताये रास्ते पर चलना बहुत मुश्किल है।

Pray as if everything depends on god
work as if everything depends on you
To handle yourself use your brain
and two handle others use your heart.

जो सीधी बात करता है वह घोखा नहीं दे सकता।

जिसके पास अधूरा ज्ञान है वह मीठे बोल नही कह सकता।

काजल की अंधेरी कंदरा से लोभ लालच को छोड
बेदाग निकल आने के लिये काफी समझदारी
सूझबूझ और दिमागी संतुलन की जरूरत होती है।

खुश रहने वाला इंसान जरूर कामयाब होता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

मिश्री के शरबत का स्वाद एक बार होठो को लग जाए
तो गुड़ का शरबत कतई नही सुहाता।

सुप्रभात का उजाला सदा आपके साथ हो
हर दिन का एक एक पल आपके लिये कुछ खास है
दुआ हमेशा दिल से निकलती आपके (आप सबके) लिए
ढेरो खुशियों का खजाना आपके पास हो ।

Everyone wants to park his vechicle
in shadow Buit tree no one wants to plant.

जिंदगी में किसी का साथ जरूरी है
कंधे पर किसी का हाथ जरूरी है
दूर हो या पास फर्क नही पडता
बस रिश्ते का अहसास जरूरी है।

A moment of Patience in a moment
of Anger can help us to avoid a
thousand moments of sorrow.

जिस काम को करने से डर लगे उसे
अंजाम देने का नाम ही साहस है।

फूलों की सुंगध केवल हवा के प्रवाह की दिशा में ही फैलती है,
लेकिन मनुष्य की अच्छाइयां सभी दिशाओ में फैलती है।

www.lampbajan.in
Jeevan Saar 6

सदैव भगवान की शरण में चले जाओ
शरणागत की जिम्मेदारी परमात्मा उठाते हैं।

Daily one Apple - No Doctor
One Tulsi Patta - No Cancer
One Nimbu - No Fat
One Glass Milk - No Bone problems
3Lt water - No Skin Problem.

सात कोस के अंतर से पानी और वाणी दोनो बदल जाते है।

अकारण न बोले, अप्रियवाणी से बचे,
अधिक न बोले, असमय वार्तालाप न करे।

नम्रता में तनने की भी शक्ति है, जीतने की भी कला है
और शौर्य की पराकाष्ठा भी।

इंसान ठोकर लगने के बाद बनता है।

ऐसा काम करो कि नाम हो जाये वरना
नाम ऐसा करो कि नाम लेते ही सारे काम हो जाये।

बच्चो के बड़े होने के पहले आदमी को अपना
निजी मकान बना लेना चाहिये या बनाना चाहिये
उपयुक्त होता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

ऊँठ पर बैठा आदमी कमर मटकाते हुवे लगता है
जबकि इसमे आदमी का दोष नहीं है।

ख्वाहिशो का काफिला भी बड़ा अजीब है
अक्सर गुजरता वहां से है जहाँ रास्ते नहीं होते।

आपको तकदीर की नहीं तकदीर को आपकी जरूरत है।

Plain paper has no value but if we
write something on it, it becomes document.
Life is same we have to decide
which kind of document we want to make it.

कमी निकालना निंदा करना बुराई करना आसान है
लेकिन उन कमियो को दूर करना अत्यन्त कठिन होता है।

Enjoy every minor point of Life.

क्रोध का परिणाम कभी छोटा नहीं होता।

अपने बदल जाते है वक्त के साथ।

Feel the pleasure of life in every second.
Never be angry or sad because
every one minute of your sadness you lose
60 seconds of happiness.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Hope mspires us to keep trying learning.
Loving and living.

Revenge is the first sign of your weakness.
Tolerance is the highest degree of your strength.

Pyar Plus karo
Naflat minus karo
Dukh devided karo
Sukh multiply karo.

Ability will get us to the top but
Character will allow us to stay at the top.

Try to be a good person
but don't try to prove it.

जो अपना है वो कही जायेगा नही
जो चला गया वो कभी अपना था ही नहीं।

यदि आप एक हजार के नोट को कितनी ही तरह से खराब कर दे फिर भी यदि लोगो से पूछा जाय कि क्या आप यह नोट लेना चाहेंगे तो पूरी भीड भी उसे लेने को तैयार रहेगी क्योकि उस रुपये ने अपना मूल्य नहीं खोया इसी तरह जीवन में कई बार हम गिरते हैं हारते हैं हमारे लिए हुए निर्णय हमे मिट्टी में मिला देते हैं हमे ऐसा लगने लगता कि हमारी कोई कीमत नहीं है लेकिन आपके साथ चाहे जो हुआ या भविष्य में हो जाए आपका मूल्य कम नहीं होता आप स्पेशल है इस बात को कभी मत भूलिए। कभी भी बीते हुए कल की निराशा के आने वाले कल के सपनो को बर्बाद मत होने दीजीये। आपके पास सबसे कीमती आपका जीवन है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Sar 6

A small consistent efforts surely
bring the change in Life.

कोई व्यक्ति कितना ही महान क्यो न हो
आंखे मूंदकर उसके पीछे न चलिये।
यदि ईश्वर की ऐसी ही मंशा होती तो वह हर
प्राणी को आंख, नाक, कान, मुंह, मस्तिष्क आदि क्यों देता।

छाता और दिमाग जब खुले हो
तभी उचित प्रयोग में आते है
वरना फिजूल में बोझ बढ़ाते है।

Maker of The Human Excellent Relations - MOTHER.

Sentence में . , ? " " इन सबकी अपनी अहमियत होती है
इनके लगने से वाक्य का अर्थ बदल जाता है।
जैसे *Khana kha liya.*
Khana kha liya?

महान व्यक्ति भगवान से प्रार्थना करता है
कि मुझको समस्याओं का सामना करने की शक्ति देना।

जिन पर लुटा चुका था मैं दुनिया की दौलते
उन वारिशों ने मुझको कफन भी नाप के दिया।

मक्खी सारे खुबसुरत जिस्म को छोडकर
केवल जख्म पर ही बैठती है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जिन्दगी जीना आसान नहीं होता
बिना संघर्ष कोई महान नहीं होता
जब तक न पडे हथौडे की चोट
पत्थर भी भगवान नही होता ।

जो सपने देखने की हिम्मत रखते है
वो पूरी दुनिया जीत सकते हैं।

I pray every day God adds more
beauty to your beautiful Life.

No posion can kill a positive thinker
No medicine can cure a negative thinker.

Change yous signature to autograph.

अच्छा तो वही इंसान होता है
जो तब आपके साथ हो जब आपको उसकी जरूरत हो।

दोस्ती और प्यार हमेशा कीमत से नहीं
किस्मत से मिलते है।

यदि आप सच कहते है तो आपको कुछ
याद रखने की जरूरत नहीं है।

शुभ मित्र बनना ही चाहिये ।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

भगवान का संदेश है कि मेरे लिये कुछ
छोडने की जरूरत नहीं है जरूरत है
मुझसे जुडने की।

जीवन का निर्माण चिंतन, सोच, प्रवृति और
आचरण पर निर्भर करता है। व्यक्तित्व निर्माण मे
दो घटक होते है वातावरण व वंशानुगत व संकल्प ।

रात नही ख्वाब बदलता है
मंजिल नहीं कारवां बदलता है
जज्बा रखो जीतने का क्योंकि
किस्मत बदले न बदले पर वक्त जरूर बदलता है।

चट्टान कठोर है लेकिन चट्टान को तोडने का सामर्थ्य लोहे में हैं।
लोहे से ज्यादा प्रभावशील है अग्नि जो लोहे को गला देती है।
अग्नि से ज्यादा प्रभावशील है पानी
जो अग्नि को बुझाने का सामर्थ्य रखता है।
हवा पानी को भी उड़ा ले जाती है।
इन सबसे बडा है मनुष्य का संकल्प।

सत्य की अनुभूति सभी की व्यक्तिगत होती है
जो संस्कार परिस्थिति व वातावरण की भिन्नता के
कारण पृथक पृथक होती है।

जीवन में सफल व्यक्ति वह है जो दूसरे लोगो द्वारा
उसके ऊपर फेकी गई ईटो से एक मजबूत नीव बना लेता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Man made money but money made him
mad& Brilliant people do not make mistake
but mistakes make people brillant.

To create relation is as simple as to
write sand with sand on sand
While to maintain relation is as
difficult as to write water with water on water.

Self help is the best help
God helps those who help themselves.

जहां प्रेम है वहाँ धन और सफलता की कमी नहीं होती।

सामने हो मंजिल तो रास्ता ना मोडना
जो दिल में हो वो ख्वाब ना तोडना
हर कदम पर मिलेगी कामयाबी तुम्हे
बस इतना याद रखना कि कभी प्रार्थना करना ना छोडना
कभी भगवान को ना भूलना कभी अपनों को ना भूलना।

A Bad attitude is like a punture tyre
you cannot reach any where until you change it.

Khubsurti aur Shanti agar वो
आपके अंदर नही तो कही नही मिलेगी।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

वो कामयाबी ही क्या जो अपनो को भुला दे
और वो नाकामी ही क्या जो सारी उम्र के लिये रुला दे।

कोई हँसे तो हमारी वजह से हँसे
कोई रोये तो हमारे लिये रोये ।

कुदरत के नियमो से शिकायत मत करना
इन हसीन नजारो से खिलाफत ना करना
वो खुद ही बरसायेगा रहमत अपनी
बस वक्त से पहले पाने की शिकायत ना करना।

ईश्वर कहते है उदास ना हो मैं तेरे साथ हूँ
सामने नही आस पास हूँ। पलको को बंद कर
और दिल से याद कर मैं कोई और नहीं तेरा विश्वास हूँ।

Nothing depends on luck.
Everything depends on work.

लालची आदमी को भेंट देकर
कठोर आदमी को हाथ जोडकर
मुर्ख को सम्मान देकर
विद्वान को हाथ जोडकर संतुष्ट करना चाहिये।

अपने मित्रो को ध्यान से चुने।
हमारे व्यक्तिव की झलक न सिर्फ हमारी संगत से झलकती है
बल्कि जिस संगत से हम दूर रहते है उससे भी झलकती है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

व्यक्ति को हानि तब होती है
जब उसका मन उसे किसी गलत दिशा मे चलाने लगता है।

Life is measured by the number of faces
who smile when they think about you.

Take risks in your Life if you win
you can lead, If you looses you can guide.

गलती कबूल करने और गुनाह छोडने में कभी देर ना करना
क्योंकि सफर जितना लम्बा होगा
वापसी उतनी ही मुश्किल हो जाती है।

एक आदमी की एक दुकान पर जबरदस्त पिटाई हो गई
बताओ क्यूँ? दुकान ज्वेलरी की थी और वो सेल्स गर्ल्स से बोला
आपके एक–एक आइटम मस्त है, आज सोने का क्या भाव है?

Statutory waring
Marriage is injurious to your
financial and mental health.

जो खुशी दे थाम लो उसका दामन
जिन्दगी रो के नही हँस के गुजर जायेगी।

Morning is beautiful miracle of God
that defeats the darkness and
Spreads light.

www.jainbhajan.in Jeevan Saar 6

Every day may not be good but
there is something good in every day.

The only difference between a good day
and a bad day is your attitude.

Its not about who is real to your
face its about who stays real behind your back.

Mirror is my best friend
because when I cry it never Laughs.

I am me.

Money says carn me forget everything.
Time says follow me forget everything.
Future says struggle for me forget everything.
God says just remember me I will give you everything.

Accept your past without regreats.
handle your present with confidence.
Face your future without fear.

Always wrong person teach the
Right lessons of Life.

Bridge joins the people and wall divides the people.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जिओ इतना कि जिन्दगी कम पड़ जाये
हँसो इतना कि रोना मुशकिल हो जाये
किसी को पाना तो किस्मत की बात है
मगर चाहो इतना कि खुदा (खुद)
देने पर मजबूर हो जाये।

अफसोस और आने वाले कल की चिन्ता
हमारी आज की खुबसूरती को चुरा लेते हैं।

विश्वास एक बार चला गया तो फिर कभी नहीं मिलेगा ।

Cool mind and warm Heart.

अपनी औलाद का नसीब अपने हाथो से लिखो।

मुशकिल राहो में जब आसां सफर लगता है
वो हमारे माँ बाप की दुआओ का असर लगता है।

Let us travel atleast one step daily to
cover the distance Human being and Being human.

जिंदगी बडी अजीब होती है
कभी हार तो कमी जीत होती है
तमन्ना रखो समुद्र की गहराई को छुने की
क्योकि किनारो से तो बस जिंदगी शुरू होती है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

हमारे अंधकार से भरे क्षणो में ही हमें
उजाले पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिये।

Love Yourself. Do good. Always forgive.
Harm No one. Be positive.

जिन्दगी हँसाये याने अच्छे कर्मों का फल मिल रहा है
जिन्दगी रुलाये अच्छे कर्म करने का समय आ गया है।

मंजिल इन्सान के हौंसले आजमाती है
सपनो के परदे आँखो से हटाती है
किसी भी बात से हिम्मत ना हारना
ठोकर ही इंसान को चलना सिखाती है।

Every effort is not converted into success but
is true that success never comes without any efforts.

People who change after change will survive.
People who change with change will succeed.
People who cause the change will lead.

मुश्किल इस दुनिया में कुछ भी नही
फिर भी लोग अपने इरादे तोड देते है
अगर सच्चे दिल से माँगो कुछ
तो सितारे भी अपनी जगह छोड देते हैं।

जिदंगी में गम और कफन में सुख कितना है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

बहुत से जिन्दा मेंढको को खुले तौर पर
तराजू में तौलना सम्भव नहीं है।

जीवन में ऊचे उठते समय लोगो से सद्व्यवहार रखे
क्योकि यदि कभी आपको नीचे आना पड़ा तो
सामना इन्ही लोगो से होगा।

You can eather grow flower or you can grow weeds.

जिन्दगी तब बेहतरीन होती है
जबकि आप की वजह से लोग खुश होते हैं।

यदि अवसर का लाभ न उठाया जाए तो
योग्यता का कोई मूल्य नहीं होता।

Good behaviour does not have any monetary value but It has the power to purchase hearts of a million people.

कैची काटने का काम करती है और
सुई जोडने का काम करती है।
काटने वाले की जगह हमेशा नीचे होती है
परन्तु जोडने वाले की जगह हमेशा ऊपर होती है
यही कारण है कि सुई को टोपी पर
और कैंची को नीचे रखा जाता है।

आसमान जमीन पर रहकर ही छूना ।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

कुछ तो जीते है जन्नत की तमन्ना लेकर
कुछ तमन्नाएं जीना सीखा देती है
हम किस तमन्ना के सहारे जीऐ
यह जिन्दगी रोज एक तमन्ना बढ़ा देती है।

मेहनत लगती है सपनो को हकीकत बनाने में
हौसला लगता है बुलन्दियों को पाने में
अरसा लग जाता है जिंदगी बनाने मे
जिंदगी कम पड जाती है जिंदगी पाने में।

Facing the change can change everything

व्यक्ति की श्रद्धा नहीं तोडनी चाहिये।

Cigaritte and Tobacco
are Strictly prohibited here.

I am Gonna (going to) make the rest of my
Life the best of my life.

It is not about destination
It is about the Journey.

Success belongs only to those
Who are willing to work harder
than anyone else.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Don't put off until tomorrow
what you can get result from today.

Stop thinking of what could go wrong
and start thinking of what could right.

Think - idea - do - do again - and again -
Keep on doing - success

Imagin with all your mind
Believe with all your heart
Achieve with all your might.

A mistake which makes you humble
To better than an achievement that
makes you proud.

वक्त मुश्किल हो तो खुद पर भरोसा रखना ।

ख्वाहिशो से नही गिरते है फूल झोली में
कर्म की शाख को हिलाना होगा
कुछ नहीं होगा अंध कोसने से अंधेरे को
अपने हिस्से का दीया खुद को ही जलाना होगा।

Never change your originality for the sake of others.
Because no one can play your role better than you.
So be yourself. You are the best.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

दोस्ती बडी नही निभाने वाले बड़े होते हैं।

वक्त से लड कर जो अपना नसीन बदल दे
इंसान वही जो अपनी तकदीर बदल दे
कल क्या होगा कभी ना सोचो
क्या पता कल वक्त खुद अपनी तस्वीर बदल दे।

शास्त्र पढकर भी लोग मूर्ख है
यदि वे उसके अनुसार आवरण नहीं करते।

आज जो फल खा रहे है
उसके पौधे हमारे पूर्वजो ने लगाये थे।
ऐसे ही हमे भी यही सोचकर बीज रोपना चाहिये ।

हम पिछले अनुभवो से सीख लेकर
आगे के लिये अपनी व्यवस्थाओं में सुधार कर सकते है।

शादी हेमजल (ओस की बूंद से लड्डू बनाना) के
लड्डू के समान है।

बांसुरी से जो दुःखी है वो विरह की धुन बजाता है
जो सुखी है वो मधुर धुन बजाता है।

जिंदगी का इम्तीहान आसान नहीं होता
और बिना संघर्ष कोई महान नही होता ।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

व्यक्ति इतना बड़ा हो कि गलती मान ले
इतना होशियार हो कि उससे फायदा उठा ले
और इतना मजबूत हो कि गलती सुधार ले।

अतीत से सीखकर भविष्य को भापकर वर्तमान का
सदुपयोग ही आपकी सफलता को सुनिश्चत करेगा।

प्यार बहुतो से करो लेकिन विश्वास कम पर करो
और बेहतर होगा कि अपनी नाव स्वयं चलाओ।

कब्रिस्तान वैसे लोगो से भरे है जिन्होंने सोचा था कि
दुनिया का काम उनके बगैर नहीं चल सकता।

माँगो भले ज्यादा पर जो मिले उसका आदर करो।

ऊपर वाले से प्रार्थना करो परन्तु
नाव को किनारे की तरफ खेना भी जारी रखो।

कोमल शब्दो और कठोर तर्को का इस्तेमाल करो।

अगर मुस्कुराना पसंद न हो तो दुकान मत खोलो।

शिकायत करके समस्याओं से बचा नहीं जा सकता किन्तु
जिम्मेदारी उठाकर समस्याओं को कम जरूर किया जा सकता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Men to the Left because women are always right.
(L) Man
Woman (R)

चिन्ता करोगे तो भटक जाओगे
चिन्तन करोगे तो भटके हुए को रास्ता दिखाओगे।

किसी का सरल स्वमान उसकी कमजोरी नहीं होता है
संसार में पानी से सरल कुछ भी नही है
किन्तु उसका तेज बहाव बड़ी से बड़ी चट्टान के
टुकडे टुकडे कर देता है।

कर्म और भाग्य प्रकृति के दो वरदान है
हम समझदारी से दोनो पर टिके।

दिवंगत परिजनो की मधुर स्मृतियो को मन में रखते हुए
अपने कर्तव्यों का समुचित निर्वहन ही बुद्धिमानों को श्रेयस्कर है।

Good behaviour has the power to
purchase hearts of a millon people.

Sea asked to river How long will you
Keep entering in to my salty heart ?
River replied until you be come sweet.

Trust is like a paper.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

If you don't give your hundred percent in a relationship.
You will always keep doubting if the other
person has given his/her hundred percent.

एक मूर्ख जब तक समझदार दिखता है
जब तक वो मुँह ना खोले।

Every woman faces two major problems
when ever she opens her almari
No cloths to wear and no place to
keep the clothes.

अनुभव वो कंघी है जो जिन्दगी आप को तब देती है
जब आप गंजे हो जाते है।

Good days give you happiness.
Bad days give you experience.

A mountain is not higher than your
confidence because it will be your feet
If you reach the top.

आपने किसी से पुरानी गाडी खरीदी तो
वो आपके लिये तो नई है
लेकिन बेचने वाले के लिये पुरानी है।

अच्छी बातें तो बुरे लोग भी कर लेते हैं।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जीवन में उन लोगो का ध्यान रखना चाहिये
जिनकी वजह से अपना घर चल रहा है।

भैरु भील भगत और भोपा
यासे बनज करे सी ढोपा।

जो अच्छे होगे वो साथ देगे और
जो बुरे होगे वो सबक देंगे।

खुद से ज्यादा किसी पर विश्वास मत करना
क्योकि अंधेरे में तो परछाई भी साथ छोड जाती है।

कोई आलोचना करे तो आप बिलकुल शांत रहे।

बहुत कुछ पाने के लिये कुछ नया करने का जज्बा रखे ।

ऐसा बोलते है कि कुछ पाने के लिये कुछ खोना पडता है
लेकिन कुछ पाने के लिये कुछ करना पडता है।

जिन लोगों के पास अनेक खूबिया है
वे भीड में भी अलग दिखते है
इसलिये ढेरो खूबियो अपने में लाने का गौर करे।

जिन लोगों के पास पैसा होता है
उनकी खुशी औरो से ज्यादा होती है
वे जीवन में अधिक संतुष्ठ होते हैं।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

आपके पास जो कुछ भी है
उसके लिये आपको सदैव आभारी होना चाहिये।

अपने अतीत के साथ सामंजस्य बनाए रखे
ताकि यह वर्तमान को अव्यवस्थित न कर पाए ।

दूसरे लोग आपके बारे मे क्या सोचते हैं
इससे कोई मतलब न रखे ।

समय लगभग सभी जख्म भर देता है
अपने समय का इंतजार करे ।

दूसरो के जीवन से अपनी तुलना न करे ।

ज्यादा सोचना बंद करे।

समय आने पर आपको सब पता चल जायेगा।

आपकी खुशी को आपके अलावा कोई भी नहीं बदल सकता।

दृढ निश्चय वाले व्यक्ति कभी आसानी से हार नहीं मानते।

जब खराब दिन हो तो सारस की तरह समय पर
टकटकी लगाकर रखो तथा जब अच्छे दिन आए तो जाये
बाज की तरह झपट्टा मारो, उठो उडान भरो, बाज की तरह।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

हजार बार गिरने पर भी एक बार फिर उठो।

जब दुनिया हंसे या साथी साथ छोड़ दे,
जब आशाएं पूरी न हो तो भी निराश न हो।
आपकी आंतरिक शक्ति की परीक्षा तो तभी होगी।
जब आप शांत भाव से धैर्य का रास्ता अपनाकर
मन को एकाग्र कर चेहरे पर मुस्कुराहट लाकर
निरन्तर अपने संकल्प की पूर्ति में लगे रहिए।

A mountain is not highes than your
confidence because it will be under yous
feet if you reach the top.

लक्ष्य पर आधे रास्ते तक जाकर कभी वापस न लौटे
क्यूकि वापस लौटने में भी आधा रास्ता पार करना पड़ता है।

पुनः प्रयास करे एकदिन सफलता जरूर मिलेगी।

सन्यासी वह है जिसके ममत्व की मृत्यु हो गई।

अक्ल बादाम खाने से नही भचीड खाने से आती है।

Teaches to kid if you tell me where is God?
I will reward you Rs 100
Kid smiles and reply gently I will give you
Millions of you tell me where he is not.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

कभी समय हमारी मुस्कान भुला देती है
और कभी किसी की मुस्कान समय भुला देती है।

मुलाकाते जरूरी है अगर रिश्ते बचाना है।

Always handle feeling of every one with care.

पानी और वाणी को बचाकर उपयोग करना सीखो।

Great leaders show you how it is done.

Changes is a nature of Life
But challenge is a aim of Life.
Challenge the changes
not change the challenges.

Don't be so much emotional in yous Life it hurt
Don't get too much practical in Life it heart other.

खुश रहो और खुशियां बाँटो ।

Women are part of your Life.

हमारी उपलब्धियों में दूसरो का भी योगदान होता है
क्योकि समुन्दर में भले ही पानी अपार है
पर सच तो यही है कि वो नदियो को उधार देता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

समाज में चतुराई बढ़ रही है
और समझदारी घट रही है।

दिल के दरवाजे अंदर से खुलते है बाहर से नहीं।

उठे ऊंचा कोई कितना अम्बर हो नही सकता
बढ़ा ले आकार पर कतरा समन्दर हो नहीं सकता
दहकता दमकता, चमकता तन है कुन्दन सा
दुनियां में यूँ ही कोई दिगम्बर हो नही सकता।

Your best teacher is your Last mistake.

Adjustment is always better than argument
Meaning silence is better than meaningless word.

गुस्सा आना मर्द होने की निशानी है
मगर गुस्से को पी जाना शादीशुदा मर्द की निशानी है।

भरोसा वाईफाई की तरह होता है
यह दिखाई नही देता लेकिन यह सही वक्त पर
सही लोगो से आपको जोड देता है।

बुरे विचार उस हृदय में प्रवेश नहीं कर सकते
जिसके द्वार पर ईश्वरीय विचारो के पहरेदार खडे है।

गलती निकालने के लिये भेजा चाहिये
और गलती कबूल करने के लिये कलेजा चाहिये।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

शीर्यते इति शरीरं
जो क्षण क्षण क्षीण हो वह शरीर है।
शरीर को लाख संवारने का प्रयत्न करे वह संवर नहीं सकता।

प्यार दुलार ममता से तो हम जानवरो मे भी
अपनापन पैदा कर सकते है तो इन्सानो मे
विशेषकर अपने ही परिवार में क्यों नही।

अंगूर के पेड की डाली
रस भरे अंगुरो के बोझ से झुकी हुई मिलेगी।

यह असंभव है कि मुक्ति किसी दूसरे की सहायता से
प्राप्त की जा सके केवल्य तो केवल निज पुरुषार्थ से
ही मिलता है।

आपको सफलता चाहिये तो जो आपको अच्छा लगता है
वही करते चले जाइए सफलता सहज ही आपको मिल जायेगी।

वे लोग जिनके स्पष्ट लिखित लक्ष्य होते हैं
कम समय में दूसरे लोग जितना सोच भी नहीं सकते
उससे कही ज्यादा सफलता प्राप्त करते है।

विज्ञान और सुख को ठीक से समझकर जीवन में उतारा जाए।

Problem free Life never make good person.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

किसी भी परेशानी का समाधान अधिकार देने में हैं
हम अकेले इस दुनिया का हर काम नहीं कर सकते
लोगो को सशक्त बनाए और फिर अंतर देखे।

Life is challenge face it.

बहुत मुश्किल है खुद को हर्ट होके कहना मैं खुश है।

कुछ रिश्ते रब बनाता है और कुछ लोग बनाते है
पर कुछ लोग बिना रिश्ते के रिश्ता निभाते है
शायद वो ही दोस्त कहलाते है।

रिश्ते बनाना सरल है पर बना कर रखना बहुत मुश्किल है।

जरूरत तोड देती है इन्सां के गरूर को गालिब
न होती कोई मजबूरी तो हर बंदा खुदा होता।

कब साथ निभाते है लोग
आंसुओ की तरह बदल जाते है लोग
वो जमाना और था लोग रोते थे गैरो के लिये
आज तो अपनो को रुलाकर मुस्कराते है लोग।

जो साथ चलेगा उसे साथ लेकर चलेंगे
जो नहीं चलेगा उसे छोडकर चलेंगे
जो बाधा बनकर आयेगा उसे ठोक कर चलेंगे
चलना ही नियति है इसलिये चलेंगे।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

ईश्वर ने काँटो मे भी फूल खिलायें हैं।

Great people talk about ideas
Average people talk about things
Small people talk about other people.

A little progress every day adds upto big result.

It is important to create a heaven
before we leave (death).

Don't love the person who enjoys with you
Love the person who really suffers without you.

The pain of Love can never be defined.

मैं बचाता रहा दीमको से घर अपना
और चंद कुर्सी के कीडे पूरा मुल्क खा गए ।

रास्ता खूबसूरत है तो पता करो कि किस मंजिल को जाता है
लेकिन अगर मंजिल खूबसूरत है तो रास्ते की परवाह मत करो।

प्यार इंसान से करो उसकी आदत से नहीं
रूठो उनकी बातो से उनसे नहीं
भूलो उनकी गलतियो को उन्हें नहीं
क्योकि रिश्तो से बढकर कुछ भी नहीं।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Bridge joins the people and wall divides the people.

वक्त से पहले पाने की शिकायत मत करना ।

Patience with family is Love.
Patience with others is Respect.
Patience with self is confidence.
Patience with God is faith.

रत्नो में श्रेष्ठ चिंतामणि रत्न, वृक्ष में श्रेष्ठ कल्पवृक्ष,
गाय में श्रेष्ठ कामधेनु, रसायन में श्रेष्ठ अमृत ।

Control your self look for alternative
solutions delete the situation which you gives tension.

जिन्दगी पल पल ढलती है जैसे रेत मुट्ठी से फिसलती है
शिकवे कितने भी हो हर पल फिर भी हसते रहना
क्योकि ये जिन्दगी जैसी भी है बस एक ही बार मिलती है।

दुनिया को जीतने का हौसला रखो
एक हार से कोई फकीर और
एक जीत से कोई सिकन्दर नहीं बनता।

Appreciate every thing you have.

Money can not buy like manners morals and integrity.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

दुनिया में जो काम दवा से न हो
वह स्नेहपूर्ण वाणी और व्यवहार से हो जाता है।
इसलिये अपने दिल को सभी के प्रति स्नेह से भरपूर रखे।

अनेक अवसरों पर विनम्रता व सहनशीलता
सुधार का मार्ग बन जाते हैं।

झूठ से बचने का एक सीधा तरीका है कम बोले ।

आपकी प्रतिभा आपको ईश्वर का उपहार है
आप इसका क्या करते है
यह ईश्वर को आपका उपहार होगा।

अपने विवेक को अपना शिक्षक बनाओ।

Never be afraid of Hard work
always take it as a game.

जमाने में मिलते है आशिक कई
वतन से खुबसुरत कोई सनम नही मिलता
सोने में लिपट भरते हैं कई
तिरंगे से खुबसुरत कफन नहीं मिलता।

A.M. *Anti Meridian.*
P.M. *Post Meridian.*

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

1 Year	*Anniversary*
10 Year	*Decade*
25 Year	*Silver Jubilee*
50 Year	*Golden Jubilee*
75 Year	*Diamond Jubilee*
100 Year	*Centenary Jubilee*

Time is measured through the following facts.
It takes $365^{1}/_{4}$ days for the earth
to go Once ce round the sun.
It takes 24 hours (one day) for the earth to make
one full rotation on its axis.

जिसने निश्चय कर लिया उसके लिये
केवल करना शेष रह आता है।

तुझमें दूसरो की कमियाँ देखनी कि आदत ना होती
तो कितना अच्छा होता इंसान।

कोयल काली ना होती तो कितनी अच्छी होती
सागर खारा ना होता तो कितना अच्छा होता
गुलाब में काँटे ना होते तो कितना अच्छा होता ।

उम्र भर में ये ही भूल करता रहा
धूल चेहरे पर थी और आईना साफ करता रहा।

Life is too short enjoy it.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जिंदगी तो सिर्फ अपने ही कंधो पर जी जाती है
दूसरो के कंधे पर तो केवल जनाजे उठाए जाते हैं।

Save for retirement starting with
your first pay cheque.

Today is special.

(Rab) रब राजी तो सब राजी।

तस्वीर से तकदीर का पता नहीं चलता
वादो से सच्चाई का पता नही चलता
भरोसा करना पड़ता है इंसान पर
वरना अपनेपन का पता नहीं चलता।

Don't be a parrot in Life be an eagle
A parrot speaks but can't fly high
An Eagle is silent and has the
willpower to touch the sky.

काँटा न होता तो फूल की हिफाजत न होती
अंधेरा न होता तो रोशनी की जरूरत न होती
मिलती अगर हर खुशी तो
दिल की मुलाकात दर्द से ना होती।

शतरंज मतलब शादी – राजा केवल एक ही चाल सकता है
जबकि रानी को तमाम चाले चलने की छूट होती है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Strong relationships will remain forever
without any reasons.

Our glory in Life is not to fall but
to rise at every fall.

न जाने कैसे हजारो काँटो के बीच रहकर भी
ये फूल रोज मुस्कराता है।

स्वतंत्रता वह है जहां व्यक्ति वह करने के लिये स्वतंत्र हो
जो उसे करना चाहिये।

आजादी की कभी शाम नही होने देगें
शहीदों की कुर्बानी बदनाम नही होने देगे
बेची हो जो एक बूंद भी गरम लहू की
तब तक भारत माँ का आँचल नीलाम नही होने देंगे।

People want to see you doing well
but definitely not better there.

Walls only block the sides never the sky.

जिंदगी हर सुबह मेरी उम्र कम कर देती है।

The price of victory is high but so are the rewards.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Think thousand times before
taking a decision but never turn back
even if you get thousand difficulties
after taking a decision.

Always be positive and Hope for the best.

जिओ दिल से प्यार करो दिल से
वक्त वापिस नही आता ।

खाने में नमक हो या ना हो
खून में देश का नमक निश्चित रूप से होना चाहिये।

Pain is unavoidable but suffering is optional.

जिंदगी पल पल ढ़लती है
जैसे रेत मुट्ठी से फिसलती है
शिकवे कितने भी हो हँसते रहना
क्योकि ये जिंदगी जैसे भी है
बस एक बार ही मिलती है।

Your success is determined by what
You are willing to sacrifice for it.

Never hate those who are jealous of you.
But respect their jealousy because
they are the first who think that you are
better than them.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

मैं आज जो कुछ भी हूं उसका कारण है
वे निर्णय जो मैने कल किए थे।

खुशी को ऐसी चीज है जिस याद करे ।
खुशी को महसूस नहीं कर सकते ।

कुबेर भी यदि आय से अधिक व्यय करे तो
निर्धन हो जाता है।

दिल में रहने वाले सबसे खराब होते हैं
क्योंकि दिल पर कब्जा करते हैं
दिल कभी खाली नही करते
जब जाते हैं दिल तोड के जाते हैं।

पानी जैसा बनो जो अपना रास्ता खुद बनाता है।

खुबसुरती हमेशा देखने वाले के मन और नजरो में होती है
वरना गलती निकालने वाले को तो
ताजमहल में भी कमी नजर आती है।

जिंदगी से आप जो भी बेहतर से बेहतर ले सको ले लो
क्योंकि जिंदगी जब लेना शुरू करती है तो
सांसे भी नही छोडती।

अजनबी लोग कभी अपनो से भी ज्यादा प्यारे हो सकते है।

God is Like oxygen you can'not see
But you can'not live without him.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जब भक्ति भोजन मे मिलती तो प्रसाद बन जाता है
जब पानी में मिलती है तो चरणामृत बन जाता है
जब घर में मिलती है तो वह मंदिर बन जाता है
जब व्यक्ति में मिल जाती है तो वह भक्त बन जाता है।

संसार का प्रेम छोडे बिना प्रभु प्रेम से नही जुड़ता, प्रभु से बंधे रहने पर ही हमारा उर्ध्वगमन संभव है, पाप जन्मों–जन्मों तक मारता है, रबर बनकर दुसरो का दुख जरूर मिटाना, गलत आदत आदमी को गिराती है तू दूसरो के दुखो की दूर कर और खुद के दोषों को दूर कर, नींद और मौत में ज्यादा फर्क नहीं है क्योकि दोनो ही व्यक्ति को निष्क्रिय बना देती है, अतः इस मानव जन्म का सद्पयोग जरूर करना चाहिये खाने के लिए जीए वो संसारी और जीने के लिये खाए वो साधक।

जिंदगी एक स्वप्न बनकर रह गई।
महल की दीवार बनकर ढह गई।

जिस तरह सागर में लहरे बनती और बिगडती रहती है
वैसे ही आपके मस्तिष्क में विचार बनते और बिगडते रहते है
जो एक अदृश्य ऊर्जा उत्पन्न करते है।

सारे तनावो से राहत देता है संगीत ।

यू तो हवाओ का देखा है जमाने को बदलते
अब आया है वक्त हवाओं को बदलने का।

Money making is not everything in Life.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Every artist gives his own name to his work But there is no artist like a mother who gives birth to a child but gives father's name.

Life always offers you second chance It's called tomorrow.

जो पेड फल नही देता वह छाया जरूर देता है।

दुनिया से सब कुछ पाने के लिये प्यार ही काफी है।

रगड के बिना रत्न पर पॉलिश नहीं होती है और न ही कठिनाईयो के बिना मानव मे पूर्णता आती है।

शमशान और अस्पताल मे रायचंद (राय देने वाले) फोकट बहुत होते हैं।

चीजो को सही करना प्रबंधन है और सही कार्य करना नेतृत्व है।

चंदन की लकडी फूलो का हार
अगस्त का महीना सावज की फुहार
भैया की कलाई बहन का प्यार
मुबारक हो आपको रक्षाबंधन का त्यौहार ।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

We are living in such a world
where artificial lemon flavour is used
as welcome drink and real lamon
is used in finger bowl.

खाया पिया अंग लगेगा
दान किया संग लगेगा
बाकी बचा जंग लगेगा ।

Hat but love more
Argue but agree more
Talk but listen more
Punish but forgive more
After people will love you more.

रिश्ते ऐसे बनाओ कि जिसमे शब्द कम और समझ ज्यादा हो,
झगडे कम और बातचीत ज्यादा हो,
प्रमाण कम और प्रेम ज्यादा हो।

Treat everyone with beautiful attitude
even with those who are rude to you
not because they are rice but you are nice.

यादे मोहब्बत करने वालो से ज्यादा वफादार होती है
मोहब्बत करने वाले तो साथ छोड कर चले जाते है
पर यादे हमेशा साथ देती है।

दिल में जो भी बोया जाय पनपता बहुत है
चाहे वह प्यार हो या नफरत ।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

वात्सल्य पर्व रक्षाबंधन– जैन आगमः बलि राजा ने 700 मुनियों के चारो और अग्नि की बाढ लगा कर घोर उपसर्ग किया था, तब विष्णु कुमार मुनिराज ने धर्म की रक्षा के लिये अपने गुरू के आदेश से स्वयं की दीक्षा छेदकर अपनी विक्रिया रिद्धि के बल से वामन रूप धर कर राजा बलि से तीन डग जमीन की मांग की। राजा ने पहले तो वामन रूप का मजाक उड़ाया फिर राजा के तीन डग जमीन देना स्वीकार करने पर उन्होने विशाल रूप धर कर दो डग में ही सारी जमीन माप ली, तीसरा डग रखने की जगह नहीं बचने से, राजा द्वारा क्षमा मांगने पर राजा से मुनियो पर हो रहा उपसर्ग दूर करवाया फिर अपने गुरू आचार्य के पास जाकर पुनः दीक्षा धारण की श्रावको ने तभी से एक दूसरे को रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन मनाना प्रारंभ किया।

Love Life and enjoy with your near and dear ones.

Don't be serious be sincere.

दोस्त ही होते है दोस्तो के हमदर्द
कोई फरिश्ते साथ निभाने नहीं आते।

रिश्ते निभाओ सच्चे दिल से तो
वो रिश्ते जीने की वजह बन आते हैं।

खामोश चेहरे पर हजारो पहरे होते है
हँसती आंखो में भी जख्म गहरे होते हैं
जिनसे अक्सर रूठ जाते हैं हम
असल में उनसे ही रिश्ते गहरे होते हैं।

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

जीभ सुधर जाये तो जीवन सुधरने मे वक्त नहीं लगता ।

सोने के कितने ही टुकडे करे लेकिन कीमत कम नहीं होती।

खुशियां सबके पास है
बस एक की खुशी दुसरे का दर्द बन जाती है
यही दुःख का कारण है।

A desire changes nothing A decision changes something But a determination changes everything.

Be happy and spread happiness.

Be Balanced successful Life. Balance means ensuring your health, relation ship mental peace. are all in good order.

We are like a prepaid card with limited validity.

Try to maintain life in your relations.

Death and Life : Death is painful truth
But Life is beautiful Life.

---

3 stages of Life
Teen Age - Has time and energy But no money
Working Age - Has money energy But no time
old Age. Has money and Time But no energy.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

We are very good Lawyers for our mistakes
and very good judges for others mistakes.

Negative thinkess focus on
problems positive thinkers focus on result.

Life is all about a game of Cards
Choosing the Right cards is not in
our hand but playing well with the
available card determines ous success.

मजाक था (इसमें सच छुपा रहता है)
मुझे कोई फर्क नही पडता (इसमे फीलिंग महसूस छुपा रहता है)
Its ok (दर्द छुपा होता है)
मुझे अकेला छोड दो (जरूरत छुपी होती है)
पत्ता नही (इसमे गहरी बात छुपी होती है)
खामोश (बातो का समुन्दर छुपा होता है)

Be yourself you are the best.

To get and to give
creates many problems but
for get and for give
Solves many problems.

विश्वास दिलाया नहीं जाता
आवरण और व्यवहार से उत्पन्न किया जाता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

बस मुस्कुरा दो।

सोच को अपनी ले जाओ शिखर तक
कि उसके आगे सितारे झुक जाएं
न बनाओ अपने सफर को किसी कश्ती का मोहताज
चलो इस शान से कि तूफान भी झुक जाए।

जेल में बंद एक कैदी वोट नही दे सकता
जबकि दूसरा कैदी चुनाव लड़ सकता है
उसे मौलिक अधिकार कहते हैं।

मुस्कराहट – मसलो को हल करने के लिये
खामोशी – मसलो से दूर रहने के लिये ।

Be a good person but don't waste time to prove it.

Differences between God and Human is
God - Gives - Gives and Forgives
Human - gets - gets and forgets.

सुंदर व्यक्तियो को अपनी छवि को आइने में
इस तरह अनुभव करके देखना चाहिये कि उनके
विचार वाणी और कर्म उतने ही सुंदर हो
जितना उनका शरीर हो ।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

सबसे ज्यादा आप शब्द का उसके बाद हम शब्द का
और सबसे कम मैं शब्द का उपयोग करना चाहियें।

आत्मनिरीक्षण आत्मविश्लेषण और आत्मपरीक्षण की प्रक्रिया के चलते जब हम अपने कार्यों विचारो और संकल्पो का मूल्याकंन करना सीख जाते है तो यह जीवन की बहुत बड़ी उपलब्धि है।

पढ़ना, सीखना दिमाग के लिये भी अच्छा है।

दूसरे करे न करे आपको खुद पर विश्वास होना जरूरी है।

उन लोगो के साथ रहे जो आपको समझते हैं
जिनको यह पता है कि आप किन चुनौतियों से जूझ रहे है।

आपकी सारी कोशिशे सभी प्रयास
आपके मकसद के लिये ही होना चाहिए
दूसरे भ्रमित करे ऐसे हालात न बनने दे।

A wrong decision can double our experience
and a correet decision can double our confidence.

Mirrors don't Lie and shadows neves Leave.

Success is the good fortune that comes from
aspiration, desperation, preispratior and inspiration.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Making everyone happy is not in our hands but
being happy with everyone is definitely in our hands.

एक की खुशी दुसरे का दर्द बन जाती है।

बुरा करने के लिये ताकत चाहिये
बाकी दुनिया मे पाने के लिये तो प्यार ही काफी है।

Life always offers you second chance Tomorrow.

पेड फल नही देता हो
लेकिन छाया जरूर देता है।

जो कभी ना रूठे ऐसे दोस्त की जरूरत है मुझे।

Successful people don't relax on chair
They feel relaxed with their work.
They sleep with their dreams and
wake up with a commitment.

Worrying doesnot reduce yesterday
sorrows but it empties today's strenght.

Be happy forever.

Stay hungry stay foolish.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

एक चम्मच दही पूरे दूध को बदलने की सामर्थ्य रखता है।

Always say
I miss you
Just take it
Do this for me
I live for you
Any time for you
Have you Good day.

A fantastic sentence written on every japanese
bus stop only buses will stop here not your time
so keep walking towards your goal.

जुनून – आपसे वो करवाता है जो आप नहीं कर सकते
हौसला – आपसे वो करवाता है जो आप करना चाहते हैं
अनुभव – आपसे वो करवाता है जो आपको करना चाहिये।

आपको कौन मिलता है यह समय तय करता है
आप उनमे से किसका साथ चाहते है यह आप तय करते है
और उनमें से कौन आपके साथ रहता है
यह आपका व्यवहार तय करता है।

वारिस–पारस, वंश–अंश, आन–शान,
तन–मन, मान–गुमान, संस्कार–संस्कृति,
देवा–दुआ, भाग्य–विधाता, शब्द–अर्थ,
गीत–संगीत, प्रेम–पूजा, (बेटा–बेटी के लिये)

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

हुस्न ना मांग दोस्त नसीब मांग ए दोस्त
हुस्न वाले तो अक्सर नसीब वालो के गुलाम हुआ करते हैं।

Three things you cannot recover in life
The word after its said, the moment
after its missed and the time after it's gone.

हर रिश्ता नाजुक समझौता होता है।

ना कर तमन्ना तू किसी को पाने की
बडी बेदर्द निगाह है इस जमाने की
खुद को बना ले काबिल इस कदर
कि रखे ले लोग तमन्ना तुझे पाने की ।

दोस्ती करना आसान है निभाना मुश्किल
प्यार करना आसान है पाना मुश्किल
भरोसा तोडना आसान करना मुश्किल
याद करना आसान भूलाना मुश्किल
झूठ कहना आसान सच कहना मुश्किल
रुलाना आसान हँसाना मुश्किल।

आस्था वह है जिसे हमारी आँख नहीं देख पाती।

अहम की अकड ज्यादा चल नहीं सकती
मौत की घड़ी कभी टल नहीं सकती
लूटकर दौलत भले ही जमा कर दो
पाप की कमाई कभी फल नही सकती।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Speak in such a way that others love to listen to you and Listen in such a way that others love to speak to.

गुस्सा यानि किसी दुसरे की गल्ती की सजा खुद को देना।

प्यार सोना है और दोस्त हीरा सोना टूट टूट कर
दुबारा बन सकता है मगर हीरा नहीं।

जहा मतलब होता है वहां प्यार नहीं होता।

राधा और कृष्ण निस्वार्थ प्रेम की प्रतिमूर्ति है।

Presence of mind always matters, so be active.

दो तरह से चीज देखने में छोटी नजर आती है
दूर से व गरूर से।

क्रोध से शारीरिक मानसिक एवं आत्मिक तीनो स्तर पर स्वास्थ्य बिगड जाता है। क्रोध प्रीति का नाश करता है। क्रोध ऐसी अग्नि है जो स्वयं को भी जलाती है तथा दूसरो को भी जलाती है।

क्रोध के क्षण को टालना, दस मिनट धैर्य रखना. मौन हो जाना, स्थान छोड देना, ठंडा पानी पीना, नमस्कार मंत्र जपना, क्रोध से बचने की सदैव सजगता रखना (क्रोध से बचने के उपाय)।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

अपने दोषो को समझे तथा फिर उनसे दूर होने के लिये
सजगतापूर्वक प्रबल पुरुषार्थ करे ।

सीमीत वार्तालाप करे, प्रेमपूर्वक व्यवहार करे।

बीमारी से बचने के लिये रात्रि भोजन छोडना जरूरी है।

अन्तरंग में सहज सरलता होती है वहाँ धर्म टिकता है।

सोना *(Gold)* जब घर आ गया
सोना हुआ हराम ।

आप कमाया कर्मडा किणणे दीजे दोष ।

संसार परिबलो के बल को सीमीत समझकर आत्म बल का सहारा लेने वाले आगम बल से बलवान बनने वाले आग्रह को नहीं गुण ग्रहण को जीवन का ध्येय बनाने वाले सत्याग्रही नही सत्यग्राही बनने वाले, रत्नाधिक मुनि पुंगव के चरणों में भाव भरा वन्दन कोटि कोटि वन्दन।

काम भोग प्यारा लगे फल किंपाक समान
मीटी खाज खुजाता (खुजावता) पीछे दुख की खान ।

जो काम प्रेम भरे शब्दो से पूरा हो सकता है उसके लिये तैश क्यों खाया जाए। अपने मातहत को, बेटे को, बहू को, नौकर को तभी डांटे जब इसके अलावा कोई रास्ता ही न रहे।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

एक बार एक जन्मान्ध व्यक्ति था। वह परकोटे के अन्दर दीवार के सहारे चक्कर लगा रहा था । उस परकोटे से बाहर निकलने के लिये एक ही दरवाजा था। वह जैसे ही दरवाजे पर पहुंचता उसके शरीर मे खुजली चलने लगती चाहे उसका कर्म कहो, चाहे उसका दुर्भाग्य समझो, ज्योहि दरवाजा आता खुजली चल जाती । भोगो का नाम खुजली है। वह व्यक्ति परकोटे के अन्दर चक्कर लगा रहा था जैसे ही दरवाजा आने लगता शरीर मे खुजली होने के कारण हाथ को दीवार से हटाकर खुजली करने लग जाता उसके पैर तो चल रहे थे लेकिन हाथ दीवार से दूर हो जाते उस खुजलाहट से उसे सुख की अनुभूति होती है। खुजली करने में आनन्द नही आता सुखानुभूति होती है। इसी तरह संसार के भोग भोगने में थोडी देर सुखानुभूति होती है। क्षण मात्र के सुख के लिये बहुत काल तक दुख भोगने पड़ते हैं जैसे उस जन्मान्ध व्यक्ति के ज्योहि दरवाजा आता है खुजली–चल जाती है और परकोटे का दरवाजा खुजली करने के कारण छूट जाता है।

अमुनि सदा सोते हैं और मुनि सदा जागते हैं। अमुनि से तात्पर्य सांसारिक मनुष्यो से हैं। मुनि वे होते हैं जो मुक्ति और ज्ञान की साधना में सदा चिन्तन मनन करते रहते है एवं सजग रहते है। आहार, मैथून, और निद्रा इन जैविक आवश्यकताओ पर विजय प्राप्त करके जिन बन जाते हैं।

सुखिया सब संसार है खावे अरू सोवै
दुखिया दास कबीर है जागे अरू रोवे।

कभी न जूठा छोडना रखना इसका ध्यान
नही करे मूल्यवान भोजन का अपमान ।

मनुष्य का परम सौभाग्य है कि उसे परिवार मिला है। परिवार का सौभाग्य न इन्द्र को न ही तिर्यच गति और न ही नरक गति को मिला है। केवल मनुष्य के पास है।

www.nirmalgangwal.in
Jeevan Saar 6

It is easy to be good but it takes
Lifetime to be come human.

जो रास्ते बनाये वही इंसान है।

प्यार इंसान से करो उसकी आदत से नही
रूठो उनकी बातो से उनसे नही
भूलो उनकी गलतियो को उनको नही (उन्हें नही)
क्योंकि अपनो से बढकर इस दुनिया में कोई नही।

Our behavious attitude and character
make friend or enomy.

आपके जीवन में अंधकार नजर आये तो समझ लीजियेगा कि ईश्वर आपके भविष्य कि सुन्दर सी तस्वीर का निर्माण कर रहा है।

बात बनती है दिल से, दिल बनता है दोस्ती से,
दोस्ती बनती है प्यार से, प्यार बनता है परिवार से,
परिवार बनता है घर से, और घर बनता है अपनो से।

Family, Father And Mother I Love You.

जिंदगी की उलझनो ने हमारी शरारते कम कर दी है
और लोग कहते हैं हम समझदार हो गए।

स्वयं से प्रेम करो।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

एक बीज बढ़ते हुए कभी कोई आवाज नही करता
मगर पेड जब गिरता है तो जबरदस्त शोर के साथ।
अतः विनाश में शोर है सृजन हमेशा
मौन रहकर समृद्धि पाता है।

हवा के साथ उड गये घर इस परिंदे का
कैसे बना था घोसला वो तूफान क्या जाने।

प्राथमिकता निश्चत करे, तय करे कि आपके लिए क्या अधिक महत्वपूर्ण है। लक्ष्यो को कागज पर लिखे उन्हें रोज पढे । योजनाओ को मूर्त रूप देने का समय निश्चित करे एवं उसके लिये कार्य करे। सफल व्यक्तियो की जीवनियां पढे । जिन्होंने उपलब्धियां पाई है उनसे परामर्श ले । सदा श्रेष्ठता की कामना करे । समझौता न करे। जीवन मे सदा बेहतरी का लक्ष्य रखे। दूसरो की भूलो से सबक ले। लक्ष्यो पर एक्राग रहे तभी उसे पा सकते हैं। प्यार भरे शब्दो पत्रो उपहारों व अमूल्य समय द्वारा दूसरो को उनकी अहमियत का एहसास कराएं। अनुभव बटोरने है तो अधिक से अधिक यात्रा करे। प्रतिदिन कुछ नया सीखे। जीवन में तीव्रता लाने की चुनौती ले। सदा दक्ष रहे।

Walk on your path
Love in your own way
Talk your own words
Do what your heart says
And then one day the word will say
it is your day.

Always keep faith to make everything possible.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Past is experience
Present experiment
Future is expectation
Use your experience
in your experiment to
get your expectation.

हमने भी जिंदगी के कई रंग देखे है
कमी धूप कमी छांव कमी बारिशों के संग देखे है
और जैसे जैसे मौसम बदला लोगो के बदलते रंग देखें
ये उन दिनो की बात है जब हम मायूस हो जाया करते थे
अपनी मायूसी का गीत लोगो के सामने गाया करते थे
कमी कभी तो जज्बात में आंसू भी बहाया करते थे
परन्तु अक्सर लोग हमारे आंसूओ को देखकर हंसी उडाया करते थे
अचानक जीवन ने नया मोड लिया
और हमने अपनी परेशानियों को बताना ही छोड दिया
अब तो दूसरो की जिंदगी में भी हंसी का बीज बो देते हैं।
और खुद को अगर रोना भी पडे तो हँसते हँसते रो देते हैं।

Death is not the greatest loss in life.
Loss As when life dies inside you while you are alive.

Be strong always.

Mistake is a singal page of Life but
relation is a complete book.
So don't lose a full book for a singal page.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

दो तरह से चीज देखने में छोटी नजर आती है
एक दूर से दूसरा गरूर से।

Always take extra care in Life
trust, promise and relationship.

A G ऐ जी *Abe Gadhe*
O G ओजी *Oye Gadhe.*

फैसला, फासले से बेहतर होता है।

हास्य, विनोद व सहिष्णुता सिखाता है।

हम जैसे ही सरल होते है,
परमात्मा हमारे भीतर आकर बैठ जाता है।

दूसरो के लिये त्याग की पराकाष्ठा पर जाने वाले महान होते हैं।

What is a teacher
A teacher is someone who teaches you the finer aspects of Life. someone who encourages you to share your gifts and talents wisely and inspires you to value truth above approval and friendship over power, wealth and fame. A leacher is someone who helps you find happiness in simple pleasures and to see the rainbow and not the falling rain. A teacher is Someone who encourages you to live each day to your potential and find good in everything you see and grooms you into the person only you were meant to be.

www.jainbhajan.in
Jeevan Sar 6

आप जो अपने पीछे छोड़ जाते है वह पत्थर के स्मारको पर नही बल्कि दूसरो के जीवन की यादो में बसा होता है।

आप जीवन के किसी न किसी क्षेत्र में कुछ बडा
करने के लिए पैदा हुए है।

एक ही जगह परवरिश पाती है –	फूल कांटा खुशबु
हर एक को मिलती है–	खुशी गम मौत
हर एक की अलग अलग होती है –	सूरत सीरत किस्मत
कभी छोटा न समझे –	मर्ज फर्ज कर्ज
कभी ना ठुकराओ –	दावत तोहफा मशवरा
इनको अपनाओ –	सब्र शुर्क रिजक एहलाल
हमेशा याद रखो –	नसीहत अहसान मौत
पाक रखो –	जिस्म लिबास ख्यालात
हासिल करो –	ईलम अकल हुनर
काबु मे रखे –	जुबान गुस्सा नफ्स
तैयार रहो –	ईज्जत हक वतन
साथ रखे –	ईमान नेकी सच्चाई

मुश्किल हालात से कह दो हमसे न उलझे
हमने हर हाल में जीने की कसम खाई है।

यदि आप एक मेंढक को उबलते पानी में डालोगे तो वह अपनी सुरक्षा के लिये कूद कर निकल जायेगा। यदि आप मेंढक को पानी में रखे और फिर उस पानी का तापमान धीरे धीरे बढ़ाये तो मेंढक उसका आदी हो जायेगा और उसका पता नही चलेगा की पानी का तापमान खतरे से ऊंचा हो गया है और वह खत्म हो आयेगा। हम भी ऐसे ही है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Don't tell the Lord how big the problem is, tell the problem how great the Lord is.

It is purely our choice to be glass or steel.

जीने की सबसे बडी कला
आप भला तो जग भला।

किसी ने वक्त गुजारने के लिये अपना बनाया
तो किसी ने अपना बनाकर वक्त गुजार लिया।

न रहो खुद उदास न किसी को रहने दो।

जो सफर इख्तियार करते है
वही मंजिल को पार करते है
बस एक बार चलने का हौंसला तो रखिये
ऐसे मुसाफिरो का तो रस्ते भी इंतजार करते हैं।

जीवन को सरल बनाने के लिये शिक्षा की जरूरत है
डिग्री की नही। हमारी डिग्री तो है सेवा भाव, नम्रता और सरलता ।

रिश्ते धर्म व राष्ट्रीयता से पहले हम इंसान है
और इंसानियत का पालन करके ही हम
ईश्वर की सर्वोतम कृति होने का दावा कर सकते है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

आप जो उत्तम कार्य कर रहे है उन्हें दूसरों में उतारे ।
आपके काम के पीछे आपका जीवन बोलना चाहिये
तब आपके जीवन के पीछे आपका काम बोलेगा।

Comments can make a person
comments can break a person
So be careful while giving
comments for Some one.

गम जब हमारा सुनने को कोई ना मिला
तो रख सर सजदे में और रब को सुना दिया।

Indian republic is founded with
four fold objective of securing its
Citizen Justice Liberty equality and Fraternity.

इंसान सुनता आधा है समझता चौथाई है
सोचता शून्य है और प्रतिक्रिया दुगनी देता है।

Your attempt may fail but neves fail to
make an attempt.

पीने को तो जहर भी पानी की तरह पीया जा सकता है
लेकिन इसका मतलब ये तो नही की उसे पीया ही जाये।

Keep the faith and drop the fear.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

खाना मुंह से बाद में खाया जाता है
पहले आंखो से खाया जाता है
इसलिये खाना परोसने का तरीका अच्छा होना चाहिये।

I am a blind Please help
And Today is a beautiful day and
I cannot see it. Both are same meaning.
First sign simply said the boy was blind
but the second sign told people they were so lucky
that they were not blind- second sign was more effective.

एक दूसरे के बारे में बोलने के बजाय
एक दूसरे से बोलना सीख जाए।

Kindly be informed. Please note.
For your kind information. Kindly get acquainted.

So be thankful for what you have be
creative be innovative think differently and positively.
Invite others towards good with wisdom Live Life with no excuse.
and love with no regreats. When life gives you a 100 reasons to
cry show life that you have 1000 reasons to smile.

Face you past without regreat.
Handle yous present with confidence.
Prepare for the future without fear.

The most beautiful thing is to see a person smiling.
and even more beautiful is knowing that you are
the reason behind.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Life has to be an incessant process of repair and reconstruction of discarding evil and developing goodness in the journey of Life. if you want to travel without fear you must have the ticket of a good conscience.

True love is not loving a perfect person but loving an imperfect person perfectly.

Life is an echo all comes back the good the bad the false and the true.
So give the world the best you have and the best will come back to you.

Breathing therapy -
The nose has a left and a right side we use to inhale and exhale. The right side represents the sun. left side represents the moon. During a headache try to Close your right nose and use your left nose to breath. Your headache will be gone in five minute. If you feel tired Just reverse close your left nose and breath through your right nose. Right side belongs to hot so it gets heated up easily left side belongs to cold.

दोस्तो साथ देना तो उम्र भर का देना
दो पल का साथ तो कंधा देने वाले भी दिया करते है।

इतनी शक्ति हमे देना दाता
मन का विश्वास कमजोर होना
हम चले नेक रस्ते पे हमसे
भूलकर भी कोई भूल हो ना ।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

झूठ से जो पाता है वह पाना नही खोना है
और सत्य से जो खोता है वह खोना नही पाना है।

Drink More wates :

- Drinking two glasses of water in the morning helps activate internal organs.

- Drinking one glass of water before a meal will help in digestion.

- Drinking one glass of water before taking a shower helps prevent high blood pressure.

- Drinking a glass of water before bed helps prevent strokes or heart attacks.

वक्त नही
हर खुशी है, लोगो के दामन में पर एक हंसी के लिये वक्त नहीं।
दिन रात दौड़ती दुनिया में जिंदगी के लिये वक्त नहीं।
सारे रिश्तो को तो हम मार चुके अब उन्हें दफनाने का भी वक्त नहीं।
सारे नाम मोबाइल में है पर दोस्ती के लिये वक्त नहीं।
गैरो की क्या बात करे जब अपनो के लिये ही वक्त नहीं।
आंखों में नींद भरी पर सोने का वक्त नहीं।
दिल है गमो से भरा हुआ पर रोने का भी वक्त नहीं।
पैसो की दौड में ऐसे दौडे की थकने का भी वक्त नहीं।
पराये अहसानो की क्या कद्र करे जब अपने सपनों के लिये वक्त नहीं।
तू ही बता ऐ जिंदगी इस जिंदगी का क्या होगा
की हर पल मरने वालो को जीने के लिये भी वक्त नहीं।

स्वयं को कमजोर साबित मत होने दे क्योकि
डूबते सूरज को देखकर लोग घरो के दरवाजे
बंद करने लगते है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

अनावश्यक रूप से जल्दबाजी न करे।

It is important to create a heaven before we leave.

Realationship is silent gift of nature.

जीना जब हर हाल में है तो मुस्करा के जीने में क्या नुकसान है।

Neves think about the third person
and never think what the third person
thinks about you.

Life is game of time.

नजर से उस नजर को मत देखो
जो नजर आपको नजर अंदाज करती हो।

बंद मुट्ठी लाख की और खुली मुट्ठी खाक की।

अपने बारे में दृढ रहे कि मैं कुछ भी कर सकता हूँ।
हमेशा आशावादी विचारों को मन में स्थान दे।
मै जो भी लक्ष्य तय करुँगा उसे प्राप्त करके रहूंगा।
मै शक्तिशाली हूँ योग्य हूँ और आत्मविश्वास से भरा हूँ।
संसार में ऐसा कोई काम नही जिसे मैं नही कर सकता।
अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिये लगातार अभ्यास करे।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

होके मायूस ना यू शाम की तरह ढलते रहिये
जिंदगी एक भोर है सूरज कि तरह निकलते रहिये
ठहरोगे एक पांव पर तो थक जाओगे
धीरे धीरे ही सही मगर राह पर चलते रहिये।

निंदक नियरे राखिये आंगन कुटि छवाय ।

नया मुल्ला बांग भी ज्यादा देता है।

मनुष्य चिंतन से सुखी और चिंता से दुखी होता है।

चारित्रहीन ज्ञान जीवन का बोझ है।

धर्म पंथ नही पथ देता है।

शमशान में मुर्दे आपस में नही बोलते ।

लंगोट और कफन में जेब नहीं होती।

If you are not up to date with tachnology trends.
It is better keep your mouth shut and let people talk.

Do not value the things you have in your life.
But value who you have in your life.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Take the time to live.

Happiness is not some thing you find
It is something you create.

Throw away any hatred for anyone from yours
heart so that you will not carry since for a life time.

Forgiving others is the best attitude.

Good days give you happiness
Bad days give you experience
Worst (worst) days give you a lesson.

हम जितना पढेंगे उतनी ही हमें हमारी अज्ञानता नजर आयेगी।

बुजुर्ग है अनुभव की खान इनको दे आदर और सम्मान।

महान ध्येय का मौन में ही सृजन होता है।

A	*B*	*C*	*D*	*E*
A			*Attack*	
B			*Blood Presure*	
C			*Canser*	
D			*Diebities / Depreation*	
E			*End of Life.*	

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

दया का हृदय में उदय होना
कोहिनूर को शरीर पर धारण करने से भी मूल्यवान है।

जीवन उदाहरण प्रदान होना चाहिये।

हम जो है वो माता पिता की देन है
पर हम जो बनेगे वो माता पिता को हमारी देन होगी।

Never ask for a huge Just take it
Never ask Do you miss me Say I miss you
Never ask can you help one Say Do this for me
Never Say I cannot Live without you Say I live for you.
Never Say thank you.
Sorry Please instead Say any time for you.

प्यार हर किसी से नहीं होता
और विश्वास हर किसी पर नहीं होता।

Never win over some one with argument
but kill them with your silence.

पानी बैठ कर पीना चाहिये
दूध खड़े होकर पीना चाहिये ।

70% दर्दो में एक ग्लास गर्म पानी
पेन किलर से भी तेज काम करता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

तेज पंखे के नीचे या ए.सी. मे सोने से मोटापा बढ़ता है।

भैंस का दूध पीने योग्य नही होता बुद्धि का नाश करता है।

Be like a postage stamp stick to one thing
until you reach the destination.

When you need advice everybody is ready to help
But when you need help everybody gives you only advice.

पाप के प्रति ग्लानि भाव आना चाहिये।
यत्नाचार पूर्वक खाओ यत्नाचार पूर्वक बोलो।

हम विचार करते है अपने स्वभाव के अनुसार,
बोलते है नियमो के अनुसार,
किंतु हम काम करते है रीति रिवाज के अनुसार।

बोलते समय शब्द हृदय से निकले।

जिंदगी में लगातार सीखते रहना वाहिये ।
सीखने का कभी अंत नही होता
न तो किसी काम में और न ही किसी पद पर पहुंचकर,
अगर आप अपने आपको अपग्रेड करते रहते हैं तो
आपकी तरक्की भी लगातार होती रहेगी।

कमी संतुष्ट मत बनो अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहो।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

नीचे देखे तीन गुण, पड़ी वस्तु मिल जाय
ठोकर भी लागे नही, जीव जन्तु बच जाय ।

दिन में कुछ देर मौन रहे।

त्यौहार में लड्डू खाये जाते हैं
और पर्व में लड्डू चढ़ाये जाते हैं।

चर्चा और चर्या में अंतर होता है
अरे वो मानव नही मानव के रूप में व्यन्तर होता है।

अपना कद घटाले तो गेरू की महफिल में दाखिल हो जायेगा।

Well done is better than well said.

तन का इलाज डाक्टर कर सकता है
लेकिन मन का इलाज सत्संग या संतो के चरणों में होता है।

मालिक जो दे दे करले कबूल
कभी कभी कांटे में भी फूल खिलते हैं।

उम्मीद ऐसी हो जो मंजिल तक ले जाये
मंजिल ऐसी हो जो जीना सिखलाये
जीना ऐसा हो जो रिश्तो की कदर करे
रिश्ते ऐसे हो जो याद करने को मजबूर करे।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

कुछ वस्त्र छोड निर्ग्रन्थ बने निर्ग्रन्थ स्वरूप न पहिचाना
इससे आगे न निकल सके समता सुख क्या है ना जाना।

जिनका परम पावन चरित्र जल निधि सभान अपार है
जिनके गुणों के कथन में हम सब न पावे पार है
बस वीतराग विज्ञान ही जिनके कथन का सार है
उन वीतरागी गुरुवर को वंदना शत शत बार है।

दिमाग में अगर प्रिण्टर होता तो
ख्यालो का प्रिण्ट आऊट निकाल लेता,
मन में अगर ब्ल्यूटुथ होता तो भावनाओ को ट्रासफर कर लेता,
दिल अगर सीपीयू होता तो सबकी यादो को सेव कर लेता,
घड़कन अगर पेनड्राइव होती तो जिन्दगी का बैक अप ले लेता,
काश जिंदगी एक कम्प्यूटर होती तो बचपन रिस्टार्ट कर लेता।

चारित्र को संभालना अति आवश्यक है।

सांसारिक आकांक्षा जहां पर समाप्त होती है
वही से सन्यास प्रारम्भ होता है।

सन्त तो वह ही है जो शास्त्रो के अनुसार आचरण करे
और उपदेश दे।

वे गुरु मेरे उर बसो जो भव जलधि जिहाज
आप तीरे और तारहि ऐसे श्री ऋषिराज ।

जैन व्रताचरण भोगो से निवृति के लिये है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

त्यागी की शोभा त्याग में है आडम्बर वैभव और भोगो में नहीं।

भोग बुरे भव रोग बढ़ावै बैरी है जग जीके
बेरस होय विपाक समय अति सेवन लागै नीके
वज्र अगनि विष से विषधर से ये अधिके दुखदाई
धर्म रतन के चोर चपल अति दुर्गति पंथ सहाई।

तृणमात्र भी परिग्रह नही बस वही आंकिचन व्रत है।

तीर्थेश के वेष मे भिखारी जैसी प्रवृति करना
मुनि मुद्राधारी को शोभा नहीं देता।

साधु के लिये ज्ञानोपकरण और संयमोपकरण के अलावा
ऐसी कोई वस्तु नहीं देना चाहिये
जिससे धर्म एवं साधु का अपलाप हो।

जैन धर्म चमत्कारवादी धर्म नही है। उसकी जड अध्यात्मवाद है।
जो लोग सम्पति अथवा सांसारिक कार्यों की सिद्धि के लिये चमत्कार
के पीछे लगते है वे जैनधर्म का मर्म कभी नही समझ सकते।
ऐसा करने वाले गुरु व भक्ति करने वाले लोग भी
जैनधर्म के मर्म से दूर रहेंगे।

अच्छा बुरा तो हमारे कर्मानुसार होता है।

अपने गुरु यदि हीन चारित्र हो गये है
तो उनकी वन्दना न करे।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

विवेक के बिना मनुष्य पग पग पर ठगाया ही जाता है।

गाय घास डालने वाले को नही देखती सिर्फ घास को ही देखती है
उसी प्रकार मुनि भी आहार दाता के रूप रंग और पैसे को नही देखते
मात्र भोजन की शुद्धता और सात्विकता को देखते हैं।

पर को रिझाने की कोशिश में अपना कही पराया न हो जाये।

अगर धर्मात्मा बनना है तो भीड से मुक्त होना पड़ेगा।

रे हंसा चल उस पार उससे ही होगा तेरा बेडापार
गर चाहिये मुक्ति का द्वार तो मत कर भीड बेकार।

अहो धन्य ये सन्त । धन्य आज का दिन कि मेरे आंगन मे मोक्षमार्गी मुनिराज पधारे। आज तो जीता जागता मोक्ष मार्ग मेरे आंगन मे आया। अहो! धन्य यह मोक्षमार्गा अहो। रत्नत्रय को साधने वाले इन मुनि के शरीर की अनुकूलता रहे ऐसा आहार औषध देऊ जिससे ये रत्नत्रय को निर्विघ्न साधे।

सूर्य पूर्व से उदित होता था पश्चिम में अस्त होता था
यही बात आज भी है अग्नि उष्ण थी जो आज भी उष्ण है।
जल शीतल था सो आज भी शीतल है।
पुत्र की उत्पति स्त्री से होती थी आज भी वही बात है।
गाय से बछड़ा पहले होता था यही नियम आज भी है।
अतः यह कहना कि जमाना बदल गया है ठीक नही है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

शब्द ही नही चरित्र भी बोलता है।

आचरण की पवित्रता ही विचारो की पवित्रता है।

स्वयं की जीवन में त्याग और सादगी उतारना ही
दूसरो को त्याग और सादगी का उपदेश देना है।

पण्डिताई माथे चढ़ी पूर्व जन्म का पाप
औरो को उपदेश दे कोरे रह गए आप।

फूटी आँख विवेक की लखे न सत– असत
साथ में भीड अरु संग उसका नाम महंत ।

बानिया बामण सेवकडा जात जात न गाले
कायस्थ कूंकर कागला जात जात न पाले।

नर में नाई, पखेरू में काग, पानी में कछुआ तीनो दगाबाज।

अगर आप अपने काम से प्यार करते है तो
यह आपको आश्चर्यजनक नतीजे देगा इसमे कोई शक नहीं।

व्यक्ति से सीमा में समय पर तरीके से क्रोधित होना
सभी के बस की बात नही।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

फुर्सत नहीं घर से मंदिर तक इंसान को आने की
और ख्वाहिश श्मशान से स्वर्ग तक जाने की।

Small positive thought can change your whole day.

Full stop is not an end because we can
write a new sentence after it
same way in life failure is not
the real end but It can be the real
start of Success.

A candle loses nothing of its light by lighting
another candle you are one shining candle.

Don't see others doing better than you
Beat your own records everyday.
Because success is a fight between you and yourself.

Never choose anyone without complete
undesstanding and never love anyone
because of a small misunderstanding.

गुजरी हुई जिंदगी को कभी याद ना कर,
तकदीर में जो लिखा है उसकी फरियाद ना कर,
जो होगा वो होकर रहेगा तू कल की फिक्र में,
अपनी आज की हँसी बरबाद ना कर ।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

हंस मरते हुये भी गाता है और मोर नाचते हुवे भी रोता है।
ये जिंदगी का फंडा है दोस्त दुखो वाली रात नींद नही आती
और खुशी वाली रात कौन सोता है।

अपने आस पास छोटे मोटे बदलाव करते रहे
क्योकि पहला परिवर्तन सुखद अनुभव देते हैं
दुसरा परिवर्तनों की आदत रहती है
इससे हर बदलाव को स्वीकार करने का सलीका आ जाता है।

बहाने नहीं, पहल बताइये ।

आप जब कामयाबी की बुलंदियों पर होते है
तो लोगो को भूल जाते है
और जब बर्बादी की कगार पर होते है तो
लोग आपको भूल जाते हैं।

देख कर सीखे

घडी – समय मत गंवाओ
समुद्र – विशाल दिल रखो
चीटी – निरन्तर कर्म करते रहो
वृक्ष – परोपकारी बनो
धरती – सहनशील बनो
सूर्य – निरन्तरता बनाए रखो
गुलाब – कांटो (दु:खो) में भी खुश रहो
दीपक – दूसरो की रोशन करो
कोयल – मीठा बोलो
कुत्ता – वफादार बनो ।

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

जब भी दुख आता है कुछ न कुछ सिखा देता है।

कुछ जरूरते पूरी कुछ ख्वाहिशे अधूरी
इन्ही सवालो का जबाब है जिन्दगी ।

परिस्थिति विपरीत होती है तब स्वभाव और सम्बन्ध काम आते है
प्रभाव और पैसा नही।

एक मिनट में जिन्दगी नहीं बदलती पर एक मिनट सोच कर लिया हुआ
फैसला पूरी जिन्दगी बदल देता है।

मनुष्य अपनी गलत वाणी के कारण ही कई दुख और कष्ट भोगता है
अतः अपनी वाणी पर नियन्त्रण रखने का अभ्यास बहुत आवश्यक है।

बडे नादान है वो लोग जो इस दौर में भी वफा की उम्मीद रखते है।
यहाँ तो दुआ कबुल ना हो तो लोग भगवान बदल देते हैं।

Eyes express the real feeling better than touch
Touch shows the care better than words But Words
when used properly can catch the eyes and touch the heart.

मनुष्य गलती बड़ी से बडी करके सजा छोटी से छोटी चाहता है,
सेवा थोडी से थोडी करके फल ज्यादा से ज्यादा चाहता है।

Every day may not be good
But there is something good in every day.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Choosen between turing the page and Closing the book.

The only difference between a good day
and a bad day is your attitude.

It is not about who is real to your face
It is about who stays real behind your back.

Yesterday is the history tomorrow is
mistry today is gift lats enjoy.

Money says carn me forget everything
Time says follow me forget everything
Future says struggle for me forget everything
God says just remember me I will give you everything.

जो बदल सकते है उसे बदले
जो नही बदल सकते उसे स्वीकार करे।

पत्थरों के मंदिर गिरते है तो फिर बन जाते हैं
पर आस्थाओं के मंदिर दुबारा नहीं बन सकते।

मनुष्य के भीतर जो कुछ सर्वोत्तम है
उसका विकास प्रशंसा और प्रोत्साहन द्वारा किया जा सकता है।

चिंता करोगे तो भटक जाओगे,
चिन्तन करोगे तो भटके हुए को राह दिखाओगे।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

दूसरो को सुनाने के लिए अपनी आवाज ऊंची मत करे
बल्कि अपना व्यक्तिव इतना ऊंचा बनाएं कि
लोग स्वयं आपको सुनना चाहे ।

परिंदो को मंजिल मिलेगी यकीनन
ये फैले हुए उनके पर बोलते है
वो लोग खामोश रहते है
अक्सर जमाने में जिनके हुनर बोलते हैं।

अगर पाना है मंजिल तो अपना रहनुमा खुद बनो
वो अकसर भटक जाते है जिन्हे सहारा मिल जाता है।

दुनिया में रहने की सबसे अच्छी दो जगह
या तो किसी के दिल में
या किसी की दुआओं में।

फर्क होता है खुदा और फकीर में
फर्क होता है किस्मत और लकीर में
अगर कुछ चाहो और ना मिले
तो समझ लेना कि कुछ और अच्छा लिखा है तकदीर में।

हर पल में प्यार है हर लम्हे में खुशी
खो दो तो यादे है जी लो तो जिन्दगी।

मत सोचो कि जिंदगी में कितने पल है
यह देखो कि हर पल में कितनी जिंदगी है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

वक्त सभी को मिलता है जिंदगी बदलने के लिये
पर जिन्दगी दुबारा नहीं मिलती वक्त बदलने के लिये।

हर अश्क समर्पण का सहारा नही होता
हर दर्द से जिन्दगी का गुजारा नहीं होता
ऐसे में लगता है क्या खाक जिए हम
जिस रोज भगवान दर्शन तुम्हारा नहीं होता।

जिक्र आपका हम दिन रात करते है
बडे नाज से हम आपकी बात करते है
कुछ ना कुछ दे ही देते है आप
जब भी आगे हम इनके हाथ करते हैं।

कबसे भटके फिरे भवपार अगर मिल जाए
हम भी तर जाए तेरा साथ अगर मिल जाए
ये तो दरिया है समन्दर भी पार कर लेंगे
प्रभु/गुरु के आशीश की पतवार अगर मिल जाए।

मैं जब भी तेज चलता हूँ नजारे टूट जाते है
कोई जब रूप गढ़ता हूँ तो साँचे टूट जाते है
मै रोता हूँ तो आकर लोग कंधा थपथपाते है
मै हँसता हूँ तो अक्सर लोग मुझसे रूठ जाते है।

Very few people are rich by heart.

Success is a fight between you and yourself.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

मिलते रहोगे तो जिंदा रहेगें।

Our eyes are very small but they are big enough to see very big dreams and also fulfill them.

People who dont have hands also have future so belive in your god and yourself.

Hope is the only bee that makes hony without flowers.

रिश्ते अहसास से होते है खून से नही।

A soft nature of person does not mean weakness. Remembes nothing is soften than water but it is force can break the strangest of rock.

आपको तकदीर की नही तकदीर को आपकी जरूरत है।

दोस्ती और प्यार किस्मत से मिलते है।

Working to win is Genius

Have a nice day या *Make a nice day.*

हाथो में दोस्त का हाथ हो तो
हाथो में लकीरो की भी जरूरत नहीं होती।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Happy wife Happy Life.

सब कुछ त्याग कर प्राणी मात्र की रक्षा करे।

समय पर उठाए सही कदम
सदैव बडा और अच्छा सोचे
जो काम मन को भाए वही करे
जीवन को संतुलित बनाना सीखे
असफलता से घबराना नही
कर्मठ बने
विवाद से दूर रहे
हमेशा अपने अंतर्मन की सुने
नए विचारों और योजनाओ से डरे नहीं
सफल होने की क्षमता पर विश्वास बनाए रखे
निराशा को मन से दूर रखे।

Best work is Hard work
Best stand is under stand
Best age is colleage
Best day is today
Best end is friend
Best life is with wife.

A true relationship is when you can
tell each other anything and everything.

No secrets and no lies.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Always take some meaning ful risks in
Life to achieve great pleasure.

रे बाणिया तने कोई नही जाणिया ।

अगर पाना है मंजिल को अपना रहनुमा खुद बन
वो अवसर भटक गये जिन्हें सहारा मिल गया।

चर्चा की नहीं चर्या की
वाचन की नही पाचन की
उच्चारण की नहीं उच्च आचरण की
साधुओ की नही साधना की बात करती है।

सभी लोगो का,
हर दिन दिव्य हो,
हर रात्रि रम्य हो,
हर सप्ताह सात्विक हो,
हर पक्ष पवित्र हो,
हर माह महिमावंत हो,
हर वर्ष वैभवशाली हो ।

पद पर रहता है वह भूत पूर्व होता है
अतः सिद्ध पद को स्वीकार कर।

चालीस की उम्र जवानी का बुढापा है
और पचास की उम्र बुढ़ापे की जवानी है।

खुद वो बदलाव बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

काम की धुन, प्रबल इच्छा शक्ति, असीम धैर्य,
कष्ट सहने और संघर्ष की क्षमता इससे मिलती हैं सफलता ।

यदि स्वयं की सोच में थोडा बदलाव ले आएंगे
थोडे ज्यादा सक्रिय और जागरूक हो जायेगे
तो आन वाले तमाम दिन विशेष हो जायेगे।

अपनी वृद्धावस्था पर अफसोस मत कीजिए
यह सौभाग्य हर किसी को नही मिलता।

वृद्धावस्था – खुद की मर्जी से कुछ करने का समय अब आया है तो क्यो न जिए जी भर के।

बुजुर्गियत यानी उम्र और अनुभव से मिली समझदारी का दौर । इस समझदारी का इस्तेमाल जीवन को खुशहाल बनाने में करे ।

रिटायरमेन्ट के बाद भी काम न छोडे,
मजाकिया व खुशी से भरपूर बने,
अशाब्दिक संकेतों को समझना सीखे,
बोलने से पहले सोचे,
सेहतमंद रहेगे तो आत्मनिर्भर रहेगे,
सेहत चाहिये तो सही खाइए।

पचास बरस के पार भी चुस्त दुरुस्त रहना है
तो नियमित व्यायाम करते रहे, हल्की फुल्की वर्जिश
शरीर को सक्रिय और सेहतमंद बनाए रखने में मददगार होगी
सेहत सुधारे वर्जिश ।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

बुढ़ापे की तैयारी किशोरावस्था से ही शुरू हो जानी चाहिये।

बुढा होना किसी बुरी आदत से ज्यादा कुछ नही और व्यस्त आदमी के पास इस बुरी आदत के लिये वक्त नहीं होता।

सफल लोग कभी सीखना नहीं छोडते,
कभी अनजान रस्तो पर चलने से नही डरते,
वे अपने सिद्वान्तों से कभी समझौता नहीं करते।

माता पिता इस धरती पर प्रत्यक्ष ईश्वर है।

A bolloon flaying high up in the sky. It is not what is out side
But what is inside that takes you to the top.

Force can make everything possible in the world.

The real art of conversation is not only
to say the right thing at the right time
But also to leave the wrong thing unsaid
at the most tempting moments.

दसवी फ्लोर पर चढ़ने के लिये
दसवी फ्लोर पर चढ़ने जितना साहस और परिश्रम चाहेगा इसलिये जितना बड़ा कार्य उतना बडा परिश्रम होना चाहिये।

तकदीर के खेल से निराश मत होना
जिंदगी में कभी उदास नहीं होना ।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

हाथों की लकीरो पे यकीन मत करना
तकदीर तो उनकी भी होती है जिनके हाथ नहीं होते।

Never think you are nothing
Never think you are every thing
But always think you are something
who can achieve.

The best thing about your enemy is that
He tells the truth about you.

Spend your time to those who love you
unconditionally not with those
who love you only when the condition is right for them.

अगर लोग केवल जरूरत पर आपको याद करते हैं,
तो बुरा मत मानिये बल्कि गर्व कीजिये क्योकि
एक मोमबती की याद तब आती है, जब अंधकार होता है।

Read Twice Act wise.

आगे पीछे चलने वाले पैर को मालूम है कि
यह स्थिति पल भर में बदलने वाली है
इसी को जिन्दगी कहते है।

मेहनत की फसल आप ही काटेंगे, सदैव ऐसा नहीं होता।
हम आम खाते है पर पेड हमने नही लगाए थे।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

You do today not tomorrow.

Look back and thank God
Look forward an trust God.

Worry is a total waste of time.

God closes doors no man can open and
God opens doors no man can Close.

देह का अहंकार गलाने के लिये होते है पवित्र दिन।

प्रयास करना चाहिए कि उतेजना के क्षणों में धैर्य रखा जाय
और शांति से स्थिति को संभाला जाए।

क्या पता कल वक्त खुद अपनी तस्वीर बदल दे।

पानी से तस्वीर कहाँ बनती है
ख्वाबो से तकदीर कहाँ बनती है
किसी भी रिश्ते को सच्चे दिल से निभाओ
क्योकि ये जिंदगी फिर वापस कहाँ मिलती है
कौन किसी से चाह कर दूर होता है
हर कोई अपने हालातो से मजबूर होता है
हम तो बस इतना जानते है
हर रिश्ता मोती और हर दोस्त कोहिनूर होता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

राड से बाड़ भली ।

काम करो या ना करो काम की फिक्र जरूर करो
फिक्र करो या ना करो पर उसका जिक्र जरूर क्यो।

करीब इतना रहो कि रिश्तो में प्यार रहे
दूर भी इतना रहो कि आने का इंतजार रहे
रखो उम्मीद रिश्तो के दरमियान इतनी कि
टूट जाये उम्मीद मगर रिश्ते बरकरार रहे।

Eat your food as as your medicines otherwise you have to eat medicines as your food.

क्रोध का अपना पूरा खानदान है इसकी बहन है जिद, यह हमेशा साथ रहती है। पत्नी है हिंसा पीछे रहती है, लेकिन आवाज सुनकर बाहर आ जाती है। बडे भाई अहंकार, क्रोध का बाप भय इससे डरता है। निंदा और चुगली क्रोध की बेटियाँ है एक मुंह के पास व एक कान के पास रहती है। बैर बेटा है। ईर्ष्या बहु है। पोती है घृणा, यह हमेशा नाक के पास रहती है। उपेक्षा क्रोध की माँ है।

मन ऐसा रखो कि किसी को बुरा ना लगे
दिल ऐसा रखो कि किसी को दुखी ना करे
स्पर्श ऐसा रखो कि किसी को दर्द ना है
रिश्ता ऐसा रखो कि उसका अंत ना हो।

Hope is the one of Gods greatest gifts to us
It inspires us to keep trying, learning, loving and living.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Do not count what you have lost just see what you have now because past never comes back but some times future can give you back your.

अंधेरे पर उजाले का प्रतीक है दीपक ।

मुश्किल कोई आन पड़े तो घबराने से क्या होगा
जीने की तरकीब निकालो मर जाने से क्या होगा।

हम परो से नही होंसलो से उड़ा करते है।

आपने क्या कमाया उस पर कभी घमंड ना करना क्योकि
शतरंज की पारी खत्म होने के बाद राजा और मोहरे
एक ही डिब्बे में रख दिये जाते है।

अहम की अकड ज्यादा चल नहीं सकती
मौत की घड़ी कभी टल नहीं सकती
लूटकर दौलत भले ही जमा कर लो
पाप की कमाई कभी फल नहीं सकती।

सलाह एक से माँगो हजारो से मिलती है
सहयोग हजारो से मांगो एक से मिलता है।

How to celebrate pain then life becomes beautiful.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

हजारो ऐब है मुझमे नहीं कोई हुनर बेशक
मेरी खामी को तू खूबी में तब्दील कर देना
मेरी हस्ती है एक खारे समंदर सी मेरे मौला
तू अपनी रहमतो से इसको मीठी झील कर देना।

रुपया और वैश्या की एक ही संज्ञा दी है,
दोनो सभी के काम में आती है।

End, effort never dies
No, next opportunity.

चाल मे चमार बतो
तोल मे बतो बाणियो
नजर में सुनार बतो
सबसे बतो काणोयो ।

विश्वास और प्रेम जबरदस्ती पैदा नही किये जा सकते।

हमारे विचार काम और शब्द एक न एक दिन
हम तक यथावत लौट आते हैं।

तकनीक का इस्तेमाल न सिर्फ कार्यकुशलता बढ़ाने के लिये
बल्कि पारदर्शिता लाने के लिये भी होना चाहिये।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

हंस पानी में मिले केवल दूध को पी लेता है व पानी छोड़ देता है।

सत्संग एक ऐसा पुल है जिसके माध्यम से
दोनो किनारे एक होने को तैयार रहते है।

Every woman - पहनने को कपडे नही
और रखने को जगह नहीं।

Life and people are also different
Appear different and behave
absolutly different.

लोग जलते रहे मेरी मुस्कान पर
मैने दर्द की अपने नुमाईश न की
जब जहाँ जो मिला अपना लिया
जो न मिला उसकी ख्वाहिश न की।

सिंहनी सिर्फ एक बच्चा पैदा करती है।
बेचारी कुतियां दस दस पुत्रो को साथ लेकर –चलती है
फिर भी वह दर दर मार खाती है।

कबीर कुआँ एक है पानी भरे अनेक
बर्तन ही में भेद है पानी सब में एक।

खुशियाँ ही मिले सब को हमारी वजह से।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

हम दूसरो की मदद करे तो हमारा क्या होगा
सोच की बजाय हमें खुद से पूछना होगा कि
यदि हम उनकी मदद न करे तो उनका क्या होगा।

सफल आदमी दूसरो की मदद के लिये मौके खोजता है
विफल आदमी पूछता है इसमें मुझे क्या मिलेगा।

दुनिया बहुत कष्ट सहती है बुरे लोगो की हिंसा के कारण नहीं
बल्कि अच्छे लोगो के मौन के कारण।

ना जाने कौन मेरे हक में दुआ पढ़ता है
डूबता भी हूँ तो समन्दर उछाल देता है।

आज संतो की तो भीड़ बढ रही है किन्तु
उनके स्वयं के मन गृहस्थो से अधिक चंचल हो गये है।

सन्त अनुभूति में जीते है और पण्डित शब्दो में
दूसरो को वही जगा सकता है जो स्वयं जगा हुआ हो।

मृत्यु के अनिष्ट को टालने की शक्ति शक्तिशाली पुण्य में भी नहीं है
फिर मृत्यु से घबराना क्यो ?

जीना भी मस्ती से
मरना भी मस्ती से ।

किसी का सरल स्वभाव उसकी कमजोरी नहीं होती।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

तारीखियो में कुछ ऐसे भी मंजर गुजरे है
लम्हों ने खता की है और सदियों ने सजा पाई है।

दिमाग में मनी और जीवन मे दुश्मनी कष्टदायक होते हैं।

We are nothing without each other.

If egg is broken by outside force life ends
If broken by inside force life begins
Great things always begin from inside.

दुआ मांगी थी आशियाने की
चल पड़ी आंधिया जमाने की
मेरे गम को कोई समझ न पाया
क्योकि मेरी आदत थी मुस्कराने की।

सोचा था छुपा लेंगे गम अपना
कमबख्त आंखो ने ही बगावत कर दी।

मै अकेला हूँ अकेला ही आया हूँ अकेला ही जाऊँगा
अकेले में अकेले होकर अकेलो को याद करना धर्म है।

जो पसंद है हासिल करना सीख लो
जो हासिल है उसे पसंद करना सीख लो।

The purpose of religion is to control yourself not to criticize other.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

How much am I doing about my anger
attachment- hatred, pride and jealousy
These are things which we must check in our daily lives.

जो चाहा कमी पाया नही जो पाया कभी सोचा नही
जो सोचा कभी मिला नही जो मिला रास आया नही
जो खोया वो याद आता है पर जो पाया संभाला जाता नही
क्यो अजीब सी पहली है जिन्दगी जिसको कोई सुलझा पाता नही।

जीवन में कभी समझौता करना पडे तो कोई बड़ी बात नहीं है
क्योकि झुकता वही है जिसमे जान होती है
अकड तो मुरदे की पहचान होती है।

जिन्दगी जीना आसान नही होता
बिना संघर्ष कोई महान नहीं होता
जब तक न पडे हथोडे की चोट पत्थर भी भगवान नहीं होता ।

जो हर हाल में खुश रहते है
जिन्दगी उनके आगे सर झुकाती है।

चेहरे की हंसी से हर गम चुराओ
बहुत कुछ बोलो पर कुछ ना छुपाओ
खुद ना रूठो कभी पर सबको मनाओ
राज है ये जिन्दगी का बस जीते चले आओ।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जहां याद ना आए वो तन्हाई किस काम की
बिगडे रिश्ते ना बने तो खुदाई किस काम की
बेशक अपनी मंजिल तक जाना है
पर जहां से अपने ना दिखे वो ऊंचाई किस काम की।

Winners are not people who never fail
but people who never quit.

जिंदगी को बदल जाने में कभी भी वक्त नही लगता
कभी कभी वक्त बदल जाने में पूरी जिंदगी लग जाती है।

आवारगी (आवार्गीदी) छोड़ दी हमने तो लोग भूलने लगे है
वरना शोहरत कदम चूमती थी जब हम बदनाम हुआ करते थे।

रूपये पर गांधी जी फोटो– प्रतिक्रिया
अहिंसा के पुजारी का फोटो हिंसा का सबसे बडा कारण।

दोस्तो से दूर रहकर ये हकीकत मालूम होती है।
कि बेशक वो नालायक है लेकिन रौनक उन्ही से होती है।

मस्तक नमाकर देखिए अभिमान भर जाएगा
आंखे झुकाकर देखिए पत्थर दिल पिघल जायेगा
दाँतो को आराम देकर देखिए स्वास्थ्य सुधर जायेगा
हाथों को काम देकर देखिए चहुँ ओर उजियारा पसर जायेगा
जिव्हा पर विराम (लगाम) लगाकर देखिए क्लेश का कारवां गुजर जायेगा
इच्छाओं को घटाकर देखिए खुशियों का संसार नजर आयेगा।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

वो इंसान कुछ भी कर सकता है
जिसके पास खोने के लिये कुछ ना हो
और जो हर तरह से सम्पन्न हो।

बदलता मौसम और बदलते लोग बहुत तकलीफ देते हैं।

क्या हो गई है तासीर जमाने की,
अपने तो है पर अपनापन गायब है।

Life is very complicated Don't try to find answers because when you find answess life changes the questions.

खाओ, खिलाओ, रिश्ते बनाओ।

ना खायेगा, ना पीयेगा, सालो साल जियेगा।

जीओ, जी भर के ।

जीवन का मूल्याकंन इस बात से होता है कि
आपका नाम सुनते ही कितने चेहरों पर खुशी आ जाती है।

Marriage - Man loses his bachelor degree and a woman gains her masters.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

School where parents pay and children play.

विलासिता चुपके से मेहमान की तरह आती है,
फिर मेजबान बनती है और अंततः मालिक बनकर सवार हो जाती है।

If you have a food clothes and a roof
You are riches than 75% of the entire world.

If you have money and cargo any where
you want you are among the 18% of the world wealthy people.

Bill Gates never did Laxmi pooja but he is the richest man.
Einstein never did Saraswati pooja but he was very intelligent.
Belive in work not in luck.

Alexander's last words - Bury my body and keep my hands outside so that the world knows The Man who won the world had nothing in hands when he left.

Throw yous past in to the dustbin
Keep the present on working Table
Display your future on the Notice board.

People are not difficult they are think different.

Dont think that time will change our life.
Time will changes the expiry dates of the opportunities.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Very few people are rich by heart.

We don't try then we ensure failure.
So always be try.

कामयाब व्यक्ति अपने चेहरे पर दो ही चीजे रखते है
मुस्कुराहट और खामोशी ।

गले में चैन है पर जिन्दगी में चैन नहीं है।

गले में सोने की चैन है पर रात मे सोने के लिये बैचेन है।

आदमी रहता एसी में है पर दिमाग हीटर है।

दीदार की तलब हो तो नजरे जमाये रखना गालिब
क्यूंकि नकाब हो या नसीब सरकता जरूर है।

जिंदगी गुजर जाती है इम्तिहानो के दौर से
एक जख्म भरता है तो दूसरा तैयार मिलता है।

डर गया वो मर गया इस जंग में यारो
जो लड़ता है उसके कदमो में जहान होता है।

A small dot can stop a big sentence
But few more dots can give a continuity.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Men ← to the left because
Women → are always right.

People talk behind your back for three reason
when they can't reach your level.
When they Don't have what you have
When they try to copy your Life style but can't.

If you born poor Its not your mistake
But if you die poor Its your mistake.

Born with personality is an accident
But dying in a personality is an achievement.

Your birth may be normal
But your death should be history.

Follow none. But learn from every one.

Practice like a devil and play like an angle.

Do or die is an old concept.
Do it before die is a new concept.

Like all trust few.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

चेता चूक्या हाड़क्या टूट्या।

अपशद्ध आकाश की और फेके गये पत्थर के समान है
जो लौटकर उसी पर गिरता है जिसने उसे फैंका था।

Our talk may not always work but
our work will always talk.

Second time you make mistake.
It is not a mistake Its a choice.

जिनके पांवो के तले हमारी गर्दन दबी है
उनके पांव सहलाना ही सार है।

रोशनी फैलाने के दो तरीके है
या तो मोमबती बन जाइए या आइना।

Time is like a river you cannot touch the same water twice because the flow that have passed will never pass again.

झूठ दिलासे से स्पष्ट इनकार ज्यादा बेहतर है।

खुश होने पर वादा मत करो
गुस्सा आने पर जवाब मत दो
दुखी होने पर फैसला मत लो।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

रत्नो से भरा रहने पर भी समुद्र मद में चूर नहीं होता।

हमारे पास भी ज्ञान रूपी घट है
किंतु काम क्रोध लोभ मोह जैसे बडे बडे छेद होने के कारण
हमे शांति व संतोष नही मिल पाते।

Too much can hurt.

दुनिया से सहारा क्या लेना
तेरा एक सहारा काफी है
देखू तो क्या देखू भगवन
तेरा एक नजारा काफी है।

सन्ध्या का दीपक चन्द्रमा है दिन का दीपक सूर्य है
तीनो लोक का दीपक धर्म है और अच्छी संतान कुल का दीपक है
अर्थात पूरे कुल को प्रकाशित करता है।

अच्छा वक्त अच्छा इंसान नहीं ला सकता।

Every day Every where Every time.

ज्यादा कामयाब होने के लिये अच्छे शत्रुओं की आवश्यकता होती है।

पारदर्शिता के अभाव में अविश्वास पैदा होता है और
अविश्वास से असुरक्षा का गहरा अहसास।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

भोजन और शयन को हमने क्रिया मान लिया है
जबकि यह जीवन की प्रतिछाया है।

आस पराई जो करे होता ही मर जाय ।

लोभी का धन, लापड (घर–बार) खावे,
या बचे सरकारा जावे ।

कोई रोके दिल बहलाता है
कोई हंस कर दर्द छुपाता है
क्या करामात है कुदरत का
जिंदा इंसान पानी में डूब जाता है और
मुर्दा तैर कर दिखाता है।

हर बात का कोई जबाब नहीं होता
हर इशक का नाम खराब नही होता
यू तो झूम लेते हैं नशे में पीने वाले
मगर हर नशे का नाम शराब नहीं होता।

खामोश चेहरे पर हजारो पहरे होते हैं
हसती आँखो मे भी जख्म गहरे होते हैं
जिनसे अक्सर रूठ जाते है हम
असल में उनसे ही रिश्ते गहरे होते हैं।

फितरत सोच और हालात में फर्क है।
वरना इंसान कैसा भी हो दिल का बुरा नहीं होता ।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

किसी ने खुदा से दुआ मांगी
दुआ में उसने खुद की मौत मांगी
खुदा ने कहा मौत तो तुझे दे दू मगर
उससे क्या कहूँ जिसने तेरी जिदगी की दुआ मांगी।

हर इंसान का दिल बुरा नहीं होता
हर एक इंसान बेवफा नहीं होता
बुझ जाते है दिये कभी तेल की कमी से
हर बार कसूर हवा का नही होता।

कभी नजरे मिलाने मे जमाने बीत जाते हैं
कभी नजरे चुराने मे जमाने बीत जाते है
किसी ने आंख भी खोली तो सोने की नगरी में
किसी को घर बनाने में जमाने बीत जाते है
कभी काली राते हमे इक पल की लगती है
कभी इक पल बिताने में जमाने बीत जाते है
कभी खोला दखाजा सामने मंजिल खडी थी
कभी मंजिल को पाने मे जमाने बीत जाते हैं
एक पल में टूट जाते है उमर भर के वो रिश्ते
जो बनाने में जमाने बीत जाते हैं।

कोई कितना करीब है, ये तो वक्त ही बताता है।

प्रत्येक कार्य अपने समय से ही होता है
जैसे पेड मे कितना ही पानी डाला जाये
पर फल वह अपने समय से ही देता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जहां न जावे रवि वहां जावे कवि
और जहां न जावे कवि वहां पहुंचे अनुभवी।

प्रभु मुझे ऐसी शक्ति दो कि मै डरे होने पर भी खुद का सामना करने में समर्थ होऊं हार में भी दृढ़ और गौरवान्वित हो साथ ही जीत मे नम्र और सौम्य बना रहूँ मुझे ऐसी राह मत दिखाना जो सरल हो बल्कि मुझे तनाव और कष्टों की चुनौती भरी राह से गुजरने देना, मुझे तूफान मे खडे रहना सीखाना और जो हार गए है उनके प्रति संवेदना रखना भी। मुझे ऐसा बनाना मेरा मन साफ हो और लक्ष्य ऊंचे जो अपने भविष्य की ऊंचाइयों तक पहुंचे और अतीत की जमीन को न छोड़े । मुझे विनयशील बनाना जिससे मैं महानता में छुपी सादगी को समझ सकू, सच्ची बौद्धिकता में छुपे खुलेपन को जाने और विनम्रता की असली ताकत को समझे ।

सफलता उन्हें हासिल होती है
जो वक्त और हालात पर रोया नही करते ।

चाँद जैसी शीतलता, सूरज जैसी रोशनी
धरती जैसी माया, गगन जैसी छाया
सागर जैसी शांति ।

सपनो की मंजिल पास नहीं होती
जिंदगी हर पल उदास नहीं होती
भगवान पर यकीन रखना
कभी वो भी मिल जाता है
जिसकी हमें आस नहीं होती।

डर सदैव अज्ञानता से उपजता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

ऊदल वाली रांड बलीन्दा मे सॉप बतावे ।
(घर से भागने वाली औरत को छत में भी सॉप नजर आता है।)

तू ही बता ऐ जिन्दगी
इस जिन्दगी का क्या होगा
कि हर पल मरने वालो को
जीने का भी वक्त नहीं।

एक मिनट सोचकर लिया हुआ फैसला
पूरी जिन्दगी बदल देता है।

Future is only built in the present by
utilizing the opportunities that come your way.

A true friend sees the fast tear,
catches the second and stops the third.

कड़वा बोलने वाले का शहद भी नही बिकता
और मीठा बोलने वाले की मिर्ची भी बिक जाती है।

अच्छे दिल से रिश्ते बनेगे और
अच्छे स्वभाव से रिश्ते जीवन भर बने रहेंगे।

Good friends care for each other
close friends understand each other
But True friends stay forever, beyond words
beyond distance, beyond time.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

If you like If you flower you will pluck it
If you love a flowes you will water it
(Difference between like and love)

Never show excess affection and
care to anyone in this deceptive world.
Because It is human tendency to
underestimate anything given free of cost.

भूखा पेट, खाली जेब और झूठा प्रेम
इंसान को जीवन में बहुत कुछ सिखा जाता है।

वक्त सबको मिलता है जिंदगी बदलने के लिये
जिंदगी दुबारा नही मिलती वक्त बदलने के लिये।

When we are on a mission of success
we have to cross three stages
Insult Opposition Acceptancce.

झूठ बोल कर जीत जाने से बेहतर है कि
सच बोल कर हार जाना ।

दिल में बुराई रखने से बेहतर है कि
नाराजगी जाहिर कर देना।

The thoughts that we entertain create heaven or hell.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जब यह लगे कि लक्ष्य प्राप्त नही किया जा सकता
तो लक्ष्य बदलने की बजाय प्रयासो में बदलाव लाए।

गहराई से खोज करने पर प्रत्येक वस्तु का
कोई न कोई उपयोग मिल ही जाता है।

प्रेम जहाँ जाता है धन और सफलता उसके पीछे जाते हैं।

बिना पिता के माँ का अस्तित्व नहीं होता
पक्के फल पेडो से रिश्ता तोड जाते है
और अपाहिज बाप हो जाये तो बेटे छोड़ जाते हैं।

पत्नी को बेगम क्यों कहते हैं
क्योंकि शादी के बाद सारे गम पति के हिस्से में आते है
और पत्नी हो जाती है बेगम ।

खुदा का शुक्र है कि आँसू बेरंग होते हैं
वरना ये कितने राज खोल देते ।

हमने ही सिखाया था जिन्हे तीर चलाना
अब हमारे सिवा उनका कोई निशाना भी नही।

उदार बनो पर इस्तेमाल न होने दो
प्यार करो पर खुद को ठेस न लगने दो
विश्वास करो पर भोले मत बनो
दूसरो को सुनो लेकिन अपनी आवाज न खोने दो।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

दो तरह से चीजे देखने में छोटी नजर आती है
एक दूर से और एक गुरूर से ।

हवा जब तेज चलती है तो पत्ते टूट जाते हैं
मुसीबत के दिनो में अच्छे अच्छे छूट जाते हैं।

जब तक वक्त नही निकल जाता आपको अहसास नहीं होता
कि आपने क्या खो दिया है।

Always be good with the good
But Never be bad with the bad.

Every thing is easy when you are crazy and
nothing is easy when you are lazy.

There is no greater wealth in this world than peace of mind.

आपकी खुशीयों में वो लोग शामिल होते हैं जिन्हे आप चाहते है,
आपके दुख मे वो लोग शामिल होते है जो आपको चाहते है।

इंसान जिंदगी में गलतियां करके उतना दुखी नही होता
जितना कि वह बार–बार उन गलतियों के बारे में सोचकर होता है।

इंसान हर दिन एक छोटी मौत (सोने) से मरता है
फिर मौत से क्या डरना ।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

ख्वाहिशो से नही गिरते है फूल झोली मे
कर्म की साख को हिलाना होगा
कुछ नही होगा कोसने से अँधेरे को
अपने हिस्से का दीया खुद ही जलाना होगा।

तेरी नेकी का लिबास ही तेरा बदन ढकेगा
ऐ वंदे सुना है ऊपर वाले के घर कपडो की दुकान नहीं होती।

Always be a good listener.

देखो जानो समझो।

तलवे चाटने वाले कुत्ते बाजारों में खुल्ले घूमते है
जबकि दहाडने वाले शेरो के गले में जंजीर डाल दी जाती है।

Stars cannot shine without darkness.

राय के बारह आने, काम के चार आने ।

A successful person gives result and
unsuccessful person gives reason.

एक दिन हम सब एक दूसरे को सिर्फ यह सोचकर खो देगें कि
वो मुझे याद नहीं करते तो मैं क्यों करूं।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

तू करता वो है जो तू चाहता है
पर होता वो है जो मैं चाहता हूँ
तू कर वो जो मैं चाहता हूँ
फिर होगा वो जो तू चाहता है।

Always be like a baby because the baby does not know about its past as well as its future but it enjoys every second of its Life.

Be happy and spread happiness.

अपमान और कड़वी दवा की गोलिया निगल जाने के लिये होती है
मुँह में रखकर चूसने के लिये नही।

बिंदास मुस्कुराओ क्या गम है
जिंदगी में टेंशन किसको कम है
अच्छा या बुरा तो केवल भ्रम है
जिंदगी का नाम ही कभी खुशी कभी गम है।

वक्त से सीखो बदलते रहने का सबक
वक्त कभी खुद को बदलते नहीं थकता।

Think twice Act wise.

कुछ इस तरह से सौदा किया वक्त ने मुझसे,
तर्जुबे दे कर वो मेरी मासूमियत ले गया।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जुनून आदमी से वो करवा लेता है जो वह नहीं कर सकता
हौसला आदमी से वो करवा लेता है जो वह कर सकता है
परन्तु अनुभव आदमी से वही करवाता है जो वास्तव में उसे करना चाहिये।

बात किरदार में होती है
वरना कद में साया भी इंसान से बडा होता है।

कमाल का हौसला दिया है खुदा ने हम इंसानो को
वाकिफ हम अगले पल से नही वादे जन्मों के करते हैं।

चंचल चित को स्थिर करने की विधा का नाम है, जैन धर्म।

संयम का अर्थ है सामाजिक मृत्यु, यम शब्द मृत्यु का सूचक है।

चुल्हे पर दूध रखा था अचानक पत्नी को कही जाना पडा उसने अपने पति से कहा चूल्हे पर दूध रखा है कब उफान आ जाए कृपया ध्यान रखना । थोडी देर पत्नी आई देखा सारा दूध पसरा पड़ा है। पति ने कहा कि मै बराबर ध्यान रख रहा था । दूध में उफान दस बजकर पाँच मिनट पर आया था। तुमने ध्यान रखने कि कहा था सो मैं बराबर ध्यान रख रहा था। यहाँ ध्यान रखने का तात्पर्य दूध में उफान आएं उससे पूर्व ही नीचे उतार लेना अतः समय को समझो समय के साथ लक्ष्य पर केन्द्रित करना। उफान के पूर्व ही दूध को नीचे उतार लेना ।

महोत्सव को सफल बनाने के लिए धन की व्यवस्था हो
परन्तु धन की व्यवस्था के लिए महोत्सव नही होना चाहिये।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

महात्मा गांधी द्वारा पत्र–पत्रिकाओ के लिये बताये तीन उद्देश्य –
पहला – जनता की इच्छाओ विचारों को समझना और उन्हे अभिव्यक्त करना।
दूसरा – वांछनीय भावनाओ को जागृत करना।
तीसरा – सार्वजनिक दोषो को निर्भयता पूर्वक प्रकट करना।

बोली बढ़े तो पद / अवसर पावै
भाव बढ़े तो भव तीर जावे।

पानी व्यर्थ बहाना पाप है तो व्यर्थ पैसा बहाना भी पाप।

प्राचीन भारत का वैज्ञानिक चिंतन
हनुमान चालीसा में एक श्लोक आता है
युग सहस्त्र योजन पर भानू. लील्यो ताहिं मधु फल जानु
एक युग = 12,000 वर्ष
एक सहस्त्र = 1000
एक योजन = 8 मील
एक मील = 1.6 किलोमीटर
भानु अर्थात सूर्य
मतलब हुआ 12000x1000x8x1.6 = 153 करोड 60 लाख किलोमीटर
आज नासा भी इस तथ्य को स्वीकार करता है
कि पृथ्वी से सूर्य की दूरी 153 करोड 60 लाख किलोमीटर है।

साधना की सीढी – साधु, उपाध्याय, आचार्य, अरिहंत, सिद्ध।

ज्ञानी कभी रूक नहीं सकता, अज्ञानी कभी चल नहीं सकता।

www.jainbhajan.in Jeevan Saar 6

मूर्च्छा के कई द्वार है, वह आहार भय मैथून कही से मी हमला कर सकती है। जो किसी भी स्थिति में मूर्छित नही है वह है भिक्षु । अहिंसक न तो किसी से डरता है और न किसी को डराता है। भिक्षु का एक–एक क्षण तप में बीतता है अतः जिसने मन वाणी और काया के द्वार बन्द कर लिये है वह साधु है। जो पंक्ति में प्रथम आदमी का ध्यान रखकर अपनी साधुचर्या चला रहा है वह साधु नहीं अन्तिम आदमी का ख्याल जो रख रहा है वह साधु है।

चलना कठिन है रुकना सरल है
रुकना मृत्यु है, चलना जीवन है
खून का रूकना मौत है, खून का दौड़ते रहना जिन्दगी है।

सामाजिक अपव्यव को रोककर समाज के अभावग्रस्त वर्ग को सहयोग पहुंचाना वास्तविक समाज सेवा है और यही मानव धर्म भी है।

प्रकाश की गति, प्रति सेकेण्ड दो लाख मील होती है।

हँसना रोना आना जाना जग का खेला अद्‌भुत मेला।

अपना पराया जग की माया कुछ नही लाया।

परहित का जादू सबको कर लेता है अपने में काबु ।

मन समझ नहीं पाया आज व कल पल पल बेकल।

श्रेष्ठ मानव जैसा भीतर वैसा बाहर।

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

ना होना निराश अवसर अनुरूप प्रयास सफलता आयेगी पास।

जीवन में जोश रखना है होश नही होना बेहोश ।

अंतमति सो मति सद्गति वा दुर्गति ।

घड़ी की सुई अपने नियम से चलती है
इसलिए लोग उस पर विश्वास करते है
नियम का सम्मान करो विश्वास अपने आप बढ़ेगा।

Relations and money both are hard to make and easy to lose.

हे प्रभु! मुझे ऐसा धन देना जिस धन से मैं लोगों के दुःख दर्द दूर कर सकूं। मुझे इतनी शक्ति देना कि कोई मेरा बुरा करे तो भी मैं उसके लिये अच्छा कर सकूं मैं अपने दुश्मन से भी सदा प्रेम कर सकूं और दुश्मन को प्रेम से जीत सकूं। ग्लानि करने वालो को क्षमा कर श्रेष्ठ बना सकूं, मेरे किसी भी कार्य से किसी को हानि न पहुंचे। इस विश्व को स्वर्ग बनाने में सहयोगी बन सकूं और सभी को संतुष्ट कर सकूं। मेरे किसी भी कार्य से किसी को दुःख ना पहुंचे ऐसी शुभभावना शुभकामना का भण्डार मुझे देना। मुझे तेरे सिवा किसी का सहारा न लेना पडे ऐसी शक्ति प्रदान करना। सदा आपके बताये हुए मार्ग पर सबको प्रेम से चला सकूं। सबको खुशी बाँट सकूं। सबका भला कर सबकी दुआएं पा सकूं। ऐसा श्रेष्ठ जीवन मुझे देना।

Empty pockets teaches you a millon things in Life but full pockets spoils you in a million ways.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जूता बनाने वाली कम्पनी ने दो युवको को मार्केटिंग ऑफिसर बनाकर एक द्वीप पर भेजा ताकि वे वहाँ जूतो के लिये बाजार की संभावना टटोल सके। कुछ दिनो बाद दोनो ने अपने मैनेजर को टेलीग्राम द्वारा सूचना भेजी। जिसके तुरन्त बाद ही एक को नौकरी से हटा दिया गया। हटाए गए ऑफिसर का टेलीग्राम था सर यहां कोई व्यक्ति जूता नही पहनता अतः हमारे जूतो की यहां कोई संभावना नही है। जबकि दूसरे ऑफिसर का टेलीग्राम था कि सर यहां कोई भी जूता नही पहनता अतः यहां हमारे जूतो की अपार संभावना है। यह है नजरियां।

सकारात्मक नजरिया रखने वाले लोग न केवल सफल होते हैं
बल्कि उनके जीवन में आगे बढ़ने की संभावनाए भी अधिक होती है।

सकारात्मक नजरियां राखने वाले लोग समस्या में समाधान ढूढंते हैं
जबकि नकारात्मक नजरिये के लोग समाधान मे भी समस्याओ को ढूढंते हैं।

मात्र 17 माह की आयु में सुनने और देखने की शक्ति खो चुकी हेलन केलर ने जीवन को हमेशा सकारात्मक नजरिए से देखा अपनी अपंगता और आर्थिक तंगी के बावजूद वह संसार की बेहद खुश और प्रभावशाली लेखिका बनी।

सुख दुख, सफलता असफलता संतुष्टि असंतुष्टि का निर्धारण आपका नजरिया ही करता है।

जिसके माँ बाप जिन्दा है वे दुनिया के सबसे सम्पन्न लोग है।

लात खा कर भोजन देने की शक्ति केवल माँ की है।

www.jainkhoj.com.in
Jeevan Saar 6

रिश्ते ऐसे बनाओ कि जिसमे शब्द कम और समझ ज्यादा हो झगडे कम और बातचीत ज्यादा हो, प्रमाण कम और प्रेम ज्यादा हो।

जिंदगी हंसाए तब समझना कि अच्छे कर्मों का फल मिल रहा है
और जब जिंदगी रुलाए तब समझ लेना कि
अब अच्छे कर्म करने का समय आ गया है।

प्यार सोना है और दोस्त हीरा,
सोने को तोडकर दोबारा बनाया जा सकता है पर हीरे को नही ।

रहो तो फूलो की तरह बिखरो तो खुशबु की तरह ।

दुनिया वाले आपकी हद से ज्यादा खुशी पर नजर
और हद से ज्यादा गम पर नमक लगाते हैं।

जब यह लगने लगे कि लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता
तो अपने प्रयासों को बदले लक्ष्य को नही।

जो रास्ते बनाये वही इंसान है।

दोस्त शब्द नही जो मिट जाये ।

Self confidence helps to achieve aim.

धर्म देश और मित्र के लिये सदा तैयार रहे।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

आपको कौन मिलता है यह समय तय करता है
आप उनमें से किसका साथ चाहते है यह आप तय करते है
और उनमे से कौन आपके साथ रहता है
यह आपका व्यवहार तय करता है।

टूट जाता है गरीबी में वो रिश्ता जो खास होता है
हजारो यार बनते है जब पैसा पास होता है।

दर्पण झूठ बोलने नहीं देगा
ज्ञान भयभीत होने नहीं देगा
अध्यात्म मोह करने नहीं देगा
सत्य कमजोर होने नहीं देगा
प्रेम ईर्ष्या करने नहीं देगा
विश्वास दुखी होने नहीं देगा
कर्म असफल होने नहीं देगा।

वक्त भी लेता है करवटे कैसी कैसी
इतनी तो उम्र भी नही जितने सबक सीख लिए।

अधिक सुंदरता से सीता का हरण हुआ था
अधिक घमंड से रावण का अंत हुआ था
अधिक दान के कारण राजा बाली को बंधन में बंधना पड़ा था।

मन वह सफेद कपडा है जिसे जिस रंग में डुबा दोगे,
उस पर वही रंग चढ़ जायेगा।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Friendship Take it never leave it
Love share it never keep it
Respect earn it never ask it
Trust make it never break it.

Pain and pleasure are never from people or events
They arise from your thoughts.

यह जिस्म तो किराये का घर है
एक दिन खाली करना पड़ेगा
सॉसे हो जायेगी जब हमारी पूरी यहाँ
रूह को तन से अलविदा कहना पड़ेगा
वक्त नहीं है तो बच जायेगा गोली से भी
समय आने पर ठोकर से मरना पड़ेगा
मौत कोई रिश्वत लेती नही कभी
सारी दौलत को छोड़ के जाना पड़ेगा
ना डर यूँ धूल के जरा से अहसास से तू
एक दिन सबको मिट्टी में मिलना पडेगा
सब याद करे दुनिया से जाने के बाद
दूसरो के लिये भी थोडा जीना पडेगा
मत कर गुरूर किसी भी बात का ए दोस्त
तेरा क्या है क्या साथ लेके जायेगा
इन हाथो से करोडो कमा ले भले तू
यहाँ खाली हाथ आया खाली हाथ जाना पड़ेगा
ना भर यू जेबे अपनी बेईमानी की दौलत से
कफन को बगैर जेब के ही ओढ़ना पडेगा
यह ना सोच तेरे बगैर कुछ नहीं होगा यहाँ
रोज यहा किसी को आना तो किसी को जाना पड़ेगा।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

गति पाँच होती है,
नरक गति, स्वर्ग गति, पशु (तिर्यंच) गति, मनुष्य गति, मोक्ष गति ।

---

780 भाषाएं भारत में बोली जाती है,
जिनमें 22 संविधान में मान्यता प्राप्त भाषाएं है।

वर्षा ऋतु में ताजा, जाडे में तालाब का,
और गर्मियो में घडे का पानी पीना चाहिये।

कोई भी आदत बनाने के लिये 18 से 254 दिन तक लगते है।
वैसे सामान्यता 21 दिन में कोई भी आदत बन जाती है।

दौ सो माँसपेशियाँ हरकत करती है, तब एक कदम बढ़ता है।

तीन सो हड्डियां होती है, मानव शरीर में जन्म के समय,
जो बाद में 206 रह जाती है।

अढाई हाथ की ककडी, नो हाथ का बीज (अनहोनी बात)

विश्व स्वास्थ्य संगठन न वयस्को के लिये हफ्ते में कम से कम 150 मिनट व्यायाम या 10000 कदम चलने की सिफारिश की है। इससे हृदय रोग, मोटापा, डायबिटीज, ऑत व स्तन कैंसर से काफी हद तक बचे रह सकते हैं।

दसवा ग्रह दामाद को, नखरे मनमानी और बेतुके व्यवहार के कारण कहा जाता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

सेहत के मानक 80/120 ब्लड प्रेशर
110/150 रक्त शर्करा
दिल की धडकन प्रति मिनट 72 होती है
शरीर का आदर्श तापमान 98.6 होता है
कोलेस्ट्रॉल की गणना 150 सामान्य मानी जाती है।
25 बी एम आई यानी बाडी मास इंडेक्स सामान्य माना जाता है।

तीन तिकाडा जग सारा ।
अलौकिक, पारलौकिक, आध्यात्मिक और अधिदैविक
सभी क्षेत्रो में अंक तीन का विशिष्ट महत्व माना गया है।
पूजन के दौरान भी आचमन आरती लेने को तीन बार दोहराने पर जोर दिया जाता है।
तीन देव – ब्रह्मा (उत्पति) विष्णु (पालन) और महेश (समापन) ।
तीन लोक – स्वर्ग लोक, पाताल लोक, पृथ्वी लोक ।
तीन गुण – सत्व (सात्विकता), रज (राजसिकता), तम (तामसिकता) ।
तीन रूप – ठोस, द्रव्य. गैस ।
तीन रोग – वात पित कफ।
तीन काल – भूत, भविष्य, वर्तमान ।
पूजन में भी हर क्रिया को तीन बार दोहराने पर जोर किया गया है।
मुख शुद्धि के लिये आचमन इससे कार्मिक वानिक और नैनारिक पापों का नाश होता है।
तीन देव – इष्टदेव कुलदेव और स्थानदेव ।
भगवान की प्रदक्षिणा व आरती तीन बार ली जाती है।

ब्रह्मानंद, आत्मानंद, ज्ञानानंद और विषयानंद ये आनंद है।

वृक्ष जिनके लगाने से पंचवटी बनती है
अश्वत्थ, बिल्व, वट, धात्री, और अशोक ।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

एक सेकण्ड के 34000 वे हिस्से को कृति कहते हैं।
सेकण्ड का 300 वां हिस्सा त्रुटि कहलाता है।
दो त्रुटि का। लव होता है और दो लव का एक क्षण ।
तीस क्षण मिलकर एक विपल बनाते है (यानी 0.4 सेकण्ड) ।
60 विपल का एक पल होता है और 60 पलो से मिलकर एक घडी बनती है (मतलब 24 मिनट)।
अढ़ाई घडी का एक होरा (घंटा) होता है और 24 होरा का एक दिन ।
इसी तरह 100 वर्षों की शताब्दी और दस शताब्दियों की एक सहस्त्राब्दी होती है।
432 सहस्त्राब्दियों से मिलकर एक युग बनता है।

उर्वशी, मेनका, रम्भा, सुकेशी, तिलोतमा, मंजुघोषा, घृताची ये अप्सराएं है।

दस हजार तक स्वाद कलिकाएं होती है हमारे मुँह और गले में।

मानव अधिकतम 150 लोगो के साथ सम्बन्धों को अच्छी तरह निभा सकता है।

वैज्ञानिको का कहना है कि किसी भी विषय में दस हजार बार अभ्यास या रियाज करके कोई भी उसमें माहिर बन सकता है।

पाँच रत्न है कनक, हीरक, नील, पदमराग, मुक्ता।

भगवान की आरती हमेशा विषम संख्या के रूप में ही की जाती है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

मनुष्य का अपना क्या है ?
जन्म दूसरे ने दिया,
नाम दूसरे ने दिया,
शिक्षा दूसरे ने दी,
काम करना भी दूसरे ने सिखाया,
अन्त मे श्मशान भी दूसरे ले जायेगे,
तुम्हारा अपना इस संसार में क्या है, जो तुम घमण्ड करते हो।
सत्कर्म करे।

शीशा और रिश्ता दोनो नाजुक होते हैं
पर दोनों मे अंतर यह है कि शीशा गलती से टूट जाता है
और रिश्ता गलत फहमी से ।

अमानत में खयानत ना करना ।

भला करने पर भला नही होता तो बुरा करके क्या लाभ ।

माँ बाप की भावनाओ को ठेस ना पहुंचे
व उनकी भावनाओ की कद्र करना।

आँख के अंधे को दुनिया नही दिखती,
काम के अंधो को विवेक नही दिखता,
मद के अंधे को अपने से श्रेष्ठ नही दिखता
और स्वार्थी को कही भी दोष नहीं दिखता।

चम्मच लेकर खडे हो, सागर माँगने के लिये ।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

गुस्से में आदमी कभी कभी मन की बात भी बोल देता है।

सुख में सुरखी हो तो, दुख भोगना भी सिखो ।

आदमी वह है, जिसका नाम दुबिया याद रखे।

मौत के मुंह से भी जिंदगी बरस पडे व
मरने के बाद श्मशान की राख भी रो पडे ।

काम में ईश्वर का साथ माँगो
लेकिन ईश्वर कामकर के ऐसा मत माँगो ।

हम आने वाले कल की बड़ी बड़ी प्लानिंग करते है
जबकि हमे भविष्य का जरा भी ज्ञान नहीं है इसे कहते हैं कान्फिडेन्स।

हर रात हम बिस्तर पर सोने जाते है यह जाने वगैर कि हम अगली सुबह जीवित रहेगे या नही और हर रात नई सुबह के लिये अलार्म सेट करते हैं इसे कहते हैं उम्मीद ।

जब आप एक बच्चे को ऊपर की तरफ उछालते हो तो वह हँसता है क्योकि वह जानता है कि आप उसे पकड़ लेगे इसे कहते है, यकीन ।

गाँव वाले सूखे के हालात पर भगवान से प्रार्थना बरसात के लिये इकट्ठे हुए लेकिन एक आदमी छाता लेकर आया इसे कहते है विश्वास ।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

फितरत, सोच और हालात में फर्क है।

भगवान, बेटी भाग्यवान को देता है। बेटी वे ही पालते है जो भाग्यवान है।

कायर कई लोगो के साथ रहना पसंद करते हैं,
बहादुर अकेले ही लडने में अपना गौरव समझते हैं।

जरूरी नही कि सजदे हो हर वक्त
और उसमे खुदा का नाम आये
जिंदगी तो खुद ही एक इबादत है
शर्त ये है कि ये किसी के काम आये।

जग से जुदा हो गये
पर दिल से जुदा न हो पायेंगे
जीवन के हर क्षण
आप हमे बहुत याद आयेंगे।

सावधान रहे, सतर्क रहे, सुरक्षित रहे।

अपने हो सलेको ये मत बताओ
कि तुम्हारी तकलीफ कितनी बड़ी है
अपनी तकलीफ को बताओ कि
तुम्हारा हौंसला कितना बड़ा है।

Artificial Lemon flavor (flavor) is used fosr welcome drink and real lemon is used in finger Bowl.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जिक्र हम आपका हर साल करते है
बडे नाज से हम आपकी बात करते है
गौरव और गरिमा जो दी आपने हमको व नगर को
एतदर्थ भावों के सुमन की सौगात धरते हैं।

मेरी हस्ती है एक खारे समन्दर सी मेरे दाता
तू अपनी रहमत से इसे मीठी झील कर देना
हजारो कमियां है मुझमें तू उन कमियों को
खूबियों में तबदील कर देना।

बिन्दास मुस्कराओ क्या गम है जिन्दगी में टेन्शन किसको कम है
अच्छा या बुरा तो केवल भ्रम है जिन्दगी का नाम कभी खुशी कभी गम है।

सब्र एक ऐसी सवारी है जो अपने सवार को गिरने नहीं देती ना
किसी के कदमों में और ना ही किसी की नजरो में ।

माँ बाप की कमी कोई पाट नही सकता
ईश्वर भी उनके आशीषो को कभी काट नही सकता
विश्व में किसी भी देवता का स्थान दूजा है
माँ बाप की सेवा ही सबसे बड़ी पूजा है
वो खुश नसीब है माँ बाप जिसके साथ होते हैं
क्योकि माँ बाप के आशीषो के हजारो हाथ होते हैं।

देख और की सम्पदा मत तृष्णा उर धार
बिना पुण्य संसार में दमडी मिले ना चार।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

पिता जीवन है सम्बल है शक्ति है
पिता सृष्टि के निर्माण की अभिव्यक्ति है
पिता पालन है पोषण है परिवार का अनुशासन है
पिता धोस से चलने वाला प्रेम का प्रशासन है
पिता रोटी है कपडा है मकान है
पिता छोटे से परिन्दे के लिये आसमान है
पिता बच्चों के लिए ढेर सारे सपने है
पिता हो तो बाजार के सारे खिलौने अपने है
पिता से परिवार में प्रतिपल राग है
पिता से ही माँ की बिन्दी और सुहाग है
पिता सुरक्षा है अगर सिर पर हाथ है
पिता नही तो बचपन अनाथ है
पिता से बड़ा तुम अपना नाम करो
पिता का अपमान नही उन पर अभिमान करो।

जिनके सुमिरन से मिटे भव भव के दुख फंद
वह प्रभु मम हृदय बसो मरुदेवी के नंद ।

संतोष से मिल जाये जितना बस उसी में सब्र कर
चंद दिन जीने के खातिर मत किसी पर जब्र कर।

तुम पद जो हृदय घरे वो निश्चय हो पार
पंकज कंचन होत लोह ज्यो पारस संग पाय ।

जन्म जरा मृत्यु टले जिनका जपते नाम
ऐसे वीर जिनेश को पंकज सदा प्रणाम।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जिनके पद पंकज वंदन से चहुँगति का भ्रमण विनश जावे
वे पार्श्व प्रभु जयवंत रहे पंकज मम हृदय बस जावे।

मौत के बाद हृदय 10 मिन्ट, मस्तिष्क 20 मिन्ट, आंखे 4 घण्टे, त्वचा 5 दिन तथा हड्डियाँ 30 दिन तक जिंदा रहती है पर व्यक्ति के सद्काम जनम जनम तक जिंदा रहते हैं।

हे भगवन् मुझे सुनने समझने और बोलने की शक्ति देना ।

Read more books than you did.

Don't over do keep your limit.

Spend time with people over the age of
70 and under the age of 6.

किसी भी कार्य को करने से पहले उसकी तैयारी जरूरी है।

Simply avoid two things in life
compairing with others
expecting from others.

आना जाना मिलन विदाई
ये जीवन की रीत है भाई
अच्छे और भले मानव की
यादे रहती चिर स्थायी।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

वक्त बदल जाये पर इंसान न बदले ।

याद का उल्टा दया होता है।

कौन कहता है परमात्मा नजर नही आता
एक वो ही नजर आता है
जब कुछ नजर नहीं आता।

जीओ ऐसे जैसे कल मरने वाले हो और
सीखो ऐसे जैसे हमेशा जीवित रहने वाले हो।

सुमिरन करो तो मन संवर जाए
सेवा करो तो तन संवर जाए
कितनी दिलकश है मेरे प्रभु की बातें
अमल करो तो जिंदगी संवर जाए।

मंदिर में चावल चढाने का महत्व जिस प्रकार चावल से चावल उत्पन्न नही होता, हे भगवान् मुझे भी दूसरी पर्याय न मिले।

बचपन में लड़ते थे माँ मेरी है – माँ मेरी है
बड़े हो के लडते है माँ तेरी है– माँ तेरी है।

जो शरणागत भव्य जनो को कर लेते है आप समान
ऐसे अनुपम अद्वितीय पारस है पार्श्वनाथ भगवान।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Respect the people.

रेस में जीतने वाले घोडे को तो पता पता भी नही होता की जीत वास्तव में क्या है वो तो अपने मालिक द्वारा ही गई तकलीफ की वजह से दौडता है। तो जीवन में जब भी आपको तकलीफ पडे और कोई मार्ग न दिखाई दे तब समझ जाये कि मालिक आपको जिताना चाहता है।

When ever you feel that you failed say these words
I am not failed my success just postponed.

Start by doing what's necessary and then do whats possible and suddenly you will be doing the impossible.

कौन किसे दिल में जगह देता है
पेड भी सूखे पत्ते गिरा देता है
वाकिफ है हम दुनिया के रस्मो रिवाजों से
दिल भर जाए फिर हर कोई भुला देता है।

दुआ मांगी थी आशियाने की
चल पड़ी आंधिया जमाने की
मेरे गम को कोई समझ न पाया
क्योकि मेरी आदत थी मुस्कराने की ।

इतनी छाप छोड दो किसी पर दोस्ती की
कि ईश्वर भी कहे हमे भी अपना दोस्त बना लो।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

शांति की शुरुआत मुस्कुराहट से होती है।

नहीं माने बड़ा की सीख लेवे तुंबी माँगे भीख।

जीवन पांच हाथों से परिपूर्ण होता है
गर्भस्थ जीवन विवेकी स्त्री पुरुष के हाथों से
जन्मजात जीवन महान जननी जनक के हाथों से जवानी
जवानी पवित्र माता पिता के हाथों से
प्रौढ जीवन समर्पित पति पत्नी के हाथों से
बुढापा जीवन संस्कारित सुपुत्र सुपुत्री के हाथों से।

बहुत दूर तक जाना पडता है,
जिन्दगी में ये जानने के लिए कि नजदीक कौन हैं।

जब तेरी इनायत पर मेरी नजर जाती है
मेरे मालिक मेरी आँख भर आती है
तू दे रहा है मुझे इस कदर
कि हाथ दुआ में उठाने से पहले ही झोली भर जाती है।

जीभडल्यां इमरत बसै जीभ डल्यां विष होय
बोलण सूं ई ठा पडै कागा कोयल दोय।

छोटी छोटी गलतियो से बचने की कोशिश करो
क्योंकि इंसान पहाड़ो से नही छोटे पत्थरो से ठोकर खाता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

दिल में भय आता है तो हिम्मत भाग जाती है
पेट में रोग आता है तो तन्दुरुस्ती भाग जाती है
आँख में लोभ आता है तो लज्जा भाग जाती है
दिमाग में क्रोध आता है तो बुद्धि भाग जाती है।

जो नहीं है वो एक ख्वाब है और
जो है वो लाजवाब है।

---

12 महीने, 52 हफ्ते, 365 दिन
8760 घण्टे, 5,25,600 मिन्ट,
3,15,36,000 सेकण्ड – एक साल

किसी को पढने के लिये संग चेहरा और
आंख काफी होती है, किसी के दिल का
हाल जान लेना और अपनी सफलता का
मार्ग चुन लेना एक साफ सुथरी समझदारी है।

जीवन में अनेक अवसरो पर ज्ञान का सीधे सीधे
उपयोग न करते हुए चतुराई से काम लेना श्रेयस्कर होता है।

किसी भी तरह की लत हमारे आय के स्त्रोत को खत्म ही करती है।

मशहूर होना पर मगरूर न होना
कामयाबी के नशे में चूर ना होना
मिल जाये सारी कायनात आपको
मगर इसके लिये अपनो से कभी दूर मत होना।

www.jainbhajan.in
JeevanSaar6

अन्य अशुभ विकल्प करने से अच्छा है तत्व चर्चा करना।

प्रथमानुयोग, आदर्शों को बतलाता है,
करणानुयोग, शुभ अशुभ कर्म के सुख दुख फल को बतलाता है,
चरणानुयोग, पंथ देख देख चलने की कला सिखलाता है,
द्रव्यानुयोग, आत्मा का अध्याय पढ़ाता है।
प्रथमानुयोग, करुणानुयोग, चरणानुयोग, स्वाध्याय करे
क्रम से फिर द्रव्यानुयोग का अध्याय पढ़ो।

नदी में पानी बहता ही रहता है व बहता हुआ पानी प्रतिपल समुद्र की और बढ़ता जाता है। नदी के उस बहते हुए पानी की नियति निश्चित है कि उसे एक दिन समुद्र में गिरना है यदि बीच में ही वह अपना मार्ग न बदल दे और अपने आपको किसी और काम में न लगा दे। बुद्धिमान लोग नदियों पर बाँध बनाकर उस बहते हुए पानी के प्रवाह को खेतो की और मोडकर पानी को खारे पानी समुद्र में मिल जाने से बचाकर उत्पादन मे लगाते हैं। नदी के पानी की ही तरह हमारा जीवन भी काल के प्रवाह क्रम में निरन्तर मृत्यु की और बह रहा है। एक पल बीतता है और हम एक पल मृत्यु के पास आ जाते है और एक दिन यदि हम अपने जीवन के इस प्रवाह को किसी सार्थक दिशा में मोड सके तो हम इस जीवन में इस जीवन से कुछ हासिल कर सकते है वरना संसार समुद्र तो है ही।

वाचना, पृच्छना, चिंतन, मनन यह सब स्वाध्याय के भेद है।

हिन्दु नव वर्ष सूर्योदय के साथ होता है
जबकि 31 दिसम्बर मध्यरात्रि के साथ होता है
हिन्दु नव वर्ष प्रकृति के सकारात्मक बदलाव व आध्यात्मिक और वैज्ञानिक कारणों के साथ होता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जिन्दगी ऐसी जिओ कि लोग आपसे मिलने को व आपको फिर याद करे।

सफर में मुश्किले आऐ तो हिम्मत और बढ़ती है
कोई अगर रास्ता रोके तो जुर्रत और बढ़ती है
अगर बिकने पे आ जाओ तो घट जाते है दाम अक्सर
ना बिकने का इरादा हो तो कीमत और बढ़ती है।

जिंदगी पल पल ढलती है
जैसे रेत मुट्टी से फिसलती है।

शिकवें कितने भी हो हर पल फिर भी हसते रहना
क्योकि ये जिदगी जैसी भी है बस एक ही बार मिलती है।

Every plus muust be balanced by a minus
Every Gain cancelled by a loss.

The busiest person is the one who has
time for everything and for everybody.

धुन के पक्के, काम के प्रति एकला चलो में विश्वास करते हैं।

शस्त्र की ताकत धार में होती है,
वस्त्र की ताकत तार में है
शूरवीर की ताकत वार में है
परिवार की ताकत प्यार में है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

गुरु स्वयं शक्ति सम्पन्न होते है वे अपनी शक्ति से भवसागर से तराते है। शांत हो जाना ही संत है। स्वंय को जीत लेना ही साधु होना है और मौन में खो जाना मुनित्व है।

कुरुक्षेत्र में श्री कृष्ण ने, जब गीता सुनाई, तब एक श्रोता मात्र अर्जुन थे।

दिगम्बर शद्ध का अर्थ है दिशाएं ही जिनके वस्त्र है
जैन मुनि आचरण से जीवंत देवता है।

घर आये अतिथि को भोजन के लिये पूछा करे
अन्यथा पानी के लिये पूछा करे अन्यथा आसन दे,
अन्यथा मीठे बोल बोला करे।

जिंदा आदमी ही मुस्करायेगा मुर्दा कभी नही मुस्कराता ।
जीवन में सुख आये तो हस लेना लेकिन दुख आये तो
हसी में उड़ा देना।

भूल को कबूल करना ही फूल है मूल उसी से होती है
जो कुछ करने की कोशिश करता है।

पॉलिथीन की जगह, जूट के बैग या अन्य चीजो का उपयोग करिए
और पर्यावरण का संरक्षक बनिऐ ।

आदमी कद से नहीं विचारों से बड़ा बनता है।

पति पत्नी में समर्पण हो।

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

अनिश्चितता टाली तो नहीं जा सकती है
लेकिन चिन्ता छोडकर वह संवारी जा सकती है।

रोए और आंसू न आये, सोए और सपना न आये ऐसा नहीं होता।

भगवान के समक्ष प्रार्थना कम, याचना ज्यादा करते हैं।

बर्फ बनाने के लिये पानी रखना, प्रार्थना करने के समान है।

गाडी बनाने वाला और कोई होता है,
चलाने वाला और कोई होता है, बैठने वाला और कोई होता है।

धार्मिको के बिना धर्म नहीं है, धर्मात्मा धर्म का आधार है
और धर्म जीवन का सार है।

धर्म कट्टरवादिता नही कर्त्तव्य है, धर्म लोगों को जीतने की
नही लोगो के दिलो को जीतने की बात करता है
जो दायरे दिल को दरिया दिल बना दे वह धर्म है
जो अच्छा को सच्चा और बच्चा बना दे वह धर्म है
असंगी बनना है तो सत्संगी बनी ।

अपनी सूरत को खूबसूरत बनाना है तो, स्माईल प्लीज।

करोड काम छोडकर, प्रभु स्मरण करना चाहिये।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

बुद्धि में भेद है तो उसे मिटा दो
चारित्र में कही छेद है तो उसे मिटा दो
और मन में कही खेद है तो उसे मिटा दो।

रूप वह है जो दिखता है और स्वरूप वह है जो देखता है।

बचपन में कुछ और थे, जवानी में कुछ और थे,
और बुढ़ापे में कुछ और है, लेकिन स्वरूप शाश्वत है।

रूप को देखने के लिये चर्म चक्षु चाहिये
और स्वरूप को देखने के लिये ज्ञान चक्षु चाहिये।

जीवन में सब तरह की अनुकूलता हो,
तब भी प्रभु स्मरण नही करना पाप है।

Please don't ignore your self.

जो देता है वह देवता है और जो रखता है वह राक्षस ।

भिखारी तुम्हारे घर पर आता है तो भीख मांगने नही
बल्कि सीख देने आता है कि मुझे देखो।
मैंने पिछले जन्म में होते हुए भी कुछ नहीं दिया
इसलिये आज मेरी यह हालत है।

दिगम्बर मुनि, निर्विकार होते हैं।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

क्रोध और काम को अपना मत समझो।

जो गुरू को याद करे वह भक्त है
और जिसे गुरु याद करे वह शिष्य है।

जन्म तय है मृत्यु भी सुनिश्चत है।
जन्म मंगल है तो मृत्यु अमंगल कैसे हो सकती है। मृत्यु रिटर्न टिकिट है।

नाव की लकडी यदि खंड खंड हो जाये तो पानी में तैर तो सकती है लेकिन किसी को सुरक्षित किनारे नही लगा सकती।

आदमी के मन को बदलने में वक्त नही लगता।

हंस की तीन विशेषताएं है वह जमीन पर चल सकता है पानी में तैर सकता है और आकाश में उड़ सकता है।

पेड़ शहर के फेफडे है पानी को रोकने का जरिया है।

अपेक्षा की उपेक्षा, क्रोध है।

बच्चे पान के कोमल पते के समान होते है
पान सूखने के बाद मुड़ता नहीं है।

पोलियो की दवा बचपन में ही पिलाई जाती है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

आदमी की मुख मुद्रा भी एक प्रकार का साइन बोर्ड है,
आँखे लाइव टेलीकास्ट है।

व्यक्ति को कल की अपेक्षा आज को अच्छा बनाने को कोशिश करनी चाहिये।

जो माँ बाप गुरू और प्रभु के चरणो में हर रोज घुटने टिकाता है
उसे जिन्दगी में कभी किसी के सामने घुटने नहीं टेकने पडते ।

अपनी सोच हमेशा ऊँची रखे,
दूसरो की अपेक्षाओ से कही ज्यादा ऊँची।

मुल्ला और उसका दोस्त एक पेड के नीचे बैठे थे इतने में कबूतर ने उन पर बीट कर दी दोनो चिल्लाये पेंट नहीं पहनता क्या? कबूतर ने उल्टा सवाल किया तुम लोग यह काम क्या पेन्ट पहनकर करते हो ? अतः क्रिया करने से पहले ठंडे दिमाग से सोच लेना कि इसकी प्रतिक्रिया क्या होगी।

सत्य साधनो से नही, साधना से मिलता है।

सत्य की खोज के लिये एयर कंडीशन से बाहर निकलकर रियल कंडीशन में आना होगा ।

जो दूसरो को सता सता कर मिले वह सत्ता है
और स्वयं को तपा तपा कर मिले वह सत्य है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जिंदगी आह नही, अहा है।

मांसाहार पाप है क्योकि वह किसी के जीवन को खत्म करके उपलब्ध होता है।

तुम्हारे पास क्या है और
तुम्हारे साथ क्या है इन दोनो मे बडा फर्क है।

विफलताओं को भी स्वीकार करना चाहिये।

जो नीचे है वह छोटा है और जो ऊपर है वह बड़ा है ऐसा नही। पैर नीचे है तो छोटे और मस्तक ऊपर तो क्या बड़ा है। पैर नीचे है फिर भी बड़े है तभी तो हमेशा चरण पखारे जाते है मुँह नही धोया जाता, चरण रज माथे पर लगाई जाती है मस्तक का चंदन पैरो में नही लगाया जाता। चरणामृत लिया जाता है मुखामृत नहीं। चरण आचरण के प्रतीक है यही वजह है कि वे पूज्य होते हैं।

कमाओ सब जगह से प्रमाणिकता से नीति से और मौका आने पर समाज पर बरसा दो।

बादल लेते है तो काले हो जाते हैं
बरसा देते है तो सफेद हो जाते हैं।

दान नहीं करे पर चोरी तो नही करे,
पुण्य न करे पर पाप तो नही करे।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

नीति से कमाओ रीति से खाओ और प्रीति से लुटाओ।

स्वामी राम तीर्थ, पतले दुबले साधु थे, वे कहते थे कि मुझे कोई हरा नहीं सकता। वो ऐसे कि मैं पहले से ही हारा हुआ हूँ। सच है कि हारे हुए को हराना असम्भव है यानि हारे को हरि नाम।

युवा माँ बाप को अपने साथ न रखे बल्कि खुद माँ बाप के साथ रहे।

एकता में ताकत है।

एक किसान खेत मे बीज बो रहा है निश्चित वह खतरा मोल ले रहा है बरसात न हो तो उसकी मूल रकम भी जाने वाली है। किसी ने उससे पूछा आप जोखिम क्यों लेते हैं? आप सुरक्षित रहते हुये इसे बेच क्यो नहीं देते, किसान ने कहा जो लोग जोखिम नही उठाते वे कभी आगे नहीं बढ़ पाते।

अपने हित से ऊपर उठकर देश हित मे सोचे।

भोजन में चित नही तो भोजन अधूरा है, जेब मे वित नही तो आदमी अधूरा है। कुता जब कुछ खाता है तो वह एकाग्र चित होकर खाता है। अतः भोजन करने बैठने तो सिर्फ भोजन करो, विचारो को मत खाओ।

दुनिया आपसी विश्वास पर टिकी है।

परिवार के किसी सदस्य को बदल नही सकते,
तुम अपने को बदल सकते हो। पूरी दुनिया को ढक नही सकते
अपने पैरो में जूते पहन लो तो दुनिया ढकी होगी।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

घर को लगा दी आग, घर के चिरागों ने ।

चिंता करनी है तो इस बात की चिंता करे कि मरने के बाद मेरा क्या होगा?

किसी को जीतना है तो आप उसे तलवार से नही प्यार से ही जीत सकते है, तलवार से उसे आप हरा सकते है जीत नहीं सकते ।

सरल बनो, सहज बनो।

जब तक आप स्वस्थ है तब तक सारी दुनिया आपके साथ है लेकिन जिस दिन आपका शरीर साथ नहीं देगा उस दिन आपका अपना ही सपना हो जायेगा। सेहत के बारे मे कभी लापरवाही मत करना । सेहत है तो कुछ भी न होकर भी सब कुछ है और सेहत नही तो सब कुछ होकर भी कुछ भी नही।

जो तुम्हारे पास है उसका सुख भोगो।

चलोगे तो गिरोगे भी, गिरता वही है जो चलता है
गिरो मगर गेंद की तरह गेंद नीचे गिरती है तो
तेजी से ऊपर भी उठती है।

तकदीर उनकी भी होती है जिनके हाथ नहीं होते।

जो कार्य के अनुरूप प्रयत्न और प्रेरणा के अनुकूल परिश्रम करते है सफलता उनके चरण पखारती है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

आज का पुरुषार्थ ही कल की तकदीर है।

किसी संत–मुनि को अपना हाथ मत दिखाना,
बस उनका हाथ अपने सिर पर रखवा लेना ।

भगवान सिर्फ हृदय की भाषा समझता है।
कथा है राम ने शबरी के झूठे बेर खाए
वो झूठे बेर अनूठे थे क्योकि श्रीराम ने शबरी से लूटे थे।

एक माँ के दो बच्चे थे एक बार बच्चे ने पूछा माँ तू किससे ज्यादा प्यार करती हो – माँ ने उत्तर दिया कि पाँचो अंगुलियां मेरे हाथ में है यह सुई लो इसमे जिसे चाहो उस पर चुभाओ मुझे एक जैसा दर्द होगा अतः बाहर से तुम भले ही अंगुलियों की तरह अलग–अलग हो पर भीतर से सब एक हो।

मरत रहो व्यस्त रहो।

कल की चिंता मत करो।

जो करना है यही कर जा।

किसी के चरण धोने के बजाय अपने मन की गन्दगी को धो ले।

मौत शाश्वत है, मौत को कोई रोक नहीं सकता,
मौत सर्वाधिक सुनिश्चित है, पैदा हुआ आदमी मरेगा जरूर।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जिंदगी की जंग में कभी जीतेगे कभी हारेगे कभी उठेगे कभी गिरेगे कभी जय कभी पराजय इसके बावजूद उम्मीद जिंदा रखना । मनोबल बनाए रखना । रिश्ते नाते, काम धंधा, मकान दुकान टूट जाय चिंता की बात नही मनोबल नहीं टूटना चाहिये ।

रात कितनी भी गहरी हो सूर्य को हमेशा के लिए नही ढ़क सकती ।

हीन भावना को निकाल फेंकिए और नये सिरे से पूरी ताकत के साथ जिंदगी की जंग जीतने के लिये तैयारी करे।

जरूरत बुरी नही, लालच बुरी है,
आवश्यकता पाप नही आकांक्षा पाप है,
आवश्यकता की तो सीमा है लेकिन आकांक्षा की कोई सीमा नही है।

पानी में डूबने चाक पर घूमने और आग में पकने के बाद ही मिट्टी मूल्यवान होती है।

जीवन में सफलता अच्छी तारीखो या दिनो से नही,
अच्छी तैयारियों से मिलती है।
किसी भी काम के लिये अपने मन को तैयार करिये
साधन अपने आप जुटते चले जायेंगे।

रात सोने के लिये, दिन कुछ होने के लिये, वर्षा बीज बोने के लिये,
प्रभु को पाप धोने के लिये, संत मुनि तप करते हैं कर्म खोने के लिये।

जीने के साथ जाना है याद रखो।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

काम के लिये काम करे।

दोस्त के सामने व दुश्मन के सामने सफाई मत दो
दोस्त को इसकी जरूरत नही है
दुश्मन को इस पर यकीन नही होगा।

जो दिख रहा है वह शव है और देख रहा है वह शिव है।

अंहकार आध्यात्मिक मदिरा है।

बुरी नजर वाले का तो मुँह ही काला होता है
जबकि बुरी संगत वाले का तो पूरा जीवन ही काला हो जाता है।

मंदिर के जीर्णोद्वार के साथ विचारो का भी जीर्णोद्धार करे।

जुआ प्रलोभन देकर आदमी को बर्बाद करता है
और शराब जीवन लेकर आदमी को बर्बाद करती है।

योगी साधना के कारण जागता है, भोगी वासना के कारण जागता है,
रोगी वेदना के कारण जागता है।

खुजली प्रारम्भ में तो अच्छी लगती है
पर बाद मे बहुत कष्ट देती है अहंकार भी ऐसा ही है,
अपने अतीत और औकात को न भूले।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

संयोग में जितना सुख है वियोग में उससे हजार गुना दुःख है।

मनुष्य की हैसियत एक मुट्ठी राख से ज्यादा नहीं है।

अपने को बदलिये ।

राजनीति पर धर्म अंकुश जरूरी है।

कई नालियों के मिलने पर एक नाला बनता है।
कई नालों के मिलने पर एक नदी बनती है।
कई नदियों के मिलने पर एक सागर बनता है।

बहू को बेटी मानिए, बहू के पीहर वालो को भला बुरा मत कहिये,
बहु की बुराई न करे, कभी आप भी बहू थी।

राम नाम सत्य का नारा मुर्दे के साथ जो अध मरे चलते है उनके लिये है।

शरीर रोगो का घर है।

जो चिन्ता करे वह संसारी है और जो चिन्तवन करे वह सन्यासी है। जो नहीं है उसके बारे में सोचना चिन्ता है और जो नही उसके बारे में सोचते मन को रोकना चिन्तन है। चिन्ता से तनाव बढ़ता है और चिन्तन से तनाव बहता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Sar 6

तुम्हे ही राम कृष्ण बुद्ध और महावीर बनकर आगे आना होगा
और बुराइयों के खिलाफ लडना होगा।

सिकन्दर ने कहा कि जब मेरी अर्थी निकाली जाये तो मेरे दोनो हाथ अर्थी से बाहर रखे ताकि दुनिया देख सके कि सिकन्दर ने बटौरा तो बहुत पर खाली हाथ जा रहा है।

किसी भी कार्य की शुरुआत कठिन होती है।

कानो सुनी अक्सर झूठ होती है
जिन्दगी को कानो से सुनकर नही आँखो से देखकर जिओ।

अहंकार आदमी को, दीमक वस्तु को, खोखला कर देती है।

जिज्ञासु ने पूछा ईश्वर है तो दिखाई क्यो नहीं देता संत ने कहा ईश्वर तो अनुभूति का अनुभव है। संत ने एक पत्थर उठाया और अपने पैर पर पटक दिया। जिज्ञासु ने कहा यह क्या किया बहुत पीडा होगी संत हंसने लगे और बोले पीडा दिखती नही है फिर भी है। ऐसा ही ईश्वर है।

लोकतंत्र को लूट तंत्र बनने से बचावे ।

फूलो की कहानी कलियो ने लिखी
आसमान की कहानी सितारों ने लिखी।

जिसे लोग कमजोरी कहते है वह ताकत भी हो सकती है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जिंदगी काट तो सभी लेते हैं लेकिन जीने का सही अंदाज किसी–किसी को आता है। फूल कभी पौधे से इस बात की शिकायत नहीं करता कि उसकी पंखुडिया दूसरे फूल से कम वयो है या उसका रंग रूप दूसरे फूल की अपेक्षा कम खूबसूरत क्यों है। वह अपनी छोटी सी उम्र को पूरी शान और शौकत और मस्ती से जीता है और साथ ही बगिया को भी महकाता है तो फिर हम जीवन की छोटी–छोटी मुश्किलों से घबराकर अपने जीने का अंदाज क्यों खो देते हैं।

सफलता के लिये तीन चीजे जरूरी है
स्पष्ट लक्ष्य, बड़ी योजना और सख्त पैमाना ।

अथक जोश, आदर्शवाद, टीमवर्क, वैज्ञानिक ताकत, व्यापारिक कुशाग्र बुद्धि, उत्पादन कौशल और संसाधन का उपयोग कुशल मानव की पहचान है।

एक अच्छा विचार रोज पढे ।

जिंदगी तो बेवफा है एक दिन ठुकरायेगी
मौत महबूबा है एक दिन साथ अपने लेकर जायेगी।

रोते हुवे आते है सब, हंसता हुआ जो जायेगा
वो मुकद्दर का सिकन्दर एक दिन कहलायेगा।

पेड काटने के लिए छह घंटे दीजीये तो में पहले चार घंटे कुल्हाडी की धार तेज करने में लगाऊंगा। इसका अर्थ यह है कि कोई भी काम करने से पहले। उससे संबंधित स्किल्स को बेहतर से बेहतर बनाने की कोशिश करे।

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

आलस न करे, आलसी व्यक्ति का कोई वर्तमान और भविष्य नही होता है।

डर का न होना कोई बहादुरी की बात नहीं है,
लेकिन उस पर जीत हासिल करना बहादुरी का काम जरूर है,
बहादुर आदमी वह नहीं जो डरता नहीं है
लेकिन वह है जो डर पर सफलता पूर्वक जीत हासिल कर चुका होता है।

समय उन लोगो के लिये बहुत धीमी गति से चलता है जो इंतजार करते है। जो लोग डरते है उनके लिये तेज रफ्तार से दौड़ता है और जो लोग अफसोस करते है उनके लिये काफी लंबा होता है। उन लोगो के लिये समय बेहद कम होता है जो हर पल को उत्साह की तरह मनाना जानते है।

जिंदगी साइकिल चलाने जैसी है, बैलेन्स बनाए रखने के लिये आगे और आगे बढ़ते रहे ।

खुशहाल जिंदगी जीना चाहते है तो ये बेहद आसान है, इसके लिये खुद को किसी लक्ष्य के साथ जोडिए न कि लोगो या चीजो के साथ।

सफाई देने में समय बर्बाद न करे क्योकि लोग वही सुनते है जो वे सुनना चाहते हैं।

जो बात एक ही बार होती है उसके दोबारा होने की संभावना काफी कम होती है लेकिन जो बाते दो बार हो जाती है। उनके तीसरी बार होने की आशंका बहुत ज्यादा होती है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

श्रेष्ठ व्यक्ति का सम्मान करके उन्हें अपना बना लेना दुर्लभ पदार्थों से भी अधिक दुर्लभ है।

किसी मकसद के लिये खडे हो तो एक पेड की तरह खडे रहो। गिरो तो एक बीज की तरह ताकि दोबारा उगकर उसी मकसद के लिए जंग लड़ सको।

None can destroy iron but its own rust can, Like wise non can distroy a person but his own mindset can.

Ups and down in life are very important to keep us going because a straight line even in an ECG means we are not alive.

FEAR has two meaning
Forgot every thing and Run
Face everything and Rise.

सुबह दही, दिन में छाछ, रात को दूध पीना चाहिये
आम, केला, खजूर खाने से वजन बढ़ता है।

उम्र नही होती है बाधा, पार करने का हो ठोस इरादा।

चिंता चिता समान कहे
मनै चिता ते चिंता बड़ी लगे
चिंता फूके आजीवन पर
चिता फूंके दो घडी लगे।

www.jainbhajan.in Jeevan Saar 6

हौसले जिनके चट्टान हुआ करते है
रास्ते उनके ही आसान हुआ करते है
ऐ नादान न घबरा इन परेशानियों से
ये तो पल भर की मेहमान हुआ करते हैं।

Before you pray Believe
Before you speak Listen.
Before you spend Earn
Before you write Think
Before you quite Try
Before you die Live.

The world suffers a lot because of the Silence of good people.

रिश्ते अहसास से होते है अहसास हो तो अजनबी भी अपने,
अहसास नहीं हो तो अपने भी अजनबी होते हैं।

TODAY
T This as an
O Opportunity to
D Do
A A work better than
Y Yesterday
This is an appostumty to do a work better than yesterday.

Behaviour will help to maintain the high position in others heart.

You are CEO of your Life.

www.sinbhajan.in
Jeevan Saar 6

दूसरो की विशिष्टता का सम्मान करे ।

कोई भी चीज अपने आप मे न भली होती है और न बुरी,
वह समझने से वैसी ही हो जाती है।

विश्राम मौन है।

ना किसी को तू सता ना किसी की आह ले
हो सके तो कर भलाई वरना अपनी राह ले।

Cars front glass is so large and the rearview mirror so small because future is more important than past. Look ahead with bigger view.

स्वभाव समझदारी सत्संग और सच्चे संबंध सदा साथ देते हैं।

You cannot give the same moment again to anyone. Once you give that person can never ever forget.

प्रसन्नता साधनो से नही आती आपके विचारों से आपके जीने के अंदाज से आती है जो जितना विचार सम्पन्न है उतना ही सुखी है।

दिल सिर्फ सुनता है बोलता नहीं,
अगर बोलता तो कयामत होती।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

अगर आस्था है तो बंद द्वार में भी रास्ता है।

PAINS - Positive Attitude in negative situation.

बात वो करो जो सबको अच्छी लगे
काम वो करो जो रब को अच्छा लगे
दोस्त वो बनाओ जो गम में सीने से लगे
पहचान वो बनाओ जो जाने के बाद भी लोगो को अच्छी लगे।

दुनिया का हर शोक पाला नहीं जाता
काँच के खिलौनों को उछाला नहीं जाता
मेहनत करने से मुश्किल हो जाती है आसान
क्योकि हर काम तकदीरो पर टाला नही जाता।

बूढा व्यक्ति को भार की बजाय भाग्य समझिये
क्योंकि बुढा वृक्ष फल दे या ना दे पर छाया जरूर देता है।

जब तेरी इनायत पर मेरी नजर जाती है
मेरे मालिक मेरी आँखे भर आती है
तू दे रहा है मुझे इस कदर कि
हाथ दुआ में उठने से पहले ही झोली भर जाती है।

मुश्किलो से भाग जाना आसान होता है हर पहलू जिन्दगी का इम्तीहान होता है डरने वालो को जिंदगी में मिलता नही कुछ लड़ने वालो के कदमों में जहान होता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Bless my work, Bring me wisdom, Burn my worries.

People hurt you God will heal you
People humiliate you God will magnify you
People judge you God will justify you.

जब सब कुछ खिलाफ नजर आये तो याद रखे कि हवाई जहाज हवा के खिलाफ ही उडान भरता है।

अनपढ़ जाट पढ़यो जैसे
पढ़यो जाट खुदा जैसो ।

जीओ और जीने दो
जीओ और जिलाओ
जिलाने के लिये जीओ।

जिंदगी में अगर बुरा वक्त नहीं आता तो
अपनो में छुपे हुए गैर और गैरो में छुपे हुए अपने कभी नजर नहीं आते।

मूर्ख से विनय, कुटिल से प्रीति, कंजूस से सुंदर नीति, ममता में डूबे हुए से ज्ञान की चर्चा, अत्यधिक लोभी से वैराग्य की बाते, क्रोधी और कामी से भगवान की कथा कहना इस प्रकार है जैसे बंजर जमीन में बीज बोना।

प्रेम बचपन में मुफ्त मिलता है जवानी में कमाना पड़ता है और बुढ़ापे में माँगना पडता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

यदि वाकई आप कुछ हासिल करना चाहते है तो उसका इंतजार मत कीजिए । बेसब्र होना सीखिए ।

जागरूकता का अर्थ है अपने कर्मक्षेत्र में उन्नत होना और कर्म क्षेत्र क्या है जीवन संग्राम ।

When you know better you do better.

इंसान और बकरे की फितरत एक जैसी होती है दोनो ही मरते दम तक मैं मैं करने से नही हटते ।

Love takes the heart and death takes its beats.

है जिंदगी तो दोस्त है
है दोस्त तो जिंदगी है।

जिसने खर्चा कम करने की बात सोची
समझ लो उसने कमाने की अकल खो दी।

फर्क होता है खुदा और फकीर में
फर्क होता है किस्मत और लकीर में
अगर कुछ चाहो और न मिले तो समझ लेना
कि कुछ और अच्छा लिखा है तकदीर में ।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

वक्त के साथ बदलने का हुनर
तो हर कोई रखता है ऐ दोस्त
मजा तो तब है
जब वक्त बदल जाये पर इंसान न बदले।

Time, health, Friends and Relations
treat them carefully.

लकीरे भी बड़ी अजीब होती है
माथे पर खिच जाए तो किस्मत बना देती है
जमीन पर खिच जाएं तो सरहदे बना देती है
खाल पर खिच जाए तो खून निकाल देती है
और रिश्तो पर खिच जाए तो दीवार बना देती हैं।

Never misuse the one who likes you
Never say busy to the one who needs you
Never cheat the one who really trust you
Never forget the one who always remember you.

इंसान हर चीज बदलता है पर अपना स्वभाव नही बदलता
उसी कारण दुखी रहता है।

कुछ लोग कीमत से नही किस्मत से मिलते है।

आपको जिंदगी समझ लेना हमारा कसूर था ।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

पेड को काटने वाली कुल्हाडी की क्या औकात जो उसे काट दे पर पेड बेचारा क्या करे हत्था तो पेड़ की लकडी का ही है।

नजदीकियां और आदत अक्सर जिंदगी बन जाती है।

जब पांच सेकण्ड की मुस्कान से फोटो अच्छी आ सकती है
तो हमेशा मुस्कराने से जिन्दगी अच्छी क्यो नहीं हो सकती।

जिन की आंखो में शीतलता है हृदय में कोमलता है
वाणी में मिठास है वो इंसान कभी दुखी नहीं होता ।

माँ बाहर से कठोर पर भीतर से मुलायम और ममता से भरी है।

अपने विचारों पर गंभीर रहिये वे शब्द बन जायेगे
अपने शब्दो पर गंभीर रहिये वे कर्म बन जायेगे
अपने कर्म पर गंभीर रहिये वे आदत बन जायेगे
अपनी आदतों पर गंभीर रहिये वे चारित्र बन जायेगा
अपने चरित्र पर गंभीर रहिये
वो आपका भाग्य बन जायेगा। सौभाग्य ।

वंदे तद्गुण लब्धये।

बच्चो पर अपनी पसंद न थोपे ।

गृहस्थ तनाव में जीता है और संत स्वभाव में जीता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

स्वयं में ईश्वर को देखना ध्यान है दूसरो में ईश्वर को देखना प्रेम है और सर्वत्र ईश्वर को देखना साधना है।

निंदा उसी की होती है जो जिंदा होता है।

आदमी की कमजोरी को उजागर करते हैं
लोग क्या कहेगे, मुझसे नही होगा,
अभी मेरा मूड नही है, मेरा तो भाग्य ही खराब है।

संत आज को सफल बनाने में व्यस्त है और संसारी कल को सफल बनाने में मस्त है।

क्रोध के तेवर कम करना है तो चुप रहने की आदत डालिए।

जिंदगी में एक गुरू जरूरी है।

दुख आवश्यकता से नहीं है आकांक्षा में है।

कुछ पाना है तो कुछ छोडो
कुछ कुछ पाना है तो कुछ कुछ छोडो
बहुत कुछ पाना है तो बहुत कुछ छोडो
सब कुछ पाना है तो सब कुछ छोडो
भगवान महावीर और महात्मा बुद्ध राजपुत्र थे पर सब कुछ पाने के लिये सब कुछ छोड दिया है। छोडना ही तो पाने का द्वार है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

सुख दुख स्थाई नहीं होते । स्थाई तो आनंद है जो साधनों से नही साधना से मिलता है। वासना से नही उपासना से मिलता है।

मेहनत इतनी खामोशी से करो कि सफलता शोर मचा दे।

कपटी और दुष्ट मित्र से ज्यादा डरना चाहिये जानवर तो बस आपके शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है पर एक बुरा मित्र बुद्धि को नुकसान पहुंचा सकता है।

परिवर्तन नित्य है। सृष्टि की हर वस्तु परिवर्तन शील है। सूरज दिन में तीन रूप धरता है। बिना बदले जीवन ठहर जाता है। ठहरा हुआ पानी सड जाता है। रोटी गल जाती है। पान गल जाता है। समाज पंगु हो जाता है।

कोई दुःख से निपट लेता है और किसी को दुःख निपटा देता है।

अच्छा वार परिवार।

आँखो में प्रेम देखकर कुता भी पूंछ हिलाने लगता है।

बहुत बोलने वाले घुंघरू पैरो मे पहने जाते है
और मौन धारने वाले हीरे मस्तक पर चढ़ जाते हैं।

भाग्यशाली, सौभाग्यशाली, महाभाग्यशाली,
दुर्भाग्यशाली चार तरह के लोग हुआ करते हैं।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

वस्त्र के साथ स्वभाव की मैचिंग करने वाला ही सुखी रह सकता है।

कही ऐसा न हो कि अर्जन अर्जन में ही जीवन का विसर्जन हो जाए ।

कुदरत हमे हर रोज 1440 मिन्ट बख्शाती है।
हम इनका कैसे उपयोग करे ये हमारे ऊपर निर्भर है।

इच्छाओं को नही इच्छा शक्ति को बढ़ाओ।

ठुकरा कर कोई ठाकुर की कृपा नही पा सकता।

उपलब्धियों का उत्सव जरूर मनाइए लेकिन उनका अहंकार मत करिये ।

लडकी बहू बनकर किसी के घर मे हक से जाती है
तो घर कुछ दिनो में नर्क बन जाता है
और वह फर्ज लेकर जाती है तो स्वर्ग बन जाता है।

घर के सदस्यो के बीच आपसी संवाद नही तो कब्रों में रहने वाले मुर्दो और कमरे में रहने वाले मनुष्यो में कोई फर्क नहीं।

संत ने सेठ को पूछा इस सराय में कौन रहता है चूंकि सेठ की आलीशान कोठी थी तो उसने संत से कहा कि कोठी आपको सराय नजर आती है तब संत ने कहा अभी इसमे कौन रहता है। इससे पहले कौन रहता था । और उससे पहले कौन रहता था। जहां पर आकर लोग रहते तो और चले जाते हो वह सराय नहीं तो और क्या है?

www.jainbhajan.in
Jeevan Sar 6

घर दो तरह से छोड़ा जाता है एक खडे खडे दुसरा पडे पडे ।
पडे यानी मुर्दा होकर ।

विवाद की दो वजह हुआ करती है गलती या गलत फहमी ।

आप सफल होना चाहते है तो बहाना बनाना छोड दीजीए और बहाना बना रहे है तो सफलता को भूल जाइये।

कपडा, चूहा भी काटता है और दर्जी भी। चूहा काटता है तो बंटाधार हो जाता है और दर्जी काटता है तो उद्धार हो जाता है।

अज्ञानी जीवन को तमाशा बनाकर जीता है और ज्ञानी जीवन को तीर्थ बनाकर ।

जिसको छिपकर किया जाए वह पाप।

भाव बिगडने से भव बिगड जाता है।

पाँच साल की लड़की दुकानदार से बोली अंकलजी मैं बडी हो जाऊँगी तो आप अपने बेटे की शादी मुझसे कराएंगे क्या ? दुकानदार ने कहां हां बेटी तो लडकी बोली अपनी होने वाली बहू को एक चाकलेट दो ना।

तन के पिंजरे से प्राण पखेरु उडे इससे पहले मन के मंदिर मे प्रभु की प्राण प्रतिष्ठा कर लेना।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

चीटी से सीखो जो बगैर आराम किए निरन्तर चलती है।

God उल्टा *Dog*

सता का सुख छोडे, कम बोले काम का बोले, केवल प्रशंसात्मक शब्द बोले, अनावश्यक टोका टोकी न करे दादा बनने पर दादागिरी छोड दे।

कुत्ता हमेशा अजनबी को देखकर भौंकता है और इंसान परिचित को देखकर भौकता है।

विभीषण रावण का भाई था और कैकयी राम की माँ। विभीषण रावण के राज्य में रहकर नहीं बिगडा और कैकयी राम के राज्य मे रहकर भी नही सुधरी। कीचड में रहकर भी सोना सोना ही रहता है साँप दूध पीकर भी जहर उगलता है।

बुराई का मुकाबला नैतिक साहस के साथ करें ।

संत के चरण छूते है क्योकि उनके चरणो में आचरण हुआ करता है चरणों को छुनें पर तीर्थों की वंदना का फल मिलता है।

कल नही, काल जरूर आ जाएगा।

मौत छुडाएगी तो मुर्दा कहे जाओगे पहले खुद छोड दे तो मुनि महाराज हो जाओगे।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

सुमति, कुमति, दुर्गति, सन्मति
चार तरह की गति होती है।

जिंदगी को जीना मगर कीचड में कीडे की तरह नहीं अपितु कीचड में कमल की तरह ।

चोट खाकर ही आदमी चोटी पर पहुंचता है
ठोकर लगने से आदमी ठाकुर बनता है।

हमे ढंग से रहने ढंग से कहने और वक्त पर सहने की कला आनी चाहिये।

चिन्ता चिता है और चिन्तन चिन्ता का समाधान।

समय हर पल तेरी जिन्दगी को काट रहा है।

एडजस्ट करना, जरूर आना चाहिये।

जीते जी स्वर्ग चाहते है तो स्वभाव को सरल बनाये
मीठा भले ही न खाए स्वभाव को मीठा जरूर बनाए।

स्वर्ग जाने के लिये स्वर्गीय होना जरूरी है।

प्रार्थना में भाषा नही भाव चाहिये।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जीवन में भक्ति आ जाए तो प्रभु खुद चले आते है
केवट के जीवन में राम खुद आये,
मीरा के जीवन मे श्री कृष्ण खुद आये,
चन्दनबाला के जीवन में महावीर खुद चले आये।

भगवान को मानते है पर भगवान की एक भी नही मानते । दुनिया मे भगवान को चाहने वाले कम और भगवान से चाहने वाले ज्यादा है।

एक आदमी अपने कुत्ते के साथ सुबह टहलने निकला किसी ने पूछा इस गधे के साथ कहां जा रहे हो उसने कहा अबे अंधे यह कुता है गधा नही। वह व्यक्ति बोला जनाब आपसे किसने पूछा मैं तो कुत्ते से पूछ रहा था।

जो पतन के मार्ग पर ले जाए वह पत्नी और खुद धर्म के मार्ग पर चले और अपने पति को भी चलाए वह धर्मपत्नी ।

जिंदगी में धन तो बढ़ रहा है पर उम्र घट रही है।

किसी ने सवाल किया जिन्दगी क्या है, मैंने कहा एक आदमी फुटपाथ पर सिगरेट पीते जा रहा था। पांव के नीचे केले का छिलका आ गया। फिसल गया गिर पडा और खत्म हो गया। सिगरेट जल रही थी पर आदमी बुझ गया था। बस यही है जिन्दगी।

आदमी अमीर गरीब पैसा के होने या न होने से नहीं होता
बल्कि मन के सोचने और समझने से होता है।

मच्छर के मुख से बुखार चढ़ सकता है तो
महापुरुषो के श्रीमुख से भक्ति का रंग क्यो नही चढ़ सकता।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

धर्म चाबी वाली घडी है घड़ी में चाबी एक मिनट मे भरी जाती है पर 24 घंटे चलती है।

दो को एक करने का काम सुई का और एक को दो करने का काम कैंची का है। सुई जोडने का काम करती है और कैची काटने का इसलिये सुई को टोपी पर लगाया जाता है यानि सम्भाल कर रखा जाता है।

राजहंस पक्षी समुद्र की और जा रहा था कुए के मेंढक ने पूछा तुम्हारा समुद्र कितना बडा है। राजहंस बहुत बड़ा, मेढक ने हाथ फैलाकर पूछा इतना बडा राजहंस ने कहा इससे भी बडा । पैर फैलाकर पूछा इतना बड़ा राजहंस इससे भी बडा । छलांग लगाकर पूछा इतना बडा राजहंस इससे भी बडा । मेंढक को गुस्सा आ गया और बोला सफेद झूठ । इसे कहते हैं कूप मंडूक। अपने दायरे से बाहर निकलिए और देखिए दुनिया बहुत बड़ी है।

जीवन के वाक्य में अर्द्ध विराम होते है, फुल स्टॉप नही । जिंदगी में एकाध बार असफल हो गये तो इसका मतलब यह नहीं कि सफलता के सारे द्वार बन्द हो गये है। फिर से ट्राई करे सफलता जरूर मिलेगी। लहरों से डरकर नैया पार नहीं होती और कोशिश करने वालो की कभी हार नही होती ।

कब खाना, कितना खाना, कैसे खाना और क्या खाना, दबा दबा कर खाएगा तो फिर दवाखाना भी जाएगा।

कभी कोई नुकसान हो भी जाए तो सोचना जो जाना था सो चला गया।

कोल्हू का बैल कभी रास्ता नहीं भटकता पर वह कभी पहुचता भी नहीं है। आज का आदमी कोल्हू के बैल जैसी जिंदगी जी रहा है।

www.jainelibrary.in Jeevan Saar 6

भले ही आदमी का जन्म वासना के बिस्तर पर हुआ हो लेकिन वह उपासना के प्रस्तर पर जिये और साधना के संस्तर पर मरे इसी का नाम जिंदगी है।

अपना खाया देरे सवेर गोबर बन जाएगा मगर जो किसी भूखे को खिला दिया वह प्रभु का प्रसाद बन जाया करता है।

यदि अन्धा आदमी बाग में जाता है तो वह बाग की खुबसूरती को तो नही देख सकता लेकिन फूलो की खुशबु तो ले ही सकता है।

पहाड के पास जाने से ऊंट डरता है।

जीतना और लौटा देना हमारी संस्कृति है भगवान बाहुबलि ने भरत का राज्य जीता और उन्हे लौटा दिया, राम ने लंका जीती और विभीषण को लौटा दिया, श्री कृष्ण ने मथुरा का राज्य जीता और लौटा दिया, लालबहादुर शास्त्री ने पाकिस्तान से युद्ध जीता और उन्हें जीती हुई जमीन लौटा दी, इन्दिरा गांधी ने बांग्लादेश से युद्ध जीता और उनकी जमीन उन्हें लौटा दी। अर्जन के साथ विसर्जन जरूरी है।

हे प्रभु अगर तूने कल का सूरज दिखाया तो मैं तेरे दर पर मत्था टेकने जरूर आऊँगा और कल का सूरज नही दिखा तो मेरा आखिरी प्रणाम स्वीकार करें ।

सुमिरण (सुमरण) से ही सु–मरण होता है।

जीवन में यदि कुछ मूल्यवान है तो वह है स्वयं का मूल्य।

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

कम बोले, काम का बोले । आंखे दो, कान दो, हाथ दो, पाँव दो लेकिन मुख एक है क्यो ? कि देखे ज्यादा, बोले कम, सुने ज्यादा, कहे कम चले ज्यादा । शब्द सम्पदा है, इसका उपयोग सोच समझकर करिए। शब्दों को फिजूल बर्बाद न करे । जो कम बोलता है उन्हें हर कोई सुनता है।

क्रोध को नौकर बनाकर रखो, मालिक मत बनने दो।

बच्चो से उलझिये नही वरन् उनकी उलझने सुलझाइए।

आदमी ने बच्चे से पूछा तुम्हें तैरना आता है। बच्चे ने कहा नही। आदमी ने कहा तुमसे तो अच्छा वह कुत्ता है जिसे तैरना आता है। बच्चे ने पूछा अंकल जी आपको तैरना आता है आदमी बोला हाँ। बच्चे ने कहा तो फिर आप में व कुत्ते मे क्या अन्तर हुआ?

दूसरो की समृद्धि देखकर जले नही क्योकि
जलते तो वो लोग है जो मर जाते हैं।

दिल से बने रिश्ते निभाने का जज्बा दोनो तरफ हो तो ये रिश्ता कभी बदनाम नही होता।

ना हम कुछ हसकर सीखे
ना हम कुछ रो कर सीखे
अब तक जो सीखा
वो किसी के होकर या किसी को खोकर सीखा।

संबंध और सम्पति मुट्ठी भरो तो रेती है और बोते रहो तो खेती है।

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

पल पल चेहरे पर मुस्कान रहे
हर एक गम से आप अनजान रहे
जिसके साथ महक उठे आपकी जिंदगी
खुदा करे आपके पास हमेशा वही इंसान रहे।

ऊपर वाला जिन्हे खून के रिश्ते मे बांधना भूल जाता है
उन्हे सच्चे मित्र बनाकर अपनी भूल सुधार लेता है।

Tears can be trusted more than smile because you can easily smile at any body but cannot cry without true feelings.

अहसास बदल जाते हैं, बस और कुछ नही करना,
मोहब्बत और नफरत एक ही दिल से होती है।

जिन्दगी में मित्र और आलोचक जरूरी है क्योकि ईश्वर ने हमे बनाया ही इस तरह है कि न तो हम अपनी पीठ थपथपा सकते हैं और न ही स्वयं को लात मार सकते हैं।

Richness is when you need no more.

रात सुबह का इतजार नहीं करती
खुशबु मौसम का इंतजार नहीं करती
जो भी जिदगी से मिले उसको खुशी से जिओ
क्योंकि जिंदगी वक्त का इन्तजार नहीं करती।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

लोहे वाली तलवार एक को दो करती है
जबकि मोहब्बत की तलवार दो को एक कर देती है।

Discussion is exchange of knowledge
Argument is exchange of ignorance.

जीवन भर सिर्फ संपति जोडने की फिराक में न रहे जिंदगी का एक एक पल पूरी तरह से जिये। मेरे पास अथाह सम्पति भी मेरे लिये एक घंटे का समय नही खरीद सकती। इसलिये वर्तमान मे जियो भविष्य की सोच कर अपने वर्तमान को खराब मत करो।

सत्य झूठ के मुखौटे को उतार फैंकता है। झूठ सत्य की उपस्थिति मात्र से खत्म होजाता है। सत्य की निन्दा या आलोचना स्वाभाविक है।

To report objectively to analyse logically and to criticize fearlessly.

किसी पसन्द करने पर उसका स्थान दिल में व ना पसन्द करने पर दिमाग में होता है।

आये थे हरि भजन को ओंटन लगे कपास ।

खाओ मण भर झूठा न छोडो कण भर।

मनुष्य की यह मनोवृति है कि दूसरे को नीचा दिखाकर अपने को ऊंचा दिखाना चाहता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

एक तिनका गंगा में गिरा और 1500 मील बहकर समुद्र में पहुंच गया तो उस तिनके को तैरने का श्रेय नही मिलेगा क्योंकि वह प्रवाह के अनुकूल बहता गया। वैसे मैं जो कर रहा हूँ वह भी प्रवाह के साथ है।

मैं यही जानना चाहता हूँ कि तुम्हारे दुख क्या है उन्हे दूर करने में मदद करना चाहता हूँ।

हाथो से छोडना सहज है मगर मन से छूटना सहज नही है और मन से छूटना ही सच्चा त्याग है और वैराग्य है।

धर्म और है पन्थ और है, अन्धे बन मत दौडो
पाना है यदि धर्म तो पन्थ मोह को छोडो ।

शब्द ब्रह्म है लेकिन न समझ पाये तो भ्रम ही भ्रम है।

अपने हाथो पर मेहन्दी नहीं, मेहनत का रंग लगाये।

कडवी जबान से रावण ने अपने भाई को खो दिया
और मीठी जबान से विभीषण ने राम को भी अपना बना लिया।

हैप्पी वाइफ यानि हैप्पी लाइफ ।

बड़े आदमी से दोस्ती का मतलब यह नही है कि
सामान्य व्यक्ति से रही दोस्ती को ठुकरा दिया जाय।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

आपकी प्रतिष्ठा आपके जीवन का खजाना है।

सफल जीवन जीना है तो खुद को सक्रिय बनाओ।

बुद्विमान के साथ रहिये।

जीवन में क्लेश का छेद हो जाए तो उसे मिटा दीजीये।

अगर रास्ता खुबसूरत है तो पता कीजीए कि किस मंजिल की ओर जाता है पर अगर मंजिल खुबसूरत है तो इस बात की परवाह मत कीजिए कि रास्ता कैसा है।

चिंता कुलटा है यह दुख की बेटी और यमराज की पोती है कृपया इसे अपने घर की पुत्रवधु मत बनने दीजीए।

ईमान और जबान के पक्के रहे, झगडे और मुकदमेबाजी से बचे।

छोटा सा एक सत्कार्य ही सही पर अवश्य कीजीये।

सुगन्ध के कारण चन्दन व विनय के कारण व्यक्ति सबको प्रिय लगता है।

विनम्रता परिपक्वता की निशानी है।

महीने में एक दिन फलाहार लीजीये।

www.jainbhajan.in Jeevan Saar 6

बाल्टी में पानी उतना ही आएगा जितनी उसकी ग्रहण शक्ति है।

सीखी हुई विधा हमेशा सौ गुना मोल लौटाती है।

इल्म और हुनर जिससे भी मिले सीखे ।

जो सीखे उसे दूसरो को सीखाते चले।

अच्छी पत्नी अच्छी संतान और अच्छा पडौसी ये तीनो सौभाग्य से मिलते है।

खुद को स्थापित करने के लिए आपको अपने पिताजी से दुगनी उपलब्धियां हासिल करनी होगी।

कंजूसी लोगो से हमे तोडती है जबकि उदारता लोगो से जोड़ती है।

रिश्तो को बनाने मे नही, निभाने में विश्वास रखिए।

ज्ञान कृष्ण है और आचरण अर्जुन ।

तीनो को नही रोके दान देने वाला दाता को, धर्म प्रचार करने वाले संत को, सेवा करने वाले सेवाभावी को।

किसी के घर के भोजन करने जाए तो साथ में तोहफा जरूर ले जाए।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जिससे आपकी रंजिश है उसके घर की दस सीढियाँ चढकर उसे गले लगा आना सबसे बड़ी तीर्थ यात्रा है।

समर्पण का सिद्धान्त अपनाते ही आप पाएंगे आपके लिए जीत का द्वार खुल गया है।

एक बार रक्तदान अवश्य कीजिए गुजारिश है हमारी
खुदा आपको खुश रखे यह हुआ है हमारी
आपका रक्त निश्चय ही किसी की जिंदगी बचाएगा
आपका यह पुण्य आपके बेवक्त काम आएगा।

छलाँग लगाने का साहस बटोरिए।

सेवा करनी है तो पद के चक्कर में मत पड़िए ।

जो चलेगा सो चरेगा।

अच्छी किस्मत के लिये अच्छी काबिलियत विकसित कीजीए।

समर्थ है तो नई पहचान बनाकर खुद को नए साँचे में ढाले ।

धन विद्या है।

God, go on duty.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

छोटी छोटी बातों पर ध्यान मत दीजिए।

गुणों से बड़े होते है ऊंचे आसन पर बैठने मात्र से नही।

पुरुषार्थ और समझदारी सृजन के लिये चाहिए विध्वंश के लिये नही।

परम्परा में थोडा सा ही परिवर्तन करें
आमूल चूल किया परिवर्तन विद्रोह पैदा कर सकता है।

परम्पराओं के गुलाम न बने ।

मुंह में कौर देने से कौन वश में नही आता
ढोलक पर चमड़ा मढ दो वह भी मीठा बोलने लगता है।

दुखो की चोट खाकर भी धैर्य मत खोइए ।

शुरुआत भले ही जीरो से हो वही आपको हीरो बनाएगी।

अपने से बडो के सामने न तो ऊंची आवाज में बोले न उनकी दायी और खडे हो न उनसे ऊंचे आसन पर बैठे और न ही उन्हें कोई काम करने के लिये कहे।

हार जाएं तो अपना मनोबल ऊंचा रखे,
पर जीत जाएं तो खून को और विनम्र बना ले।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

बगैर पढ़ा लिखा इंसान कुत्ते की पूँछ की तरह होता है
जो न तो अपने गुह्य प्रदेश को ढक सकती है और
न ही मक्खी मच्छर उड़ा पाती है।

बदमाश कोयले की तरह होता है गर्म होगा तो
हाथ जलायेगा, ठंडा होगा तो हाथ काला करेगा।

अपनी काबिलियत का उपयोग कीजीये।
मिट्टी मे दबे रहने से रत्न की कीमत नहीं होती।

सोच सकारात्मक हो मन में आत्म विश्वास तो कैंसर भी हमे मार नही सकेगा पर निराश और नकारात्मक सोच वालो पर कोई दवा भी असर नहीं करेगी।

काम के वक्त घड़ी न देखे ।

NO यानि *Next opportunity.*

कमाने के लिये भेजा चाहिये
पर लगाने के लिये कलेजा चाहिये।

खाएंगे पियेगे तो अंग लगेगा
दान देंगे तो संग चलेगा
इकट्ठा करेंगे तो जंग लगेगा।

एक किलो धूल और एक किलो हीरे दोनो का वजन तो बराबर होता है पर मूल्य एक जैसा नहीं होता।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

आप छोटे लोगो को इज्जत दीजीये वे बड़े आदमी बन जाने पर भी आपको हमेशा याद रखेगे।

विशेषताओं का उपयोग करने से ही विशिष्टताओ का खजाना आपके हाथ लगेगा।

एक कमजोर कडी पूरी जंजीर के लिये खतरा बन सकती है, और हमारी एक चूक 99 सफलताओं पर पानी फेर सकती है।

जो काम दूसरो से करवाया जा सकता है, उसे खुद मत कीजीए स्वयं के लिये नये कार्य की तलाश कीजिऐ।

कुदरत हमें प्रतिकूलताओ और चुनौतियों के जरिये सिखाता है।

कर्मचारी के भरन पोषण के लिये अपने हाथों को उदार रखिये ।

संत अगर क्रोध करता है तो मरकर साँप बनेगा पर साँप अगर शांत रहना सीख जाएगा तो मरकर स्वर्ग का अधिपति बनेगा।

जीवन में कोई विपत्ति आये तो, आपत्ति मत कीजिये।

जीवन में आने वाली प्रतिकूल परिस्थितियाँ चाबुक की चोट की तरह होती है।

आलस्य के कारण खरगोश हार गया, पर गतिशीलता के कारण कछुआ बाजी मार गया।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

दोस्ती पानी और मछली की तरह हो न कि
पंछी की तरह दाना पानी चुगकर उड़ जाते है।

खोए को रोना क्या, भविष्य के बारे में सोचना क्या।

गरम तवे का साथ पाकर जल बून्द भस्म हुई,
कमल पत्र पर मोती सी चमकने लगी,
सीप का साहचर्य पाकर सच्चा मोती बन गई,
अतः सोच समझकर साथी बनावे।

आपकी प्रकृति शांत है तो सचमुच आप संत है।

गधे की भी पीठ थप थपायेगे तो वह भी घोड़े की तरह उपयोगी बन जायेगा।

बच्चों को घर का गमला नही, जंगल का पौधा बनाएं,
ताकि वे अपने बलबूते पर खड़े रह सके।

आपके पति, आपके जीवन रथ के सारथी और संचालक है। वे आपके माथे के सिंदूर, जीवन के सौभाग्य, करवा चौथ का व्रत और दिल के देवता है। अपने पति की तुलना दूसरों से मत कीजिये। अपने पति की कमियाँ मत निकालिए। अपने पति पर झल्लाइए मत।

सोचिए वही जिसे बोला जा सके और बोलिए वही जिस पर हस्ताक्षर किए जा सके। अपनी वाणी को वीणा की तरह मधुर बनाइए।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

बुजुर्गों के साये में रहिए।

जो परीक्षा में असफल हुए उन्हें हताश होने की बजाय उस सूर्य से प्रेरणा लेनी चाहिए जो कल अस्त होने के बावजूद आज फिर से उदित हुअ है।

याददाश्त के लिये रिमेम्बरिंग, रिवाइजिंग, राइटिंग का फार्मूला अपनाइए। यानि याद कीजिये, दोहराइए लिखकर उसे और पक्का कीजिये।

पूरी ताकत से प्रगति की दिशा में धक्का मारिए और जैसे ही गाड़ी चल पड़े कूदकर चढ़ जाइए।

चेहरे को रंग देना कुदरत का काम है पर जीवन को सही ढ़ंग देना हमारा स्वयं का दायित्व है।

किसी भी बिन्दु पर सोचिए शान्ति से पर जब उसे मूर्त रूप देना हो तो कीजिए तेजी से।

जीवन में कुछ सपने और लक्ष्य बनाइए।

ब्राह्मण डूबे मीठी धार,
बणिया डूबे काली धार।

Only we are responsible for our failures.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

लालची आदमी को वस्तु देकर संतुष्ट करें
कठोर आदमी को हाथ जोड़कर संतुष्ट करें
मूर्ख आदमी को सम्मान देकर संतुष्ट करें
विद्वान आदमी को सच बोलकर संतुष्ट करें।

जो झुक सकता है, वह सारी दुनिया को झुका सकता है।

Listen to everyone and learn from everyone
Because nobody knows everything
But everything knows something.

बहुत दूर तक जाना पड़ता है, सिर्फ यह जानने के लिए कि नजदीक कौन है।

बसंत पंचमी – ज्ञान और कला की देवी माँ सरस्वती का जन्मदिन, धन की देवी माँ लक्ष्मी की भगवान विष्णु से शादी का दिन, शरद ऋतु की समाप्ति व फूलों से मुस्काती हुई बसन्त ऋतु का आगमन।

प – शब्द हमको बहुत प्रिय है हम जिन्दगी भर प के पीछे भागते है जो मिलता है वह भी प और जो नहीं मिलता वह भी प। पति–पत्नी, पुत्र–पुत्री, परिवार, पैसा, पद, प्रतिष्ठा, प्रशंसा इन सबके पीछे पड़ते पड़ते, हम पाप करते है यह भी प है फिर हमारा प से पतन होता है और अंत में बचता है सिर्फ पछतावा। अतः पाप के प के पीछे पड़ने से अच्छा है परमात्मा के प पीछे पड़े।

www.jainbhajan.in
Jeevan Sar 6

शहद बनाने वाली मक्खी भी डंक मारने से नही चूकती है, अतः मीठे आदमी से भी धोखा हो सकता है।

Yesterday is experience Today in experiment tommorrow in expectation so use your experience in your experiment to achieve your expectation.

कर्ण को वरदान मे कुण्डल मिले थे और वरदान मिला कि जब तक, कुण्डल उसके कान मे रहेंगे, उसे कोई नही मार सकता। लेकिन एक बार किसी ने कर्ण से दान मे उसके कुण्डल मांग लिये तो कर्ण ने उसे दे दिये और कहा वो जीवन ही क्या जिसमें मरने का डर ना हो। इसलिये कहा गया है कि दान देना तो कर्ण जैसा।

Keep a green tree in your heart the birds will automatically come. So always keep hoping for good.

God puts us where we grow best so enjoy life in every situation.

FAIL means first attempt in learning.

Yesterday's fights do not stop todays communication.

अपने रब पर भरोसा और वक्त पर ऐतबार करो।

God said i have given you lift to enjoy everything.

www.jainbhajan.in Jeevan Saar 6

Bless my work. Bring me wisdom burn my worries.

नदी जब किनारा छोड़ देती है
राह की चट्टान तक तोड़ देती है
बात छोटी सी अगर चुभ जाती है दिल में
जिंदगी के रास्तो को मोड़ देती है।

अपनी कमियों को केवल हम ही दूर कर सकते है और कोई नही
बाकी सब केवल इनका फायदा उठाना जानते है।

नही भूलती दो चीजे चाहे जितना भुलाओ
एक घाव और दूसरा लगाव।

घड़ी की फितरत भी अजीब है हमेशा टिक टिक कहती है, मगर ना खुद टिकती है और ना दूसरो को टिकने देती है।

कश्ती बह जाती है तूफान चले जाते है
यादे रह जाती है इंसान चले जाते है
दोस्ती खत्म नहीं होती किसी के दूर जाने से
दुःख जरूर होता है साथ छूट जाने से।

Sometimges, life gives you a second chance, because you were not ready the first time.

सांस टूटने से तो इंसान एक ही बार मरता है
पर किसी का साथ टूटने से इंसान पल पल मरता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

किसी की आँख से आंसू आप की वजह से होना यह अपराध है
किसी की आँख में आंसू अपके लिये हो यह आपकी उपलब्धि है।

क्लेश मत करो, खराब मत करो, गर्व ना करो,
घमण्ड मत करो, चिंता मत करो, छलकपट मत करो,
जवाबदारी निभाओ, झूठ मत बोलो, टिप्पणी मत करो,
ठगो मत, डरपोक मत बनो, ढोंग ना करो,
तैश में मत रहो, थको मत, दिलदार बनो,
धोखा मत करो, नम्र बनो, पाप मत करो,
फालतू काम मत करो, बिगाड़ मत करो,
भावुक बनो, मधुर बनो, यशस्वी बनो,
रोओ मत, लोभ मत करो, वैर मत करो,
शत्रुता मत करो, षटकोण की तरह स्थिर रहो,
सच बोलो, हँसमुख रहो, क्षमा करो,
त्रास मत करो, ज्ञानी बनो।

जरूरत के मुताबिक जिन्दगी जिओ, ख्वाहिशो के मुताबिक नही
फकीर की जरूरत पूरी हो जाती है
लेकिन बादशाह की ख्वाहिश अधूरी रह जाती है।

मनुष्य काम से नही, क्रोध और चिन्ता से एक क्षण में थक जाता है।

दुनिया में कोई भी चीज अपने आपके लिए नही बनी है
दरिया खुद अपना पानी नही पीता
पेड़ खुद अपना फल नही खाता
सूरज अपने लिये हर रात नही देता
फूल अपनी खुशबू अपने लिये नहीं बिखेरते।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

मांगो तो अपने रब से मांगो जो दे तो रहमत और न दे तो किस्मत।

दुनिया से कभी न मांगे, दे तो एहसान और न दे तो शर्मिन्दगी।

कामयाबी दिल में घमण्ड और नकामी दिल में मायूसी पैदा करती है।

कौन देता है उम्र भर का सहारा, लोग तो जनाजे में भी
कंधे बदलते रहते है।

पूजा कर रहे हो तो विश्वास करना सीखो।

बोलने से पहले सुनना सीखो।

खर्च करना है तो कमाना सीखो।

लिखना है तो सोचना सीखो।

हार मानने से पहले फिर से कोशिश करना सीखो।

मरने से पहले खुल के जीना सीखो।

हर जर्रे में उसका ही नूर है, तुझको नजर न आये तो किसका कसूर है।

अच्छे वक्त में कुछ ऐसा गलत मत करो कि बुरे वक्त में लोग आपका साथ छोड़ दे।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Misunderstanding between two people create space for third person.

राम लिखा, रहमान लिखा, गीता और कुरान लिखा, जब बात हुई पूरी दुनिया को एक लफ्ज में लिखने की, तब मैने माँ का नाम लिखा।

आवत ही हरषै नही, नैनन नही स्नेह,
तुलसी तहा ना जाइए, कंचन बरसे मेह।

यह रहीम निज संग लै, जनमत जगत न कोय,
बैर, प्रीति, अभ्यास, यश, होत होत ही होय।

टूटने व हारने का मतलब है हमने किसी चीज के लिये कोशिश की थी।

खुसरो दरिया प्रेम का, उल्टी वा की धार,
जो उतरा सो डूब गया, जो डूबा सो पार।

रहिमन खोजो ऊख (गन्ना) में, जहां रसन की खानि
जहां गांठ तह रस नही, यही प्रीति की हानि।

मुखिया मुख सौ चाहिए खान पान को एक
पालै पौसे सकल अंग, तुलसी सहित विवेक।

सज्जन ऐसा कीजिए, ढाल सरीखा होय
दुख में आगे रहे, सुख में पाछे होय।

www.jainbhalan.in
Jeevan Saar 6

रूठे सुजन मनाइए, जो रूठे सौ बार,
रहिमन फिर फिर पोइए, टूटे मुक्ताहार।

फैसला, फासले से बेहतर है।

नकाब और नसीब सरकता जरूर है।

रफ्तार तेज है जिन्दगी की,
सुबह का दर्द शाम को पुराना हो जाता है।

जिन्दगी जीना गुलाब से सीखे
जो खुद टूटकर दो दिलो को जोड़ देता है।

पानी दरिया में हो या आंखो में,
गहराई और राज दोनों में होते है।

बुलंदियों पर पहुंचकर गुरूर ना करना
सफर की ढलान अभी बाकी है।

अगर आप कामयाब है तो सब माफ है
वरना सब आपके बाप है।

अगर साथ हो जिन्दगी में सच्चे दोस्तों का
तो यह जिन्दगी किसी जन्नत से कम नहीं।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

अपने दोस्तो की मुस्कराहट देखकर समझ जाता हूँ कि तकदीर बुलंद है।

कामयाबी के कुछ उसूल होते है
बुजदिलो के नखरे फिजूल होते है
रखते नहीं जो खुद को पाबंद वक्त के
वो मर मिट कर राह की धूल होते है।

इश्क महसूस करना भी इबादत से कम नही
जरा बताइये छू कर खुदा को किसने देखा है।

जो भाग्य में है वह कही से भी भाग कर आयेगा
और जो भाग्य में नही है वह आकर भी भाग जायेगा।

गरीब वह है, जिसका खर्चा आमदनी से ज्यादा है।

बाल सफेद करने में जिन्दगी निकल जाती है,
काले तो आधे घंटे में हो जाते है।

वो शख्स जो झुक के तुमसे मिला होगा,
यकीनन उसका कद तुमसे बड़ा होगा।

Never lose hope you never know
what tomorrow may bring.

Everyone have two eyes but no one has the same view.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

अगर किसी के पास सब कुछ हो तो दुनिया जलती है
अगर कुछ ना हो तो दुनिया हंसती है
हमारे पास आप के लिये सिर्फ दुआ है
जिसके लिये सारी दुनिया तरसती है।

Willingness to change.

O yani Opportunity which is absent in yesterday avaiable only once in today and thrice in tomorrow.

Nothing to more expensive than a missed opportunity.

Nice words written on a balloon flying high up in the sky its not whats outside but inside that takes you to the top.

To be the object of jealousy is the sign of success in life.

Friends
Fight for you
Rspect you
Involve you
Encourage you
Need you
Deserve you
Save you.

सुबह बचपन हंसते देखा दोपहर मस्त जवानी
शाम बुढ़ापा ढलते देखा रात को खत्म कहानी।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Money and power quickly change people.

A good morning creates a good mood.

Don't be so much emotional in your life that it hurts you.

Don't get too much practical in life that it hurts others.

Attitude and chaoice of today will be our identity tomorrow.

ईश्वर द्वारा अपकी प्रार्थना का उत्तर मिलता है
यानि आपकी आस्था बढ़ाता है
उत्तर में विलम्ब होता है आपका धैर्य बढ़ाता है
प्रार्थना को सुनते ही नही तो
आपको चुनौतियों का सामना करने के योग्य समझता है।

चाय की कभी चाहत करी नही
और पान कभी छोड़ा नहीं।

भ्रम भारी, पिटारा खाली।

Open mind before mouth.

कदर करनी है, तो जीते जी करो
अरथी उठाते वक्त तो नफरत करने वाले भी रो पड़ते है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Live in peace not in pieces.

जिन्हे गुस्सा आता है वह लोग सच्चे होते है,
मैंने झूठो को अक्सर मुस्कुराते हुए देखा है।

बुरे विचार उस हृदय में प्रवेश नहीं कर सकते,
जिसके द्वार पर ईश्वरीय विचारों के पहरेदार खड़े हो।

दिल बड़ा रखो, दिमाग ठण्डा रखो, वाणी मीठी रखो।

जिन्दगी गरीबो को उन महलो के सपने दिखाती है
जिसमें अमीरो को नींद नही आती।

हर नशे का नाम शराब नहीं होता।

जरूरी नही रोशनी चिरागों से ही हो,
बेटियां भी घर में उजाला करती है।

Life is football game and we are footballs never mind the kicks of people because without kicks we may not reach the goal.

ऐसा ना हो जुबा पे खुदा का नाम हो,
और दिल में यकीन ना हो।

आदमी को जिन्दगी की भाग दौड़ में यह पता नही चलता कि उसका कफन बाजार में आ गया है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

प्रेम को नफरत में ना बदलो।

A man asked an artist.
How do you make such beautiful things from stone?
He replied Beauty is already hidden the i just remove extra stone.

लड़के के लिये बहु लाना, संजीवनी बुटी के समान है।

अमीर से होती है, गरीब से होती है,
दूर से होती है, करीब से होती है,
ये कोई आदमी के हाथ में नही
सगाई व शादी तो अपने अपने नसीब से होती है।

तूने बनाया जोड़ा किस्मत से या खुदा
रखना इनको सलामत ये है हमारी दुआ।

We do greatest mistake listen half understand quarter think zero and react double.

You life is a fingerprint so make the best impression with it.

दुश्मन के दरमियां ऐसे रहो जैसे जुबा बतीस दांतो के दरमियां रहती है, मिलती सबसे है दबती किसी से नहीं।

Grab the opportunity.

www.jainbhajan.in Jeevan Saar 6

अच्छी बाते तो, बुरे लोग भी कर लेते है।

अच्छे दिल से रिश्ते बनेगे और अच्छे स्वभाव से रिश्ते जीवन भर बने रहेगे।

उठो तो ऐसे उठो फक्र हो बुलंदी को
झुको तो ऐसे झुको बंदगी भी नाज करे।

ना साथी है कोई न हमसफर है कोई
न हम किसी के ना हमारा है कोई।

नफरत के कारण आपमे कुछ ऐसा है जो वह पसंद नही करते या आपमे कुछ ऐसा है जो उनमे नहीं।

Adjustment with right people is always
better than arguments with wrong people.

Meaningful silence is always better than meaningless words.

नोकरी ना कीजिये घास खोद खाइये
और खोदे आसपास तो आप दूर जाइये।

Walk daily live healthy.

खुश होकर काम करोगे तो खुशी जरूर मिलेगी।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

चक्रवर्ती की सम्पदा इन्द्र सरीखे भोग
काग बीट सब गिनत है सम्यक दृष्टि लोग।

अभी वर्तमान में जैसे देव है वैसे ही पुजारी है
यानि शिथिलता का बोध है।

The eyes are useless when mind is blind.

बच्चों की आंखो मे श्रद्धा, पत्नी की आंखो में प्रेम
घर में शान्ति की दिव्य भूमि होती है।

किसी ने खुदा से दुआ मांगी,
दुआ मे उसने खुद की मौत मांगी
खुदा ने कहा मौत तो तुझे दे दूं मगर
उससे क्यां कहु जिसने तेरी जिन्दगी की दुआ मांगी।

Be a good person, but don't waste time to prove.

Pain changer people.

ऐ दोस्त क्या पता तेरे लब हिले और मेरी तकदीर सँवर जाये।

तुम किसी और से इश्क कर लो
हमें अमीर होने मे जरा वक्त लगेगा।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

हम सदैव निर्भर है हमारा भ्रम है कि हम आत्म निर्भर है।

हमेशा जानो – मुस्कराहट के पीछे दुख
गुस्से के पीछे प्यार
चुप रहने के पीछे वजह।

जिन्दगी का सबसे बड़ा साथी फूल (गुलाब) है
हाथ में थमाओ तो यार
बालो में लगाओ तो प्यार है
शीष पर रखो तो ज्ञान
और चरण में रखो तो ध्यान है
कद्र करो इसकी यह सन्त है
जब गिरे शरीर पर तो समझो हमारा अन्त है।

दरिया ने झरने से पूछा, तुझे समन्दर नहीं बनना है क्या?
झरने ने बड़ी नम्रता से कहा, बढ़ा बनकर खारा हो जाने से अच्छा है
कि मैं छोटा रहकर मीठा ही रहूँ।

Be a voice not the echo.

उम्र भर चलते रहे मगर कंधे पर आये कब्र तक
बस दस कदम के वास्ते गैरो का अहसान हो गया।

टूट जाता है गरीबी में वो
रिश्ता जो खास होता है
हजारों यार बनते है
जब पैसा पास होता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

The audience see a joker as a joker but the joker sees himself as a performer no matter what others think about you its your life. Just go on with confidence.

मिलता है जहाँ में प्यार उसे
औरो के जो आंसू पीता है
क्या मार सकेगी मौत उसे
जो दिल में सबके जीता है।

बुलन्द हो होंसला तो मुट्टी में हर मुकाम है
मुश्किले और मुसीबते तो जिन्दगी में आम है
जिन्दा हो तो ताकत रखो बाजुओ में
लहरो के खिलाफ तैरने कि
क्योंकि लहरों के साथ बहना तो लाशों का काम है।

धरम बहन मतलब सगी बहन नहीं है
फिर ये धरम पत्नी मतलब सगी पत्नी क्यों है?

Little knowledge is always dangerous.

खुदा पिघल जाये जिस मासूमियत पे
इन्सानियत पत्थर हुई कैसे खुदा जाने।

Love is always loyalty.

सफलतम मनुष्य वह है जिसका बुढ़ापा सुखमय है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

रिश्तों में शरारते करो, साजिश नहीं।

आपके कान में कोई अगर जहर घोल दे तो उसका ईलाज नहीं है।

विश्वास है तो शक्कर, नही तो कंकर।

तेरी नेकी का लिबास ही
तेरा बदन ढकेगा ऐ बंदे
सुना है ऊपर वाले के घर
कपड़ों की दुकान नहीं होती।

You are as old as you think you are so always be young.

Everyone will not get everything.
This is the rule of life.

Life is an opportunity to create a meaning.

A desire changes nothing
A decision changes something
But determination changes everything.

All fingers on the hand are not the same.

वक्त सबको मिलता है, जिन्दगी बदलने के लिये,
पर जिन्दगी दुबारा नहीं मिलती वक्त बदलने के लिये।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

When a key opens many locks it becomes a master key. Be a master in life.

प्यार देने का नाम है, पाने का नही।

मेहन्दी के पत्तों जैसा बनो जो खुद पिसकर भी दूसरों की जिन्दगी में रंग भर देते है।

सच बगैर कपड़े के भी चल सकता है,
किन्तु झूठ को हमेशा ढकनें की जरूरत होती है।

बांसुरी बिना बजाये नही बोलती,
जब भी बोलती है मीठा बोलती है,
बांसुरी में कोई गांठ नहीं होती।

खाली हाथ आया हुआ इंसान, अपनो के लिये तो बहुत कुछ छोड़ता है पर खुद खाली हाथ ही चला जाता है।

ये मौत भी अजीब चीज है दोस्तो एक दिन मरने के लिये पूरी जिन्दगी जीना पड़ती है।

बुरे वक्त में भी एक अच्छाई होती है,
जैसे ही ये आता है फालतू के दोस्त विदा हो जाते है।

Do good and good will come to you.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

हर प्राणी को जीवन जीने का अधिकार है।

पाप कर्म का फल, कई गुणा अवश्य मिलेगा।

उम्मीदे हमेशा दर्द देती है।

किसी आत्मा की सबसे बड़ी गल्ती अपने असल रूप को ना पहचानना है
और यह केवल आत्म ज्ञान प्राप्त करके ठीक की जा सकती है।

शान्ति और आत्म नियन्त्रण अहिंसा है।

प्रत्येक जीवन स्वतन्त्र है कोई किसी और पर निर्भर नहीं रहता।

भगवान का अलग से कोई अस्तित्व नहीं है
हर कोई सही दिशा में सर्वोच्च प्रयास करके देवत्य प्राप्त कर सकता है।

प्रत्येक आत्मा स्वयं में सर्वज्ञ और आनन्दमय है,
आनन्द बाहर से नहीं आता।

हर एक जीवित प्राणी के प्रति दया रखो, घृणा से विनाश होता है।

सभी मनुष्य अपने स्वयं के दोष की वजह से दुखी होते है
और वे खुद अपनी गलती सुधार कर प्रसन्न हो सकते है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

सभी जीवित प्राणियों के प्रति सम्मान अहिंसा है।

अहिंसा, सबसे बड़ा धर्म है।

एक व्यक्ति जलते हुए जंगल के मध्य में एक ऊँचे वृक्ष पर बैठा है। वह सभी जीवित प्राणियों को मरते हुए देखता है, लेकिन वह यह नहीं समझता की जल्द ही उसका भी यही हस्र होने वाला है। वह आदमी मूर्ख है।

स्वयं से लड़ो, बाहरी मनुष्य से क्या लड़ना?
वह जो स्वयं पर विजय कर लेगा उसे आनन्द की प्राप्ति होगी।

असली शत्रु आपके भीतर रहते है
वो शत्रु है क्रोध, घमण्ड, लालच, आसक्ति और नफरत।

खुद पर विजय प्राप्त करना, लाखो शत्रुओं पर विजय पाने से बेहतर है।

आत्मा अकेले आती है अकेले चली जाती है न कोई उसका साथ देता है और न कोई उसका मित्र बनता है।

डूबता है तो पानी को दोष देता है
गिरता है तो पत्थर को दोष देता है
इंसान भी बड़ा अजीब प्राणी है
कुछ कर नहीं पाता तो
किस्मत को दोष देता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

यदि तुम अपने शरीर या दिमाग पर दूसरो के शब्दों या कृत्यो द्वारा चोट बर्दाश्त नही कर सकते हो तो तुम्हें दूसरों के साथ अपने शब्दों या कृत्यों द्वारा ऐसा करने का क्या अधिकार है।

Be a leader not a follower.

When you learn to translate every event of your life into a positive one and become a designer of your future.

तूफान में बिखरते चले गए
तन्हाई की गहराईयों में उतरते चले गए
जन्नत थी हर शाम जिन दोस्तो के साथ
एक एक कर सब दूर होते चले गए।

हम उपदेश सुनते है मन भर
देते है टन भर पर
ग्रहण करते है कण भर।

उसके ही हिस्से में आई है उजालो भरी सुबह
जिसने रात के अंधेरो को हौसलो से सहा।

कोई कहे यह तेरा है
कोई कहे यह मेरा है
कोई कहे जो तेरा है वो मेरा है
लेकिन हकीकत में
ना कुछ तेरा ना कुछ मेरा
यह दुनिया इक रैन बसेरा है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

आज चाँद से उसका धर्म पूछूंगा
वो ईद पे भी पूजा जाता है और करवा चौथ पे भी।

भक्ति के तीन लक्षण होते है
पहला होता है कृपा के कारण यह पूर्ण संतुष्ट होता है
दूसरा भरोसे के कारण उसमें भविष्य का भय नही होता
तीसरा समर्पण के कारण यह अपने को समाप्त करने के लिये तैयार रहता है।

दुनिया में हजारों रिश्ते बनाओ लेकिन उन हजार में एक रिश्ता ऐसा बनाओ कि जब हजार लोग आपके खिलाफ हो तो वो आपके साथ उन हजारो के खिलाफ हो।

जी भर के रोते है तो करार मिलता है
इस जहां में कहां सबको प्यार मिलता है
जिन्दगी गुजर जाती है इम्तिहानों के दौर से
एक जख्म भरता है तो दूसरा तैयार मिलता है।

लोभी गुरू लालची चेला
दोनो नरक में ठेलम ठेला।

Handsome means I give my hand to some one who needs help.

प्यार का मतलब नही होता
मतलब का प्यार होता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

दूर जंवाई फूल बराबर
गाँव जंवाई आदो
घर जंवाई गधौ बराबर
चाहे जितणो लादो।

Everything excess in life is poision.

चंदन से वंदन ज्यादा शीतल है
योगी होने से उपयोगी होना ज्यादा अच्छा है
प्रभाव अच्छा होने के बजाय स्वभाव अच्छा होना जरूरी है।

समय बलवान होता है
जो व्यक्ति को कभी मगरूर तो कभी मजबूर बना देता है।

रात क्या ढली सितारे चले गये
गैरो से क्या शिकायत जब हमारे चले गये
जीत सकते थे हम भी जीत की बाजी
पर उनको जिताने की धुन में हम हारे चले गये।

उम्मीद हिम्मत चाहत तलाश जिन्दगी इसी को कहते है।

घोसले मे बैठे नन्हें परिन्दे को उसकी माता ने अपनी चोंच से धक्का देकर बाहर ठेला। और माँ ने कहाँ जब तक तू डरना छोड़कर साहस के साथ पुरूषार्थ नहीं करेगा तुझे उड़ना कैसे आएगा। माँ के धक्के से आशीर्वाद पाकर परिन्दे ने हिम्मत जुटाई और दूसरे ही पल आकाश में उड़ गया। साहस के बिना कोई उपलब्धि प्राप्त नहीं होती।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

चाह गई चिंता मिटी मनुवा बेपरवाह
जिसको कछु न चाहिये वह शाहों का शाह।

सुख दुःख आते ही रहे ज्यो आवे दिन रैन
तू क्यों खोवे बावला अपने मन की चैन।
सुख दुःख दोनों एक से मान और अपमान
चित विचलित होवे नही तो सच्चा कल्याण।
जीवन में आते रहे पतझड़ और बसन्त
मन की समता न छूटे तो सुख शांति अनन्त।
विषय जगत में चित की समता रहे अटूट
तो उतम मंगल जगे होय दुखो से छूट।

यदि मेरे कार्यों से जनता का भला होता है तो
आलोचको के मुंह स्वयं ही बन्द हो जायेगे।

हाथो की पांचो अंगुलियां एक समान नही है। कोई छोटी है, कोई बड़ी लेकिन हाथ से किसी चीज को उठाना होता है तब पांचों इकट्ठा होकर उठाती है। इस प्रकार वे केवल पांच होकर भी हजार का काम कर लेती है क्योंकि उनमें एकता है।

Some times you win
Some times you learn.

मजाक और पैसा काफी सोच समझ कर उड़ाना चाहिये।

गुरू लालची, चेला ढोंगी।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

कर्ण को जब तक कोई नहीं मार सकता था
जब तक कि उसके पास जो कुण्डल और कवच थे
क्योंकि वे उसे वरदान में मिले थे।

दुश्मन बनाने के लिये जरूरी नहीं के युद्ध ही लड़ा जाए,
थोड़े से कामयाब हो जाओ वो खैरात में मिलेगे।

नमो का उल्टा मोन।

बदल जाओ वक्त के साथ
या फिर वक्त बदलना सीखो
मजबूरियो को मत कोसो
हर हाल में चलना सीखो।

चुप रहने की कला को ज्ञानी की सच्ची पहचान के रूप में बताया है।

शिक्षा से पहले संस्कृति
व्यापार से पहले व्यवहार
और भगवान से पहले माता पिता को पहचान ले।

दुनिया हद से ज्यादा खुशी पर नजर और
हद से ज्यादा गम पर नमक लगाती है।

सर झुकाने से नमाजे अदा नहीं होती
दिल झुकाना पड़ता है इबादत के लिये।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

धर्म में आगे बढ़ना अर्थात् कषाय का घटना और विशुद्धि का बढ़ना है।

जो कानून परमात्मा ने बना दिया है सृष्टि के अन्त तक उसकी एक मात्रा एक बिन्दी भी नही बदल सकती।

सात फेरे *Saat Phere*

Step One - Prayer for nouristment and provision.
Step Two - Happiness and health.
Step Three - Wealth and property.
Step Four - Mutual love, trust and preservation of families ties.
Step Five - Welfare of the universe virtue.
Step Six - Long life joy and togetherness.
Step Seven - Love and sacrifice.

अगर जिन्दगी में कुछ पाना हो तो तरीके बदलो ईरादे नहीं।

जिन्दगी में ना जाने कौनसी बात आखरी होगी
ना जाने कौनसी रात आखरी होगी
मिलते जुलते बाते करते रहो यार एक दूसरे से
ना जाने कौनसी मुलाकात आखरी होगी।

बड़े से बड़े साइन्टिस्ट ये ढूंढ रहे है कि मंगल ग्रह पर जीवन है या नही पर आदमी ये नही ढूंढ रहा है कि जीवन में मंगल है या नही।

माचिस की जरूरत यहां नहीं पड़ती
यहां आदमी आदमी से जलता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

मुझे जिन्दगी का इतना तजुर्बा तो नहीं
पर सुना है सादगी में लोग जीने नहीं देते।

पैसे से सुख कभी खरीदा नहीं जाता
और दुःख का कोई खरीददार नहीं होता।

दो बाते इंसान को अपने से दूर कर देती है
एक उसका अहम और दूसरा उसका वहम्।

अगर खुदा नही है तो उसका जिक्र क्यों
और अगर खुदा है तो फिर फिक्र क्यों।

यूं ही हम दिल को साफ रखा करते थे
पता नहीं था कि कीमत चेहरो की होती है।

समंदर से सीखा है जीने का सलीका
चुपचाप से बहना और अपनी मौज में रहना।

बैठ जाता हूँ मिट्टी पे अक्सर क्योंकि मुझे अपनी औकात अच्छी लगती है।

कुछ कर गुजरने के लिये मौसम नही मन चाहिए,
साधन सभी जुट जायेगे संकल्प का धन चाहिए।

जब पैसा बोलता है तब सत्य मौन रहता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

आदमी धन के पीछे तब तक भागता है
जब तक उसका निधन नहीं हो जाता।

यहाँ दिल तो बहुत मिलते है
बस कोई दिल से नही मिलता।

हिन्दी एक वैज्ञानिक भाषा है
क ख ग घ ड़. – कंठव्य कहे गये है।
यानि ध्वनि कंठ से निकलती है।
च छ ज झ ञ – तालव्य कहे गये है
जीभ तालू से लगती है उच्चारण में।
ट ठ ड ढ ण – मूर्घन्य कहे गये है।
इनका उच्चारण जीभ के मूर्धा से लगने पर ही सम्भव है।
त थ द ध न – दंतीय कहे गये है।
उच्चारण के समय जीभ दांतो से लगती है।
प फ ब भ म – ओष्ठ्य कहे गये है।
इनका उच्चारण होठो के मिलने पर ही होता है।

भोगो के दास वे जग के दास
भोगो से उदास जग उसका दास।

भोग अर्थात् सुख के नाम पर दुःख का धोखा।

शादी अर्थात् सुख की कल्पना में दुःखों से समझौता।

पैसा और मजाक सोच समझकर उड़ाना चाहिये।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जिन्दगी का कड़वा मजाक
वकील चाहता है कि हम किसी विवाद में पड़े।
चिकित्सक चाहता है कि हम बीमार पड़े।
पुलिस चाहती है कि हम कुछ अपराध करे।
अध्यापक की नजरो में हम पैदाइशी बेवकूफ है।
कफन बनाने वाला चाहता है कि हम मर जाए।
केवल एक चोर चाहता है कि हम सुख की नींद सोए और धनवान रहे।

चंद फासला जरूर रखिये हर रिश्ते के दरमियान क्योंकि बदलने वाले अक्स बेहद अजीज ही हुआ करते है।

हम समस्या खुद उत्पन्न करते है और समाधान कही और तलाशते रहते है।

जिम्मेदारी दी नही जाती ली जाती है।

जो विचार नही करते वे विचार बिचारे बन जाते है।

वक्त से कोई बड़ा नहीं
बुजदिल है जो लड़ा नहीं।

अनुमान गलत हो सकता है, अनुभव नहीं।

ज्यादा कुछ नही बदला जिन्दगी में
बस बटुए थोड़े भारी और रिश्ते थोडे हल्के हो गए।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

खुश वे है जो खुशियां बाट रहे है।

दौलत की भूख ऐसी की कमाने निकल गए
दौलती मिली तो हाथ से रिश्ते निकल गए
बच्चों के साथ रहने की फुर्सत ना मिल सकी
और जब फुर्सत मिली तो बच्चे खुद ही दौलत कमाने निकल गए।

Money is yours but resources belong to the society.

रोग अर्थात् स्वाभाविक कार्य का न होना।

बदला यूँ रंग आपने हैरत हुई मुझे
गिरगिट को मात दे गयी फितरत जनाब की।

Health Quotes -

He who takes medicine and neglects
to diet wastes the skill of his doctors.
Those who think they have no time
for exercise will sooner or later have to find time for illness.
Just because you are not sick does not mean you are healthy.
Lemons contain more sugar than strawberries.
Apples are more effective at waking you up in the morning than coffee.
Honey enters your blood stream
within 20 minutes of being eaten.
Fresh apples float because they contain 25% air.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

ख्वाहिशो से नहीं गिरते फूल झोली में,
कर्म की साख को हिलाना होगा,
कुछ नही होगा कोसने से अंधेरे को,
अपने हिस्से का दिया खुद ही जलाना होगा।

दिल में प्यार जगाए रखना
अपनो का साथ बनाए रखना
क्या साथ लेकर जाना है
मुस्करा कर हर रिश्ते को बनाए रखना।

बिना कमी का इंसान तलाश करोगे तो अकेले ही रह जाओगे।

कभी भी लोग आपके बारे मे टीका टिप्पणी करे तो घबराना मत, बस यह बात याद रखना की हर खेल में दर्शक शोर मचाते है खिलाड़ी नहीं।

दोस्ती कभी बड़ी नही होती
निभाने वाले हमेशा बड़े होते है
कामयाबी कभी बड़ी नही होती
पाने पाने वाले हमेशा बड़े होते है
दरार कभी बड़ी नहीं होती
भरने वाले हमेशा बड़े होते है

हे ईश्वर मुझे अधिक लेने के लिये नहीं
अधिक देने के योग्य बनाओ।

गलती निकालने वालो को तो ताजमहल में भी कमी नजर आती है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

ऐसा नही है कि जिन्दगी बहुत छोटी है
दरअसल हम जीना ही बहुत देर से शुरू करते है।

अकल कितनी भी तेज हो नसीब से जीत नही सकती
बीरबल कितना भी अकलमन्द क्यों ना था कभी बादशाह नहीं बन पाया।

जिन्दगी कांटो का सफर है
हौसला इसकी पहचान है
रास्ते पर तो सभी चलते है
जो रास्ते बनाये वही तो इंसान है।

अगर आपने अपनी शर्ट का पहला बटन गलत लगाया है तो निसंदेह बाकी सभी बटन गलत ही लगेंगे।

काँच की मरम्मत करते है, पत्थर के औजारो से।

हुनर तो सब में होता है
बस फर्क इतना है
किसी का छिप जाता है
किसी का छप जाता है।

ठोकरे खाकर भी ना संभले तो
मुसाफिर का नसीब
वरना पत्थरों ने तो अपना फर्ज निभा दिया।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

साले की बुराई, शक्की को दवाई
प्रेमी को अपने दोस्त से मिलाना
पत्नी को अपनी असली इनकम बताना
नवजात कुत्ते के बच्चे को सहलाना
और पहलवान की बहन से इश्क लड़ाना
कभी नहीं, कभी नहीं।

नाई से उधारी में दाढ़ी या फिर सेकण्ड हैण्ड गाड़ी
नॉनवेज होटल में वेजिटेरियन खाना
और बिना पानी देखे टॉयलेट में जाना
कभी नहीं, कभी नहीं।

दो नम्बर की कमाई रिश्तेदार के नाम रखना
सुन्दर जवान नौकरानी को काम पर रखना
पत्नी से सुन्दर पडौसन को बताना
और पुलिस वाले को मकान में किराये पर रखना
कभी नहीं, कभी नहीं।

बिना हाथ दिये गाड़ी मोड़ना
सफर में सहयात्री के भरोसे अटैची छोड़ना
चिपकू मेहमान को बढ़िया खाना खिलाना
टीचर के बच्चे को ट्यूशन पढ़ाना
कभी नहीं, कभी नहीं।

चोरी के डर से पड़ौसी को सुलाना
कम उम्र की महिला को आंटी बुलाना
लंगर की पंक्ति में आखिर में बैठना
और पत्नी से उसके मायके में ऐंठना
कभी नहीं, कभी नहीं।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

हां जी की नौकरी ना जी का घर।

एक राजा को किसी ने बाज के दो बच्चे भेंट किये। राजा ने कभी इससे पहले इतने शानदार व अच्छी नस्ल के बाज नहीं देखे। राजा ने उनकी परवरिश के लिये एक आदमी नियुक्त कर दिया। कुछ दिनों के बाद राजा उन बाज को देखने के लिये पहुंचा। राजा ने देखा बाज काफी बड़े व सुन्दर लग रहे है। राजा ने उस आदमी को कहा कि मैं इनकी उड़ान देखना चाहता हूँ। तुम इन्हें उड़ने का इशारा करो। इशारा मिलते ही दोनों बाज उड़ान भरने लगे। एक बाज आसमान की ऊंचाई को छू रहा था तो दूसरा कुछ ऊपर जाकर वापस उसी डाल पर आकर बैठ गया जिससे वो उड़ा था। राजा दूसरे बाज को भी उड़ता देखना चाहता था। राजा ने पूरे राज्य में ऐलान कर दिया कि जो व्यक्ति बाज को ऊंचा उड़ाने में कामयाब होगा उसे ईनाम दिया जायेगा। कई विद्वान आये बाज को उड़ाने का प्रयास किया लेकिन बाज थोड़ा सा उड़ता व वापस डाल पर आकर बैठ जाता। एक दिन दोनों बाज आसमान में उड़ रहे थे ये देखकर राजा को आश्चर्य हुआ। राजा उस व्यक्ति का पता लगाने को कहा। वह व्यक्ति किसान था अगले दिन दरबार में हाजिर हुआ इनाम मे स्वर्ण मुद्राएं भेंट करने के बाद राजा ने पूछा ये कैसे किया? किसान ने कहा मैं तो एक किसान हूं। मैं ज्ञान की बात नहीं जानता मैंने तो बस वो डाल काट दी जिस पर वह बैठने का आदि हो चुका था और जब वो डाल ही नही रही तो वो भी अपने साथी के साथ ऊपर उड़ने लगा।

दोस्तों, हम सभी ऊंचा उड़ने के लिये ही बने है। लेकिन कई बार हम जो कर रहे होते है उसके इतने आदि हो जाते हैं कि अपनी ऊंची उड़ान भरने की कुछ बड़ा करने की काबिलियत को भूल जाते है। इसी तरह हम भी सालो से किसी ऐसे ही काम मे लगे है जो आपके सही पोटिंशियल के मुताबिक नहीं है तो एक बार जरूर सोचिये कि कही आपको भी इस डाल को काटने की जरूरत तो नहीं जिस पर आप बैठे हुए है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

इतनी ऊंचाई न देना प्रभु कि धरती पराई लगने लगे
इतनी खुशियां भी न देना कि किसी के दुःख पर हंसी आने लगे
नहीं चाहिए ऐसी शक्ति जिसका निर्बल पर प्रयोग करू
नहीं चाहिए ऐसा भाव कि किसी को देख जल जल मरूं
ऐसा ज्ञान मुझे न देना अभिमान जिसका होने लगे
ऐसी चतुराई भी न देना जी लोगो को छलने लगे।

श्रद्धा ज्ञान देती है
नम्रता मान देती है
योग्यता स्थान देती है
तीनों मिल जाएं तो व्यक्ति को हर जगह सम्मान देती है।

जिन्दगी में दोस्त नहीं बल्कि दोस्त में जिन्दगी होनी चाहिये।

पर्दा तो शर्म का ही काफी है
वरना इशारे तो घुंघट में भी होते है।

शौक से बदलो खुदको, अगर हम बदले तो करवटे बदलते रह जाओगे।

खुद से बड़ा दुनिया में कोई हम सफर नहीं होता।

आईना कभी झूठ नहीं बोलता और
साया कभी साथ नही छोड़ता।

जब पर निकल आते है तो अपने भी आशियाना भूल जाते है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जीवन में विपत्ति आना पार्ट आफ लाइफ
उनसे हंसकर बाहर निकलना आर्ट ऑफ लाइफ।

Blind eyes see better than blind brains.

दर्पण झूंठ नहीं बताता
ज्ञान भयभीत नहीं होने देगा
आध्यात्म मोह नही होने देगा
सत्य कमजोर होने नहीं देगा
प्रेम ईर्ष्या होने नहीं देगा
विश्वास दुःखी होने नहीं देगा
कर्म असफल होने नहीं देगा।

न मेरा एक होगा न तेरा लाख होगा
न तारिफ तेरी होगी न मजाक मेरा होगा
गुरूर न कर शाह ए शरीर का
मेरा भी खाक होगा तेरा भी खाक होगा।

बक्श देता है खुदा उनको
जिनकी किस्मत खराब होती है
वो हरगिज नहीं बक्शे जाते है
जिनकी नियत खराब होती है।

फैसला फासले से बेहतर होता है।

मंत्र, तंत्र, यंत्र और षडयंत्र काम करते है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

मनुष्य द्वारा खुद पर काबू करना उसकी सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण जीत होती है।

बरसात के मकोड़े हमे यही सिखाते है कि जिन लोगो के पंख लग जाते है वो बस कुछ ही दिन के मेहमान होते है।

If you don't know Ask
If you don't agree Argue.
You don't like it Say it.

विद्वान अच्छा बताने के लिये बोलता है,
बेवकूफ सिर्फ बोलने के लिये बोलता है।

तीन चीजों से बनता है मनुबय का व्यवहार चाहत, भावनाएं और जानकारी।

कोई भी अच्छा निर्णय जानकारियों पर निर्भर करता है
आंकड़ों या संख्या पर नहीं।

कम चीजों के साथ अच्छा जीवन जीना सबसे बड़ी दौलत है।

हर समय सेहत की चिंता न करे।

जो व्यक्ति अच्छा काम करना नही जानता है
वह दूसरो से अच्छा काम कराने का हुनर भी नही रख सकता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Wife - Without information fighting everytime
With idiot for ever.

धर्म करके भगवान से मांगना पड़ता है,
जबकि कर्म करने से भगवान को खुद ही देना पड़ता है।

धोखे – धो के खाना।

मान स्तम्भ – जहाँ पहुंचते ही मनुष्य का मान गलित होकर सम्यक दर्शन उत्पन्न हो जाता है। उसे मान स्तम्भ कहते है। इन्द्रभूति गौतम को वहां पहुंचते ही मान गलित हुआ और उन्होने तुरन्त जैनेश्वरी दीक्षा ग्रहण कर गणधर का पद प्राप्त कर लिया था।

अर्हंत् भगवान के आठ प्रातिहार्य होते है – अशोक वृक्ष, सिंहासन, तीन छत्र, भामंडल, दिव्य ध्वनि, पुष्प वृष्टि, चौसठ चंवर, दुदुंभि बाजे।

बहादुरी से लड़ने के बजाय समझदारी से बचना अच्छा है।

जो विवेक नहीं रखते वे मूढ़ होते है। जीव को मात्र अपने परिणामों का फल मिलता है अन्य कुछ नहीं। टेंशन अर्थात् दुःखी होने का सबसे सरल साधन।
शोक अर्थात् जबरदस्ती दुःखी रहना।
चिंता अर्थात् वस्तु स्वरूप के विपरीत सोचना।

आहिस्ता चल जिन्दगी अभी कई कर्ज चुकाना बाकी है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

समवशरण – तीर्थंकर भगवान की धर्मसभा को समवशरण कहते हैं। तीर्थंकर भगवान (उन्हें) तपस्या के पश्चात् केवल ज्ञान प्रगट होता है तब समवशरण की रचना होती है। सौ धर्म की आज्ञा से धन कुबेर समवशरण की रचना करता है। धरती से बीस हजार हाथ की ऊँचाई पर आकाश में अधर समवशरण की रचना बनती है। पृथ्वी से लेकर समवशरण तक एक–एक हाथ की बीस हजार सीढ़ियां होती है जिन्हें प्रत्येक प्राणी अन्तर्मुहूर्त में चढ़कर समवशरण में पहुंचते है और भगवान की दिव्य ध्वनि का पान करते है। समवशरण गोलाकार बनता है। समवशरण में आठ भूमिया होती है। उन आठ भूमियों के नाम चैत्य प्रसाद भूमि, खातिका भूमि, लता भूमि, उपवन भूमि, ध्वजा भूमि, कल्पवृक्ष भूमि, भवन भूमि, श्री मण्डप भूमि। समवशरण मे जो आठवी श्रीमण्डप भूमि है, उसके बीचोबीच तीन कटनी से सहित गंधकुटी में तीर्थंकर भगवान विराजमान होते है। आठवीं श्रीमण्डप भूमि के अन्दर गंध कुटी के बाहर चारों और गोलाकार में ही बारह सभाए लगती है। बारह सभाओं का क्रम इस प्रकार रहता है, गणधर मुनि, कल्पवासिनी देवी, आर्यिका और श्राविका, ज्योतिषी देवी, व्यन्तर देवी, भवनवासिनी देवी, भवनवासी देव, व्यन्तर देव, ज्योतिषी देव, कल्पवासी देव चक्रवर्ती आदि मनुष्य, सिंहादि तिर्यच प्राणी। इन बारह कोठो में असंख्यातो भव्य जीव बैठकर धर्मोपदेश सुनकर अपना कल्याण करते है। तीर्थंकर की अवगाहना के अनुसार उनके समवशरण बड़े छोटे अवश्य होते है।

समस्त प्राणियों को शरण प्रदान करने वाला समवशरण कहलाता है। समवशरण में जन्मजात विरोधी प्राणी भी मैत्रीभाव धारण कर आपसी प्रेम का परिचय प्रदान करते है। समवशरण के प्रवेश द्वार पर चारों दिशाओं में एक–एक मानस्तम्भ होते है।

Be positive, we don't know when
Life will take a u turn.

Do best happen best.

www.jainmohan.in Jeevan Saar 6

कोई दोस्त कभी पुराना नहीं होता कुछ दिन बात न करने से बेगाना नहीं होता दोस्ती में दुरी तो आती रहती है पर दुरी का मतलब भुलाना नही होता।

Life teach us the use of time and time teach us the value of life.

वक्त से सीखो बदलते रहने का सबक।

जीवन को हार नकारात्मक विचार।

जो व्यर्थ समय खोता है वो सारे जीवन रोता है।

जीवन जीना हो तो दर्पण की तरह जीओ जिसमें स्वागत सभी का हो लेकिन संग्रह किसी का नही।

माँ बाप अपने बच्चों पर बोझ हो सकते है
बच्चे उन पर बोझ कभी नहीं होते है।

काम ऐसे करो कि लोग आपको किसी दूसरे काम के लिये बोले ही नही।

Nobody is real in this world except mother.

A poor person has no friends.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

People do not like good thoughts they like good looks.

The person you love the most will hurt you the most.

Truth is simple but the moment you try to explain it. It becomes difficult.

In life two things define you
Your patience when you have nothing.
Your attitude when you have everything.

जिसको सहना आ गया
उसको रहना आ गया।

विचारवान बनिये।

महिलाऐ कभी नहीं समझती की आदमी आखिर कहना क्या चाहता है।

Hard work is never appreciated only result matters.

तौहिन ना कर शराब को कड़वा कहकर
जिन्दगी के तजुर्बे शराब से भी कड़वे होते है।

इंसानियत ही पहला धर्म है इंसान का
फिर पन्ना खुलता है गीता या कुरान का।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

यूनानी संत डायोजिनिस नग्न दिगम्बर अवस्था में रहता था। सम्राट सिकन्दर ने प्रशंसा सुनी तो वह भी संत के पास पहुंचा और सन्त से बोला – मैं विश्व विजयी सम्राट सिकन्दर हूं। संत डायोजिनिस ने कहा मैं सम्राटो का सम्राट डायोजिनिस हूं। सिकन्दर ने आश्चर्य से पूछा आपका साम्राज्य कहां है। संत ने कहा – तुम जड़ के सम्राट हो, हम चेतन सम्राट है। तुम्हारा साम्राज्य छूट जायेगा और मेरा साम्राज्य अमर है। यह सुनकर सिकन्दर ने अपना सिर झुका लिया।

जिन्दगी हमारी यूं सितम हो गई
खुशी ना जाने कहां दफन हो गई
लिखी खुदा ने मुहब्बत सबकी तकदीर में
हमारी बारी आई तो स्याही खत्म हो गई।

संस्कार विहीन जीवन दुखो का घर है।

कर्त्तव्य से कम कार्य करना चोरी है।

धन, साधन, समय, कर्म और स्थान इन पांचो का स्पष्ट विचार करके किसी कार्य में प्रवृत्त होना चाहिए।

Our words create our worlds.

बक्स देता है खुदा उनको
जिनकी किस्मत खराब होती है
वो हरगिज नही बक्शे जाते है
जिनकी नियत खराब होती है।

www.jainmeru.in Jeevan Saar 6

न मेरा एक होगा, न तेरा लाख होगा,
न तारिफ तेरी होगी न मजाक मेरा होगा
गुरूर न कर शाह ए शरीर का
मेरा भी खाक होगा तेरा भी खाक होगा।

जिन्दगी भर ब्राण्डेड–ब्राण्डेड करने वालो
याद रखना कफन का कोई ब्राण्ड नहीं होता
कोई रोकर दिल बहलाता है
और कोई हंसकर दर्द छुपाता है।

क्या करामात है कुदरत की
जिन्दा इंसान पानी में डूब जाता है
और मुर्दा तैर के दिखाता है
मौत को देखा तो नही पर शायद वो बहुत खूबसूरत होगी
कम्बखत जो भी उससे मिलता है
जीना छोड़ देता है
गजब की एकता देखी लोगो की जमाने से
जिन्दा को गिराने में और मुर्दा को उठाने में।

मान का तो पान बढिया।

दाग तेरे दामन के धुले ना धुले
नेकिया तेरी तराजू में तुले ना तुले
आज ही गुनाहों से कर ले तोबा
खुदा जाने कल तेरी आँख खुले ना खुले।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

खुद पर भरोसे का हुनर सीख लो,
सहारे कितने भी सच्चे क्यों न हो
अक्सर साथ छोड़ ही जाते है।

You are great if you can find your faults
You are greater if you can correct them
You are greatest if you accept & love someone with their faults.

सांस खत्म हो जाये और तमन्ना बाकी रहे वो मृत्यु है,
सांस बाकी रहे और तमन्ना खत्म हो जाये वो मोक्ष है।

एक दिन एक व्यक्ति ने एक बहुत बड़ा और सुन्दर सा घर खरीदा जिसमें सुन्दर बाग भी था। पड़ौस में जो घर था वह साधारण और पुराना था साथ ही पड़ौसी दुबट एवं ईबयालु था। दुबट पड़ौसी ने रात को अपने घर के कूड़े की बाल्टी उसके द्वार पर रख दी। व्यक्ति ने देखा पड़ौसी का कूड़ा उसके द्वार पर क्यों रखा हुआ है। फिर उसने कुछ सोचा और पहले जाकर कूड़ा फेंका फिर बाल्टी को अच्छी तरह धोकर उसमें अपने बाग के ताजे रसीले फल तोड़कर भरे और बाल्टी लेकर दुबट पड़ौसी के दरवाजे की घंटी बजायी। दुबट पड़ौसी ने सोचा नया पड़ौसी झगड़ा करने आया है अतः वह लड़ने की तैयारी के साथ दरवाजे पर आया परन्तु दृश्य देखकर आश्चर्यचकित रह गया कि नया पड़ौसी ढेर सारे फलो से भरी बाल्टी के साथ खड़ा उससे कह रहा था जिसके पास जिस वस्तु की बहुतायत होती है वही दूसरों को देता है, मेरा पास फल अधिक है वह आपके लिये लाया हूँ।

ऐसा नही है कि जिन्दगी बहुत छोटी है।
दरअसल हम जीना ही बहुत देर से शुरू करते है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

हस हस बांधता पर नहीं जानता
उदय में आसी रे नाच नचासी रे।

एक बार एक लड़की कार चला रही थी और पास में उसके पिताजी बैठे थे। राह में भयंकर तूफान आया और लड़की ने पिताजी से पूछा अब हम क्या करे? पिता ने जवाब दिया कार चलाते रहो। तूफान भयंकर होता जा रहा था कार चलाना मुश्किल था। लड़की ने पुनः पूछा? पिता ने पुनः कहा कार चलाते रहो। थोड़ा आगे जाने पर लड़की ने देखा की राह में कई वाहन तूफान की वजह से रूके हुए थे। उसने पिताजी से कहा मुझे कार रोक देनी चाहिये मैं मुश्किल से देख पा रही हूँ। पिता ने फिर निर्देशित किया कार रोकना नही बस चलाते रहो। और अचानक ही उसने देखा कि कुछ साफ दिखने लगा है। कुछ किलोमीटर आगे जाने के पश्चात् लड़की ने देखा कि तूफान थम गया और सूर्य निकल गया है। अब उसके पिता ने कहा अब तुम कार रोक सकती हो और बाहर आ सकती हो। लड़की ने पूछा पर अब क्यों? पिता ने कहा जब तुम बाहर आओगी तो देखोगी कि जो राह में रूक गये थे वे अभी भी तूफान में फंसे हुए है। चूंकि तुमने कार चलाने का प्रयत्न नहीं छोड़ा अतः तुम तूफान से बाहर हो। जो कठिन समय गुजार रहे है निश्चित ही जिन्दगी का कठिन समय गुजर जायेगा और सुबह के सूर्य की भांति चमक आपके जीवन में पुनः आयेगी। मजबूत से मजबूत इंसान भी प्रयास छोड़ देते है। किन्तु प्रयास कभी भी छोड़ना नहीं चाहिये।

आ धरती अखण्ड कवारियां, वर किया केई लाख
मुसलमान सब गड गए, हिन्दू हो गए राख।

पहले क्षमा मांगता है वह सबसे बहादुर, जो सबसे पहले क्षमा करता है वह सबसे शक्तिशाली है और जो सबसे पहले भूल जाता है वह सबसे सुखी है।

www.jainbhajan.in Jeevan Saar 6

जो लिया जाता है वह टैक्स है जो दिया जाता वह दान है।

लोभी का धन लापड खाय
या बचा सरकार जाय।

Respect your relations.

पुण्य के उदयकाल में दुनिया की कोई शक्ति हमारा बाल बांका नहीं कर सकती, वही पाप के उदयकाल में दुनिया का कोई चमत्कार, तंत्र, मंत्र, शक्ति, विद्या आदि हमें नही बचा सकता।

इस कदर भूखा हूँ ऐ मेर दोस्तो
कि आजकल धोखा भी खा लेता हो।

तन बिके मन बिछुडे अजब मुफलिसी की है मार
दो टुकड़ो की खातिर देखो सारे रिश्ते हुये तार–तार
पापी पेट के खातिर आदमी सब कुछ करने को तैयार
तुम्हे समझ आये तो बताना क्यों दुखिया है यह संसार।

Don't educate your childern to be rich educate them to be happy.

Eat your food as your medicines otherwise you have to eat medicines as your food.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

There is a lot of difference between human being and being human.
A few understand it.

You are loved when you are born.
You will be loved when you die.
In between you have to manage.

Six best doctors in the world.
Sunlight, Rest, Exercies.
Diet, Self conficence, Friend.

If you see the moon you see the beauty of God.
If you see the sun you see the power of God.
And if you see the mirror you see the best creation of God.

खुदा खोजने से नही खुद को खो देने से मिलता है।

खुद में झांकने के लिये जिगर चाहिये
दूसरो की शिनाख्त में तो हर शख्स माहिर है।

Punya is a debit card - Pay first and enjoy later,
Pap is a credit card - enjoy first and pay later.

जो मनुष्य आपको समय दे रहा है
समझो वह आपको सबसे कीमती उपहार दे रहा है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

रूठ जाती है तकदीर कभी
बदल जाता है वक्त भी
दगा देते है इंसा अपने
दिक्कते देती उम्र भी
बस ये हौसले ही है जो कभी रूठते नहीं
हारती है जिन्दगियां पर ये कभी हारते नहीं।

जीवन में खुशी का अर्थ लडाईयां लड़ना नही बल्कि उनसे बचना है
कुशलतापूर्वक पीछे हटना भी अपने आप में एक जीते है।

चरित्र को बनाए रखना आसान है
उसके भ्रष्ट हो जाने के बाद उसे सुधारना कठिन है।

कोई काम शुरू करने से पहले स्वयं से तीन प्रश्न पूछिये –
मैं यह क्यों कर रहा हूं
इसके परिणाम क्या हो सकते हैं
और क्या मैं सफल हो पाऊंगा?
जब गहराई से सोचने पर इन प्रश्नों के उत्तर संतोषजनक मिले तब आगे बढ़े।

पशु न बोलने के कारण कष्ट उठाता है,
और मनुष्य अधिक बोलने के कारण।

वे लोग बेचारे है जो विचार नहीं करते।

अजीब शर्त रख दी उस बेवफा ने मिलने की
सुखे पत्तों पर चल के आना और आवाज भी ना हो।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

दोस्ती कर के देखो
दोस्ती मे दोस्त खुदा होता है
ये एहसास जब होता है जब
दोस्त दोस्त से जुदा होता है।

Most situations of life are issues of mind over matter.
If you don't mind it doesnot matter.

मैं किसी का बेहतर करूं बहुत फर्क पड़ेगा।

निद्रा यानि जीते जी मुर्दा बन जाना।

था मैं नींद में और मुझे इतना सजाया जा रहा था
बड़े प्यार से मुझे नहलाया जा रहा था
ना जाने था वो कौन सा अजब खेल मेरे घर में
बच्चों की तरह मुझे कंधे पर उठाया जा रहा था
था पास मेरा हर अपना उस वक्त
फिर भी मैं हर किसी के मन से भुलाया जा रहा था
जो कभी देखते भी न थे मोहब्बत की निगाहों से
उनके दिल से भी प्यार मुझ पर लुटाया जा रहा था
मालूम नहीं क्यों हैरान था हर कोई मुझे सोते हुए देखकर
जोर–जोर से रोकर मुझे जगाया जा रहा था
कांप उठी मेरी रूह वो मंजर देखकर
जहां मुझे हमेशा के लिए सुलाया जा रहा था
मोहब्बत की इन्तहा थी जिन दिलों में मेरे लिए
उन्हीं दिलो के हाथो आज मैं जलाया जा रहा था।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

बुलंदियो की ख्वाइशें तो बहुत है मगर
दूसरो को रौंदने का हुनर कहाँ से लाये।

आईना भला कब किसी को सच बता पाया है
जब भी देखो दायां तो बायां नजर आया है।

खुबसूरत रिश्ता है मेरा और भगवान के बीच में
ज्यादा में मांगता नही और कम वो देता नही।

रूठ जाती है तकदीरे कभी, बदल जाता है वक्त भी
दगा देते है इंसा अपने दिक्कते देती उम्र भी
बस ये हौसले ही है जो कभी रूठते नहीं
हारती है जिंदगियां पर ये कभी हारते नहीं।

अब तो मुहब्बत भी सरकारी नौकरी जैसी लगती है
कमबख्त गरीबों को तो मिलती ही नहीं।

योग्यता स्थान देती है
श्रद्धा ज्ञान देती है
नम्रता मान देती है
तीनों मिल जाये तो सम्मान देती है।

पेन्सिल का इस्तेमाल करते थे जब हम छोटे थे
पर अब हम पेन का इस्तेमाल करते है क्योंकि
बचपन में गलतियां मिट सकती थी अब नही।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जिन्दगी तो उसकी है जिसके मरने पे जमाना अफसोस करे।

चढ़ाऊं क्या तुझे भगवन्
फूल चढ़ाऊं तो भंवरे का झूठा है
फल चढ़ाऊं तो पक्षी का झूठा है
जल चढ़ाऊं तो मछली का झूठा है
दूध चढ़ाऊं तो बछड़े का झूठा है
सोना चढ़ाऊं तो माटी का झूठा है
हीरा चढ़ाऊं तो कोयले का झूठा है
मोती चढ़ाऊं तो सीप का झूठा है
चंदन चढ़ाऊं तो सर्प का झूठा है
तन चढ़ाऊं तो पत्नी का झूठा है
मन चढ़ाऊं तो ममता का झूठा है
धन चढ़ाऊं तो पापों का झूठा है
धर्म चढ़ाऊं तो कर्मों का झूठा है
अतः हे भगवन् तुझे आत्म स्वरूप जानूँ।

हर एक शख्स ने अपने–अपने तरीके से इस्तेमाल किया हमे और हम समझते रहे लोग हमें पसन्द करते है।

झगड़ने वाले दुश्मनों से उतना डरने की आवश्यकता नहीं, जितना मित्र बनकर घात करने वालो से।

कबीर कुआँ एक है पानी भरे अनेक
बर्तन ही में भेद है पानी सब में एक।

अनुभव के सिवाय कोई कसौटी नहीं है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

असंख्य शब्द होते हुए भी मौन होना सबसे बेहतर है।
दुनिया में हजारो रंग होते हुए भी सफेद रंग सबसे बेहतर है।
खाने के लिये दुनिया भर की चीजे होते हुए भी उपवास शरीर के लिये सबसे बेहतर है।
रमणीक स्थल होते हुए भी पेड़ के नीचे ध्यान लगाना सबसे बेहतर है।
देखने के लिये इतना कुछ होते हुए भी बंद आंखों से
भीतर देखना सबसे बेहतर है।
सलाह देने वालों के होते हुए भी अपनी आत्मा की
आवाज सुनना सबसे बेहतर है।
अनेक प्रलोभन के बावजूद सिद्धान्तों पर जीना सबसे बेहतर है।

Close your eyes and ignore all negative things to live happy.

मच्छर ने आपको काटा
ये उसका जुनून था
फिर आपने वहाँ खुजाया
ये आपका सुकून था
चाह कर भी आप उसे मार नही पाये
क्योंकि उसकी रंगो में आप ही का खून था।

Knowledge is a weighless treasure that you can carry easily.

Everyone is a genius.

यदि आप मछली को पेड़ पर चढ़ने के लिये उपयुक्त समझे तो
यह मछली के साथ अन्याय है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

अब लोगों की जेब में नही है पैसा
पैसे की जेब मे है लोग।

बातन हाथी पाइए बातन हाथी पांव।
अक्ल बड़ी कि बहस। (तर्क से बड़ी अकल होती है)
इस्सर आए दलिद्दर जाए (दीपावली सफाई)
उलझ जाएगा तो सुलझ ही जाएगा। (लड़को को गृहस्थी में प्रवेश)
एक गरीब को मारा तो नो मन चर्बी निकली। (कर बचाने के लिये खुद को गरीब बताना)
डाल का चूका बन्दर नहीं सम्भलता। (अवसर का चूका आदमी)
करनी खाक की बात लाख की। (निकम्मे और बातूनी के लिये)
कौवों के कोसे से ढ़ोर नहीं मरते। (आदमी अपने स्वार्थ वश दूसरे का बुरा चाहे तो)
खाये के गाल नहाये के बाल नही छिपते।
घर घरवाली से। (गृहणी गृह मुच्यते)
चिड़िया का दूध। (असम्भव व्यापार के लिये)
जीते तो हाथ काला, हारे तो मुँह काला। (जुआरी)
ब्याह नहीं किया बराते तो देखी है। (इस काम का क्या अनुभव)
मैं भली तू शाबास (गधा ऊँट से क्या रूप है ऊँट गधे से क्या आवाज है)
लड़ाके के चार कान होते है।
हमने क्या गधे चराये है। (क्या मैं मूर्ख लगता हूँ)

भक्ति अर्थात् समर्पण है।

विपरीत विचार अन्तराय का कारण है।

लिखने का नहीं लखने का मार्ग है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Bad times become great lessons.

हिम्मत, उम्मीद, चाहत, तलाश
शायद जिन्दगी इसी को कहते है।

Smile indicates the sweetness of heart
Silence indicates the maturily of mind.
Having both indicates completeness of being human.

मित्रता आनन्द को दुगुना और दुःख को आधा कर देती है।

फासले बढ़ते है तो गलत फहमियां भी बढ़ जाती है,
फिर वो भी सुनाई देता है जो कभी कहा भी न हो।

जिन्दगी अपने आप में एक नशा है
फिर लड़खड़ा के जीने में क्या मजा है।

समझे जीवन के लिये खर्च या खर्च के लिये जीवन।

जिंदगी में कोई दिल से जी रहा है
और कोई दिल रखने के लिये जी रहा है।

फटी जेब से जिन्दगी सिक्को से दिन
लो आज फिर इक गिर कर गुम हो गया।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

कर्म – इस संसार में कोई मनुष्य स्वभावतः किसी के लिये उदार, प्रिय या दुष्ट नहीं होता अपने कर्म ही मनुष्य को संसार मे गौरव और पतन की और ले जाते हैं। कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन, मा कर्म फल हेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्व कर्मणी । कर्म करना बहुत अच्छा है पर वह विचारों में आता है इसलिये अपने मस्तिष्क को उच्च विचारों एवं उच्चतम आदर्शों से भर लो, उन्हे रात दिन अपने सामने रखो उन्ही में से महान् कर्मों का जन्म होगा। केवल वही व्यक्ति सब की उपेक्षा उत्तम रूप से करता है जो पूर्णतया निस्वार्थी है जिसे न धन की लालसा है न कीर्ति की और न अन्य किसी वस्तु की। जो निष्काम कर्म की राह पर चलता है उसे इसकी परवाह कब रहती है कि किसने उसका अहित साधन किया है। तुम जो भी कर्म प्रेम और सेवा की भावना से, करते हो वह तुम्हे अच्छे मार्ग की और ले जाता है। जिस कर्म में घृणा छिपी होती है वह परमात्मा से दूर ले जाता है। कर्म का मूल्य उसके बाहरी रूप और बाहरी फल में इतना नहीं है जितना कि उसके द्वारा हमारे भीतर दिव्यता की वृद्धि होने में है। अविद्या से संसार की उत्पति होती है। संसार से घिरा जीव विषयों में आसक्त रहता है। विषयासक्ति के कारण कामना और कर्म का निरन्तर दबाब बना रहता है। शुभ और अशुभ दोनो कर्मों का फल मिलता है। कर्मयोगी अपने लिये कुछ करता ही नहीं इसलिये उसमे कामनाओ का नाश सुगमता पूर्वक हो जाता है। कर्म करने और उसका फल पाने के बीच लम्बा समय लगता है जिसकी प्रतीक्षा धैर्य पूर्वक करनी पड़ती है। बीज को वृक्ष बनने मे समय लगता है। अखाडे में दाखिल होते ही कोई पहलवान नही हो जाता। विद्यालय में प्रवेश पाते ही कोई ज्ञानी नहीं हो जाता। अतः कर्म करना पड़ता है। आदमी को कर्म ईमानदारी से करना चाहिये। कर्मठ कर्म करता रहता है। इस धरती पर कर्म करते हुए सौ साल तक जीने की इच्छा रखो क्योकि कर्म करने वाला ही जीने का अधिकारी है। जी कर्म निष्ठा छोड़कर भोगवृति रखता है वह मृत्यु का अधिकारी बनता है। कर्म वह आइना है जो

www.jainbharati.in
Jeevan Sar 6

हमारे स्वरूप को दिखाता है अतः कर्म का अहसानबन्द होना चाहिए। कर्मशील लोग उदास नहीं रहते। काम को आरम्भ करो और अगर काम शुरू कर दिया है तो उसे पूरा करके ही छोडो । कर्मशील व्यक्ति के लिये हवाएँ मधु बहाती है नदियों में मधु बहता है और औषधियाँ मधुमय हो जाती है। कर्म ही मनुष्य के जीवन को पवित्र और अहिंसक बनाता है। जो निष्काम कर्म की राह पर चलता है उसे सफलता मिलती है। फलासक्ति छोडो और कर्म करो । आशा रहित होकर कर्म करो। निष्काम होकर कर्म करो। जो कर्म छोड़ता है वह गिरता है। कर्म करते हुए जो उसका फल छोड़ता है वह चढ़ता है। भविष्य चाहे कितना सुन्दर हो विश्वास न करो भूतकाल की भी चिन्ता न करो जो कुछ करना है उसे अपने पर और ईश्वर पर विश्वास रखकर वर्तमान में करो । निष्काम कर्म ईश्वर को ऋणी बना देता है और ईश्वर उसे सूद सहित वापिस करने को बाध्य हो जाता है। तेल समाप्त हो जाने पर दीपक बुझ जाता है उसी प्रकार कर्म के क्षीण हो जाने पर दैव नष्ट हो जाता है। फल मनुष्य के कर्म के अधीन है बुद्धि कर्म के अनुसार आगे बढ़ने वाली है तथापि विद्वान और महात्मा लोग अच्छी तरह विचार कर ही कोई कर्म करते हैं। फल और फूल किसी की प्रेरणा के बिना ही अपने समय पर वृक्षो में लग जाते है उसी प्रकार पहले के किये हुए कर्म भी अपने फल भोग के समय का उल्लंघन नहीं करते। अभाग से हमारा धन, नीचता से हमारा यश, मुसीबत से हमारा जोश, रोग से हमारा स्वास्थ्य, मृत्यु से हमारे मित्र हमसे छीने जा सकते हैं किन्तु हमारे कर्म मृत्यु के बाद भी हमारा पीछा करेंगे। देह के साथ कर्म भी है। शरीर को प्रभु मन्दिर बनाकर उसके द्वारा मुक्ति प्राप्त करनी चाहिये । कर्म की समाप्ति ज्ञान में और कर्म का मूल भक्ति व सम्पूर्ण आत्म समर्पण में है। कर्म सदैव सुख न ला सके परन्तु कर्म के बिना सुख नहीं मिलता। मनुष्य के कर्म ही उसके विचारो की सबसे अच्छी व्याख्या है। कर्म ही पूजा है और कर्तव्य पालन भक्ति है। खेल में भी कर्म प्रधान होता है।

www.jainbharati.in Jeevan Sar 6

त्याग – इन्छाओं का त्याग करने वाले के गुण गाना उतना ही असम्भव है जितना संसार में अब तक मरे जीवो की गिनती करना। इन छः का त्याग कभी न करे– सत्य, दान, कर्म, क्षमा, धैर्य और गुरु । त्याग और बलिदान किए बिना यदि तुम ज्ञान प्राप्त करना चाहते हो तो उसका देवता तुम्हारे लिये द्वार नही खोलेगा। इस संसार में कुछ भी पाने के लिए उसका मूल्य चुकाना ही पड़ता है। त्याग के बिना लक्ष्य की प्राप्ति नहीं होती । संसार में सबसे बड़ा अधिकार सेवा और त्याग से प्राप्त होता है। कोई भी मनुष्य स्वयं के लिये गुलाब नही उगाता, आनन्द प्राप्ति के लिये सुन्दरता को दूसरो के साथ बाँटने से ही उसकी प्राप्ति में वृद्धि होती है। ऊँचाई पर पहुंचने के पश्चात् बादल बनकर भलाई के लिए बरसो । अपना जीवन लेने के लिए नही, देने के लिए है। जिस आदमी की त्याग की भावना अपनी जाति से आगे नही बढती वह स्वयं स्वार्थी होता है और अपनी जाति को भी स्वार्थी बनाता है। खुशी का रहस्य त्याग है। छोटी वस्तुओ की अपेक्षा बडी वस्तुओ का त्याग सरल है। त्याग के अतिरिक्त और कहां वास्तविक आनन्द मिल सकता है, त्याग के बिना न ईश्वर प्रेरणा हो पाती है न प्रार्थना। त्याग के समान कोई सुख नही है। पूर्ण त्याग और ईश्वर में पूर्ण विश्वास ही हर चमत्कार का रहस्य है। खुशी इस बात पर निर्भर करती है कि आप क्या दे सकते हैं इस पर नहीं कि आप क्या पा सकते हो। कर्म, धन व संतान से विद्वानों ने सुख नही पाया, किन्तु एक त्याग से उसे प्राप्त किया है।

बान्सुरी दोनों तरफ हवा वाली है।

छू ले आसमान जमीन की तलाश न कर
जी ले जिंदगी खुशी की तलाश न कर
तकदीर बदल जाएगी खुद ही मेरे दोस्त
मुस्कराना सीख ले वजह की तलाश न कर ।

www.jainelibrary.in
Jeevan Saar 6

आदत – आदत रस्सी की भांति है इसमे हम एक बट रोज देते हैं और अंत में इसे तोड नहीं पाते। गंदी आदतों को छोडने की आदत डालो। अच्छी आदतों से हमे शुद्धता का आभास होता है। इस संसार का प्रत्येक व्यक्ति आदत से मजबूर होता है। आदतो को रोका न जाए तो वे शीघ्र ही लत बन जाती है। किसी व्यक्ति में एक बुरी आदत पडती है तो फिर वह बीज के रूप में बुरी आदतों के वृक्ष को पनपा देती है। लोमडी खाल बदलती है आदते नही । आदत विषैले नाग की भांति है जिसका जहर इन्सान के जीवन को समय से पूर्व नष्ट कर देता है। पर हित करे ऐसी आदत डाले। आदत की शक्ति महान है यह हमे मेहनत को बरदाश्त करना सिखाती है और चोट से नफरत कराती है। आदत लोहे की जंजीर के समान है जो हमे बाँधकर रखती है। आदत के कारण लोग जितने काम करते है उतने विवक के कारण नहीं करते। नीम गुड के साथ खाने पर भी अपनी कडवाहट नही छोडता, इसी तरह नीच सज्जन के साथ रहकर भी अपनी आदत से बाज नहीं आता। आदत भी एक तरह की आँख है। मनुष्य सम्पति प्राप्त हो जाने पर भी उसका उपभोग नहीं जानता अर्थात जैसी आदत रहती है उसी अनुसार खर्च करता है जैसे गर्दन भर पानी मे डूबा हुआ भी कुत्ता जीभ से चाटकर ही पानी पीता है। आदत मनुष्य की दूसरी प्रकृति है। *Habbit is second nature.*

Dog has poison on its tongue, scorpion has poison its in tale, snake has poison its teeth, but human has poison their hearts.

हम समझते कम और समझाते ज्यादा है
इसलिये सुलझते कम और उलझते ज्यादा है।

Success is finding the balance between caring and not caring.

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

उदारता – आमारी हूँ उनका जिन्होने मेरी निन्दा करके मुझे सावधान बनाया। अपने साथ उपकार करने वालो के साथ जो साधुता बरतता है उसकी तारीफ नही है। महात्मा तो वह है जो अपने साथ बुराई करने वालो के साथ मी भलाई करे। सुशील, धर्मात्मा और सब मित्र व प्राणियों पर दया करने वाले पात्र बनो। दुनियां की तमाम सम्पतियाँ ऐसे पात्र को ही अपना आश्रय बनाती है जैसे पानी नीचे की और तथा धुंआ आसमान की और स्वाभाविक रूप से गति करता है। दुष्ट अपनी दुष्टता सर्प अपना विष, सिंह रक्तपान जिस प्रकार नही छोडता उसी प्रकार उदार अपनी उदारता नहीं छोडता। उपकार की फसल न बो सको तो एक पौधा तो तैयार करो। मूर्ख छोटा सा कार्य आरम्भ करते है और उसी में बेचैन हो जाते हैं। बुद्धिमान बड़े से बडा कार्य आरम्भ करते हैं और निश्चिन्त बने रहते हैं। उदारता मनुष्य का श्रेष्ठ गुण है। आप दूसरो के दुखों मे सहानुभूति रखेगे तो कल जब आपको उसकी आवश्यकता होगी तब वे ही लोग आपको अपना सहयोग दिल की गहराइयो से देंगें । महान् उपलब्धियों के लिये हमे कर्म नही करना चाहिये अपितु स्वप्न भी देखना चाहिये योजना ही नही बनानी चाहिये अपितु विश्वास भी करना चाहिए । प्राकृतिक नियम के अनुसार सुख उदारता का और दुख त्याग का पाठ पढ़ाने आता है। महान् व्यक्ति न किसी का अपमान करता है और न उसको सहता है। उदार मन वाले विभिन्न धर्मो के सत्य देखते है, संकीर्ण मन वाले केवल अन्तर देखते है। यह मेरा है यह दूसरे का ऐसा संकीर्ण ह्रदय वाले समझते हैं। उदार ह्रदय ताले तो सारी दुनिया को कुटुम्ब सा समझते हैं। उदारता उच्च वंश से आती है दया और कृतज्ञता उसके सहायक है। एक वीर पुरुष किसी से द्वेष नहीं करता, युद्ध की क्षति शांति में भूल जाता है और अपने भयंकर शत्रु का भी मित्र की भांति आलिंगन करता है।

आदमी अमीर हो जाय तो शरारती हो जाता है और
अगर एक औरत शरारती हो जाय तो अमीर हो जाती है।

www.jainbharati.in Jeevan Saar 6

प्रशंसा – जैसे चांदी की परख कुठाली पर और सोने की परख भट्टी में होती है वैसे ही मनुष्य की परख लोगों के द्वारा की गई प्रशंसा से होती है। प्रत्येक व्यक्ति प्रशंसा चाहता है। एक बुद्धिमान पुरुष की प्रशंसा उसकी अनुपस्थिति में करनी चाहिए, किन्तु स्त्री की प्रशंसा उसके मुख पर । प्रतिद्वन्द्वी द्वारा की गई प्रशंसा सर्वोतम कीर्ति है। प्रशंसा के प्रति अनुराग पर ही सदैव किसी जाति का महान् प्रयास आधारित रहा है, जैसे उसका पतन विलासिता के प्रति अनुराग में रहा है। प्रशंसा अच्छे गुणो की छाया है परन्तु जिन गुणों की वह छाया है उन्ही के अनुसार उसकी योग्यता भी होती है। प्रशंसा सुनकर विनयशील रहना चाहिये। किसी के गुणो को अपनाने का प्रयत्न करो। प्रशंसा प्रार्थना से अधिक दिव्य है। स्वर्ण और हीरे के समान प्रशंसा का मूल्य केवल उसके दुर्लभत्व में ही होता है। प्रशंसा आपके व्यक्तित्व के मूल केन्द्र पर चोट करती है। इससे आप जान सकते है कि आपके सामने बैठे व्यक्ति का मानसिक तथा आध्यात्मिक स्तर क्या है। प्रशंसा के वचन साहस बढ़ाने मे अचूक औषधि का काम देते हैं। प्रशंसा अज्ञान की बेटी है। प्रशंसा से बचो, यह आपके व्यक्तित्व की अच्छाइयों को धुन की तरह चाट जाती है। प्रशंसा की मीठी अग्नि यमराज के कठोर हृदय को भी मोम बना देती है। प्रशंसा की भूख जिसे लग जाती है वह कभी तृप्त नहीं होती। दूसरे की प्रशंसा करना बहुत कम लोग जानते हैं अतः जब भी कोई आपकी प्रशंसा करे तो यह जानने की कोशिश करे कि सामने वाला आपसे आखिर चाहता क्या है? प्रशंसा खोजने वालो को नहीं मिलती। व्यक्ति की प्रशंसा करके ज्यादा ठगा जाता है। अयोग्य मनुष्य की प्रशंसा छिपे हुए व्यंग्य के समान होती है। आप व्यक्ति का चरित्र बता सकते हैं यदि आप देखे कि वह प्रशंसा से कैसा प्रभावित होता है। सच्ची प्रशंसा आलोचक द्वारा की जाती है। प्रशंसा की तेज लहरों के बीच में उसे निकाल पाना आसान नहीं। अगर तुमने मेरी प्रशंसा कम की होती तो मैं तुम्हारी अधिक करता। जब कोई आदमी आपसे नसीहत चाहता है तो वास्तव में आपकी प्रशंसा चाहता है। प्रशंसा वह फूल जो व्यक्ति के नाम

www.jainbharati.in Jeevan Saar 6

के साथ खिलता है। प्रशंसा के क्षणो मे जो अपना होश बनाए रख सकता है असल में वही साधक है। प्रशंसा तो भाग्य से मिलती है जबकि ईमानदार आप स्वयं बन सकते हैं। ध्वनियों में सबसे मधुर है प्रशंसा की ध्वनि । अत्यधिक प्रशंसा बहुत थोडे समय रहने वाली भावना है। सच्ची प्रशंसा करना सीखो यह श्रेष्ठ गुण है। प्रशंसा कर्तव्य के लिये बाध्य करती है जबकि चापलूसी कर्त्तव्य विमुखता की और ले जाती है। प्रशंसा को वीरता के कार्यों की सुंगध ही समझे। प्रशंसा ऐसा जाल है जिसमे तेज रफ्तार परिन्दा खुद आकर फँस जाता है। प्रशंसा विवेकी को नम्र बनाती है। मूर्ख को अंहकारी और दुर्बल मन को मदहोश कर देती है। प्रशंसा केवल भडकीले वस्त्रों में लिपटा हुआ असत्य है।

जो लोहे को सोना बना दे वह पारस होता है
जबकि हमारे प्रभु लोहे को पारस बनाते हैं।
पारस को किसी भी तरह से पढे इसका अर्थ होगा
पा रस या रस पा।

Life is an opportunity to create a meaning of Life.

पर में अपनापन जहर है।

Our success is measured by other but our satisfaction is measured by our own soul mind and heart.

आस नही औलाद नही ।

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

स्वभाव – उपदेश से स्वभाव नहीं बदला जा सकता। गरम किया हुआ पानी फिर शीतल हो जाता है। मैं नरक में जाने से नही डरता यदि पुस्तके मेरे साथ हो, मैं नरक को स्वर्ग बना दूंगा। स्वभाव इन्सान को जन्म से मिलता है और शिक्षा तथा संगति से उसे सुधारा जा सकता है। अच्छा स्वभाव शहद की मक्खी की तरह है जो प्रत्येक झाडी से शहद ही निकालती है। वैवाहिक जीवन में पति पत्नी का स्वभाव ही जीवन की बुनियाद है। स्वभाव को आवश्यकता है देखभाल की व आत्म संयम की। जिसका जो स्वाभाविक गुण है उसे उससे वंचित करने की क्षमता किसी में भी नही होती है। हंस का स्वाभाविक गुण है कि वह दूध और पानी को अलग कर सकता है। कोई व्यक्ति अचानक स्वभाव के विपरीत आचरण करे तब शंका कीजिए। हमारे स्वभाव का प्रभाव हमारे परिवार के दूसरे किसी सदस्य की उन्नति या अवनति पर भी पडता है। स्वभाव की उग्रता झगडे की आग को भडकाती है परन्तु विलम्ब से क्रोध करने वाला व्यक्ति अपने मधुर वचन से बुझा देता है। स्वभाव के अनुसार उन्नति कीजिए संस्कार स्वयं आपके पास चले आएंगे। स्वभाव ही मनुष्य के जीवन का स्वर्ग या नर्क निर्धारित करता है। एक चोट को आदमी शीघ्र भूल जाता लेकिन अपमान को देरी से । बुरे लोगो को निन्दा में ही आनन्द आता है, सारे रसो को चरखकर भी कौआ गन्दगी से ही तृप्त होता है। स्वभाव कच्ची मिट्टी की भाँति होता है जिसकी कोई शक्ल नही होती इसे आकृति देने की आवश्यकता होती है। जिसका जो स्वभाव है उसे छुडाना कठिन है यदि कुत्ता राजा बना दिया जाए तो भी वह जूता चबाएगा। दया मनुष्य का स्वाभाविक गुण है। व्यक्ति के स्वभाव पर उसका भविष्य निर्भर करता है। अगल बगल देख समझकर व्यवहार करने वाला कभी धोखा नही खाता । घर की खुशहाली में स्वभाव का बड़ा महत्व होता है। अच्छा स्वभाव सुंदरता की पूर्ति कर देता है परन्तु सुंदरता अच्छे स्वभाव की कभी पूर्ति नही कर सकती। स्वभाव को अनुकूल रखना चाहिये। स्वभाव ही कर्मों का परिणाम है। नकारात्मक स्वभावो या आदतो को तोडने के लिये सद्विचार

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

श्रेष्ट साधन है। अधम मनुष्य धन को चाहते है, मध्यम वर्ग के लोग धन और मान दोनो चाहते है, उतम वर्ग के लोग केवल मान चाहते है क्योकि मान ही सबसे बडा धन है। स्वभाव हमारी प्रवृतियों की दस गुना अभिव्यक्ति है। स्वभाव सबका भिन्न भिन्न होता है।

मौहम्मद गजनवी ने सबसे ज्यादा हिन्दु मुर्तियों को तोडा।

रावले घोडे बावले सवार ।

बिना किताबो के जो पढाई सीखी जाती है
उसे जिंदगी कहते हैं।

मैं आने वाले कल से नही डरता क्योकि मैने बीता हुआ कल देखा है।

खुसरो दरिया प्रेम का उलटी वाकी धार
जो उतरा सो डूब गया जो डूबा सो पार।

कंठ दिया कोयल को तो रूप छीन लिया
रूप दिया मोर को तो इच्छा छीन ली
दि इच्छा इंसान को तो संतोष छीन लिया
दिया संतोष संत को तो संसार छीन लिया।

सब को अपनी छिपानी है, दूसरो की देखनी है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

चरित्र – चरित्र को धन और मान से भी उच्च माना गया है। चरित्रवान व्यक्ति शिक्षा और ज्ञान में ही वृद्धि नही करता बल्कि वह दूसरो के दिलो में भी घर करता है। चरित्र का हीरा विपदाओ के तमाम पाषाण खण्डों को भी काट देता है। चरित्र के बजाय मनुष्य की महानता उसके कपडो से आंकी जाती तो महान् लोगों की सूची सौ गुना बढ जाती। संगति को चरित्र से जोडा जाता है क्योकि किसी भी व्यक्ति का चरित्र इतना सबल नहीं होता कि वह आस पास की स्थितियो से प्रभावहीन रहे। चरित्र बगैर सफलता के भी रह सकता है। वह दुर्बल चरित्र वाला है जिसे स्वयं पर काबू नही। वह आदमी नही जिसमे दया, धर्म, निज भाषा, चरित्र, आत्मबल से प्रेम नही । सामने तो शहद समान मधुर वचन बोले और पीछे निन्दा की छुरी मारे ऐसे मित्र को त्याग देना चाहिये । चरित्र के दर्पण में छोटी–छोटी बाते शोभा पाती है और लम्बी चौडी बाते विकृत नजर आती है। चरित्रवान बनो संसार स्वयं तुम पर मुग्ध होगा । फूल खिलने दोगे तो मधुमक्खी स्वतः ही चली आएगी। जिस मानव को अपने ऊपर काबू नही है और दुर्बल चरित्र वाला है वह उस सरकंडे के समान है जो वायु के झोको पर झुक जाता है। चरित्र परिवर्तनशील नही बल्कि उसका विकास होता है। तुम कुलीन हो या अकुलीन, वीर हो या कायर, पवित्र हो या अपवित्र यह आपके चरित्र से ज्ञात हो जाएगा। मनुष्य का चरित्र वह वस्त्र है जो विचारों के धागो से बनता है। हमारी बुद्धिमता का अन्त स्वतन्त्रता है, संस्कृति का अन्त पूर्णता है ज्ञान का अन्त प्रेम है और शिक्षा का अन्त चरित्र है। सफेद कागज पर दाग जो हट न सके वही चरित्र है। चरित्र निर्माण ही शिक्षा का उद्देश्य होना चाहिए इससे साहस का विकास होगा, गुणों में वृद्धि होगी और उद्देश्यों के प्रति लगन जागृत होगी। चरित्र निर्माण के तीन आधार स्तम्भ है अधिक निरीक्षण, अधिक अनुभव, अधिक अध्ययन करना । चरित्र का सीधा सम्बन्ध हमारे ह्रदय से निकले उन विचारो से है जो कल्याण की खोज करते है। नारी के गुण पुरुष में तब आते है जब वह महात्मा बन जाता है। नारी मे, पुरुष के गुण आ जाते हैं तो कुल्टा हो जाती है। अधिकांश पुरुष नारियों में वह खोजते है जिनका स्वयं उनके चरित्र में

www.jainbharati.in Jeevan Saar 6

अभाव होता है। जीवन सफलता की और है तो चरित्रवान होने का द्योतक है अन्यथा पतन के साथ–चरित्रहीन होने का, चरित्र की शिक्षाएँ विद्वान और श्रेष्ठ कर्म करने वालो से प्राप्त करे, खोटे स्वभाव के व्यक्ति को निकट न आने दे। चरित्र निर्माण हो गया तो बाकी निर्माण स्वतः ही हो जाएंगे। चरित्र जब गिरता है तब मिट्टी के बर्तन के भाँति चकनाचूर हो जाता है। स्त्री का सुख दुख पति की योग्यता व चरित्र पर निर्भर करता है। जैसे मधुमक्खी स्वतः फूल पर दौड आती है वैसे ही चरित्रवान बनो जगत आपके पास दौड कर आयेगा। हम छाया के विषय मे ज्यादा सोचते हैं वृक्ष के विषय में नहीं लेकिन चरित्र एक वृक्ष है और यश उसकी छाया। मनुष्य के चरित्र से ज्ञात हो जाता है कि वह किस प्रवृति का है। चरित्र द्वारा शासित व्यक्ति वैसे ही श्रेष्ठ है जैसे जीवित मृतको से। चरित्र की शिक्षा पाए हुए के लिये सभी अन्य जगह, स्थान पराए होकर भी अपने बन आते हैं। चरित्र का वार्तालाप से ही ज्ञान हो जाता है। चरित्र जिससे स्वयं जाना जाय। तमाम पाषाण खण्ड एक हीरे से काटे जाते है जिसका नाम है चरित्र । चरित्र का अर्थ है स्वयं को अनुशासित सुसंगठित और व्यवस्थित बनाना। शिक्षक या गुरु का चरित्र इतना आदर्शमय होना चाहिये कि उसे देखकर ही शिक्षार्थी के मन में श्रद्धा के अंकुर उपज जाय । चरित्र से हर बात शोभा पाती है। चरित्र की सेवा करने वाली निश्चित परिचारिका वाणी है। चरित्र मानव जीवन के लिये एक परम पावन और आवश्यक निधि है उसका निवास हृदय में होता है। चारित्रिक गठन इंसान की प्रथम आवश्यकता है।

नौकरी में मजे करने और बने रहने के लिये सफलता के मूल मंत्र बने रहो कूल, सेलेरी मिलेगी फुल। बने रहो पगला काम करेगा अगला । जिसने ली टेंशन उसकी वाइफ लेगी पेंशन । काम से डरो नही और काम को करो नही। काम करो या न करो, काम की फिक्र जरूर करो। फिक्र करो या न करो फिक्र का जिक्र बॉस से जरूर करो। जो काम करे उसके अंगुली करो और जो काम न करे उसकी चुगली करो ।

www.jainelibrary.in
Jeevan Saar 6

उपदेश – उपदेश से जीवन बदल जाता है और व्यक्ति को नई राह मिलती है। जिसे हर कोई देने को तैयार रहता है लेता कोई नही ऐसी वस्तु है उपदेश, सलाह । जो किसी का उपकार नही जानता उसे किसी प्रकार का उपकार पाने का कोई अधिकार नहीं। जो ईश्वर की आराधना के साथ साथ पुरुषार्थ करते हैं उनके दुख और दारिद्रय दूर होते है और ऐश्वर्य बढाता है। जिन घरो मे स्त्रियाँ दुखमय रहती है वे घर शीघ्र नष्ट हो जाते हैं। इसलिये स्त्री की सदैव इज्जत करनी चाहिये। जब कोई मनुष्य किसी दूसरे के दोषो पर उंगली उठाता है तो उसे ध्यान रखना चाहिये कि शेष तीन अंगुली उसकी और ही संकेत कर रही है। अपने लिये माँगने वाला भिखारी किन्नु सबके लिये माँगने वाला साधु कहलाता है। किसी चीज को दबाना उसे शक्ति देने का दूसरा नाम है। क्रोध को प्रेम से, बुराई को भलाई से, लोभ को उदारता से, असत्य को सत्य से काबू किया जाता है। कायरो और संशय शील व्यक्तियो के लिये प्रत्येक वस्तु असम्भव है। जिस घर में कोई नही रहता उसमें चमगादड बसती है। जो मनुष्य अपने मुँह मे लगाम देता है और जीभ को वश मे रखता है। वह अपने प्राणो को विपतियो से बचाता है। जो व्यक्ति अशिक्षित है वह गरीब है। जिस हालत में हो ईश्वर को धन्यवाद करो संसार में इससे भी अधिक कष्ट है। कोई बाहरी ताकत इन्सान को नीचे नही गिरा सकती। अपने को नीचे गिराने वाला इंसान खुद ही है। जो खाने पहनने को देता है वह यदि दो कड़वी बात कह भी दे तो उसे भी खाने पहनने में समझना चाहिए। कुत्ते भौकते है, उन्हे भौंकने दो, हाथी यह सीख देता है। जो अपने लिये नियम नहीं बनाता उसको दूसरो के नियमों पर चलना पड़ता है। चालाकी पर किस प्रकार काबू पाया जाए इसकी जानकारी कर लेना ही एक बहुत बडी चालाकी है। कन्यादान न करने वाले का जन्म व्यर्थ चला जाता है। जो आदमी यह समझता है कि हर बात तुरंत उसकी समझ मे आ जाती है, वह कुछ भी नही सीख पाता । जब मै और तू मेरे बीच मे न रह जायगे उस समय मन्दिर, मस्जिद और गिरजा सब तेरे लिये समान हो जाएंगे। जो पुत्र अपने माता पिता को अपशब्द कहता है उसकी धन सम्पति पूर्णतः नष्ट हो

www.jainbharati.in Jeevan Sar 6

जाती है। किसी को भी अपना खुद का व्यक्तित्व छोडकर किसी दूसरे का व्यक्तित्व नही अपनाना चाहिये। कभी उस व्यक्ति से मित्रता मत करो जिसने तीन मित्र बनाकर त्याग दिये हो। जो हानि हो चुकी है उसके लिये शोक करना अधिक हानि को निमन्त्रण देना है। पचास मित्र काफी नही तो एक शत्रु काफी है। खाक मे मिलने से पहले स्वार्थ पर खाक डाल । कामकाज की कल्पनाओ से केवल लाभ होता है परन्तु उतावली करने वालो को केवल हानि होती है। गम्भीर स्थिति ही महापुरुषो का विद्यालय है। कष्ट और क्षति सहने के बाद मनुष्य अधिक विनम्र और ज्ञानी हो जाता है। धनवान, आदमी, कुत्ता, सांड और शराबी से सदा सावधान रहे। कुत्ते से काटना नही गुर्राना सीखो । घर का प्रेम नारी का जीवन है। गुण से रूप की, सदाचार से कुल की, सफलता से विधा की, और भोग से धन की शोभा होती है। कोई बुरी घटना घटने वाली होती है तो उसके पहले बुद्धिभ्रष्ट हो जाती। है। कठिन काम पडने पर सेवक की संकट के समय भाई बन्धु की, आपातकाल मे मित्र की व धन के नाश हो जाने पर स्त्री की परीक्षा होती है। केवल दाढी रख लेने से ही कोई दार्शनिक नही बन जाता। चित प्रसन्न रखने से दुख दूर होते है और बुद्धि स्थिर होती है। जिसने अपनापन खोया उसने सब खोया। जो लुट जाने पर भी मुस्कराता है वह चोर का सब कुछ चुरा लेता है। जो सीखता तो है मगर विद्या का उपयोग नहीं करता वह किताबो से लदा जानवर है। जिसे पुस्तक पढने का शौक है वह सब जगह सुखी रह सकता है। कतरा दरिया मे मिल जाये तो दरिया हो जाय। काम वह अच्छा है जिसका कि अन्त अच्छा है। चिढ़ता हुआ दोस्त मुस्कराते हुए दुश्मन से अच्छा है। लक्ष्मी और विवेक का वरदान प्रायः कम मिलता है। अपने सुख के लिये दूसरो को उपदेश देना सबसे बडा पाप है। उपदेश यदि नीच के मुख से मिले तो उसे ग्रहण करे। सौ को खाना नही खिला सकते तो एक को खिलाये । भौरा फूलो से रस ग्रहण करता है।

www.jainbharati.in Jeevan Saar 6

विनम्रता – नम्रता दिखाते समय हममहान व्यक्तियों के समकक्ष हो जाते हैं। एक ही पुत्र हो, वह विद्वान और साधु चरित्र का हो तो सम्पूर्ण कुल ऐसा आंनदित हो जाता है जैसे एक ही चन्द्रमा से रात्रि शोभायमान होती है। जहां नम्रता से काम निकल जाये वहाँ उग्रता नहीं दिखानी चाहिये। असली सवाल यह है कि भीतर तुम क्या हो, अगर भीतर गलत हो तो तुम जो भी करोगे उससे गलत फलित होगा, अगर तुम भीतर सही हो तो तुम जो भी करोगे वह सही फलित होगा। नम्रता स्वर्ग के रास्ते की कुंजी है। विनय के साथ विवेक दूने प्रकाश से चमकता है, योग्य और नम्र मनुष्य किसी राज्य के समान बहुमूल्य रत्न है। गर्व की अपेक्षा विनय अधिक प्राप्त कर लेता है। विनम्रता का अर्थ है प्रतिकूल परिस्थितियों मे भी पूरी तरह से समायोजित होने की समता पैदा कर लेना इसीलिए विनम्र व्यक्ति कभी भी नहीं टूटता । स्वाभिमानी भी वही श्रेष्ठ है जो विनम्रता को प्रथम स्थान पर रखता है। विनय से व्यक्ति का मूल्याकंन है। जो मनुष्य विनयी और प्रभु भक्ति करता है उसको प्रतिफल से मिलता है, धन, सम्मान और दीर्घ जीवन। महान पुरुष की पहली पहचान है उसकी नम्रता । नम्रता से वह कार्य भी बन जाते है जो कठोरता से नही बन पाते। विनय और श्रद्धा के सामने तर्क पेश नही किया जा सकता । विद्वानों के चातुरी भरे शब्दो को सुनना चाहिये। जिनमें विनय नहीं ने विद्वान् नहीं। नम्रता और विनय का कोई मूल्य नही है लेकिन इनका नाम अधिक है। मनुष्य जिसमे नम्रता नही इंसान की शक्ल में जानवर है। नम्रता और धैर्य जीवन के मूलमंत्र है। बड़ा होने पर भी नम्र रहता हो और सेवा में मग्न रहता हो वह बड़ा है। जिनमें नम्रता नहीं आती वे विद्या का पूरा सद्पयोग नही कर सकते । नम्रता के साथ स्वार्थ हो तो वह ढोंग है। नम्रता का अर्थ लचीलापन है, लचीलापन में भी तनने की शक्ति है जीतने की कला है, और शौर्य की पराकाष्ठा है। धन्य वे है जो नम्र है क्योकि वे पृथ्वी के अधिकारी होगे । विनम्रता शरीर की अन्तरात्मा है । किसी महान व्यक्ति की प्रथम परीक्षा उसकी नम्रता से लेनी चाहिये । नम्रता सर्वोत्तम गुण हैं, क्योकि जो कार्य स्त्री सौन्दर्य

www.jainbharati.in Jeevan Saar 6

दिखाकर कर सकती है वही नम्रता कर सकती है। आदर पाने के लिए मनुष्य को पहले विनम्र बनना पडता है। विनम्रता जहाँ विधा का प्रतिफल है वही सुख का आधार भी है अतः जीवन में सुखी रहना है तो उसे विनम्र भी होना पड़ेगा। विनय समस्त गुणों की आधार शिला है। गरीबी विनम्रता की परीक्षा और मित्रता की कसौटी है। जो विनम्र है वही विश्व विजयी है। नम्रता की ऊंचाई किसी भी यन्त्र से नही नापी जा सकती। महान व्यक्ति का लक्षण नम्रता है। झुके हुए वृक्षो से नसीहत मिलती है कि गुणो से सम्पन्न को विनम्र होना चाहिये आत्म सम्मान की भावना ही नम्रता की औषधि है। अपना जीवन लेने के लिए नही देने के लिए है।

जो चंदन घिस जाता है वह भगवान के चरणो में चढ़ता है
और जो नही घिसता वह मुर्दे को जलाने के काम आता है।

तुम अपने क्रोध के लिए दंड नही पाओगे,
तुम अपने क्रोध के द्वारा दंड पाओगे।

छाता बारिश को तो नही रोक सकता परन्तु बारिश मे खडे रहने का हौसला अवश्य देता है इसी प्रकार आत्म विश्वास सफलता की गारंटी तो नहीं देता परन्तु सफलता के लिये संघर्ष करने की प्रेरणा अवश्य देता है।

माँगो ना कभी उस से जो अपना न हो,
कहो ना कभी उस से जो पराया हो,
रहो खुश सदा उसमे जो तकदीर में हो,
साथ दो उनका जो सदा साथ हो।

www.jainelibrary.in
Jeevan Saar 6

एकाग्रता – एकाग्रता एक कला है, जिसके आते ही सफलता निश्चत हो जाती है। कर्म, भक्ति, ज्ञान, योग और सम्पूर्ण साधनो की सिद्धि का मूलमंत्र एकाग्रता है। पवित्रता के बिना एकाग्रता का कोई मूल्य नही है। तुम एकाग्रता द्वारा उस अनन्त शक्ति के अटूट भंडार के साथ मिल जाते हो जिसमें इस ब्रह्माण्ड की उत्पति हुई है। अपनी अभिलाषाओ को वशीभूत कर लेने के बाद मन को जितनी देर तक चाहो एकाग्र किया जा सकता है। साठ वर्ष के आदमी में उत्साह और सामर्थ्य नजर आ सकता है यदि उसका चित एकाग्र हो । ध्यान और समाधि एकाग्रता के बिना सम्भव नहीं। मन मे एकाग्र शक्ति प्राप्त करने वाले मनुष्य संसार में कभी असफल नहीं होते। एकाग्र हुआ चित ही पूर्ण स्थिरता को प्राप्त होता है। सुखी का चित एकाग्र होता है। एकाग्रता से विनय प्राप्त होती है। एकाग्रता आवेश को पवित्र और शान्त कर देती है। विचारधारा को शक्तिशाली और कल्पना को स्पष्ट करती है। तुम्हारी विजयशक्ति है मन की एकाग्रता । यह शक्ति मनुष्य जीवन की समस्त ताकतों को समेटकर मानसिक क्रांति उत्पन्न करती है। अनिश्चितमना पुरुष भी मन को एकाग्र करके जब सामना करने को खड़ा होता है तो आपतियों का लहराता हुआ समुद्र भी दुबक कर बैठ जाता है। जिसका चित एकाग्र नही है वह सुनकर भी कुछ नही समझता। संसार के प्रत्येक कार्य में विजय पाने के लिये एकाग्र चित होना आवश्यक है। जो लोग चित को चारो और बिखेरकर काम करते है उन्हे सैकड़ो वर्षों तक सफलता का मूल्य मालूम नही होता । जबरदस्त एकाग्रता के बिना कोई सी मनुष्य सूझ–बूझ वाला, आविष्कारक, दार्शनिक, लेखक, कवि या शोधकर्ता नहीं हो सकता । विनय प्राप्त करने के लिये एकाग्रता की शरण लीजिए। सब धर्मो में इन्द्रियों की एकाग्रता है।

लोगो की सबसे सच्ची अभिव्यक्ति नृत्य में ही होती है।
देह कभी झूठ नहीं बोलती।

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

जीवन – जीवन का उद्देश्य परोपकार है। यह उद्देश्य पूरा करके ही कोई कह सकता है कि वह सफल जीवन जीया । सफल जीवन की कसौटी धन और सम्पति नहीं है। जीवन एक बाजी के समान है। हार जीत तो हमारे हाथ नहीं पर बाजी का खेलना हमारे हाथ में है। यदि आपने अपना कोई उद्देश्य निर्धारित नही किया है तो जीवन निरर्थक है। उद्देश्य की पूर्ति के लिये जीवन देने वाले को असीम सुख मिलता है वह भौतिक सम्पति जुटा लेने में नहीं मिलता। जीवन का रहस्य भोग में नही, अनुभव के द्वारा शिक्षा प्राप्ति में है। आदमी को चाहिये कि परोपकारी जीवन बिताए । परोपकारी इस दुनिया मे खुश रहते है और दूसरे से भी । अत्याचार की खिलाफत के लिये इंसान का जीवन प्राप्त हुआ है। जीवन पथ में एक बार उल्टी राह चलकर फिर सीधे मार्ग पर आना कठिन है। तुम जगत की आत्मा हो, तुम्ही सूर्य, चन्द्र, तारा हो, तुम्ही सर्वत्र चमक रहे हो, समस्त जगत तुम्ही हो, किससे घृणा करोगे और किससे झगड़ा करोगे अतएव जान लो कि तुम वही हो और इसी रूचि में अपना जीवन ढ़ालो । करुणामय हृदय ईश्वर का मंदिर है। अपना जीवन गुलाब की तरह बनाओ जो सुगन्ध की भाषा में शान्तिपूर्वक वार्तालाप करता है। हम प्रतिदिन वर्धमान रहते हुए सौ शरद, सौ हेमन्त, और सौ बसन्तो तक जीवित रहे। जिसके जीने से बहुत से लोग जीवित है वही इस संसार में जीता हुआ रहता है। धर्म रहित व सिद्धान्त रहित जीवन पतवार रहित नौका के समान है। जिसके जीवन को उसके इर्द गिर्द की जनता चाहती है वह सच्चा धनी है। कला में उतर जाइये जीवन का तल पा लेगे। सुगन्ध के बिना, पुष्प, तृप्ति के बिना प्राप्ति, ध्येय के बिना कर्म व प्रसन्नता के बिना जीवन व्यर्थ है। जीवन में मनोविनोद का स्थान है न अश्रुओ का स्थान । जीवन एक सेवा सदन है। जीवन संघर्ष में वहीं सफल होते है जिन्हे शान्त रहने और धैर्य रखने की शिक्षा मिली हो । जीवन कार्य और लगन से सफल होता है। जीवन के

www.jainbhajan.in
Jeevan Sar 6

लिये खाना और सोना जरूरी है। जीवन एक दर्पण के समान है। जीवन संस्कार प्राप्ति का दूसरा नाम है। मनुष्य जीवन नदी की भाँति है। साधारण मनुष्य बहाव में बहते हैं असाधारण मनुष्य अपने बहाव से नई राहे बना लेते है। मेरा सम्मान ही मेरा जीवन है। जीवन और कर्म एक ही चीज के दो नाम है। थोडी देर की कुसंगति भी मनुष्य के जीवन को बरबाद करने के लिये काफी है। सदा अपने मन को हर्षमय एवं उल्लासमय बनाएं तो आप हजारों हानियों एवं परेशानियो से बच जायेगे और लम्बा जीवन पाएंगे। जीवन संघर्ष में प्रेम की विजय होती है। जितने भी दिन जीओ फूल बनकर जिओ काँटा बनकर नही। अपनी इन्द्रियो पर काबू पा लेना जीवन का आदर्श होना चाहिये न कि उन्हें तृप्त करने का प्रयास करना । जीवन से मरना अच्छा है अगर कोई मरना जान ले यानि मृत्यु के पूर्व ही मन को मार लेने वाला अजर अमर है। जिंदगी फूलो की सेज नहीं संघर्ष का मैदान है। गति करती हुई छाया जीवन की परिचायक है। जीवन एक अच्छी कहानी के समान है। जीवन आज और अभी है। जो सामने है वह सच है उसके बाद जो कुछ भी है वह सिर्फ सम्भावना है। सम्यक आचरण, आत्मविजय, करुणा, परोपकारिता मानवसेवा, सत्यानुसरण तथा ध्यान यही सार्थक व दिव्य जीवन है। जिन्दगी की असंख्य चिन्ताओ के संतुलन स्वरूप ईश्वर ने हमे आशा और निद्रा प्रदान की है। जिसका वृतांत सुनकर, जिसको देखकर जिसका स्मरण करके सब प्राणियो को आनन्द होता है उसी का जीवन शोभा देता है। जिसकी कीर्ति नष्ट हो गई उसका जीवन भी नष्ट हो गया। जीवन संघर्ष मे विजय पा लेना कोई सरल कार्य नहीं है इसके लिये कठोर साधना की आवश्यकता है। आश्चर्य! लोग जीवन को बढ़ाना चाहते हैं सुधारना नहीं। जीवन मे सफलता जरूर प्राप्त करो।

तमाचा मैने मारा है तमाचा मुझे खाना भी पडेगा।

www.jainbharati.in Jeevan Saar 6

संकल्प – संसार में सभी भले कार्य शिव संकल्प से होते है, जिसमे संकल्प की शक्ति नहीं वह कोई सुकार्य नहीं कर सकता। हमारे हृदय मे कल्याणकारी संकल्प हो जिससे हम निरन्तर आत्म त्याग के साथ लोक कल्याण कर सके। मनुष्य में शक्ति की नहीं, संकल्प की कमी होती है। अपने भीतर के दोषो का निरीक्षण करो, परीक्षण करो, और अध्ययन करो। तभी अपने दोषो को स्वीकार करो । कान पकडो और कहो कि इन सब दोषो को बाहर निकालकर ही दम लूंगा। संकल्प करो, दृढ़ संकल्प करो तभी तुम जो चाहो कर सकते हो और जो चाहो बन सकते हो। जीवन और भाग्य तुम्हारे हाथ है। जब हम कोई कार्य करने की इच्छा करते हैं तो शक्ति अपने आप ही आ जाती है। जो आदमी संकल्प कर सकता है उसके लिये कुछ भी असम्भव नही । मनुष्य जितना ज्ञानवान और संकल्पवान बनेगा उसकी इच्छाएं भी इसी अनुपात में पूर्ण होगी। संकल्प लेकर पुरुषार्थ करने वाले की जीत निश्चित है। इच्छा का मूल संकल्प है। यज्ञ संकल्प से होते हैं। व्रत और धर्मपालन आदि भी संकल्प से ही होते हैं। सत्य धर्म पर्यायवाची शब्द है। सत्य तो प्रत्यक्ष परमात्मा है। मैं संकल्प लेता हूँ कि जीवन पथ पर प्रत्येक कदम सोच समझकर रखूंगा और आगे बढ़ने पर पूरा करूंगा। उठो और संकल्प लेकर कार्य में जुट जाओ। जीवन कितने दिन का अतः संसार में कुछ चिन्ह छोड जाओ अन्यथा तुममे और वृक्षादि में अंतर ही क्या रह जायेगा वे भी पैदा होते हैं परिणाम को प्राप्त होते है और मर जाते हैं। संकल्प कर लो, सोच समझकर कर लो परन्तु करने के बाद उसे मत छोड़ो। सत्य संकल्प ही ईश्वर के प्रति सबसे बड़ी निष्ठा है। मनुष्य के संकल्प के सम्मुख देव, दानव सभी पराजित होते हैं। दृढ संकल्प एक गढ़ के समान है जो कि भयंकर प्रलोभनों से हमको बचाता है, दुर्बल और डॉवाडोल होने से वह हमारी रक्षा करता है। मन के संकल्प शुभ और कल्याणमय हो । अच्छे काम के लिये धन की कम लेकिन अच्छे हृदय और संकल्प की अधिक आवश्यकता होती है। जब संकल्प दृढ हो जाता है तब उद्देश्य की सफलता भी निश्चित हो जाती है। संकल्प की शुद्धि और दृढता से भगवान और गुरु भी उसके यहाँ आते हैं।

www.jainbhajan.in
Jeevan Sar 6

सफलता – जीवन की सफलता इसमें है कि किसी की गुलामी किए बिना जीवन बिताए । पराधीन को जीवित कहे तो फिर मृतक कौन है। आप जिस शक्ति और सफलता को प्राप्त करना चाहते है उसकी सामर्थ्य आपके अंदर है अतः अपना भविष्य स्वयं बनाइये। पुरुषार्थ दाएं हाथ में तो सफलता आपके बाएं हाथ में होगी। जो धैर्यवान हैं और मेहनत से नही घबराता सफलता उसकी दासी है। अवसर को खो देना सफलता को खो देना है। पवित्रता, धैर्य और स्वयं का अध्ययन इन तीनो गुणो से सफलता मिलती है लेकिन इनसे ऊपर है प्रेम । मित्रता से मनुष्य को सफलता मिलती है किन्तु आचरण की पवित्रता उसकी हर इच्छा को पूर्ण कर देती है। यदि सफलता चाहते हो तो निराशावादी विचारों को मन से निकाल बाहर करो। अपनी उन्नति चाहने वाले पुरुषो को वही वस्तु खानी चाहिये जो खाने योग्य हो तथा खाई जा सके, खान पर पच सके और पच जाने पर हितकारी हो। कष्ट और विपति वह अध्यापक है जो हमे जीवन में विजयी होने की प्रेरणा देते हैं। अपनी निंदा सहने की शक्ति रखने वाला व्यक्ति मानो विश्व पर विजय पा लेता है। जिसे कर्म करने का सही तरीका आ गया वह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफल और सुखी होता है। क्रोध, चिडचिडापन, ईर्ष्या, निराशा, मानसिक खिन्नता और चिन्ता इनसे दूर रहे। जीतता वहीं है जिसमें धैर्य, साहस और सत्य होता है। जो इन्द्रियों पर अंकुश रखते है उनकी विजय होती है। सफलता का मन्त्र सिर्फ यही है कि वह घोर परिश्रम चाहती है। जिन्हें अपनी क्षमता पर विश्वास है वे विजय प्राप्त कर सकते हैं। सफलता विवेक, श्रम, आत्मबल और व्यवहारिकता से प्राप्त होती है। जो अपनी बुराईयो पर विजय प्राप्त कर लेता है वही अजेय होकर संसार पर शासन कर सकता है। कर्म करना बहुत अच्छा है पर वह विचारो से आता है इसलिये अपने मस्तिष्क को उच्च विचारों से भर लो उन्ही से महान कार्यों का जन्म होगा। कर्म आपकी जड़ता को तोडकर एक संवेदनशील मनुष्य बनाता है। सफलता का मूलमन्त्र यही है कि इंसान साहस के साथ सतत परिश्रम करता रहे। हृदय की विशालता ही उन्नति

www.jainbharati.in
Jeevan Sar 6

की नींव है। संयम सफलता की कुंजी है। जिसने अपनी इच्छाओं का दमन करके मन पर विजय पा ली है उसे जगत में सुख ही सुख है। साध्य के सिद्ध होने तक अन्य किसी बात की और ध्यान दिए बिना रात दिन सपने मे भी उसी की धुन रहे तब सफलता निश्चित है। प्रत्येक अवसर के लिये तैयार रहना सफलता का रहस्य है। कर्मवीरो की सफलता सहज है क्योकि यही उनका ध्येय है। जीवन संघर्ष में विजय पा लेना कोई सरल कार्य नहीं है इसके लिये कठोर साधना की आवश्यकता है। प्रत्येक काम को हिम्मत और शांति के साथ करो यही सफलता का साधन है। तुम विवेक को अपना गुरु बनालो सफलताएं तुम्हारे इर्द गिर्द होगी। बड़े कार्यो की सफलता के लिये छोटे कार्यों को आरम्भ में करना चाहिये।

पाप– एक छेद भी जहाज को डुबो देता है और एक पाप भी पापी को नष्ट कर देता है। किसी कर्म को पाप नहीं कहा जा सकता, वह अपने नग्न रूप में पूर्ण है पवित्र है। युद्ध में हत्या करना धर्म है परन्तु दूसरे स्थल पर अधर्म। सबसे बड़ा पाप पर स्त्री सेवन। अनजाने में जो पाप होता है उसका प्रायश्चित है देवता उसे क्षमा कर देते है किन्तु जान बूझकर जो पाप किया जाता है उससे कैसे बचा जा सकता है। संसार का पुरुस्कार मृत्यु है। पाप में पडना मानव स्वभाव है उसमे डूबे रहना शैतान स्वभाव है, उस पर दुखित होना सन्त स्वभाव है और सब पापो से मुक्त होना ईश्वर स्वभाव है। जब हम मृत्यु का स्मरण करते हैं तो हजारो पाप जिन्हें हमने कीडे मकोडो की तरह पैरो के नीचे मसल डाला है, हमारे विरुद्ध फणदार सर्प की तरह खडे होते हैं। संसार में सब प्राणी स्वतन्त्र और स्वाभाविक जीवन व्यतीत करने के लिये आए है उनको स्वार्थ के लिये कष्ट पहुंचाना महान् पाप है। प्राणघात, चोरी और व्याभिचार ये तीन शारीरिक पाप है। झूठ बोलना, निन्दा करना, कटुवचन एवं व्यर्थ भाषण ये चार वाणी के पाप है। पर धन की इच्छा, दूसरे की बुराई की इच्छा, असत्य, हिंसा, दया, दान में अश्रद्धा

www.nirmalgangwal.in Jeevan Sar 6

ये मानसिक पाप है। पाप की रफ्तार मृत्यु है। जिस प्रकार अग्नि अग्नि का शमन नही कर सकती उसी प्रकार पाप पाप का शमन नही कर सकता । बिन्दु या शून्य का कोई मूल्य नहीं होता । पाप छिपाने से बढ़ता है। माता गौ और ब्राह्मण का वध करने वाले को जो पाप लगता है वही पाप शरणागत की हिंसा करने वाले को भी लगता है। मानव के सम्पूर्ण पापो को मैं उनके स्वभाव की अपेक्षा बीमारी समझता हूँ। शरीर से पाप जब होता है जबकि पाप मन में होता है। छोटे बच्चे के मन में काम भावना नही होती वह युवतियों के वक्ष स्थल पर खेलता है उसके शरीर में कोई विकार नहीं होता। पाप इस तरह लपकता है जैसे बकरी पर चीता । पाप आचरण मे आ जावे तभी पाप नहीं वह तो मात्र दृष्टि में आने पर भी हमसे हो गया होता है। दरिद्रता और धन दोनों तुलनात्मक पाप है। मुझे विश्वास हो कि ईश्वर मुझे क्षमा कर देगा और मनुष्य मेरे पाप न जान सकेंगे तो भी पाप की अनिवार्य तुच्छता के कारण मुझे उसके करने में लज्जा आयेगी। निष्कृष्ट ध्येय भी पाप है। पाप सदैव पाप है चाहे वह किसी आवरण में मंडित हो। जिस कार्य से आत्मा का पतन हो वही पाप है। पाप की कल्पना प्रारम्भ में अफीम के फूल की तरह सुंदर और मनोहारी होती है किन्तु अन्त में नागिन के आलिंगन की तरह विनाशमयी है। सूखी लकडियो के साथ गीली भी जल जाती है उसी प्रकार पापियो के सम्पर्क में रहने से धर्मात्माओ को भी उनके समान दण्ड भोगना पडता है। पाप एक करूणा जनक वस्तु है। मानवीय विवशता की द्योतक है। उसे देखकर दया आती है, लेकिन पाप के साथ निर्लज्जता और मदान्धता एक पैशाचिक लीला है। पाप ईमानदारी को इस तरह निगल जाता है जैसे नदियों की उछलती हुई लहरे किनारे की हरियाली को । पाप का फल दुख नही किन्तु एक दूसरा पाप है। मनुष्य जब एक बार पाप के नागपाश फंसता है तब वह उसी में लिपटता जाता है। शरीर को रोगी और दुर्बल रखने के समान दूसरा कोई पाप नही है। समय आने पर कर्ता को उसके पाप का फल अवश्य मिलता है। पाप अपने लिये अनिष्ट कर न प्रतीत होने पर भी बेटे पोतो तक

www.jainbharati.in Jeevan Saar 6

पहुँचकर अपना प्रभाव दिखता है। एक पाप दूसरे पाप के लिये दरवाजा खोल देता है। जहाँ किसी प्रलोभन से प्रेरित होकर तुम कोई पाप, करने को उतारू हो, वही ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव करो । पाप में पडने वाला मनुष्य होता है वह साधु है जो कि पाप मे पश्चाताप करता है। जो पाप पर अभिमान करता है वह शैतान है। संसार में दुर्बल और दरिद्र होना पाप है। अपना कर्तव्य करने के पहले दूसरे के कर्तव्य की आलोचना करने से पाप होता है। पापो की स्मृति पापो से अधिक भयानक होती है।

आशा – आशा ही जीवन है। आशा को जीवन इसलिए कहा गया है कि इससे जीने की प्रेरणा मिलती है, बल मिलता है। आशावादी कभी हतोत्साहित नहीं होता और उसमें जीवन की उन्नति की, सफलता और जीत की लाखो सम्भावनाएँ होती है। निराशा और आशा मन के खेल है, उनसे मुक्त रहकर कार्य करना मनुष्य का धर्म है। आशा दुखियों के लिये एकमात्र औषधि है। आशा उत्साह की जननी है। आशा मे तेज है, बल है, जीवन है। आशा ही संसार की संचालन शक्ति है। जिसके पास आशा से बंधे कर्म है, उसके पास सब कुछ है। जीवन मे आशा निराशा धूप छांव के समान है। मनुष्य के लिये निराशा पाप समान है। पाप की निराशा रूपी लता को हटाकर आशावादी बनो। आशा अमर है उसकी आराधना कभी निष्फल नहीं होती। आशा मनुष्य के लिए अमृत के समान है। जिस प्रकार पेड पौधो को सूरज से जीवन मिलता है उसी प्रकार आशा से मनुष्य में नए उत्साह का संचार होता है। निरर्थक आशा से बंधा मानव अपना हृदय सुखा डालता है और आशा की कडी टूटते ही वह झट से विदा हो जाता है। मनुष्य को तपस्या द्वारा रूप, सौभाग्य और मनोवांछित रत्न प्राप्त होते हैं। भाग्य के भरोसे रहने वाले को निराशा ही मिलती है। जो केवल आशाओ के सहारे जीता है शीघ्र ही वह भूखा मर जाएगा। आशा बडी चीज है। बच्चो की आशा राई को पर्वत बना देती है। आशा उस वक्त भी आपके साथ रहती है जब

www.jainbharati.in Jeevan Saar 6

दुख में हर व्यक्ति आपका साथ छोड चुका हो। तुम दूसरो से कैसे आशा कर सकते हो कि वह तुम्हारी आशा के अनुकूल हो यदि तुम स्वयं को ही अपनी इच्छा के अनुरूप नहीं बना सकते। नई चीज सीखने की जिसने आशा छोड़ दी वह बूढ़ा है। प्रयत्नशील व्यक्तियो के लिये आशा सदैव जीवित रहती है। आशावाद ही वह पंथ है जो सफलता की और से जाता है। आशा के बिना कोई भी कार्य किया ही नही जा सकता। आशा जीवन का लंगर है उसका सहारा छोडने से आदमी भवसागर से बह जाता है। श्रम व आशा करने से ही कार्य पूरे होते हैं। निराशा मस्तिष्क के लिये पक्षाघात है जैसे जिस्म के लिये लकवा । जिस व्यक्ति में सफलता के लिये आशा और आत्म विश्वास है, वही व्यक्ति जीवन की सभी कठिनाइयो को झेलते हँसते हँसते जीवन के उच्च शिखर पर पहुंच पाते हैं। जिसे किसी प्रकार की आशा नही है वही सुख में सोता है। आशा का न होना परम पद की प्राप्ति है। निराशा संभव को असंभव बनाकर प्रस्तुत करती है। सच्चा साहसी वह व्यक्ति है जो निराशा को हावी नही होने देता । आशा का अर्थ थका नहीं हूँ, टूटा नही, कार्य करके ही जाऊँगा। जो विषयों की आशा करते है वे तो दास है जिन्होने भगवान में विश्वास करके आशा को जीत लिया वे ही भगवान के सच्चे सेवक है। आशा और आत्मविश्वास ही हमारी शक्तियो को जागृत करती है व हमारी शक्ति को दुगुना–तिगुना बढ़ा देती है। निराशा और आशा को धूप छाँव के समान समझे । अच्छी निद्रा और परम सुख उन्हे प्राप्त होता है जो आशा से दूर है। जीवन में निराशा से बडा कोई अभिशाप नहीं है। आशा के विरूद्ध बात से हमे दुख होता है।

धर्म – सच्चा धर्म सकारात्मक होता है, शुभ एव सत्कार्य करते रहना धर्म है। सच्चे धर्म की कसौटी तो पवित्र पुरुषार्थ है। सारे धर्म एक ही बात कहते हैं कहने का ढंग अलग हो सकता है। मनुष्यता के गुणों को विकसित करना धर्म का उद्देश्य है। धर्म अपनी व्यापकता और सहृदयता के बल पर ही फैले हैं। धर्म का पालन करते हुए जो धन प्राप्त होता है वही

www.jainbharati.in Jeevan Sar 6

सच्चा धन है। धन की इच्छा में धर्म का त्याग नहीं करना चाहिये । धर्म की शक्ति ही अनेक जीवन की शक्ति है, धर्म की दृष्टि ही जीवन की दृष्टि है। जीवन मे आनन्द को प्राप्त करने की प्यास ही धर्म है। विश्वव्यापी धर्म तो एक ही है। सावधान होकर धर्म का वास्तविक रहस्य सुनो और उसे सुनकर उसी के अनुसार आचरण करो। जो कुछ अपने लिये हानिप्रद और दुखदायी समझते हो वह दूसरो के साथ मत करो। धर्म सचमुच बुद्धिग्राह्य नही हृदयग्राह्य है। जो धर्म शुद्ध अर्थ व राजनीति का विरोधी है वह धर्म नही। धर्म रहित अर्थ व राज्य सता त्याज्य है। धर्म तो मानव समाज के लिये अफीम है। भारतवर्ष का धर्म पुत्रो से नहीं, सुपुत्रियो के प्रताप से स्थिर है। भारतीय नारियों ने अपना धर्म छोड दिया होता तो देश नष्ट हो चुका होता। संसार में धर्म ही सबसे श्रेष्ठ है। धर्म में ही सत्य की प्रतिष्ठा है। धर्म होने पर जब मनुष्य इतने नीच है तो धर्म न होने पर वे क्या होगे? धर्म मनुष्य में आत्म विश्वास पैदा करता है। धर्म संयम पर आरूढ़ करता है। धर्म सेना का नाम है। धर्म यानि धैर्य, क्षमा, दमन करना, अस्तेय, शौच, इन्द्रिय निग्रह, धी, विसा, सत्य और अक्रोध। सच्चा धर्म तो पापो की जड काटकर मुक्ति का मार्ग प्रदर्शन करता है। धर्म से केवल मोक्ष की ही नही अर्थ और काम की भी सिद्धि होती है। मानव और ईश्वर की कसौटी पर जो जीवन खरा उतरे वही धर्ममय जीवन है। जीवन में एक अनेक रहता है मृत्यु में अनेक एक हो जाता है। जहाँ धर्म नहीं वहाँ विधा, लक्ष्मी, स्वास्थ्य का भी अभाव होता है। धर्म से अर्थ उत्पन्न होता है। धर्म से सुख होता है। धर्म से मनुष्य सब कुछ प्राप्त करता है। धर्म जगत का सार है। सच्चा धर्म हमे अपने आश्रितो का सम्मान करना सिखाता है और मानवता, दरिद्रता, विपति, पीडा एवं मृत्यु को ईश्वरीय देन जानता है। धर्म ही व्यक्ति और समाज की प्रगति का मार्ग है। धर्म शाश्वत, आधारभूत और मौलिक है। धर्म का उद्देश्य मनुष्य के चरित्र में अटल बल प्राप्त हो। धर्म उस अग्नि की तरह है व्यक्ति के अन्दर ज्वाला को प्रज्जवलित करने में सहायक होता है। धर्म के दशलक्षण है क्षमा, मार्दव, आर्जव, सत्य, शौच, संयम, तप, त्याग, आकिंचन व ब्रह्मचर्य।

www.jainbhavan.in Jeevan Saar 6

ईश्वर – ईश्वरत्व गानवता के उत्कर्ष के सालाहकार का साधन मात्र है। जिसे ईश्वर की अनुभूति हो जाती है उसका हृदय दया करूणा तथा सेवा भावना से सराबोर हो जाता है। ईश्वर कोई बाह्य सत्य नहीं है। वह तो स्वयं के ही परिष्कार की अंतिम चेतना अवस्था है। उसे पाने का अर्थ स्वयं वही हो जाने के अतिरिक्त और कुछ नहीं है। राम यानि निजात्मा है। निज को जानना ही या बोध ही असली राम की उपलब्धि है। साक्षी स्वरूप आत्मा का साक्षात्कार किए बिना संसार का जन्म मरण रूपी झगडा छूट नहीं सकता। ईश्वर प्रत्येक व्यक्ति को सच और झूठ में एक को चुनने का अवसर देता है। ईश्वर एक वृत है जिसका केन्द्र तो सर्वत्र है किन्तु वृत रेखा कही नहीं। जो पुरुष स्वयं को शरीर, प्राण, इन्द्रिय और मन नही मानकर साक्षी स्वरूप में स्थित एक मात्र शिव रूप परमात्मा ही समझते है, उनकी ऐसी निश्चयात्मक बुद्धि ही समाधि कहलाती है। ढ़ोगी बनने की अपेक्षा स्पष्ट रूप से नास्तिक बनना अच्छा है। प्रभु को समर्पित करने योग्य मनुष्य के पास मैं के अतिरिक्त और कुछ नही है। ईश्वर जानने के लिये स्वयं को खोना है। जिसकी पीठ पर परमेश्वर का हाथ हो उसके लिये कुछ भी कठिन नही। ईश्वर कण कण में है। वह सर्वव्यापी है।

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

धैर्य – धैर्य प्रतिभा का एक आवश्यक तत्व है। शांत रहो और धैर्य रखो। जिसके पास धैर्य है वह जो इच्छा करता है प्राप्त कर सकता है। अच्छे श्रोता बनो। धैर्य से सुनो। करो वही जो तुम्हारा विवेक कहता हो। मित्रता करने में धैर्य से काम लेना चाहिये अगर मित्रता कर लो तो उसे अचल और दृढ़ होकर निभाओ । धैर्य वह वजह है जिसके कारण हाथी मन भर खाता है लेकिन कुता एक–एक टुकडे के लिये घर घर मारा फिरता है क्योकि वह धैर्य से हीन होता है। धैर्य सब प्रसन्नताओं एवं शक्तियों का मूल है। जिसके पास धैर्य है वह जो इच्छा करता है प्राप्त कर सकता है। धैर्य और सहन शीलता का गुण वीर होने का है। कामयाबी धैर्य से मिलती है। धैर्य से ही मीठा फल मिलता है। धैर्य से अनेक काम सम्पन्न होते हैं। मुसीबत टूट पडे, हाल बेहाल हो जाएँ तब भी लोग निश्चय से डिगतें नही और धीरज रखकर चलते हैं वे ही सच्चे धैर्यशाली है। धैर्य दर्द से भरा होता है किन्तु फल मधुर होता है। जो व्यक्ति स्वभाव से धैर्यवान है वह महान विपति के समय भी अधीर नहीं होता। धैर्यवान के कदम मंजिल पर अवश्य पहुंचते है। अपने धैर्य के बिना अन्य कोई संकट से मनुष्य का उद्धार नही करता । धैर्य हो तो दरिद्रता भी शोभा देती है। धुले हुए हो तो फटे वस्त्र भी अच्छे लगते है। घटिया भोजन भी गरम होने पर स्वादिष्ट होता है। सुंदर स्वभाव के कारण कुरुपता भी शोभा पाती है। धैर्यवान पुरूष कार्य आरम्भ करने के बाद असफल होकर नहीं लौटते । जो धीरज रख सकता है, भूखा रह सकता है। उत्तेजना मे भी अपनी चिंतन शक्ति को स्थिर रख सकता है, वह जीवन मे कभी असफल नहीं होता। सफलता सदैव उसकी दासी बनकर रहती है। प्रकृति के चरण चिन्हो पर चलो उसका रहस्य है धैर्य। धैर्य के द्वारा जीवन के लक्ष्य का द्वार खुल जाता है उस द्वार की चाबी धैर्य है। धैर्य सबसे बडी प्रार्थना है। धैर्य, मनो विग्रह, इन्द्रिय संयम, पवित्रता, दया, कोमलवाणी और मित्र से द्रोह न करना यह बाते लक्ष्मी को बढाने वाली है। जिसके पास धैर्य है, वह जो इच्छा करता है, प्राप्त कर सकता है। धैर्य और सन्तोष जीवन नौका की पतवार है जो

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

नौका को मंजिल तक पहुंचाते हैं। धैर्य और मेहनत से वह सब प्राप्त किया जा सकता है जो शक्ति और शीघ्रता से कभी नहीं पाया जाता। विचारो के कारण उपस्थित होने पर भी जिसके मन में विकार उत्पन्न नहीं होते वह धैर्यवान है। धैर्य जिसके पास है वह धनी है। धैर्यवान एवं मनोबल युक्त मनुष्य हर कठिन कार्य सम्पन्न कर सकता है।

सबसे सस्ती – सलाह, सबसे महंगा – सहयोग
भगवान की सर्वश्रेष्ठ रचना – माँ, सर्वश्रेष्ठ फूल – कपास का फूल
सर्वश्रेष्ठ सुगन्ध – वर्षा से भीगी मीट्टी, सर्वश्रेष्ठ मिठास – वाणी
सर्वश्रेष्ठ दूध – माँ का, सर्वश्रेष्ठ काला – कलंक, सबसे भारी–पाप

माता पिता को जीते जी सारे सुख देना वास्तविक श्राद्ध है।

यहाँ जीना सबको नही आता।

इस गुण रहित शरीर में एक ही गुण है और वह है परोपकार।

ज्वैलर जब बहुमूल्य जेवरात को तौलता है, तो तराजू के एयर टाइट काँच के बाक्स में रखता है, फिर हमारे पास तो उससे भी मूल्यवान जीवन है, इसलिये तौलते समय इसे मन के झोंको से बचाइए।

ना समझी और उतावलेपन में उठाये गये कदम, कलम और कसम तकलीफ ही देते हैं।

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

अहंकार– मुझे अहंकार नहीं है ऐसा सोचना अभिमान है। अहंकारी व्यक्ति बढ़–चढ़कर बाते बनाता है, वे सदा अपने मुँह से अपना ही गुणगान करते रहते हैं। वे अपनी सफलता बधारने वाले अहंकारी होते हैं। अहंकार करना मूर्ख का काम है। अभिमान अपने ही दोषों को ढ़कने के लिये प्रयुक्त मुख्यावरण है। अहंकार चला गया तो की वही धर्म है और मोक्ष का साधन है। घमण्ड ही हार का द्वार है। जो व्यक्ति दम्भ और अहंकार से भरा है, जिसमे कपट, कायरता और क्रूरता है, जो निरीह प्राणियो को कूडा कचरा समझता है और दूसरो के धन पर आस लगाता है तथा आस पास के वर्ग से सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाता, समाज से उसका अस्तित्व ही मिट जाता है। किसी भी दशा में अपनी शक्ति पर घमंड न कर । अभिमानी व्यक्ति स्वयं को ही खा जाता है। धन के मद में मतवाला मनुष्य गिरे बिना होश में नही आता। जिसे होश होता है, वह कभी घमंड नही करता। अहंकार नर्क का मूल है। धन का घमंड नहीं करना चाहिये। जुगनू सोचते हैं कि हम ही इस संसार को प्रकाश दे रहे हैं। मगर नक्षत्रों का उदय होते ही जुगनुओ का घमंड शान्त हो जाता है। तब नक्षत्रो को घमंड होता है कि वे ही जगत को प्रकाश दे रहे है पर जब चन्द्रमा उदय होता है तब नक्षत्र भी मलीन हो जाते है। सूर्योदय होने पर चन्द्रमा भी मलीन हो जाता है अतः अहंकार न करे। गलतियो का मूल कारण अहंकार है। अहंकार को शून्य करने में प्रार्थना मदद करती है। किसी भी अवस्था में अहंकार न करे। परमात्मा प्रेम स्वरूप है और प्रेम से ही प्राप्त हो सकता है। दिल से नफरत, द्वेष, क्रोध और अहंकार जैसी बुराइयाँ होने पर परमात्मा को प्राप्त नहीं किया जा सकता। सत्ता जिसके हाथ में आती है वह मदांध हो जाता है। घमंड से आदमी फूल सकता है, फल नहीं सकता । यदि आपने अहंकार त्याग दिया तो किसी धर्म की जरूरत नहीं है। अभिमान से मनुष्य दूर हो जाता है। अपने दुर्गुणो का चिन्तन और परमात्मा के उपकारों का स्मरण ही सच्ची प्रार्थना है। अहंकार ने देवदूतो को भी नष्ट कर दिया। जो हम करते हैं दूसरे भी कर सकते है ऐसा माने। जो मनुष्य अहंकारी को

www.jainelibrary.org
Jeevan Sar 6

शिक्षा देता है उसे स्वयं शिक्षा की आवश्यकता है जो मनुष्य अहंकार करता है उसका एक दिन पतन अवश्य ही होगा। ईर्ष्या असफलता का दूसरा नाम है। ईर्ष्या करने से अपना ही महत्व कम होता है। अंहकार पूर्ण जीवन को छोड देना ही त्याग है। अहंकार का विनाश जरूरी होता है। तन, धन और भाग्य पर अभिमान नही करना चाहिये। अहंकार के समूल नाश से तृष्णाओ का अंत होता है।

मैं महावीर भगवान का अनुयायी हूँ। पंथो एंव सम्प्रदाय वाद की परे यथार्थ धर्म का अनुयायी हूँ।

बाहरी क्रिया कांड मोक्ष मार्ग नही है। सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान एवं सम्यक चारित्र की एकता ही मोक्ष मार्ग है।

आत्मा की निर्मलता साधनो से नही साधना से है।

छोटे छोटे पल छिन दुख के ना तू दिन गिन
हवा का झोका भर है जिंदगी
जी लेना आज
जाना तो है एक दिन ।

दबावो के बीच गरिमा बनाए रखना ही पराक्रम है।

जीवन ना तो भविष्य में है और ना ही अतीत में है
जीवन तो केवल इस पल में है अर्थात इस पल का अनुभव ही जीवन है।

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

वाणी – वाणी हमारे जीवन को सर्वाधिक प्रभावित करने वाला गुण है। जीवन में शांति और अंशाति का वाणी से सीधा सम्बन्ध है। बाणो से बीधा हुआ अथवा फरसे से कटा हुआ वन भी अंकुरित हो जाता है, किन्तु कटु वचन कहकर वाणी से किया हुआ घाव नही भरता। जो व्यक्ति उपयोगी और अनुपयोगी का अन्तर समझ लेते है वे कभी व्यर्थ शब्द व्यक्त नहीं करते। कठोर शब्दों मे कहे गए हितकर वाक्यों को सुनकर भी मनुष्य रुष्ट हो जाता है। कम बोलने से मन की शक्ति बढ़ती है। मधुर वचन सुनने में भी और कहने में भी प्रसनता देते हैं। मधुर वचन अहंकार त्याग से ही संभव है। पशु न बोलने के कारण और मनुष्य बोलने के कारण कष्ट उठाते हैं। कोमल उत्तर से क्रोध शान्त हो जाता है। कटु वचन से क्रोध उठता है। कठोर किन्तु हित की बात करने वाले लोग थोडे ही होते हैं। शब्द से ही सृष्टि का उद्‌गम है और उसी में सृष्टि का विनाश और पुनः शब्द से ही सृष्टि की नई रचना होती है। प्रश्न का समय पर उपयुक्त उतर देना आनंद प्रदान करता है। उचित समय पर कही गई बात ज्यादा वजन रखती है। झूठ बोलना तलवार के घाव के समान है, घाव भर जाएगा, किन्तु उसका निशान सदा बना रहेगा। वाणी में गाली या अपशब्द का प्रयोग न हो । वाणी से ह्रदय की बात कही जा सकती है। वाणी से बाणो की बौछारे होती है। बोलना शिष्टाचार है और इसमे सच और ईमानदारी आवश्यक है। कठोर वचन बुरा है क्योंकि तन मन को जला देता है और मृदुल क्वन अमृत वर्षा के समान है। न्यून वाणी मूर्खों की समझ में नहीं आती और अधिक बोलना विद्वानों को उद्विगन करता है। सत्य बोले, प्रिय बोले, किन्तु अप्रिय सत्य न बोले। किसी के साथ व्यर्थ बैर और शुष्क विवाद न करे। जो अपने मुख और जिव्हा पर संयम रखता है वह अपनी आत्मा को सन्तापों से बचाता है। मौन से अच्छा भाषण दूसरा नही। फिर भी बोलना पडे तो जहाँ एक शब्द से काम चलता हो वहाँ दूसरा शब्द न बोले । प्रिय होने पर भी जो वचन हितकर न हो, उसे न कहे । हितकर कहना ही अच्छा है चाहे वह सुनने में अत्यन्त अप्रिय ही क्यों न हो। जो इंसान

www.jainbharati.in Jeevan Saar 6

तोलकर नही बोलता उसे सख्त बाते सुननी पडती है। पराक्रम तो भुजाओ में रहता है न कि वाणी में। जब मन और वाणी एक होकर कोई चीज माँगते है तब उस प्रार्थना का फल अवश्य मिलता है। झूठ बोलने से किसी की जान बचती है तो झूठ बोलना पाप नहीं । झूठा वादा करने से विनम्र इंकार करना अच्छा है। सबकी बात ध्यान से सुनो परन्तु अपनी सलाह केवल थोडे ही मनुष्यों को दो प्रत्येक स्थान और समय बोलने के योग्य नही। कभी–कभी मौन वाणी से ज्यादा प्रभावी सिद्ध होता है। जहाँ मनुष्य की जिव्हा बोलने में असमर्थ हो जाती है वहाँ पत्थर बोलना प्रारम्भ कर देते है। मौन उस अज्ञानी के लिये आभूषण है जो ज्ञानियों की सभा में जा बैठा है। नम्रता और मीठे वचन ही मनुष्य का आभूषण है। शब्द बड़ी साधना से उठ पाते हैं, उन्हें गिराने की चेष्टा नही होनी चाहिये।

सिर्फ हैरत से जमाना देखता रह जाएगा
बाद मरने के कहाँ किसका पता रह जाएगा
अपने अपने हौसले की बात सब करते रहे
ये मगर किसके पता था सब धरा रह जाएगा।

बेहतर की उम्मीद रखने वाले औसत को नही चुनते।

Never try to Defect people just try to win them.

हर चीज हद में अच्छी लगती है
मगर तुम हो के बेहद अच्छे लगते हो।

कसौटी पर सोने को कसा जाता है,
लोहे को नही।

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

मृत्यु – मृत्यु से सभी भय खाते है किन्तु मृत्यु आत्मा का स्थानान्तरण मात्र है। जिस प्रकार हम पुराने वस्त्र बदलते है उसी प्रकार आत्मा शरीर बदलती है। मृत्यु मित्र है जो हजारो बंधनो, दुःखो एवं झंझटो से मुक्ति दिलाती है। मृत्यु हमारे लिये रहस्य नहीं है। सब जानते है कि हमको आयेगी, कब आयेगी यह पता नहीं चलता। मृत्यु वह सोने की चाबी है जो अमरता के महल को खोल देती है। मृत्यु उसकी मुक्तिदायिनी है जिसे स्वतंत्रता मुक्त नहीं कर सकती यह उसकी चिकित्सक है जिसे औषध निरोध नही कर सकती यह उसकी अन्नदायिनी है जिसे समय सांत्वना प्रदान नहीं कर सकता । मृत्यु का फव्वारा जीवन के स्थिर जल को नर्तन कराता है। मृत्यु के बारे में सदैव प्रसन्न रहो और इसे सत्य मानो कि भले आदमी पर जीवन में या मृत्यु के पश्चात कोई बुराई नही आ सकती । मृत्यु भी धर्म निष्ठ प्राणी की रक्षा करती है। दुष्ट स्त्री, कपटी दोस्त, जबाब देने वाला नौकर और सर्प वाले घर में रहना मौत ही है। वृद्ध मनुष्य मृत्यु के पास जाते हैं लेकिन युवको के पास मृत्यु स्वयं आती है। मृत्यु थकावट के सदृश है परन्तु सच्चा अंत तो अनंत की गोद में हैं। मृत्यु सच्चा मित्र है। मृत्यु का दूत अंधा और बहरा है। जीने की राह एक है मरने की सौ। सम्मानित पुरुष के लिये अपकीर्ति मृत्यु से भी बुरी है। लोग मृत्यु को अमंगल मानते हैं। जो मरना जानते है उनकी मृत्यु आनन्ददायक होती है। मृत्यु अर्थात् परमात्मा को बीते हुए जीवन का हिसाब देने का पवित्र दिन। क्षुधा और प्यास से जितनो की मृत्यु होती है उनसे कही अधिक लोगो की मृत्यु अधिक भोजन और मदिरा सेवन से होती है। मृत्यु से नया जीवन मिलता है। जो आत्मा को अमर नहीं जानते वे ही मृत्यु से डरते हैं। विषाद में डूबने का नाम मृत्यु है। मृत्यु को स्वाभाविक बनाने वाला ही सुख से भर सकता है। हे मृत्यु! तू स्वयं अपनी शक्ति से किसी मनुष्य को नहीं मार सकती । मनुष्य किसी दूसरे कारण से नही स्वयं अपने ही कर्मो से मारा जाता है। मृत्यु के भय से मुक्त हो जाना ही मौत को जीतना होता है।

www.jainbharati.in
Jeevan Sar 6

चिन्ता – चिन्ता चिता सम, चिन्ता चिता समान है। चिता मृतक को जलाती है चिन्ता जीवित को। चिन्ताएं मनुष्य की सारी शक्ति नष्ट कर देती है। आप अपने जीवन के शत्रु है यदि चिन्ता करते हैं। चिन्ता कमजोरी का संकेत है जो जीवन को विषतुल्य बना देती है। चिंता रूपी सांपिनी ने जन्म लेने वाले प्रत्येक मनुष्य को डसा है। चिन्ता जीवन में कायरता व विष भर देती है। चिन्ता करो यदि तुम रूप, बल और ज्ञान का नाश चाहते हो । चिन्तन और चिन्ता मे वही अन्तर होता है जो एक आत्म विश्वास भरे स्वस्थ व्यक्ति और रोगी व्यक्ति में होता है। जो किसी हानि या नुकसान के बाद उस पर चिन्ता करे वह व्यर्थ अपना समय गंवाता है। जो हो गया उसे भूल जाओ। कार्य कभी भी अधिक नहीं होता चिन्ता उसे अधिक और अधिक बनाती जाती है। शहद की मधुमक्खी को जितना हटाओगे वह उतना ही चिपटती चली जाएगी चिन्ता भी ऐसी ही है। सुबह से शाम तक काम करके आदमी उतना नही थकता जितना क्रोध या चिंता के एक घंटे में थक जाता है। चिन्ता करनी है तो चरित्र की करो। भविष्य की चिन्ता से मनोरथ सिद्ध नही होते । चिन्ता मनुष्य को धुन की तरह अन्दर ही अन्दर खोखला कर देती है और उसकी क्रियाशीलता नष्ट हो जाती है। ईधन से जैसे अग्नि बढ़ती है ऐसे सोचने से चिन्ता बढ़ती है। चिंता करने जितना समय किसी कार्य को करने में लगाते हैं तो चिन्ता की कोई जरूरत ही नही। चिन्ता से क्या लाभ। जो बिस्तर पर भी चिंताओ के साथ जाता है यानि वह व्यक्ति अपनी पीठ पर वजन का गठ्ठर बांधकर सोता है। चिता जलाए मुर्दे को, चिन्ता जलाएं जिन्दा को । यदि चिन्ता से ही कार्य सिद्ध होते तो सभी कार्य के बजाय चिन्ता ही करते। एक चिन्ता दूसरी कई सैकडो चिन्ताओ को जन्म देती है। मनुष्य चिन्ता से कमजोर हो जाता है। शक्ति होते हुए भी उसका उपयोग नहीं हो पाता यदि दिल मे चिन्ता हो। चिन्ता को अपने शत्रुओ की सूची में पहले स्थान पर रखो। रूप, बल और ज्ञान इनका नाश चाहते हो तो चिन्ता करो। चिन्ता से प्रथम मुक्ति पानी चाहिये। चिन्ता का राक्षस आपके हृदय में डेरा डालता है।

www.jeevansaar.in Jeevan Saar 6

भलाई – कर भला हो भला । बुरे आदमी के साथ भी भलाई ही करनी चाहिये। रोटी का एक टुकड़ा डालकर कुत्ते का मुंह बन्द कर देना चाहिये। छोटे से दीप का प्रकाश बहुत दूर तक फैलता है उसी तरह इस बुरी दुनिया में भलाई बहुत दूर तक चमकती है। भले बनकर तुम दूसरो की भलाई का कारण बन जाते हो। जो भलाई करने का सदा प्रयत्न करता है यह मनुष्य और परमेश्वर दोनों की कृपा प्राप्त करता है। जो बुराई की तलाश में रहता है उसको बुराई ही मिलती है । जो दूसरो की भलाई करता है वह अपनी भलाई स्वयं कर लेता है। जो दुसरो की बुराई करते हैं वे खुद निंदित होते हैं। भगवान तुम्हारे पदक से नहीं उन जख्मों के निशानो से जांचेगा जो तुम्हारे शरीर पर भलाई के लिये बने। मनुष्य जब संसार से जाता है तो भलाई या बुराई ही साथ में जाता है। मनुष्य की भलाई करने के अतिरिक्त और अन्य किसी कर्म द्वारा मनुष्य ईश्वर के इतने निकट नहीं पहुंच सकता। जिसमे उपकार वृति नहीं, वह मनुष्य कहलाने का अधिकारी नही। भली बाते कड़वी होती है, किन्तु उनके कडवेपन का स्वागत करना चाहिये क्योकि उनमें भलाई निवास करती है। जो भलाई से प्रेम करता है वह देवताओ की पूजा करता है आदरणीयों का सम्मान करता है और ईश्वर के समीप रहता है। जो मनुष्य जगत की जितनी भलाई करेगा उसको ईश्वर की व्यवस्था से उतना ही सुख प्राप्त होगा। भलाई का मार्ग भय से पूर्ण है परन्तु परिणाम अत्युत्तम है। जो मेरे साथ भलाई करता है, वह मुझे भला होना सीखा देता है। पुष्प की सुगन्ध वायु के विपरीत कभी नही जाती, परन्तु मानव के सद्‌गुण की महक सब तरफ फैल जाती है। भलाई जितनी अधिक की जाती है उतनी ही अधिक फैलती है। जिनके ह्रदय में सदैव परोपकार की भावना रहती है उसकी आपदाएं समाप्त हो जाती है और पग पग पर धन की प्राप्ति होती है। भलाई रह जाती है इसके अतिरिक्त सब वस्तुएं नष्ट हो जाती है। आदमी को चाहिये कि बुराई के बजाय भलाई का रास्ता अपनाए। भलाई करने वाले लोग लोक व परलोक दोनों मे ही सुख से रहते हैं। भला का उल्टा लाभ। भलाई किया

www.jainbharati.in Jeevan Sar 6

बुरा करने के तैयारी हुआ करती है। भलाई करना मानव का कर्तव्य है। जो दूसरो की भलाई करता है उनसे अपना भला तो कर ही लिया। दया के सम्मुख दुष्टता का नाश हो जाता है। प्रेम और उदार सहानुभूति के सम्मुख बुरे मनोविकारों का नाश हो जाता है। दुर्जनों के साथ भलाई करना सज्जनो के साथ बुराई करने के समान है। भलाई बुराई का अभाव नहीं वरन् उस पर विजय है जो मनुष्य भलाई के बदले में बुराई करता है उसके घर में बुराई सदैव निवास करती है। जो मनुष्य जगत की जितनी भलाई करेगा, उसको ईश्वर की व्यवस्था में उतना ही सुख प्राप्त होगा। सच्चा मनुष्य वह है जो बुराई का बदला भलाई से दे । जिस घरो में पति पत्नी एक दूसरे के प्रति समभाव नहीं रखते वही दरिद्रता का निवास है। वहाँ उन दोनों का जीवन निष्फल है।

नवनिधि, चौदह रत्न, घोडे, मस्त उत्तम हाथी, चतुरंगनी सेना इत्यादि साम्रगी चक्रवर्ती को शरण रूप नहीं है। उसका अपार वैभव चक्रवर्ती को मृत्यु से नही बचा सकता। जन्म, जरा, मरण, रोग और भय से अपना आत्मा ही अपनी रक्षा करता है। कर्म के बंध, उदय, सत्ता से भिन्न अपना आत्मा ही इस संसार में शरण रूप है। कर्मों का क्षय करके जन्म ज़रा, मरण आदि दुखो से अपना आत्मा ही अपने को बनाता है।

अजीब तरह के लोग है इस दुनिया में
अगरबती भगवान के लिये खरीदते है
और *Flavour* खुद की पसंद का ।

The greatness of a man is not in how much wealth he aquires but in his integrity & his ability to effect those arround him positively.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

इच्छा – व्यक्ति की इच्छाओं का अन्त नही है। व्यक्ति की एक इच्छा पूर्ण होती है, दूसरी सिर उठा लेती है और इस इच्छा पूर्ति के चक्रजाल में फँसा व्यक्ति एकदिन इस संसार से विदा हो जाता है। जब तक इच्छा का लवलेश भी विद्यमान है ईश्वर का दर्शन नही हो सकता। अतः छोटी–छोटी इच्छाओ और सम्यक विचार एवं विवेक द्वारा बडी–बडी इच्छाओं का त्याग कर दो। इच्छा मात्र से ही थोडा पा लिया जाए तो इस संसार में प्रत्येक व्यक्ति घुडसवार हो । यदि हमारी इच्छा शक्ति क्षुद्र और कमजोर होगी तो हमारी मानसिक शक्तियो का कार्य भी वैसा ही होगा। परस्पर विरोधी इच्छाएं कठिनाईयाँ रंज और दुःख लाती है। सारी आफत इच्छा और काम वासना में है। इच्छा पर विचार का शासन रहे, इच्छा पर अनुशासन हो। इच्छा की प्यास कभी नहीं बुझती न पूर्ण रूप से संतुष्ट होती है। इच्छाओ को त्यागने वाले यतियो का गुणगान उतना ही असम्भव है जितना कि संसार में अब तक मरे हुवे की गिनती करना । पवित्र और दृढ इच्छा सर्वशक्तिमान है। अपनी आवश्यकताएं कम करके आप वास्तविक शान्ति प्राप्त कर सकते हैं। हम अपनी इच्छाओ को अवरोध करना नही जानते। आत्मा इच्छाओ को बल और बढ़ावा देती है। इच्छा करना व कर्म करना दोनो मे काफी अन्तर है। इच्छा को हम जल का नाम दे और कर्म को उबलता हुआ जल कहे तो जल ही जीवन की गाडी को उसके लक्ष्य तक पहुंचाएगा। पहली इच्छा का दमन कर दोगे तो अन्य इच्छाओं के प्रसव से बच सकोगे। जीने की इच्छा सब दुखो की जननी है। मरने की तैयारी सब सुखो की जननी है। अभिलाषा सब दुखो का मूल है मनुष्य की इच्छाओं पर उसके विवेक का शासन आवश्यक है। यौन आनन्द उठाने की इच्छा सबसे बुरी इच्छा है यानि आप संतान उत्पन्न करने की विद्या का दुरुपयोग करते हैं। इच्छा शक्ति की अग्नि जहाँ प्रज्जवलित होती है वही अहिंसा, सादगी और विजय की पताका दृष्टिगोचर होती है। विद्वान वह है जो अपनी इच्छा को त्यागकर परमात्मा की इच्छा से कार्य करता है। इच्छाओं को शान्त करने से नहीं अपितु उन्हे परिमित करने से शान्ति प्राप्त होती

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

है। यदि तुम स्वयं को अपनी इच्छा के अनुकूल नहीं बना सकते तो दुसरे तुम्हारी इच्छा के अनुकूल हो कैसे। बुद्धिमान व्यक्ति सदैव आत्म संतुष्टि रूपी लौ को अपनी इच्छाओ की आहुति से प्रकाशमान बनाए रखते हैं। दुनियां में प्रसन्न व स्वस्थ रहने का एक ही उपाय है अपनी जरूरत को कम करना इच्छा शक्ति सबसे बलवती है। इच्छा शक्ति के सामने सभी को झुकना पड़ेगा । शुद्ध और दृढ इच्छा शक्ति सर्वशक्तिमान होती है। अपनी इच्छाओं का ध्येय परमात्मा होना चाहिये। पतंगे की नक्षत्र के लिये, रात्रि की दिवस के लिये दुःख के बाद अज्ञात सुख की, यही तो जीवन की चिर–अतृप्त इच्छाएं है। अभिलाषाओं से ऊपर उठ जाओ वे पूरी हो जाएगी माँगोगे तो उसकी पूर्ति तुम से दूर चली जाएगी। इच्छाओं का संघर्ष यह प्रकट करता है कि अब जीवन व्यवस्थित होना चाहता है। देवताओं की समीपता पाने के लिये इच्छाओ में कमी करते चले जाइए। इच्छा मानव ज्ञान की सहज स्फुरणा है, लेकिन वह वासना के रूप में परिवर्तित न हो जाए तब वह दुख ही देगी। जो तमाम इच्छाओ से ऊपर उठ गया है, उसके द्वारा भलाई सदा इस तरह और अनजाने सहज और स्वाभाविक तौर से होती रहती है जैसे फूल से खुशबु और सितारों से रोशनी निकलती है।

Good pesson silently support our Life as like heart beats.

जेहन में राम को जिंदा रखना क्योकि पुतले जलाने से कभी रावण नही मरते।

Mind - which never minds.
Heart - which never hurts.
Brain - which never Drains touch,
which never Pains and relation
which never ends.

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

दया – जो दूसरो पर दया करते हैं, वे अपना ही हित करते हैं। किसी भी धर्म का मूल दया ही है। जो केवल दया से प्रेरित होकर सेवा करते है उन्हे निःसंशय सुख की प्राप्ति होगी। दया के द्वारा आप अपने गुणों में एक श्रृंगार बढ़ाते है। चन्द्रमा चांडाल के घर भी रोशनी देता है वैसे ही सज्जन पुरुष गुणहीन प्राणियों पर भी दया करते है। दया के सम्मुख जैसे घृष्टता का नाश हो जाता है वैसे ही प्रेम और उदार सहानुभूति के सम्मुख बुरे मनोविकारो का नाश हो जाता है। जो निर्बल पर क्षमा नही करता उसे बलवानों के अत्याचार सहने होगे । दया और सत्यता परस्पर मिलते है, धर्म और शान्ति एक दूसरे का साथ देते है। दया परमात्मा का निजी गुण है और लौकिक शक्ति उस समय ईश्वर तुल्य मालूम होती है जब न्याय में दया का सम्मिश्रण होता है। जिसमे दया नही उसमे कोई सद्‌गुण नहीं है। कैसा भी पापी पुरुष हो श्रेष्ठ पुरुष को दया करनी चाहिए क्योकि ऐसा कोई नही कि जो सर्वथा अपराध न करता हो। मानव को दयालुओं के साथ रहना चाहिये। चिन्ता रहित श्रेष्ठ मानव ही दयालु होता है। दया शील का अन्तःकरण प्रत्यक्ष स्वर्ग है। जो मनुष्य दूसरो पर दया करता है वह स्वंय अपना हित करता है। दया करनी पड़े तो उठे हुए हाथ कान पर रख लिए जाते है। दया सबसे सस्ती है। सब प्राणियो पर दया करो। दया ईश्वर से प्राप्त दो तरफा कृपा है वह देने वाले और लेने वाले दोनो पर लागू होती है। दया से भरा ह्रदय सबसे बड़ी दौलत है। दीन पर दया कर ईश्वर तुझ पर दयावान होगा। स्वयं पर दया अपना हित । निर्दयी पर दया अपने पाँवों पर कुल्हाडी मारने जैसा है। दयालु बनने का अर्थ आप बिना खर्च किए प्रसिद्धि पाते है। जो दया से पिघलते हैं वे प्रेम से कभी नहीं पिघलेगे। जो मनुष्य भलाई के बदले में बुराई करता है उसके घर में बुराई निवास करती है। दया का पात्र बनने के बजाय ईर्ष्या का पात्र बनना कही अच्छा है। हम सभी ईश्वर से दया की प्रार्थना करते है और प्रार्थना हमे दूसरों पर दया करना भी सिखाती है। दयालुता सोने की जंजीर है जिसमे इंसानियत ने इंसानो को बाँध रखा है। दया धर्म की जननी है। उपजाति

www.jainbharati.in
Jeevan Sar 6

की स्थिति कितनी दयनीय है जो परस्पर वैमनस्य के कारण कई सम्प्रदायों में बँट चुकी है और हर सम्प्रदाय स्वंय को एक जाति मानने लगा है। दुनिया का अस्तित्व शस्त्रबल पर नहीं बल्कि सत्य दया और आत्मबल पर है। वास्तव में वे ही लोग श्रेष्ठ है जिनके हृदय में दया और धर्म बसता है जो अमृत वाणी बोलते है तथा जिनके नेत्र नम्रता से झुके रहते हैं। सभी जीव दया के पात्र है। दया व प्रेम के नाम रहित व विस्मृत कृत्य ही सज्जन के जीवन का सर्वोतम भाग होते है। किसी पर विजय प्राप्त करना दया की भावना से ही सम्भव है। दया सज्जनता का वास्तविक गुण है। शुद्ध न्याय में शुद्ध दया होनी चाहिये। हमेशा दया का बर्ताव करे । आप जिस पर दया करते है उसके मन में आपका नाम अमिट अक्षरो मे लिखा जाता है। दया सबसे बड़ा धर्म है। पाप को इतना कोई साहसी नही बनाता जितना कि दया बनाती है।

सामान्य जीवन जीये, विनम्रता से चले,
ईमानदारी पूर्वक प्यार करे, स्वर्ग, अच्छे दिन सब यही है।

हर ईट सोचती है कि दीवार मुझ पर टिकी है।

अपने ही तकदीर का दुनिया में खाता है बशर तेरे घर पर आकर खाया था कि खाया अपने घर तेरे घर पर आकर खाय उसका तू मशकूर हो क्योकि उसने अपना खाया तेरे दस्तरखान पर।

जिस घर साध न पूजिये हरि की सेवा नाहि
ते घर मरघट जानिए भूत बसै तिन मांहि।

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

श्रद्धा – श्रद्धा न हो तो आस्था व्यर्थ है। श्रद्धा विश्वास को दृढ़ता प्रदान करती है। व्यक्ति के प्रति श्रद्धा उत्पन्न होने पर ही उसके प्रति अनुराग पैदा होता है। श्रद्धा और विश्वास ऐसी संजीवनी बुटी है जो एक बार घोलकर पी लेता है वह चाहने पर मृत्यु को भी पीछे धकेल देता है। किसी मनुष्य में जन साधारण से विशेष गुण या शक्ति का विकास देखकर उसके सम्बन्ध में जो एक स्थायी आनन्द हृदय में स्थापित हो जाता है उसे श्रद्धा कहते है। श्रद्धा की गुंजाइश वही है जहां बुद्धि कुठित हो जाए। श्रद्धा से परम ऐश्वर्य मिलता है। श्रद्धा मनुष्य की आनन्द पूर्ण स्वीकृति के साथ–साथ पूज्य बुद्धि का संचार है। श्रद्धा नींव की ईंट के समान है। धर्म कर्म और साधना की दीवारे श्रद्धा पर ही खडी होती है। सद्विचार पर बुद्धि रखने का नाम ही श्रद्धा है। श्रद्धा ही मनुष्य को बल देती है और उसके जीवन को सार्थक बनाती है श्रद्धा का अर्थ है आत्म विश्वास और आत्म विश्वास का अर्थ है खुद पर व ईश्वर पर विश्वास । मखमल के गद्दे पर सोने वाले के सपने नंगी जमीन पर सोने वाले के सपनो से मधुर नही होते तभी तो प्रभु के न्याय में श्रद्धा हो गई। जो अमीरो से लेकर दीन दुखियों में बाँटता है उन पर घृणा के बदले श्रद्धा होती है। चैतन्य को बंधन में बांधने के लिये प्रकृति ने श्रद्धा की रस्सी बनाई है। मनुष्य के हाथ भी यही रस्सी है। मन को चाहे देवता, ईश्वर, मातृभूमि या प्रेम सभी को श्रद्धा की रस्सी से बांधता है। जहाँ बुद्धि नहीं पहुंचती वहां श्रद्धा पहुंचती है। सबकी श्रद्धा अपने स्वभाव का अनुसरण करती है। जैसी श्रद्धा वैसा ही होता है। दिल में श्रद्धा चाहिये मरा कहो या राम, वाल्मिकी की जाप का निकला यह परिणाम । प्रेम स्वप्न है तो श्रद्धा जागरण है। जिज्ञासा का भाव श्रद्धा है। क्षमता से अनुभव को विषय बना सकना यही श्रद्धा का लक्षण है। आत्म विश्वास ही श्रद्धा है। श्रद्धा आस्था ही हमारे आदर्श की बाह्य रेखा है। निराश हृदय को सांत्वना अवलंबन और जीवन देने वाली वृति श्रद्धा है। श्रद्धा मे आत्म समर्पण है।

www.jainelibrary.in
Jeevan Saar 6

गुण – गुण शरीर में आत्मा की भाँति है। जिस प्रकार आत्मा बिना शरीर मिट्टी है उसी प्रकार गुणहीन पुरूष भी मिट्टी की भाँति है। गुण व्यक्ति को उच्चता की और ले जाते हैं। गुण की पूजा सर्वत्र होती है, बडी सम्पति की नही । पूर्ण चन्द्रमा वैसा वन्दनीय नहीं है जैसा निर्दोष द्वितीया का झीण चन्द्रमा। गुण मनुष्य के वश में है, प्रतिभा के वश में मनुष्य स्वयं होता है। गुण सब स्थानो पर अपना आदर करा लेता है। जहाँ बहुत से गुण हो वहाँ यदि एकाध अवगुण में आ जाए तो उसका वैसे ही पता नहीं चल पाता जैसे चन्द्रमा की किरणों में उसका कलंक। गुणो से ही मनुष्य महान होता है ऊचे आसन पर बैठने से नही। महल के ऊचे शिखर पर बैठने से कौआ गरूड नही हो सकता । समकालीन व्यक्ति गुण की अपेक्षा मनुष्य की प्रशंसा करते हैं, आने वाली पीढ़िया मनुष्य की अपेक्षा उसके गुणों का सम्मान करेगी। बौना छोटा ही रहेगा, चाहे वह पर्वत पर खडा हो। देव देव ही रहेगा चाहे वह नीचे ही क्यो न खडा हो। प्रतिभावान मनुष्य वह कार्य करते है जिसे किए बिना वे रह नहीं सकते, गुणी मनुष्य तह कार्य करते हैं जो वे कर सकते हैं। वीर, विद्वान, गुणी और रूपवती स्त्रियों जहाँ जहाँ भी जाती है वहाँ यहाँ उनका आदर होता है। गुणो से मनुष्य साधु होता है। सद्‌गुणों को ग्रहण करो। जो अपनी ही आत्मा द्वारा अपनी आत्मा को जानकर राग और द्वेष में सम्भाव रखता है वह पूज्य है। सज्जन लोग चाहे दूर भी रहे पर उनके गुण उनकी ख्याति के लिये स्वयं हित का कार्य करते है। केवडा पुष्प की गंध सूंघकर भ्रमर स्वंय उसके पास चले आते है। जिस गुण को दूसरे लोग वर्णन करते है उससे निर्गुण भी गुणवान होता है, इन्द्र भी अपने गुणों की प्रशंसा करके लघुता को प्राप्त होता है। गुणों का सर्वत्र सम्मान होता है, गुणी के वेश का नहीं । लोग कृष्ण की ही वन्दना करते है उनके पिता वसुदेव की नहीं। दूसरो के गुणों की प्रशंसा करो।

गुण के ग्राहक सहस नर बिनु गुन लहै न कोय
जैसे कागा को किला शब्द सुनै सब कोय
जहाँ रहे गुणवंत नर ताकी शोभा होत
जहाँ धरै दीपक तहाँ निहचै करै उदोत ।

www.jainelibrary.in
Jeevan Saar 6

विवेकी को पाकर गुण सुंदरता को प्राप्त होते हैं, सोने से जड़ा हुआ रत्न अत्यन्त शोभित होता है। रेशम कीडे से, सोना पत्थर से, नीलकमल गोबर से, लाल कमल कीचड से, चन्द्रमा समुद्र से, गौरोचन गौ के पित से, अग्नि लकडी से, मणि सर्प के फन से, और दूब गौ के रोम से उत्पन्न होती है। इन सभी वस्तुओं का उत्पति स्थान वैसा महिमामय नही, जैसा इनका गुण। इससे स्पष्ट है कि कोई वस्तु गुण के उदय से ही प्रकाशमान होती है, उसके उत्पति स्थान का कोई महत्व नहीं होता। मनुष्य के भीतर जो कुछ सर्वोतम है उसका विकास गुण ग्राहकता एवं प्रोत्साहन द्वारा ही किया जा सकता है। प्रत्येक मनुष्य जिससे मैं मिलता हूँ किसी न किसी रीति में मुझ से श्रेष्ठ होता है इसलिये मैं उससे कुछ शिक्षा लेता हूँ। गुण ही गुण को परखते हैं जैसे हीरे की कद्र जौहरी ही करते है। जो मनुष्य अपनी उन्नति चाहता है उसे चाहिए कि दूसरो के गुणों को देखे और उन्हें अपनाकर अपने दुर्गुणों को तिलाजंलि दे। गुण और ज्ञान वही सिद्ध है जिससे दूसरो का भला होता हो। गुणीजन के लिये कुछ भी असम्भव नही है। गुणवान व्यक्ति की परीक्षा धन से नही सद्‌गुण और शीलता से होती है जिस प्रकार घोड़ा अपनी साज सज्जा से नही बल्कि ताकत और दौडने के गुण से जाना जाता है। गुणवान को अपने गुणों के लिये प्रमाण देने की आवश्यकता नहीं होती, कस्तूरी को अपनी उपस्थिति प्रमाणित करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। किसी के गुणो को गाने में अपना समय नष्ट करने के बजाय उसे अपनाने में समय लगाओ । धन ऐसी शक्ति है जिससे अवगुणों पर आवरण पड जाता है लेकिन अच्छे गुण निर्धनता के द्वारा ही पोषित होते है। मनुष्य को चाहिए कि गुण को अवगुणी से भी ग्रहण करें। समस्त गुण विनय की दास्तान कहते हैं । विनम्रता का जन्म नम्रता की कोख से होता है अतः जो नम्र है वहीं सद्‌गुण सम्पन्न है। सुंदरता बढ़ जाती है यदि आप में गुण हो । सज्जनो का स्वभाव गुणों के पास रखना है। जिसमें करूणा नहीं उसमें सद्‌गुण नही। आठ गुण है, बुद्धि, इन्द्रिय, निग्रह, कुलीनता, पराक्रम, शास्त्रज्ञान, मौन, दान और कृतज्ञता। अपने अनुभवो से बडा कोई

www.jainelibrary.in
Jeevan Sar 6

गुण नही । अपने दोषों को दूर करिये जो व्यक्ति में खूबी है उसे ग्रहण कीजीए उसकी विशेषताओं सद्‌गुणो का अनुकरण करने का प्रयास कीजिए। परिणाम यह होगा कि आपके दोष अपने आप दूर हो जाएँगे, जैसे वृक्ष के पत्ते अपने आप झड जाते हैं। अभिप्राय में उदारता, कार्य सम्पादन में मानवता, सफलता मे संयम, इससे आदमी महान होता है। मानव जब तक तृष्णा से दूर है गुणवान बना रहता है। सद्‌गुण ही ज्ञान है। जिसमे शांति का निवास नही उसके सारे सद्‌गुण व्यर्थ है। सज्जन गलती को सुधार कर गुण में बदल लेगा दुर्जन को गलती बताइए वह अपनी गलती को दुगुना कर लेगा और खुद आपको गलत साबित कर देगा। दान करके गुप्त रखे, परोपकार करके मौन रहे, दूसरे के उपकार को प्रकट करे, घर आये शत्रु का सत्कार करे, धन वैभव में अभिमान नही करे, पीठ पीछे निंदा नही करे दोष पाये जाने पर क्रोधित नहीं हो, उपकार करने वाले के प्रति कृतज्ञ रहना चाहिये ये ऐसे सद्‌गुण है जो साधारण पुरूष को महान बना देते हैं। अन्न जिस तरह भूख मिटाता है वैसे ही सद्‌गुणो को अपने जीवन में धारण कर दोष दुर्गुणो को दूर भगावे। महापुरुष के गुण विपत्ति के समय धैर्य राखते हैं, उन्नति के समय क्षमाशील रहते है, सभा में बोलते हुए विद्वान लगते हैं, युद्ध के समय पराक्रमी लगते हैं, यश के प्रति अभिरुचि रखते है और शास्त्रो के अध्ययन का उन्हे शौक होता है।

सफलता पाँव चूमे गम का कोई भी पल न आए।

गुलिस्ताँ वालो ! गुलो से मुस्कुराना सीख लो
बे तकल्लुफ हरेक दिल मे घर बसाना सीख लो
खुद बखुद झुक जाएँगे ताजीम में दुनिया के सर
शर्त लेकिन है कि पहले सर झुकाना सीख लो।

www.jainbharati.in Jeevan Saar 6

अनुभव – व्यक्ति अनुभवों से ही सीखता है। बहुत से लोग स्वानुभवों से लाभ उठाते है बहुत से चतुरजन दूसरो के अनुभव से लाभ उठाते है। हमारे अध्यात्मिक अनुभव शब्दों के कमजोर माध्यम से नही बल्कि हमारे जीवन दृष्टांतो के द्वारा व्यक्त किये जाने चाहिये। ठोकर लगे और दर्द हो तभी मैं सीख पाता हूँ। अनुभव तर्क से परे है। श्रद्धा अनुभव के आधार पर रहने वाली, पर उससे भी परे की बात है। अनुभव प्राप्ति के लिये अत्यन्त अधिक मूल्य चुकाना पडता है परन्तु उससे जो शिक्षा मिलती है, वह अन्य किसी साधन द्वारा नहीं मिल सकती। बिना ठोकर खाये आदमी की आँख नही खुलती। अनुभव सिर्फ ज्ञान नहीं देता बल्कि वासनाओ से मुक्ति दिला देता है। व्यथा और वेदना में जो पाठ सीखते हैं वे अनुभव है। पाँच वर्ष के पुत्र को प्यार करे, दस वर्ष तक पुत्र को अच्छे मार्ग चलाने के लिये दण्डित कर सकते हो, लेकिन सोलह वर्ष बाद पुत्र को मित्र की भांति स्वीकार करे । अनुभव एक रत्न है जो कि अत्यधिक मूल्य से खरीदा जाता है। असत्य और हिंसा का परिणाम अच्छा नहीं होता। जो अनुभव के स्त्रोत का जल पीने की उपेक्षा करता है सम्भवतः अज्ञान रूपी मरुस्थल में प्यासा ही मर जाएगा। हम परामर्श दे सकते है लेकिन कौशल नही। दूसरो के अनुभव जान लेना भी एक अनुभव है। अग्नि में सोना परखा जाता है और विपति में वीर पुरूष। पुरानी लकड़ी जलने में, पुराना घोडा सवारी करने में सर्वोतम होते हैं। अनुभव बीस वर्ष में जितना सीखाता है। विद्वता एक वर्ष में उससे अधिक सिखा देती है। अनुभव वह है जो आपके पास उस समय होता है जब आप उसका इस्तेमाल न कर सके। अच्छी स्त्री से विवाह जीवन के तूफान में बंदरगाह और खराब स्त्री से विवाह बंदरगाह में तूफान है। मूर्ख बुद्धिमानी का दावा करता है। किसी भी कार्य को करने में जितना जल्दी करोगे उतनी ही देर लगेगी। अपना कार्य सिद्ध होने तक ही कार्यार्थी व्यक्ति का सम्मान करता है नदी के दूसरे किनारे पहुंचने पर नौका का क्या प्रयोजन होता है। कष्ट सहने पर ही अनुभव होता है। अनुभव वह नाम है जो प्रत्येक व्यक्ति अपनी भूलो को दिया करता है। कोई भी व्याक्ति

www.jainbharati.in Jeevan Sar 6

अनेक और बड़ी गलती किए बिना महान नही बनता। भूल करके सीखा जाता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि जीवन भर भूल ही की जाए। अनुभव अमूल्य कसौटी है। अनुभव हमारी बुद्धिमता को बढाता है लेकिन हमारी भूलो को कम नही कर सकता । अनुभव सीखाता है कि आपात काल में दृढ निश्चय ही सहायक होता है। अपना आदर करने वालो के सामने अपना अपमान कई गुना असहन हो जाता है। दूसरो के अनुभवों के खजाने में सेंधमारी करने वाला शख्स बुद्धिमान है। किसी रहस्य को अपने पास न रख सको तो अपने मित्रो से यह आशा मत रखो कि वह उसे गुप्त रखेगे। सही बातों के पीछे वक्त देना हमको खटकता है। निकम्मी के पीछे सवार होते है और खुश होते हैं। अनुभव वह कंधा है जो कि जीवन में आपको उस समय नसीब होता है जबकि आपके बाल झड़ चुके हो। बुद्धि की शुद्धि के लिये भगवान की भक्ति से बढ़कर कोई और मार्ग आज तक अनुभव में नही आया ।

झुकता वही है जिसमें जान होती है
अकड तो मुर्दे की पहचान होती है।
हिफाजत ऐसी न हो कि हफीज गायब हो जाए
दवा ऐसी न हो कि मरीज गायब हो जाए।
कद्रदानी खूब बढे और हमदर्दी भी
तारीफ ऐसी न हो कि तमीज गायब हो जाए।

खुद को देखकर आधार बदलना सीखो
वक्त को देखकर व्यवहार बदलना सीखो।

जिंदगी ज्वार है हठ की तो डूब जाओगे
धार को देखकर पतवार बदलना सीखो।

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

ईमानदारी – जीवन में सुख, सफलता और शान्ति के लिए ईमानदार होना चाहिये । ईमानदारी भरा व्यवहार करने वाले जीवन में बहुत कुछ पाते हैं। ईमानदारी न होने के कारण मनुष्य विश्वास भी खो देता है, जो भी व्यक्ति कमाता है और दूसरो को हिस्सा देता है ऐसा व्यक्ति ईमानदार होता है। ईमानदार आदमी ईश्वर की सर्वोतम रचना है। ईमानदार होने का अर्थ है सब खुला है, कोई भय नहीं, किसी से उपेक्षा नही, इसलिये ईमानदार का चेहरा प्रसन्नता से जगमगाता रहता है। ईमानदारी वैभव का मुँह नही देखती, वह तो मेहनत और संतोष से तृप्त हुआ करती है। जिसका ईमान नहीं वह इंसान नही, ईमान न बेचो, भले ही सब बेच दो । किसी के मरणोपरान्त मिलने वाला कोई धन ईमानदारी से अधिक मूल्यवान नही है। आदमी को चाहिए कि वह ईमानदार और सज्जन बने बाद में शिष्टाचार और संतोष को भी धारण करे । ईमानदार होना दस हजार मे से एक होना है। ईमानदार मनुष्य स्पष्टभाषी होता है। ईमानदारी पर मनुष्य की प्रतिष्ठा निर्भर करती है। जो मनुष्य स्वाभिमानी होगा वह अवश्य ही ईमानदार होगा। जो व्यक्ति छोटे–छोटे कामों को ईमानदारी से करता है वही बड़े कामों को भी ईमानदारी से कर सकता है। ईमानदार व्यक्ति न चाहते हए भी प्रसिद्ध हो जाता है। ईमानदारी सर्वोत्तम नीति है। ईमानदारी सबसे बड़ा गुण है। ईमानदार का हर काम खुले आम होता है। ईमानदार होने का अर्थ बेइमानी से हारना नही है। उस व्यक्ति का चित कभी शान्त नहीं होता जिसने पैसे के खातिर अपना ईमान बेच दिया। ईमान स्वयं अपना परिचय है। ईमानदारी नहीं है ऐसा कहना गलत है। ईमान वाले वे है जो अपनी अमानतो और प्रतिज्ञा का ध्यान रखते हैं और अपनी नमाजों की रक्षा करते हैं। बुद्धिजीवी लोगो को अपनी बुद्धि का प्रयोग ईमानदारी के साथ करना चाहिये । बातचीत के अंश है सत्य, सुन्दर, सुझबुझ, विनोद, वाक चातुर्य। तुम्हारा हृदय ईमान से भरा है तो संसार को आपके सम्मुख हथियार डालने पडेगे। जो वाणी से ईमानदार नहीं है वह सब कामो से बेईमान हो सकता है। ईमानदार कभी बेईमान नहीं हो सकता। ईमान सभी प्रकार की

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

हिंसाओं का नियमन करता है। ईमानदारी, वचन का पालन और उदारता स्वामिभान के साथ अनिवार्य रूप से रहते हैं। ईमानदारी के सामने दुनिया की तमाम सम्पति तुच्छ है। न्यायधीश को तीक्ष्ण बुद्धि होने, अधिक योग्य, प्रदर्शनीय होने, सम्मानित और पूर्ण विश्वस्त होने के बजाय अधिक विचार पूर्ण होना चाहिये इनसे भी ऊपर ईमानदारी और सच्चाई उसका असली गुण है। ईमानदार व्यक्तित्व की चमक छुपती नहीं है। ईमानदारी बहुमूल्य है।

मन्जिल मिले न मिले कदम बढाते रहिए
दिल मिले न मिले हाथ मिलाते रहिए
बुद्धि न माने गर रुढ़ नियम मानने को
जहाँ जो नियम हो उसे निभाते रहिए।

है धर्म बस निस्वार्थता ही प्रेम जिसका मूल है
भूले हुए है हम इसे कैसी हमारी भूल है।

जैसा अन्न जल पाइए तैसा ही मन होय
जैसा पानी पीजिए वैसी वाणी होय ।

आदमियत और शै है इल्म है कुछ और चीज
कितना तोते को पढाया पर वो है वां ही रहा।

तन उजला मन सांवला बगुला कपटी भेख
या सूं तो कागा भला बाहर भीतर एक।

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

आचरण – अपने आचरण से से ही मनुष्य सभ्य या असभ्य प्रतीत होता है। जिसका जैसा आचरण है वो वैसी ही प्रतिष्ठा पाता है। आचरणहीन व्यक्ति पशु तुल्य माना जाता है। मनुष्य जिस समय पशु तुल्य आचरण करता है उस समय वह पशुओ से भी नीचे गिर जाता है। जिसने ज्ञान को आचरण में उतार लिया उसने ईश्वर को मूर्तिमान कर लिया। मनुष्य का आचरण बताता है कि कुलीन है या अकुलीन, पवित्र या अपवित्र, कायर या निडर। आचरण एक दर्पण है जिसमे हर मनुष्य का अपना प्रतिबिंब दिखता है। आचरण भाव का प्रकट रूप है। आचरण और सत्यता के लिये आर्य जाति चिरकाल से प्रसिद्ध है। श्रेष्ठ पुरुष जो करता है अन्य पुरुष भी उसके अनुसार व्यवहार करते हैं। वह जो आदर्श स्थापित कर देता है लोग उसके अनुसार चलते हैं। सुंदर आचरण रूपवान शरीर से अच्छा है। आचरण कलाओ में सुन्दरतम कला है। शास्त्र पढ़कर उसके अनुसार जो आचरण करता है वही विद्वान है। रोगी को दवाई लेने पर ही रोग से निरोगी हो सकता है न कि उसका नाम उच्चारण करने से, सदाचारी मनुष्य सम्मानित समझा जाता है। पढ़ना एक बार, चिंतन दो बार, और आचरण चार बार करना चाहिये। सदाचरण का पालन करना चाहिये। अपनी निंदा और प्रशंसा, पराई निंदा और पराई स्तुति यह आचरण श्रेष्ठ, पुरुषो का नहीं है। ह्रदय में सदाचार व त्याग की अग्नि से अपनी कीर्ति के धुंए को दर्शा सकते हो। अपना सदाचरण नहीं छोड़ना चाहिये। मनुष्य को अपनी परीक्षा विपति में देनी होती है अतः विपति के समय रोने धोने से कोई लाभ नही। सदाचरण मानव का धर्म है। मनुष्य की पहचान उसकी संगत और वार्तालाप से हो जाती है। सदाचार कल्याण व कीर्ति बढ़ाने वाला होता है। सदाचार से आयु बढ़ती है और बुरे लक्षणों को नष्ट करता है। सदाचार का उल्लंघन करके कोई कल्याण नहीं पा सकता । पुस्तक पढने के बजाय ज्ञान को आचरण में उतारा जाय। विद्या के अनुसार आचरण करने वाला ज्ञानी होता है।

www.jainbharati.in Jeevan Saar 6

विचार – आपके विचार ही आपको अच्छा बुरा बनाते हैं। विचारो से ही व्यक्ति महान् बनता है और विचारो से ही तुच्छ । सुन्दर विचार व्यक्ति के जीवन को सुखी बनाते है और अशुद्ध विचार व्यक्ति को दुःखो एव संकटो में फँसा देते हैं। विचारों को शुद्ध, परिपक्व एवं सुदृढ बनावे । मैले मन में अच्छे विचार वैसे ही मैले हो जाते है जैसे मैले बर्तन में साफ पानी अपनी शुद्धता और पवित्रता खो बैठता है। सत्य में बहुत अधिक शक्ति होती है। सुन्दर विचार अनमोल धन है। विचार के सिवाय जगत और कुछ नहीं। जगत विचार का ही ठोस रूप है। मेघ वर्षा करते समय उपजाऊ और बंजर भूमि में भेद नहीं करते। सुन्दर हृदय के विचार हमेशा व्यक्त करने चाहिये। बुरे विचार ही हमारी सुख शान्ति के शत्रु है। जो कार्य बल और पराक्रम से पूर्ण नही हो पाता विचार द्वारा वह सरलता से पूर्ण हो जाता है। संसार मे न तो कोई शत्रु है न ही कोई मित्र, उनके प्रति विचार ही मित्र और शत्रु का अन्तर करते है। हमेशा उच्च विचारो की संगति में रहना चाहिये। जहाँ विचार नहीं वहाँ कार्य नही। मस्तिष्क को उच्च विचारो से व उच्च आदर्शों से भर दो। इस तरह के विचार दिन रात अपने सामने रखो तब उसमे महान् निष्पन्न होगा। जहाँ हो अपने काम में लगे रहो । अच्छे विचारों को ग्रहण करे। मीठे बोल बोलो। महान् विचारों की कोख हृदय में होती है। इंसान न गिरे इसमें कोई शान नही, गिरना तो इंसान की नियति है। महानता गिरने के पश्चात हर बार उठने में है। जो इच्छा से मुक्त है वह न दुख जानता है न भय। समय कैसा चल रहा है, मेरे मित्र कैसे है, जहाँ में रहता हूँ वह देश कैसा है, मेरी आमदनी क्या है और मेरे खर्च क्या है, मैं कौन हूँ और मेरी शक्ति कितनी है ? इन बातें पर जो मनुष्य बार–बार विचार करता है वह श्रेष्ठ है। दुष्ट विचार अपनी उत्पति के साथ ही दुष्ट कर्म की और खीचने लगता है। पाश्विक विचार समाप्त हो जाए तो देवी विचार प्रवाहित होने लगते है। मूर्ख और मृतक कभी अपने विचार नही बदलते, विचार और व्यवहार में सामंजस्य हो। सत्य हजार ढंग से प्रकट कीजीए, हर ढंग सत्य को ही उजागर करेगा। साधना

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

को वासनाओ के नाश और सद्वृतियों के निर्माण के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। भावनाएँ नष्ट होगी तो हृदय से उच्च विचार आएंगे हृदय में उच्च विचार आते ही दुर्बलताएं भाग जाएंगी विचारो को सजाकर मधुर ढंग से व्यक्त करने वाला प्राप्त हो तो संसार शीघ्र उसके आदेशो को सुनेगा। इच्छा की प्यास कभी नही बुझती न पूर्ण रूप से सन्तुष्ट होती है। करने से क्या लाभ होगा न करने से क्या हानि होगी इस प्रकार भली भांति विचारकर फिर मनुष्य कोई कर्म करे अथवा न करे। दिल में कभी बुरे विचार मत आने दो वह अपना असर दिखाए बिना नही रहते । सत्यवादी मनुष्य पर जब विपदा आती है तो लोग उससे सहानुभूति व्यक्त करते हैं। दुष्टो पर जब विपति आती हैं तो वे लोगों के लिये उपहास की वस्तु बन जाते हैं। दुष्टो की नियति ईश्वर के न्याय को सिद्ध करती है और सत्यवादी पुरुष पर आई विपदा उसके धैर्य को साबित करती है। मनुष्य के विचार उसके जीने के ढंग से जाने जाते हैं। भाषा विचारों की वेशभूषा है। विचार ही किसी वस्तु को अच्छा या बुरा बनाते है। जहाँ इच्छा है वहाँ आँसू है। प्रतिशोध का विचार करता है वह स्वयं अपने घावों को नासूर बनाता है। मनुष्य पर उसके विचार इतने हावी होते है कि जैसा वह सोचता है वैसा ही बनता चला जाता है। मनुष्य जो कुछ करता है वह सब अन्य के कारण करता है। इच्छाएं कभी तृप्त नही होती अतः उनको नियत्रिंत रखो। सच बोलने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि आपको याद नही रखना पडता है कि आपने कल किससे क्या कहा था। यदि तुम बुरे विचारों के भटकाव से बचना चाहते हो तो अपने मन को सदा व्यस्त रखो। धन से अच्छे संस्कार उत्पन्न होना शायद सम्भव हो, लेकिन अच्छे विचारों से ही धन एंव इच्छित वस्तुएँ प्राप्त होती है।

जिन्दगी इक तीर है जाने न पाए रायगां
देख लो पहले निशाना बाद में खीचो कमां ।

www.jainbharati.in Jeevan Saar 6

क्रोध – क्रोध अपने पालने नाले को ही खाता है। एक क्षण का क्रोध व्यक्ति का जीवन नष्ट कर देता है। क्रोधी व्यक्ति सदा ही त्याज्य माना गया है लोग उससे दूर से ही रास्ता काट जाते हैं। क्रोधी मनुष्य के पास क्रोध और कोयले की खदान से काम करने वाले के पास कालिमा आती है। क्रोध वह होता है जो पश्चाताप पर समाप्त होता है लेकिन जिसका आरम्भ मूर्खता से होता है। परमेश्वर को धारण किए व्यक्ति ईश्वर तुल्य है यदि उन्हें क्रोध नहीं आता। जो पुरुष, स्त्री, पुत्र और धन आदि मे आसक्त है उनकी बुद्धि मोहजाल में फंसकर धर्मपथ से डिग जाती है अतः काम और क्रोध को वश में करो। इन्हें जीत लेने पर सारी कठिनाईयाँ स्वतः दूर हो जायेगी। क्षण भर मे जल जाना देर तक सुलगने से अच्छा है क्रोध का कारण सामने आते ही प्रकट कर देना चाहिए। कोई मनुष्य स्वयं क्रोध पर काबू नही पा सकता तो वह दूसरो के क्रोध का सामना करने से नही बच सकता। क्रोध की आंधी क्रोधी मानव को एक तिनके के समान अपने अधीन रखती है। जिसके मन में कभी क्रोध नहीं होता वह भगवान के समान ही है। जिस क्रोधाग्नि को तुम शत्रु के लिये प्रज्जवलित करते हो वह बहुधा तुम्हे ही अधिक जलाती है। किसी के प्रति मन में क्रोध को दबाए रखने से अच्छा है कि उसे सरल शब्दो में तुरन्त व्यक्त कर दिया जाए इससे क्रोध की अग्नि शांत हो जाती है। सज्जनो का क्रोध जल पर खीची रेखा के समान है। दोनों ही शीघ्र विलुप्त हो जाने वाली चीजें है। जो मनुष्य अपने क्रोध को अपने ऊपर झेल लेता है वही दूसरो के क्रोध से बच सकता है और अपने जीवन को सुखी बना सकता है। जो पत्नी हर समय क्रोध करती रहे उसे त्याग देना ही सुखकर है। मूर्ख ही क्रोध करते हैं ज्ञानी नही। मूर्ख को लिये क्रोध जोर जोर से प्रकट करने वाली वस्तु है, जबकि बुद्धिमान के लिये शान्ति से वश में करने की। वह मनुष्य वास्तव में बुद्धिमान है जो क्रोधावस्था मे भी गलत बात मुँह से नहीं निकालता । कर लेने के बाद जिसका अहसास होता है वह है क्रोध। मूर्ख और ज्ञानी में अन्तर यही है कि मूर्खों को क्रोध आता है। आदमी की तमाम कामनाएं

www.jainbharati.in Jeevan Saar 6

तुरन्त पूरी हो जाती यदि वह अपने क्रोध को काबू कर ले। क्रोध न दिखाई देने वाली चिता है जो भीतर ही भीतर आपको जला रही है। हमें हिसां करनी चाहिये सीने में छिपे क्रोध के साथ। क्रोध करने से पहले यदि उसके परिणाम पर गौर कर लिया जाय तो क्रोध नही आयेगा। शत्रु का बल देखकर क्रोध करने और न करने का विचार करना चाहिये। महात्माओं का क्रोध नमस्कार से ही शान्त हो जाता है। जो क्रोध और उत्तेजित होने पर मन को शान्ति की दिशा में मोड सकता है उसे मैं सारथी कहता हूँ। चोर से जैसे सावधान रहते हो वैसे ही क्रोध से भी रहो। परिणामो पर विचार कर लिया जाए तो क्रोध क्यो आए। क्रोध से मनुष्य का विनाश होता है इसलिये क्रोध को यमराज कहा जाता है। जहाँ अध्यात्म जीवित है वहाँ अनीतियाँ आत्म हत्या कर लेती है। अग्नि को जिस प्रकार जल से वश में किया जाता है वैसे ही क्रोध को बुद्धि द्वारा वश में करने वाले पुरुष महान् एवं धन्य है। क्रोध नरक की खान है जिसे मुक्ति चाहिये वह क्रोध को छोड़ दे। क्रोध और उबलता पानी एक समान है। क्रोधी भलाई नहीं देख पाता और खौलते जल में प्रतिबिम्ब नहीं दिखता। इन पर क्रोध नहीं करे – देवता, सद्गुरू, गाय, राजा, ब्राह्मण, बालक, वृद्ध और रोगी । क्रोध लक्ष्मी और कीर्ति का नाश करता है। जहाँ क्रोध रहता है वहाँ मृत्यु रहती है जहाँ क्षमा रहती है वहाँ भगवान रहते हैं। क्रोध को काबू में रखने वाला बलशाली है। क्रोध सागर की तरह बहरा और अग्नि की तरह उतावला है। क्रोध बुद्धि को बाहर निकाल देता है और दरवाजे पर चिटकनी लगा देता है। क्रोध मे व्यक्ति सच नहीं कहता तब वह सिर्फ दूसरो का दिल दुखाता है। जो मन की पीडा को स्पष्ट रूप से नहीं कह सकता उसी को क्रोध आता है। गुस्से का बेहतरीन इलाज खामोशी है।

छत्र हो, बल हो, या कौशल हो सब है रण में
धर्म शत्रु नाश के लिए नहीं है निन्दित कोई कर्म।

www.jainelibrary.org
Jeevan Saar 6

व्यवहार – व्यवहार से व्यक्ति पहचाना जाता है। आपका अपना व्यावहार ही आपका शत्रु भी है और मित्र भी। संसार मे सभी सम्बन्ध व्यवहार पर आधारित है। व्यवहार से ही मित्र को शत्रु व शत्रु को मित्र बना सकते हैं। सदाचार या सद्व्यवहार का त्याग करके किसी ने अपना कल्याण नही किया। एक व्यवहार बुद्धि कई अव्यवहारिक बुद्धि से अच्छी है। दूसरो को साथ वही व्यवहार करे जैसा आप अपने लिये चाहते हैं। मित्र का हृदय मजाक में भी नही दुखाना चाहिये। सदाचार धर्म उत्पन्न करता है और धर्म से आयु बढ़ती है। अपने सम्मान सत्य और मनुष्यता के लिये प्राण देने वाला वास्तविक विजेता होता है। अच्छा व्यवहार छोटे छोटे त्याग से बनते हैं। किसी आदमी की बुराई भलाई उस समय तक मालूम नहीं होती जब तक कि वह बातचीत न करे। पिता की सेवा और उनकी आज्ञा का पालन जैसा धर्म दूसरा कोई भी नही है। जिसकी जेब में पैसा न हो, उसकी जुबान में शहद होना चाहिए। आपकी व्यावहारिकता उस बात पर निर्भर करती है कि आप सामने वाले के विचारो को कितना महत्व देते हैं। मुझे अपने संगी साथियो के बारे में बताएं मैं बता दूंगा कि आप कौन है। मजबूर इंसान का मजाक न उडावे । असली शिक्षा अपने अंदर की सबसे अच्छी बातो को बाहर निकालना है। मनुष्यता से बढ़कर कोई अच्छी बात नही । अच्छे बनो तुम्हारी बराबरी कोई नहीं कर सकेंगा। भूल करना मनुष्य की सहज प्रवृति है और भूल सुधार मानवता का परिचायक। मूर्ख आदमी अनुमति के बिना आता है और अनुमति के बिना बोलने लगता है। मिलने पर मित्र का सम्मान करो, पीठ पीछे प्रशंसा करो, विपति के समय सहयोग करो। वास्तविक महान् पुरुष की पहचान उसकी नम्रता है। अपने साथियों के साथ शत्रुओ जैसा व्यवहार करने का अर्थ होगा शत्रु के दृष्टि कोण को अपना लेना । व्यवहार से ही मित्र व शत्रु बनते हैं। अपने को पारदर्शी बनाओ तो तुम्हारे अंतर्गत प्रकाशो का प्रकाश और परमात्मा का ज्ञान प्रकाशित होगा । व्यवहार छोटा सदाचार है। सदा मधुर वचन बोले, पूजनीय पुरुषों का सत्कार करे। दूसरो को दान दे किन्तु स्वयं कभी किसी

www.jainbharati.in Jeevan Saar 6

से कुछ न माँगे। मालिक से भी अधिक बुरा है लेनदार। मालिक तुम्हारे व्यक्तित्व पर अधिकार रखता है लेनदार तुम्हारी आबरू भी ले सकता है कभी भी तुम्हे तंग भी कर सकता है। जिस मनुष्य का व्यवहार मधुर होता है उसका कोई विरोध नहीं करता । जो किसी से द्वेष नहीं करता उसे किसी प्रकार का भय नहीं रहता । सदाचार की रक्षा सदैव करनी चाहिये। जो मनुष्य जिसके साथ जैसा व्यवहार करे उसके साथ भी वैसा ही व्यवहार करना चाहिये। यह धर्म है।

मुमकिन है फरिश्ते मिल जाये मगर सच्चे इंसान कहा मिलते है।

आदमी से कपट लीला कर रहा है आदमी
कब भ्रम लहरियों से तर रहा है आदमी
आदमी से आदमी की डोर युग युग से बंधी
आज लेकिन आदमी से डर रहा है आदमी।

छेडने पर मौन भी वाचाल हो जाता है दोस्त
टूटने पर आइना भी काल हो जाता है दोस्त
मत करो ज्यादा हवन तुम आदमी के खून से
जल के काला कोयला भी लाल हो जाता है।

दौलत वो है जो अक्ल ओ मेहनत से मिले
लज्जत वो है जो जोश सेहत से मिले
इमाँ का हो नूर दिल में वो राहत है
इज्जत वो है जो अपनी मिल्लत से मिले।

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

प्रसन्नता – भलाई करना कर्त्तव्य नहीं, आनन्द है क्योंकि यह प्रसन्नता को पोषित करता है। सबको प्रसन्न करने की शक्ति सब में नहीं होती । प्रसन्नता आत्मा को शक्ति प्रदान करती है। प्रसन्नतापूर्वक उठाया गया बोझ हल्का महसूस होता है। प्रसन्नता आपका अनमोल खजाना है छोटी–छोटी बातो पर उसे लुटने मत दीजीए । मन की प्रसन्नता ही व्यवहार में उदारता बन जाती है। प्रसन्न रहना हमारा फर्ज है। जो क्षण प्रसन्नता प्रदान करते है वे हमे बुद्धिमान भी बनाते हैं। प्रसन्नता से अच्छा स्वास्थ्य मिलेगा। प्रसन्न रहना श्रेष्ठ पूजा है। प्रसन्नचित व्यक्ति में रचनात्मक शक्ति अधिक होती है। प्रसन्नता देह और मन दोनो की मित्र है। मुस्कान से सजे चेहरे द्वारा किया स्वागत आनन्द देता है। आप कैसे है इसका पता चेहरे और प्रसन्नता भरी आंखो की चमक से चलता है। प्रसन्न रहना यानि अपनी जरूरत कम रखना। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से खुलकर हँसना, और प्रसन्न रहना दवा के समान है। प्रसन्नता से जीओ। जिसे प्रसन्नता होती है उसकी बुद्धि स्थिर होती है। हँसने जैसी खुशी से अलग न रहे। प्रसन्नता स्वभाव मे बस गई तो रोग कभी पास नहीं आयेगा। कर्ण ने कहा कि वह मृत्यु से भयभीत नहीं होता लेकिन कृष्ण की मुस्कान उसके समूचे अस्तित्व को हिला जाती है।

Be hard and attractive Like diamond, so no one can play with your emotions.

एक कनक अरू कामिनी जग में दोई फंदा ।

दिल में हो गर इच्छा वो नर पूर नहीं है
वक्त पर आ जाए दया तो क्रूर नहीं है
जिसने न जीता ए प्यारे अपना ही मन
शत्रुओ को जीत ले पर शूर नहीं है।

www.jainbhelan.in
Jeevan Saar 6

आत्मविश्वास – आत्मविश्वास जिसमें नही वह मृत समान है। आत्मविश्वास से ही पाते हैं जीवन में सफलताएँ, उपलब्धियां और खुशियाँ। आत्मविश्वास वह अटूट शक्ति है जिससे मनुष्य हजारों विपतियो का सामना अकेला कर सकता है। मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी आत्मविश्वास है। आत्मविश्वास के कारण ऐसे काम किये हैं जो धनवान कभी भी नहीं कर पाए। सच्चा आत्मविश्वास पर्वतों को भी हिला देता है। स्वयं पर शक न करे। आत्मविश्वास, ज्ञान और संयम से जीवन को शक्ति सम्पन्न बना देते है। सफलता का प्रथम रहस्य आत्मविश्वास है। जिस साहित्य से आत्मबल का संचार हो वह निश्चय ही अक्षय निधि है। आत्मविश्वास का अभाव ही सभी अंधविश्वासो का जनक है। आत्मविश्वास मित्र होता है। बडे लोगो से सम्मान के द्वारा गुणो में आत्मविश्वास पैदा हो जाता है। आत्मविश्वास खोने पर सभी तुम्हारे दुश्मन हो जायेगे। आत्मविश्वास है तो कुछ भी कर सकते हैं। आत्मविश्वास सफलता का मुख्य रहस्य है। परीक्षा में खरे उतरने वालो में आत्मविश्वास सदा रहा है। नास्तिक वह है जो स्वयं पर विश्वास न करे। आत्मविश्वास रखो कि तुम पृथ्वी पर सबसे महत्वपूर्ण है। कठिन कार्य में सफल होने पर आत्मविश्वास बढ़ जाता है। आत्म विश्वासी समुद्र के मध्य जहाज नष्ट हो जाने पर भी तैरकर उसे पार कर लेता है। महान् कार्य बिना आत्मविश्वास के नहीं होते। आत्मविश्वास का अर्थ है अपने काम में अटूट श्रद्धा। अविश्वास से कठिनाई पैदा होती है। ज्ञान को अमूल्य जानो, ज्ञान कर्म से प्राप्त होगा, भक्ति और सेवा से ज्ञान की प्राप्ति संभव है। जहां भी आप जाएँ अपने आत्मविश्वास को साथ ले। परिश्रम व आत्मविश्वास से हर कार्य सहज हो जाता है। ज्ञान के प्रकाश का दीपक सदैव जलाकर रखे। मेरी शक्ति दस लोगो की शक्ति के बराबर है इस विश्वास का पोषण कर लेकिन उजागर मत कर। कठिनाई और विरोध से शौर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है।

अकड ऐंठ सब घरी रहेगी सीधे होकर जाओगे
अपनी करनी पार उतरनी जैसा करोगे पाओगे।

www.jainmatam.in Jeevan Saar 6

संयम – संयम एक ऐसा, गुण है जो व्यक्ति के जीवन को खुशियों एवं सुखों से भर देता है। इन्द्रिय संयम, वाणी संयम और मन का संयम ही व्यक्ति को महान् बनाता है। इन्द्रिया शिथिल हो जाए लेकिन मन से वासना न जाए। शरीर के लिये संयम, पथ्य और औषध की व्यवस्था रखनी चाहिये। संयम संस्कृति का मूल है। विलासिता, निर्बलता और अनुकरण के वातावरण से न संस्कृति का उदय होता है और न विकास । संयम के आधार पर निर्मित संस्कृति प्रभावशाली और दीर्घजीवी होती है। असंयमी व्यक्ति जानवर से भी गया बीता है। जानवर भी भोजन और वासनापूर्ति में कुछ संयम रखते हैं। इंसान बुद्धिमान होकर भी आहार विहार में बडे असंयमी होते है। संयम एक ऐसा अंकुश है जो हमे विवेक और सत्य के पथ पर आरूढ रखता है। वही साधक आत्मतत्व की अनुभूति कर पाता है जो संयमी होता है। संयमी पुरुषों को न तो विषयों में आसक्ति होती है और न ही विषयों के लिये युक्ति करते हैं। असली संयम भीतरी समझ से होता है। संयम उस मित्र के समान है जो ओझल होने पर भी मनुष्य की शक्ति धारा में विद्यमान रहता है। गृहस्थ का घर भी एक तपोभूमि है सहनशीलता और संयम खोकर कोई भी इसमें सुखी नहीं रह सकता। मन, वाणी और शरीर से सम्पूर्ण संयम में रहने का सार ही ब्रह्मचर्य है। मन से विषयों का अचिन्तन ही संयम है। संयम का अर्थ है विषयों में सुख नहीं है। धन अच्छे कार्यों से उत्पन्न होता है। हिम्मत, योग्यता, विद्वता, दृढ़ता से बढ़ता, चतुराई से फलता फूलता है और संयम से सुरक्षित होता है। संयम इंसान का बेहतरीन गुण है। संयमी न होने के कारण उसकी इच्छाएं व निर्णय बदलते रहते हैं। संत प्रत्येक वस्तु को वह दूसरे के निमित समझता है। संयम की जानकारी और अभ्यास दोनो अलग–अलग बातें है दोनो एक दूसरे के बिना अधूरे है। संयम का अर्थ जब विकल्पों व आकर्षणों की और जाने के लिये मन सहज रूप से रूक जाए। संयम का अर्थ है अपनी बिखरी शक्ति को एक निश्चित दिशा देना। संयम का अर्थ है सदा सचेत रहना कि अन्तस्थल में क्या घट रहा है। संयमहीन जीवन

www.jainelibrary.in
Jeevan Saar 6

विपतियो का आगार बन जाता है। निज पर शासन फिर अनुशासन। संयम से एकाग्रता भी आती है। जो आत्मसंयमी है वही सर्वशक्तिमान है। जो अपने ऊपर शासन कर सकते हैं वही दूसरो पर भी करते हैं। मैं इन्द्र हूँ ये इन्द्रियां मेरी शक्तियां है।

अति का भला न बरसना अति की भली न धूप
अति का भला न बोलना अति की भली न चुप्प।

बोलो चालो बको मत, देखो भालो तको मत
खेलो कूदो थको मत, खाओ पीओ छको मत।

बहुत नाजुक जमाना है जुबाँ को बन्द कर रक्खों
मसल मशहूर है – दीवार के भी कान होते हैं।

मुसीबत हो कि राहत हो नहीं लाजिम गिला करना
बशर का फर्ज है हर हाल में शुक्रे खुदा करना।

जिन्हे हो शक, वो करे, और खुदा की तलाश
हम तो इन्सान को दुनिया का खुदा कहते हैं।

लिये फिरते है कन्धो पर हम मकां अपना
ठहर जाते है दो दिन को गुजारा जहाँ हो अपना।

धर्म की हकीकत मुख से बताई नही जाती
यह समझी तो जाती है, समझाई नही जाती।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

भय – भय वह कर है जो अपराधी को देता है। पके हुए फलो को गिरने के अतिरिक्त दूसरा कोई भय नही है उसी प्रकार पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा अन्यत्र भय नहीं है। जो यही सोचकर भयभीत रहता है कि कही हार न जाए वह निश्चित रूप से हार आता है। भय और बैर से मुक्ति पाना हो तो अहिंसा या प्रेम का मार्ग अपनाना होगा। भय से अधिक भयानक और कुछ भी नही । जिस मनुष्य को अपने मनुष्यत्व का भान है वह ईश्वर के सिवा और किसी से भय नहीं करता। भय से दुख आते हैं। मृत्यु होती है, बुराईयाँ उत्पन्न होती है। भूल से भी दूसरो का बुरा न करे । स्वभाव में जब भय आता है तो कायरता का जन्म होता है। मृत्यु से भय रखना कायरता है क्योकि जीवन का रहस्य तो मृत्यु में ही दिया है। भय के बिना प्रीति नहीं होती। अपमान का भय कानून के भय से ज्यादा क्रियाशील होता है। मूर्ख मनुष्य भय से पहले ही डर जाता है, कायर भय के समय ही डरता है, और साहसी भय के बाद डरता है। भय दूरदर्शिता की जननी है। यदि तुम ईश्वर से डरते हो तो मूर्ख हो, यदि तुम मनुष्य से डरते हो तो कायर हो, यदि तुम पंचभूतो से डरते हो तो उनका सामना करो । यदि तुम अपने आपसे डरते हो तो अपने आपको पहचानो और सोचो कि मैं ब्रह्म हूँ। जिससे डरते हैं कालांतर में उसी से घृणा करते हैं। विपति मे हार तभी होती है जब मनुष्य उससे डरता है। भय से पैदा हुई कुप्रवृतियाँ पुरुषार्थ को खा जाती है। ब्रह्म के स्वरूप जिन्होंने जान लिया फिर उन्हें किसी काल में भी भय नहीं होता। हमेशा डरते रहने से एक बार खतरे का सामना कर डालना अच्छा है। भय ही पतन और पाप का निश्चित कारण है। जो भविष्य का भय नहीं करता वहीं वर्तमान का आनन्द ले सकता है। भय मुक्त जीवन ही मानव मस्तिष्क की अव्यक्त अभिलाषा है। अपराध करने के बाद भय उत्पन्न होता है यही उसका दण्ड है। साहस से बढ़कर जिज्ञासा ही भय पर विजय पाने में समर्थ है। एक बार धोखा खाया मनुष्य सत्य पर भी संदेह करने लगता है, साँप का काटा रस्सी से भी डरने लगता है। इससे बड़ी त्रासदी और क्या होगी कि हम सभी सदा एक दूसरे से डरे रहते है। भय के लिये जरूरी है दूसरे का होना।

www.jainbhandar.in
Jeevan Sar 6

परिश्रम – सकल पदार्थ है जग माँही, श्रमहीन नर पावत नाहिं। परिश्रम व्यक्ति का काल्याकल्प कर देता है। परिश्रम और धैर्यवान के लिये कोई वस्तु दुर्लभ नही। श्रम द्वारा प्राप्त सम्पति ही स्थायी होती है, हो सकता है परिश्रमी सदैव सफल न हो पाए लेकिन परिश्रम के बिना सफलता नही मिलती जो श्रम नहीं कर सकता वह नहीं जान पाता कि विश्राम का क्या अर्थ है और न ही उसे आराम मिला है। पुरुषार्थ रहित मनुष्य जिंदा लाश है। पुरुषार्थ जब किया जाता है तो साक्षात् ईश्वर सहायता करते हैं। कठोर परिश्रम करके मनुष्य धनवान बन सकता है। परिश्रम लाभ देता है। श्रमजीवी का अन्दाजा धनवान नहीं लगा सकते। सौभाग्य परिश्रम के साथ खडा होता है। परिश्रमी के लिये कार्य के अनेक रास्ते है। जिस श्रम से हमे आनन्द प्राप्त होता है वह हमारी व्याधियों के लिये अमृत तुल्य है। नींद को प्यार करने वाला, गरीबी को निमंत्रित करता है। आँख खोलकर परिश्रम करने वाला भूखा नही रहता है। पुरुषार्थ भाग्य का निर्माता होता है। परिश्रम से ही भाग्य बनता है। जिस परिश्रम से हमें आनन्द प्राप्त होता है वह हम लोगों के लिये अमृत है। अचानक प्राप्त धन टिकता नहीं पर अपने परिश्रम से थोडा थोडा एकत्र धन धन को बढ़ाता है। प्रतिभा को निखारने के लिये परिश्रम का सहारा लेना चाहिये । नवयुवको तुम्हारे लिये परिश्रम शब्द संदेश है। परिश्रम करने वालो ने दुर्भाग्य पर विजय भी प्राप्त की है। बीज खेत मे बोए बिना उसी प्रकार पुरुषार्थ के बिना भाग्य सिद्ध नहीं होता। सर्वश्रेष्ठ वह जो प्रगति के लिये सर्वश्रेष्ठ परिश्रम करता है। परिश्रम यानि स्वयं को जानने की तीव्र इच्छा, परमात्मा के प्रति समर्पण, स्वयं का स्वयं द्वारा विश्लेषण और स्वयं के होने की स्वीकृती इन सभी को मिलाकर तैयार होती है जीवन की परम साधना की अलौकिक नींव । परिश्रम न करने वाला व्यक्ति अपना सर्व नाश करता है तथा साथ ही दूसरो को भी कामचोरी का विष पिलाता है। कठोर श्रम तप है।

हम नादान ही अच्छे थे जो कुछ फिक्र न थी,
बडी उलझन में पड़े है जब से समझ आई है।

www.jainonline.in
Jeevan Saar 6

हीनता – कीडो को रौंदने और शहंशाह के आगे गिडगिडाने से घृणा करे। दीनता हीनता का प्रदर्शन किसी मनुष्य के समक्ष मत करो वहाँ से सिवाय उपहास के कुछ न पाओगे । दीनहीन बनना है तो ईश्वर के समक्ष बनो। हीनता हिंसा से भी हीन होती है। मनुष्य को कोई ऐसा काम नही करना चाहिये जिससे वह स्वयं को छोटा व हीन समझे। हीनता का अनुभव करना ही पाप है। जो पुरुष निरुत्साह, दीन और हीन व शोकाकुल रहता है उसके सब काम बिगड जाते है और वह विपति में फँस जाता है। किसी से मेहरबानी मांगना अपनी आजादी बेचना है। क्या तुम लंगडे हो जो दूसरो का आसरा ताक रहे हो। खैरात के हलवे से मेहनत की सूखी रोटी अच्छी होती है। विश्व की समस्त शक्तियाँ हमारी है। किसी के कृपा भाजन होने से ईर्ष्या का पात्र होना अधिक अच्छा है।

मिलता है कहाँ नूर बुरी सोहबत से
इंसान है मजबूर बुरी सोहबत से
करना है अगर नाम जहाँ में पैदा
लाजिम है रहो दूर बुरी सोहबत से।

सुख न सहचर है लुटेरा भी हुआ करता है
खुशी में गम का बसेरा भी हुआ करता है
अपनी किस्मत की स्याही को कोसने वालो
उजाले के साथ अंधेरा भी हुआ करता है।

हजार फूल कम है सेहरा बनाने के लिये
एक फूल काफी है अर्थी सजाने के लिये
हजार खुशियाँ कम है किसी को हँसाने के लिये
एक गम काफी है किसी को रुलाने के लिये।

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

लक्ष्य – जीवन में जिसका कोई लक्ष्य नहीं होता उसका जीवन व्यर्थ है। लक्ष्य विहीन व्यक्ति जीवन भर भटकता रहता है। धन, साधन, समय, कर्म इन बातो का स्पष्ट विचार करके किसी कार्य में प्रवृत होना चाहिये। लक्ष्य पूरा करने के लिये अपनी समस्त शक्तियों का परित्याग करना ही पुरुषार्थ है। लक्ष्य प्राप्त करने के लिये प्रयत्न करे तो कोई वजह नहीं कि निर्धारित समय में अपने लक्ष्य की प्राप्ति न हो । मनुष्य मे आंकाक्षा व कार्य के प्रति समर्पण होना चाहिये। जिसका उद्देश्य है और आराम तलबी और लोकप्रियता से बचना चाहिये। अपने लक्ष्य को कभी मत भूलो अन्यथा जो कुछ मिलेगा उसी में सन्तोष करना पड़ेगा। खुशामद और खराब कार एक समान है दोनों से मन्जिल पर नहीं पहुंचा जा सकता । अपने लक्ष्य से मत भटको यही सफलता का रहस्य है। जैसा तुम्हारा लक्ष्य होगा वैसा ही तुम्हारा जीवन होगा। लक्ष्य निश्चित होते ही आपके कर्म एक यात्रा का रूप ले लेते हैं और फिर आज नहीं तो कल आप अपने लक्ष्य पर पहुंचे ही जाते हैं। अपने सामने एक ही लक्ष्य रखे उस लक्ष्य के सिद्ध होने तक दूसरी किसी बात की और ध्यान नही देना चाहिये, रात दिन उसी में लिप्त रहे तभी सफलता मिलती है। विज्ञान एकत्व को खोजने के सिवा और कुछ नहीं है। कोई लक्ष्य सामने नही है तो भी चलना शुरू करो, चलने वाले कही न कही अवश्य पहुंचते है। जो अपने सामने उद्देश्य रखता है वह एक दिन जरूर सफल होता है। जो व्यक्ति अपने सामने कोई लक्ष्य नही रखता वह जीवन भर केंचुएं के समान रेंगता रह जाता है। अर्जुन बनो केवल लक्ष्य को देखो। महान् ध्येय के प्रयत्न में ही आनन्द और खुशी है और एक हद तक प्राप्ति में भी। लक्ष्य की सिद्धि अन्याय और अनीति से नहीं, सत्य और धर्म से ही हो सकती है। श्रेष्ठ पुरुष बोलता कम है पर व्यवहार में अधिक सक्रियता दिखलाता है। जिसको लगन है वह साधन भी पा जाता है। लगन को काँटो की परवाह नहीं होती। लक्ष्य की और अपने मन वचन और काया को लगा देने से संसार में बड़ी सफलताएं होती हुई दीख पडती है। उन्नत होना और आगे बढ़ना प्रत्येक जीव का लक्ष्य है। अपने जीवन का

www.jainbharati.in Jeevan Saar 6

एक लक्ष्य बनाओ और इसके बाद अपना शारीरिक और मानसिक बल जो ईश्वर ने तुम्हे दिया है उसमें लगा दो। मानव जीवन का अन्तिम लक्ष्य अपने में देवत्व को पहचानना और उसे प्राप्त करना। लक्ष्य प्राप्त करने के लिये अपनी समस्त शक्तियों द्वारा परिश्रम करना ही पुरुषार्थ है। जो आदमी लक्ष्य पाने का संकल्प उठा लेता है और निष्ठा से कार्य करता है उसकी सफलता निश्चित है। उठो जागो और तब तक चलते रहों जब तक लक्ष्य प्राप्त न कर लो। कोई भी कार्य महत्वपूर्ण नहीं होता महत्वपूर्ण होता है कार्य का उद्देश्य । मुसीबते टूट पड़े हाल बेहाल हो जाए तब भी जो लोग निश्चय से डिगते नही और धीरज रखकर चलते हैं वे ही अपने लक्ष्य तक पहुंचते है। महान् ध्येय महान् मस्तिष्क का जनक है। लक्ष्यहीन जीवन जंगल में भटकने के समान है। संसाधन मात्र पर्याप्त नही लक्ष्य भेद भी चाहिये। लक्ष्य को पाने के लिये सहस्त्र बार आगे बढ़ो और यदि असफल हो जाओ फिर एक बार नया प्रयास अवश्य करो। जिस देश में हमारा जन्म हुआ है हमें खुश होकर उसकी सेवा करनी चाहिये।

सलीके से पीऐ तो बेहतर है वरना खराब होती है।

प्रेम रीति से जो मिलै तासौ मिलिए धाय
अंतर राखे जो मिलै तासौ मिले बलाय।

अधिकार खोकर बैठे रहना यह महा दुष्कर्म है
न्यायार्थ अपने बन्धु को भी दण्ड देना धर्म है।

पाथर पूजें हरि मिले तो मैं पूंजू पहाड़
तातै ती चक्की भली पीस खाय संसार।

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

अज्ञान – भगवान की परम भक्ति मनुष्यों में कामधेनु के समान मानी गई है। उसके रहते हुए भी अज्ञानी मनुष्य संसार रूपी विष का पान करते है कितनी आश्चर्य की बात है। अपनी अज्ञानता से अनभिज्ञ होना अज्ञानी की सबसे बड़ी बीमारी है। अज्ञान एक ऐसा कांटा है जो चुभने के बाद किसी दूसरे को नही दिखता लेकिन जिसको चुभता है उसे हमेशा परेशान करता रहता है। दुख अज्ञानता की कोख से पैदा होता है। उन लोगो से शिक्षा मिलती है जिन्हें हमने अज्ञानी समझा था। भगवान दूर व बाहर प्रतीत होते है तब तक अज्ञान है भीतर से यथार्थ ज्ञान का उदय होता है तब उन्हे हृदय मंदिर और जगत मंदिर पर देखा जा सकता है। जितना हम अध्ययन करते है उतना ही हमको अपने अज्ञान का आभास होता है। उस विषय में अज्ञानी रहो यह ज्यादा बेहतर है बजाय अधूरा ज्ञान प्राप्त करने के। जहाँ अज्ञानता का बखान हो रहा हो वहाँ बुद्धिमानी दिखाना भी मूर्खता है। अज्ञान ही पाप है। अज्ञान अन्धकार स्वरूप है। अज्ञानी रहने की अपेक्षा जन्म न लेना ही श्रेयस्कर है। अज्ञानता अँधेरी रात है। अज्ञान के लिये मौन से श्रेष्ठ कुछ नही। स्वयं को ज्ञानवान समझना सबसे बडा अज्ञान है और अज्ञानी सदा दुखी रहता है। अज्ञान से बडा कोई शत्रु नहीं है। अज्ञान के समान दूसरा कोई बैरी नहीं। जहाँ अज्ञान है वहाँ दुख आकर ही रहेगा। अज्ञान की दासता से मृत्यु श्रेयस्कर है। गलत फहमी रखना गलती करने से ज्यादा खतरनाक होता है। चलते खडे बैठते अथवा सोते हुए जो इंसान मन को शांत रखता है, वह अवश्य ही शांति को प्राप्त करता है। गुप्त रूप से किया गया पाप मरते समय तक चुभता रहता है। चरित्रवान पत्नी पति की शोभा है पर व्यभिचारिणी पत्नी पति की हड्डियों का क्षय है। जो सब मानवों को समान रूप से देखता है वही सच्चा मानव हैं। गूंगा गुड खाकर उसका स्वाद नही बता पाता वैसे ही ज्ञानी भी आत्मानुभव का वर्णन नही कर पाता। आत्म अनुभव ज्ञान की जो कोई पूछे बात, सो गूंगा गुड खाइ के कहे कौन मुख स्वाद । आकाश में मेघ चाहे जितने काले, घने हो, दिन को रात नहीं बना सकते । आनन्द ही एक ऐसी वस्तु है जो आपके पास

www.nirmalgangwal.in Jeevan Sar 6

न होने पर भी आप दूसरो को बिना किसी असुविधा के दे सकते हैं। आने वाले संकट को देखकर अपना भावी कार्यक्रम निश्चित करने वाला सुखी रहता है। आदमी काम की अधिकता से नहीं उसे भार समझकर अनियमित रूप से करने पर थकता है। अहिंसा सब धर्मो में श्रेष्ठ है। अपने घर में शान्ति पाने वाला ही सुखी रहता है। चुंबन कुदरत की बनाई हुई एक प्यारी सुंदर चाल है जो कि शब्दों के बेकार होने पर या भाषा पर रोक लगाने के लिये अमल में लाई जाती है। मिस्त्र में यह सभ्यता का प्रतीक है, इंग्लैण्ड में यह फैशन, अमेरिका में समय बिताने की एक तरकीब, फ्रान्स में एक खेल, हिन्दुस्तान में बुराई की तरह देखी जाती है। कमजोर जिस्म के व्यक्ति आध्यात्मिक उन्नति में भी कमजोर साबित होते हैं। सीधा–सादा होना ही बडप्पन है। किसी के साथ अत्यन्त लगाव न रखो और न किसी की पूर्ण रूप से उपेक्षा करो इसमे मध्य मार्ग सर्वश्रेष्ठ होता है। एक बार संदेह का बीज मन में पड जाये तो व्यक्ति अपने शत्रु पर संदेह करने लग जाता है वैसे ही मित्र पक्ष से भी उसका विश्वास उठ जाता है। काव्य और प्रेम नारी हृदय की सम्पति है। ईश्वर न काबा में है न काशी में वह तो कण कण में व्याप्त है। इंसान दीर्घजीवी हो । उसकी संतान सुख देने वाली हो जो धन सम्पति यश एकत्र करे, जिसके संपर्क में बुरे लोग भी सुधर जाएँ। वही शख्स संसार में अच्छा आचरण करता हुआ जीवन गुजारता है। विषय भोग घी के समान है जितना उपभोग (आहुति) करोगे उतना ही बढते चले जाएँगे। अच्छे मित्र का यही लक्षण है कि यह मित्र के पाप को रोकता है, हितकारी कार्यों में लगाता है, उसकी गुप्त बातो को छिपाता है, उसके गुणो को प्रकट करता है, विपति काल में उसका साथ नहीं छोडता और समय आने पर धन देता है। अपनी पीडा सह लेना और दूसरे जीवों को पीडा न पहुंचाना यही तपस्या का स्वरूप है। अक्ल का ओहदा उम्र से (ऊंचा) होता है। अच्छा बनने के लिये अच्छे जैसा बनने का प्रयास करो। अपनी गरज जब होती है तो आदमी का स्वाभिमान भी झुक जाता है। अच्छी पाचन क्रिया भूख और स्वास्थ्य दोनो पर निर्भर करती है। असभ्य

www.jainbharati.in Jeevan Sar 6

राष्ट्रो को छोड़कर बाकी दुनिया में पुरतकों का ही शासन है। स्त्रियों को सम्मान सौन्दर्य के लिये दिया जाता है उससे ज्यादा स्वाभाविक गुणो के लिये उन पर गौरव किया जाता है। संदेह से मुक्त होने का आसान उपाय यह है कि ठीक उसके विपरीत सोचो। अपने दिल में यह विश्वास पैदा करो कि तुम योग्य हो और आरम्भ किये हुए कार्य को कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हो । धर्म और शान्ति की चर्चा जरूरी नहीं है कि गम्भीरता का आवरण ओढ़ कर ही की जाए। हँसते व खिल खिलखिलाते उल्लास के साथ भी मानवता की समस्याओ का निदान ढूंढा जा सकता है। दुःखी ईश्वर में भक्ति रखता है आशा से व सुखी भय से। सूर्य मेरे लिये वंदनीय है परन्तु इसलिये यदि मैं पृथ्वी छोडकर उसके पास आना चाहूंगा तो जलकर खाक हो जाऊगा । दान एवं क्षमा प्रेम का आधार है। लेकर भूल जाना कृतघ्नता है। प्रेम निस्वार्थ है। दूर रहने पर भी सज्जनो का स्नेह नहीं जाता। अधिकार की अपनी मर्यादा होती है। अधिकार प्रयोग संयत रखना चाहिये। लोहे की मीनार नष्ट हो सकती है परन्तु यश अमर है। शिक्षा वह हथियार है जिसका प्रयोग करने वाले पर निर्भर करता है। शारीरिक सुख पराधीन है, परन्तु आत्मिक सुख स्वाधीन है। शरीर ठीक रहते हुए ही इसका सद्पयोग कर लेना चाहिए। संसार में लाखों प्रकार की प्राप्तियां है लेकिन शिक्षा प्राप्ति सर्वोतम है। सज्जन को सम्मान और दुर्जन को दण्ड सुशासन के आवश्यक तत्व है। धोखेबाज को धोखा देने में दुगुनी प्रसन्नता का अनुभव होता है। नारी की सबसे बड़ी दुश्मन नारी ही है। प्रतिभा अपना दीपक लेकर चलती है अपना मार्ग स्वंय खोजती है। प्रतिभा जन्म से प्राप्त होती है। उसे बढ़ाया जा सकता है लेकिन सिखाया नहीं जा सकता। निर्धनता मनुष्य को निर्बल करती है और दुख देती है अतः निर्धनता को दूर भगाएँ । प्राप्ति वह आहुति है जो तृष्णा की अग्नि को और भडकाती है। पिता द्वारा नारी की किशोरावस्था में, पति द्वारा नारी की युवावस्था में, पुत्र द्वारा नारी को वृद्धावस्था में रक्षा करनी चाहिये। स्त्री स्वतन्त्र रहने के पश्चात् दुख ही पाती है। नारी पुरूष की गुलाम नही –

www.jainbharati.in
Jeevan Sar 6

सहधर्मिणी, अर्धांगिनी व मित्र है। प्रेम की जाति नही, कोई धर्म नही, विचार विवेक और भलाई बुराई का उसे कुछ ज्ञान नहीं। निर्धनता से लज्जा पैदा होती है, लज्जा से पराक्रम नष्ट होता है, पराक्रम न होने से अपमान होता है, अपमान से दुःख मिलता है, दुाख से शोक होता है, शोक से बुद्धि नष्ट हो जाती है, बुद्धि न होने से नाश हो जाता है। अतः निर्धनता ही सब आपतियों की आधारशिला है। निर्धनता से शर्मिदा होना शर्म की बात है। धन और खाद एक समान है उपयोगिता लेने के लिए दोनो को फैलाना पड़ता है। धर्म का सबसे बड़ा साधन स्वस्थ शरीर है। धर्म छिलका है और अध्यात्म केला। धर्म वह है जो बाहर दिखाई नही देता है, कर्मकाण्ड की परत नियम और अभ्यास मात्र, जबकि फल जो अध्यात्म है वही आन्तरिक चीज है। धन की तीन गतियाँ है दान, भोग और नाश, दान भोग जो न कर सके तो निश्चय से है नाश । दान से पुण्य बढ़ता है, सन्दर्भ से बैर का बढ़ना रोका जाता है। धुंआ आसमान में व राख पृथ्वी पर शेखी बधारते है जबकि वह अग्नि वंश के है। धन खोकर अगर हम अपनी आत्मा को पा सके तो यह कोई महँगा सौदा नही है। धर्म का भले ही नाश हो रहा हो, जातीय जीवन भले ही रसातल को जा रहा हो, देव मंदिरो की भले ही ईट से ईट बज रही हो, परन्तु नीच प्रवृति का व्यक्ति अपनी स्वार्थ निद्रा से नही जागता । पृथ्वी एक ग्रन्थ है जिसका रचियता ईश्वर है। सज्जन लोग रत्न पाकर उतने प्रसन्न नहीं होते जितने प्रसन्न उस रत्न को किसी उचित पात्र को देकर होते हैं। स्वर्ग पाने के लिये कभी झूठ न बोले। जो स्त्री तथा पृथ्वी प्राप्ति के लिये झूठ बोलता है वह सर्वनाश को निमन्त्रण देता है। साधना के तीन तत्व है कर्म, ज्ञान और भक्ति। सौ वर्ष जीने की कामना रखते हो तो जवान और हँसमुख मित्रो के बीच रहो। सौन्दर्य प्रकृति से प्राप्त होता है और विद्वता से जवान बना रहता है। सूर्योदय के पश्चात तक सोते रहने वालो का तेज, बल, आयु एवं लक्ष्मी नष्ट हो जाती है। ब्रह्ममुहूर्त में निद्रा त्यागने वाले उतम स्वास्थ्य एवं सुखी जीवन प्राप्त करते हैं।

www.jainbhajan.in
Jeevan Sar 6

आदमी प्रत्येक वस्तु का मूल्य तो जानता है लेकिन उसकी अहमियत नहीं। संसार सोने का मृग है दो विरोधी इसे बांटने पर सहमत हो जाएंगे, लेकिन वह आपस में ही कट मरेगे और सोने का मृग यथावत रहेगा। इस कलि युग में मृग तृष्णा के पीछे भागने वालो का यही अंजाम होगा। स्वतन्त्रता सम्मान की तरह एक पथरीला द्वीप है जिसका कोई किनारा नहीं। कुछ पैदा होने के साथ महान् बन जाते हैं कुछ कर्मो के द्वारा महान बनते है और कुछ पर महानता थोप दी जाती है। अनेक प्रकार से गलत मान्यताएं हमारी बुद्धि के विभाजन के कारण है। प्रलय के समय समुद्र अपनी मर्यादा को त्याग देता है और किनारों को छोड देता है लेकिन सज्जन पुरुष प्रलय के समान विपति आने पर भी मर्यादा नहीं छोडता । पतिव्रता नारी मैली–कुचैली और बदसूरत होते हुए भी पतिव्रता गुण के कारण सभी सुन्दरियों से ज्यादा आकर्षक हो जाती है। पुरुष यदि खेत या व्यापार के लिये तो स्त्री चूल्हे या घर की व्यवस्था के लिये, पुरुष यदि तलवार के लिये तो स्त्री सुई के लिये, पुरुष मस्तिष्क से तो नारी ह्रदय से, पुरुष आदेश देता है, स्त्री पालन करती है। प्रभु के प्रति सच्ची भक्ति उसके गुणों को आत्मसात कर लिया जाये । पतझड हुए बिना पेड़ो में फल नही लगते। प्रेम की आँख नही होती. वह सदैव भावना से ही देखता है। प्रकृति उनके लिये निष्क्रिय है जिनमें परिवर्तन नहीं होता। प्रतिदिन एक बुराई को छोड़ते चलोगे तब शीघ्र ही तुम अच्छो की श्रेणी मे स्वयं को पाओगे। हमारा गौरव कभी न गिरने में नहीं है अपितु हर बार उठने से है। समस्त भौतिक सुखो को पाकर भी हम सन्तुष्ट नही होते, क्योकि तब हम मानसिक शान्ति खो बैठते हैं। हमारा जन्म केवल निन्द्रा और भूल के समान है। सुख भाग्यशाली को पररखता है और संकट महान व्यक्ति को। सुधार के बिना प्रायश्चित ऐसा है जैसे छिद्र किए बिना यान से जल निकालना। सुन्दर शरीर की तुलना में सुन्दर आचरण ज्यादा अच्छा है। सच्ची लगन के बिना किसी में भी महान प्रतिभा पैदा नही हो सकती।

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

सुखी व्यक्ति के लक्षण समुद्र के समान अचल, गम्भीर बुद्धि, पृथ्वी के समान क्षमा, सूर्य के समान पालना, गौ के समान दानी, नदी के वेग के समान निरन्तर क्रियाशीलता । सेवा द्वारा हृदय पवित्र होता है, अहंकार की भावना नष्ट होती है, और ईश्वर के निकट होने का अहसास शान्ति प्रदान करता है। सुख आदमी के सामने दुःख का मुकुट पहनकर आता है जो उसका स्वागत करता है वह उसके सिर की शोभा बढ़ाता है। सुन्दरता आखों में नजर आती है। और मन के द्वारा स्वीकार या अस्वीकार की जाती है। अक्सर खोई हुई चीज वहाँ ही मिलती है जहाँ वो खोई हैं, सिवाय विश्वास के जहाँ खो जाये फिर वहाँ से कभी नहीं मिलता। इतने छोटे बनिए की हर कोई आपके साथ बैठे इतने बडे बनिए की जब आप खडे हो तो कोई बैठा ना रहे। नारी की सफलता पुरुष को बांधने में, पुरुष की सफलता नारी को मुक्ति देने में हैं। प्रार्थना अगर हृदय के बजाय जीभ से होती तो गूंगे तोतले और मूढ व्यक्ति प्रार्थना न कर पाते। दुनिया के हर कोने में मृत्यु पहुंच सकती है। धनी बेवकूफ उस सूअर के समान है जो अपनी ही चर्बी के कारण घुट मरता है। धन और रूप से सम्पन्न होने पर भी शील के अभाव में मनुष्य कॉटो से भरे वृक्ष की भाँति है। धर्म ही सच्चा मित्र है जो मृत्यु के बाद भी उसके साथ जाता है या फिर जीवित रहता है। दीन दुखी एंव पीडित बन्धुओं की सेवा करने और उनके साथ मिल बैठकर खाने में जो अनुभव होता है वह सभ्य समाज की दावतो से भी प्राप्त नहीं होता। दुख के बारे में ये अनभिज्ञ रहते हैं राजा, वैश्या, यमराज, अग्नि, चोर, बालक, भिक्षुक और चुगलखोर। दुखी वह है जो आँसू बहाता है क्योकि व्यस्त व्यक्ति तो दुःख में भी आँसू नही बहाता । दुष्ट लोग अपने दोष के सम्बन्ध में जन्मजात अन्धे होते है, लेकिन दूसरों के दोष देखने में दिव्य दृष्टि रखते है। अक्सर महापुरूष मध्यम वर्ग से उत्पन्न होते है। सम्पूर्ण योग्यता और पूरी सामर्थ्य से ही व्यक्ति के कार्य सर्वोत्तम रूप से सामने आते है। सहनशीलता की भी एक सीमा होती है और उस सीमा के पश्चात् सहनशीलाता भी एक दोष हो जाती है। पुस्तक पढ़ना सबसे सस्ता

www.jainbharati.in
Jeevan Sar 6

और अच्छा शौक है। संसार रूपी वाटिका में फूलो के अतिरिक्त कुछ नहीं अपना भ्रम ही एक कांटा है। मन जहाँ जहाँ जाता है वहाँ वहाँ परम पद की प्राप्ति होती है। भाग्य के पास हमे कुचलने के दो तरीके है हमारी इच्छाओं की पूर्ति से इन्कार कर देना और उन्हें अपने तरीके से पूरी करना। बचपन कच्ची मिट्टी के समान है इसे मनचाहा आकार बच्चे को अच्छी शिक्षा व संस्कारों से दिया जाता है। प्यार की प्यास एक आजीवन कमजोरी बनकर मानव के साथ रहती है। बंधन में जब कष्ट की अनुभूति हो, वह तुम्हारी स्वतन्त्रता अनुभूति का तब प्रथम आभास होता है। ब्रह्मभाव ही मोक्ष है व मोक्ष ब्रह्मस्वरूप ही है, जो नित्य, शुद्ध, बुद्ध और मुक्त है, बेसब्री से खाये कच्चे फल भूख मिटाने की बजाय प्राणों को ही ले बैठते हैं। बहाना सुरक्षित झूठ का रूप है यह बदतर व भयंकर है। बच्चे वे चमकते तारे है जो भगवान के हाथ से छूटकर धरती पर आए है बहुत से ऐसी बदनामियाँ है जिनके सम्मुख विश्व विजयी भी हिम्मत छोड देता है। बहुत से व्यक्ति यदि महान् आकांक्षाओ से आक्रान्त न होते तो छोटी बातो में अवश्य सफल हो जाते। मनुष्य जितना प्रेम भौतिक वस्तुओं के प्रति रखता है उसका एक अंश भी ईश्वर में रखे तो उसे भौतिक सुखों की आवश्यकता नही रहेगी। मूर्ख शिष्य को पढाने में, दुष्टा स्त्री के पालन पोषण से और दुखियों के सम्पर्क में रहने से बुद्धिमान भी दुख पाते हैं। मनुष्य को अपनी ओर खीचने वाला यदि जगत में कोई असली चुम्बक है तो केवल प्रेम है। लम्हों का तोहफा अपनो के लिये । औरते दूसरी औरतो की शिकायत करते नहीं थकती जबकि पुरुष दूसरी ओरतो की तारीफ करते नहीं थकते। सूरज भी जब जब वेस्ट में गया है तब तब डूबा ही है। भावुक व्यक्ति कभी नही पनपता । कुतर्क बहरा होता है। अंशांति का मूल कषाय लज्जा एक ऐसा पावन संकेत है जिसे पवित्रता और सम्मान का निवास दिखाने के लिये बाहर लटका देती है। रूप की पहुँच आखों तक। लोगो की जरूरत पूरी हो सकती है लेकिन उनकी लालसा नही ।

www.jainnidhan.in Jeevan Sar 6

वास्तविक शिक्षा यह है कि हम अन्दर से कितनी विद्या निकाल सकते है, यह नहीं कि बाहर से कितनी अन्दर डाल चुके हैं। जिसमे दया नहीं वह तो जीते जी मुर्दे के समान है। दूसरे का भला करने से अपना ही भला होता है। कोई व्यक्ति सच्चाई, ईमानदारी तथा लोक हितकारिता से राजपथ पर दृढतापूर्वक चलता रहे तो उसे कोई भी बुराई क्षति नहीं पहुंचा सकती। संसार एक महान पुस्तक है जिसमें वे लोग जो कभी घर से बाहर नहीं निकलते केवल एक पृष्ठ पढ़ पाते है। पुस्तके जाग्रत देवता है, उनकी सेना करके तत्काल वरदान प्राप्त किया जा सकता है। प्रसन्नता स्वास्थ्य है, इसके विपरीत उदासी रोग है। मन की प्रसन्नता ही व्यवहार में उदारता बन जाती है। यश, मित्र का काम करता है। वह सभा समाज में प्रधानता प्राप्त करता है। इसको प्राप्त कर सभी प्रसन्न होते है क्योकि यश के द्वारा दुर्नाम दूर होता है। अन्न प्राप्त होता है, शक्ति मिलती है और सब तरह से लाभ होता है। यश त्याग से मिलता है, धोखे धड़ी से नही। सच्ची शिक्षा वह है जो स्वयं को, आत्मा को, और सत्य को पहचानने में सहायता दे सके। सम्मानित जन के लिये अपयश मौत से भी बुरा होता है। स्वाभिमानी और पवित्र हृदय पुरुष निर्धन होने पर भी श्रेष्ठ माना जाता है। हमारी प्रार्थनाएं जन साधारण की भलाई हेतु होनी चाहिये क्योकि प्रभु जानता है कि हमारे लिये श्रेयस्कर क्या है। घृणा करना शैतान का काम है, क्षमा करना मनुष्य का धर्म है, प्रेम करना देवताओं का गुण है। जो बल से विजय प्राप्त करता है वह शत्रु पर आधी विजय ही प्राप्त करता है। हमारे समाज का आज जो रूप है वह न जाने कितने त्याग और बलिदान के पश्चात् साकार हुआ है। हँसमुख और बुद्धिमान चेहरा संस्कृति का संकेत है। अपूर्व बुद्धि वाले पैदा होते हैं उन्हें पैदा नही किया जाता । अच्छे लोग जल्दी मर जाते है। आपने किसी जरूरतमन्द की सेवा की तो धन्यवाद के पात्र आप नही वह जरूरतमन्द व्यक्ति है जिसने आपको सेवा का मौका दिया। अन्याय सहना अन्याय करने से अधिक अपमान जनक है। आजकल

www.jainbharati.in
Jeevan Sar 6

व्यवहार और दोस्ती हजार के नोट जैसी हो गई है डर लगता रहता है कही नकली न हो । अपने काम से काम रखना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है। अपमान उन खोटे सिक्को की भांति है जो दिये जा सकते हैं लेकिन उन्हें स्वीकार नहीं किया जाता। अनुपयुक्त समय पर युद्ध करने वाला उपयुक्त समय पर युद्ध करने वाले के द्वारा मारा जाता है। अच्छा स्वास्थ्य एंव अच्छी समझ जीवन में दो सर्वोतम वरदान है। अपने मन का भेद दूसरे को कभी मत बताओ मन का भेद दूसरो को बताने वाले लोग सब धोखा खाते है। अधिकार दिखाने मात्र से ही अधिकार सिद्ध नही हो जाता। अत्याचारी के प्रति विद्रोह ईश्वरीय आदेश के समान है। जो चला गया उसे भूल जाइए उसके विषय मे मत सोचिये, उससे दुखी मत होइए, जिस वस्तु की प्राप्ति नही हुई है उसकी वांछा मत कीजिये, जिस वस्तु की प्राप्ति हुई है उसको अपना मत समझिये ये सुखी होने के रास्ते है। आँखे आत्मा का दर्पण है। अतिथि आपका अन्न खाकर आपके पापो को धोता है। अमिलाषा की प्यास न बुझती है न संतुष्ट होती है। आचरण के बिना ज्ञान केवल भार मात्र ही होता है। आपति आने पर जो मनुष्य घबराते नहीं वे मनुष्य बुद्धिमान होते है। आनन्द वह खुशी है जिसके भोगने पर पछताना नहीं पड़ता। आत्मा के लिये विवेक उतना ही महत्वपूर्ण है जितना शरीर के लिये स्वास्थ्य। इंसान जितना प्रेम धन, स्त्री, संतान और कामनाओं के प्रति रखता है यदि उसका एक प्रतिशत भी ईश्वर से प्रेम करे तो अन्य प्रेम की वस्तुएँ स्वतः ही उपस्थित हो सकती है। एक प्रभु विभिन्न रूपो में दिखता है। इस नाशवान जगत के जीवों से यह आशा मत रखो कि अपने वचनों को पूरा करेगे। कलाकार प्रकृति का प्रेमी है इसलिये वह उसका दास है और स्वामी भी। किसी राजा की जय जयकार केवल उसके राज्य में होती है परन्तु एक विद्वान का आदर हर जगह होता है। कलाकार वस्तु को वैसा नही देखता जैसी वे दिखती है। सर्वोतम मनुष्य त्रुटियो से सीखते हैं। सुख सम्पूर्ण संसार में है लेकिन वह महसूस अपने हृदय से ही किया

www.jainbharati.in Jeevan Sar 6

जा सकता है। सुखो के भोग की लालसा आत्मसम्मान का सर्वनाश कर देती है। हमे कई बार रस्म रिवाज की वजह से अपनी सोच की खिलाफत करनी पड़ती है। हृदय के पास विवेक होता है जिसका कारण स्वयं हृदय भी नही जानता। खोदने वाले का भार जिस प्रकार पृथ्वी सहन करती है उसी प्रकार अपने निन्दको को सहन करना एक विशिष्ट धर्म है। कोई भी आये उसे ईश्वर समझो लेकिन तब स्वंय को अधम भी मत समझो। हमारी आवश्यकताएं जितनी कम होगी हम ईश्वर के उतने ही नजदीक होगें। हर कार्य सम्पन्न होता है और हर समय के लिये कार्य होता है। सेवा पैसो के द्वारा ही की जाए यह जरूरी नहीं, जरूरी यह है कि अपने स्वार्थ त्यागकर दुखियों की सेवा करे। सावधानी को बुद्धिमता की बड़ी संतान कहा जाता है। सुख के पीछे मत दौडो वह दूर हो जाएगा, सुख से दूर भागो वह तुम्हारे पीछे दौडा आएगा। सुन्दरता मन के भावो में निवास करती है। माता अपने कुरूप बालक को संसार का सबसे सुन्दर बालक समझती है। बिना जोखिम के लाभ कमाना, बिना खतरे के अनुभव पाना, बिना काम के पुरुस्कार लेना, लगभग उतना ही असंभव है जितना कि बिना पैदा हुए जीवन पाना । कहते हैं कब्र में सुकून की नींद होती है अजीब बात है कि यह बात भी जिंदा लोगों ने कही। अजीब नींद मेरे नसीब से लिखी है पलके बंद होती है तो दिल जाग जाता है। नया दर्द पुराने दर्द की दवाई है। माचिस की जरूरत यहाँ नहीं पड़ती यहाँ आदमी आदमी से जलता है। पत्थरों को मनाने मे फूलो का कत्ल कर आये हम (मंदिर में फूल चढ़ाना), घर की जरूरतो ने मुसाफिर बना डाला। यूं ही नही हम दिल को साफ करते थे, पता नही था कि कीमत चेहरों की होती है। स्कूल कॉलेज की पढ़ाई से अक्षर ज्ञान होता है ऊंचाई को छूने वाले स्वाध्याय की पढ़ाई करते है। सत्संग द्वारा बुद्धि की दुर्बलता को दूर किया जा सकता है, वाणी के दोष को नष्ट किया जा सकता है। पापो को हरा सकता है, साथ ही यश प्राप्ति, चित की प्रसन्नता और समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त होती है। सुन्दरता को श्रंगार की आवश्यकता नही । सुन्दर मुख अपनी मौन प्रशंसा

www.jainbharati.in
Jeevan Saar 6

करवा लेता है। सांप की केंचुली एक बार उसके जिस्म से अलग हो जाए तो फिर उसके शरीर पर नही चढती इसी प्रकार शरीर छूटने के बाद सुन्दरता पुनः प्राप्त नही होती। सुन्दर ह्रदय विश्व की सम्रग सम्पति से ज्यादा मूल्यवान है। संदेह के पाताल में झोकने से पहले विवेक की मजबूती का सहारा ले लेना अकलमंदी है। संसार रूपी कडवे वृक्ष पर दो फल अमृत के समान है पहला प्रिय क्चन और दूसरा सज्जनों की संगति। सात्विकता पर सभी का अधिकार है अतः इसे पाकर खोना नही चाहिये। सदाचार और आज्ञाकारिता का मिलना जिस प्रकार सौभाग्य की बात है उसी प्रकार पति पत्नी के लिये विश्वास एक सर्वोत्तम सुख है। सच्चा दोस्त वृक्ष की भांति मजबूत होता है झूठे दोस्त पतझड़ की पतियों के रूप में होते हैं। स्वस्थ मनुष्य वह होता है जो शारीरिक और मानसिक स्वस्थता का संतुलन बनाए रखता है। हकीम बहुत है बाजार में अमीरो के इलाज खातिर । बिना मतलब किसी की आज इज्जत कौन करता है। यहाँ लोग मिलते कम झाँकते ज्यादा है। अब कुछ दिन भूख से राहत मिलेगी क्योकि आज फिर धोखा खा लिया है। हमारे दरमयान कुछ तो है चाहे फासला ही सही। सार्वजनिक हित के लिये जो व्यक्ति जीवन गुजारता है उस पर अत्यधिक कीचड उछाली जाती है। स्त्री को पति के बल और पुरुषत्व का दर्प होता है उसका बल और साहस, मान और मर्यादा पति होता है। अच्छा, सुन्दर स्वास्थ्य महान् सम्पति है। सन्तुष्ट मन जिस व्यक्ति का है उसे सभी दिशाओं से प्रेम होता है। जूता पहनने वाले व्यक्ति को कंकड, धूल और कांटों से कोई भय नहीं होता। दान देने से धन में कमी नहीं आती जिस प्रकार नदी का पानी पीने से कम नहीं होता। दुख के पश्चात आने वाला सुख ज्यादा आनन्द देता है जैसे धूप से तपे हुए को वृक्ष की शीतलता शान्ति देती है। अमीर व दौलतमंद व्यक्तियों में भोजन पचाने की शक्ति नही होती परन्तु गरीब लोग काठ को भी पचा लेते है। जिसकी पीठ पर परमेश्वर व मेहनत का हाथ हो उसके लिये कुछ भी कठिन नहीं। त्याग

www.jainbharati.in Jeevan Sar 6

से पाप का मूलधन और दान से पाप का ब्याज चुकता है। हँसते समय संसार तुम्हारे साथ हंसता है लेकिन रोते समय स्वयं को अकेला पाओगे। लक्ष्मी सदैव अनुग्रहीत रहे तो अपने यश को स्थिर रखो और स्वाभिमानी बने रहो। तप और सदाचार जाति से निम्न को भी उच्च स्थान प्राप्त करवा देता है। जिसके मन में कभी क्रोध व कुटिलता नही होती और जिसके हृदय में भगवान बसते है वह भक्त भगवान के समान के ही है। मनुष्य मेहनत से पृथ्वी खोदकर उसके तल से जल प्राप्त कर लेता है उसी प्रकार गुरू की सेवा करने वाला शिष्य गुरु के पास विद्यमान विद्या को प्राप्त कर लेता है। जो हानि हो चुकी है उसके लिये शोक करना अधिक हानि को निमंत्रित करना है। जिन्दगी का आखिरी ठिकाना ईश्वर का घर है, कुछ अच्छा कर ले मुसाफिर किसी के घर खाली हाथ नही जाते। जो मनुष्य दुष्ट से धन लेकर सज्जन को देता है वह स्वयं नाव बनकर दोनों को पार करा देता है। सदैव आत्मदर्शी पुरुष के समीप रहे। जिसकी पत्नी अनुकूल है उसका स्वर्ग यही है जिसकी पत्नी प्रतिकूल है उसका नरक यही है।

कमजोरियाँ छोटी बड़ी सब बीन करके छांट दे
शाखा न केवल तोड़े उसकी मूल तक भी काट दे।

पुरुषार्थ अर्थात् निर्णय बाकी सब अपने आप होता है। ज्ञान के लिये पढ़ाई नही जिज्ञासा चाहिये। महान जीव का किसी और से नहीं स्वयं से कम्पीटीशन होता है। रफ्तार धीमी है तो समझ जाओ कि लक्ष्य निर्धारित नहीं है।

चेहरा नजर आता है जब दिल साफ होता है
भगवान नजर आता है जब दिल पाक होता है।

www.jainbharati.in Jeevan Saar 6

अगर न ही अमल तो इल्म के होने से क्या हासिल
किताबे लादकर यू तो बहुत खच्चर निकलते हैं।

और सब कुछ हो रहा इस तरक्की के जमाने में
मगर यह क्या गजब है। आदमी इन्सां नहीं होता।

ठोकर किसी पत्थर से अगर खाई है मैने
मन्जिल का निशां भी उसी पत्थर से मिला है।

इंसान की बदबख्ती अन्दाज से बाहर है
कमबख्त खुदा होकर बन्दा नजर आता है।

गाँठ के पूरे और अकल के अधूरे ।

है अखण्ड व्यापक सकन सहज रहा भरपुर
ज्ञानी याने निकट ही मूरख जावे दूर।

---

ete - End of thinking capacity.

Mis understanding you solve it, or leave it, or live with it.

ताश के पत्तों की तरह जिसने जीता उसने भी फेका
जिसने हारा उसने भी फेका।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Satisfied life is better than a successful Life.

Purpose is more important than need.

अपना कौन ये वक्त बताता है।

किस्मत और लड़की जब साथ देती है तो
वह सब की जिन्दगी बदल देती है।

Every ending can be a new beginning
A small dot can stop a big sentence
But few more dots can give continuity.

मनुष्य कौन –
जिसमे इन्द्रिय चेतन होती है
जिसमे विवेक चेतना होती है
जिसमे दर्शन चेतना होती है
जिसमे ज्ञान चेतना होती है
जिसमे पुरुषार्थ चेतना होती है
जिसमे संवेदनशील चेतना होती है
जिसमें सामुदायिक चेतना होती है
जिसमे प्रत्याख्यान चेतना होती है
जिसमे मुक्त होने की क्षमता होती है।

आज के जमाने में चार लोग तभी साथ चलते है जब पाँचवा कन्धे पर हो।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जैन कौन –
जो अनर्थ हिंसा से स्वयं को बचाता है
जो सत्य का सदा समर्थन करता है
जो न्याय के मूल्य को समझता है
जो अनाग्रही और अल्प परिग्रही होता है
जो त्याग प्रव्याख्यान में विश्वास रखता है
जो भाग्य को पुरुषार्थ से बदल देता है
जो सुख दुख का कर्ता खुद को मानता है
जो पर्यावरण सुरक्षा में जागरूक रहता है
जो संस्कृति और सत्संस्कारो को जीता है।

SWORD - WORDS
Same effect if not handled properly.

Confidence give us power to face any Challenge in life.

Priorities must be your priorities.

प्रतिज्ञा बिना आशा का अंत नहीं हो पाता।

पर में सुख की बुद्धि अनंत पाप है।

Just try one more time in a different way before you decide to quit.

चीटी सोती नही है, हाथी कूद नहीं सकता।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

मनुष्य का लगातार 11 दिन से अधिक जागना असम्भव है।

मनुष्य पर्याय अर्थात् मुक्ति जाने का प्लेटफार्म ।

आप किसी अच्छे उद्देश्य से हारते हैं तो जीत के बहुत नजदीक होते हैं।

How we use them that makes the difference in doing work.

सुख वेले शुकराना, दुख वेले अरदास, हर वेले सिमरन ।

आज जैसे है, कल उससे बेहतर बनने का प्रयास कीजिए।

हालात नही अपना नजरिया बदले ।

शब्द मौन से ज्यादा कीमती हो, नहीं तो चुप रहना ही बेहतर । ज्यादा शब्दो में थोडा कहने के बजाय कम शब्दो में ज्यादा बताने की कोशिश करे।

अधिकतर मनुष्यों के पास संपति या ताकत अर्जित करने के साधन नही होते, लेकिन ज्ञान अर्जन करने की क्षमता सबके पास होती है।

हमेशा सर्वश्रेष्ठ रास्ता ही चुनिए ।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

दुश्मन की दोस्ती मिलने से बेहतर है दोस्त की दुश्मनी ।

बोलचाल में *Open* और *Close* दोनो विपरीत शब्द है, लेकिन वास्तव में आप सबसे ज्यादा उसी व्यक्ति के सामने *Open* रहते है जिससे आप सबसे ज्यादा *Close* है।

आँखे भी खोलनी पड़ती है रोशनी के लिये महज सूरज निकलने से अँधेरा नही जाता।

---

life is game of Timing.

वक्त की अजमाइश में
करीबी रिश्ते खाक होते देखे हैं
वही कुछ अजनबी खास होते देखें है।

Your attempt may fail but neves fail to make an attempt.

है जिंदगी तो दोस्त है।
है दोस्त तो जिंदगी है। (उल्टा–सीधा एक समान)

डोली और अर्थी दोनो में बात चली
तू पिया को चली मैं प्रभु को चली
तू जहाँ में चली मैं जहाँ से चली
तू विदा हो चली मैं अलविदा हो चली।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

काम करने के तीन नियम –
अव्यवस्था के बीच सहजता खोजना
शोर शराबे के बीच समन्वय खोजना
परेशानियों के बीच अवसर खोजना
तीनो का एक ही सार है हार मत मानिये ।

मनौवैज्ञानिक अपनी बात बताने के लिये उसने पानी से भरा एक गिलास उठाया सबने समझा आधा भराया आधा खाली होगा यह समझाया जायेगा लेकिन वैज्ञानिक ने कहा कि कितना वजन होगा इस गिलास भरे पानी का, सभी ने अदाज से कहा कि 300 या 400 ग्राम होगा । वैज्ञानिक ने कहा कि कुछ भी वजन मान ले कोई फर्क नहीं पड़ता, फर्क इस बात से पडता है कि मैं कितनी देर तक इसे उठाये रखता हूँ। अगर एक मिनट तक उठाता हूँ तो शायद कुछ नहीं होगा, एक घंटे उठाता हूँ तो शायद मेरे हाथ में दर्द होने लगे शायद हाथ अकड जायेगा और एक दिन तक उठाये रखे तो शायद बेहद दर्दनाक हालत में मेरा हाथ होगा शायद हाथ को हिलाने में असमर्थ हो जाऊ लेकिन तीनो परिस्थितियो में गिलास के पानी का वजन न कम हुआ न ज्यादा । चिंता और दुख का भी जीवन मे यही परिणाम है यदि आप इन्हे एक मिन्ट के लिये रखेंगे तो आप पर कोई दुष्परिणाम नही होगा। अपने मन में इन्हें एक घण्टे के लिये रखेगे तो आप दर्द और परेशानी महसूस करने लगेगे और यदि आप अपने मन में पूरा दिन रखेंगे तो ये चिंता और दुःख हमारा जीना हराम कर देगे हमे पैरालाईज करके कुछ सोचने समझने में असमर्थ कर देगा और याद रहे तीनो परिस्थितियों में चिंता और दुख जितना था उतना ही रहेगा अतः हो सके तो चिंता और दुःख से भरे गिलास को एक मिनट के बाद नीचे रखना न भूले।

संघर्ष तेरे अकेले है, जीत पर दुनिया के मेले हैं।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

पहले शिक्षा फिर दीक्षा
पहले ज्ञान फिर श्रद्धान
पहले गुरू फिर मोक्ष मार्ग
पहले भजन फिर भोजन
पहले गर्जी फिर मर्जी
पहले युक्ति फिर मुक्ति
पहले कर्त्तव्य फिर अधिकार
पहले सेवा फिर मेवा
पहले चाह फिर राह
पहले खान फिर जहान ।

सबको नहीं, अपने को सुधारने का नाम प्रभावना है।

कोई जन्नत का तालीब है
तो कोई अपने गम से परेशान है
जरूरते सजदा करवाती है
आज कल ईबादत कौन करता है।

सावधानी हटी
नुक्ति पुडी बटी ।

जीवन कर्म बांधने के लिये नही, कर्म का बोरिया बिस्तर बाँधने को मिला है।

Time has no holidays.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जो लोग दूसरो की आंखों में आंसू भरते है
वो क्यो भूल जाते है कि उनके पास भी दो आंख है।

मन चाहे रंगो से बने तो तस्वीर
अनजाने रंगो से बने वो तकदीर ।

गिरे बुजुर्ग को उठाने भरे बाजार में कोई नही आया
गोरी का रूमाल क्या गिरा पूरा बाजार दौड आया।

भीड का हिस्सा नही, भीड की वजह बनिये ।

ईमानदारी तो स्वयं एक धन है।

स्याही की भी मंजिल का अंदाज देखिये
खुद व खुद बिखरती है, तो दाग बनाती है
जब कोई बिखेरता है, तो अलफाज बनाती है।

जो गिरा है वो उठा है
जो उठा है वो चला है
जो चला है वो बढ़ा है
जो बढ़ा है उसने इतिहास गढ़ा है।

कुछ लोग किस्मत की तरह होते हैं जो दुआ से मिलते हैं
और कुछ लोग दुआ की तरह होते है जो किस्मत बदल देते हैं।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

भोजन देख बामण कुदे
भजन देख बैरागी
ऊजड खोद गुर्जर कुदह
तीनों बात मजा की।

भरोसा खुद पर रखो तो ताकत
और दूसरों पर रखो तो यह
कमजोरी बन जाता है।

Never stop learning
because life never stops teaching.

ढूंढ लेते हैं जुगनू अँधेरो में भी मंजिल
क्योकि वो कभी रोशनी के
मोहताज नहीं होते ।

सोने में जीवन खोना है।

लंगडा जो सामर्थ्य होने पर भी मोक्ष मार्ग में नहीं चलता।

अंधा जो देखते हुए भी अनजान बना है।

दुनिया का सबसे बड़ा वैभव, शांति ।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

पहला पुरुषार्थ, निर्णय ।

निराशा का मूल, पर से आशा।

छिपाने से नही, मिटाने से मिटते हैं पाप।

---

conflict builds character crisis defines it.

खेत में सॉप का, सिलाई में नाप का
खानदान में बाप का महत्व है।

समझदार हूँ इसलिये खुद को बदल रहा हूँ।

जिंदगी में कुछ पाना है तो तरीके बदलो ईरादे नहीं।

आँखे कितनी अजीब होती है
जब उठती है तो दुआ बन जाती है,
जब झुकती है तो हया बन जाती है,
उठ के झुकती है तो अदा बन जाती है,
झुक के उठती है तो खता बन जाती है,
जब खुलती है तो दुनिया इसे रुलाती है,
जब बंद होती है तो दुनिया को ये रुलाती है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Chooser are beggar.

सुख उसे कहते हैं जिसके बाद कभी दुख ही न आये।

अवसर एक और लूटने वाले अनेक ।

एक मुँह और दो कान का अर्थ है कि
हम अगर एक बात बोले तो कम से कम दो बाते सुने भी।

अपमान करना किसी का स्वभाव हो सकता है
किन्तु सम्मान करना हमारे संस्कार है।

जिंदगी को बदल जाने में कभी भी वक्त नही लगता
कभी कभी वक्त बदल जाने में पूरी जिंदगी लग जाती है।

विवेक का नाम चरणानुयोग है।
सावधानी का नाम करणानुयोग है।
आदर्श जीवन जीने का नाम है प्रथमानुयोग।
मुक्त स्वभाव की दृष्टि और मस्ती का नाम है द्रव्यानुयोग।
शुद्धात्मा की एक समय की पर्याय का नाम है द्वादशांग।

हीरे को बनाना नही मात्र पहचानना है।
वैसे ही हमे परमात्मा बनना नही मात्र पहचानना है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

विचार नही, विकल्प मिटाइये ।

देश के लिये मर नहीं सके, जी तो सकते है।

नाम बडा किस काम का,
जो किसी को काम ना आय,
सागर से नदियाँ भली,
जो सबकी प्यास बुझाय ।

जो सुख चाहे धर्म कर,
धर्म ही सुख का मूल,
पापे दुख नही बाँचना,
ये ही गहरी भूल ।

वैभव सम्पदा पुण्य की कमाई है।

बुद्धि मनुष्य के दिमाग में रहती है,
क्रोध आने पर बुद्धि विदा हो जाती है।
लज्जा मनुष्य की आँखो में रहती है,
लोभ आनेपर लज्जा चली जाती है।
हिम्मत मनुष्य के दिल में रहती है,
भय आने पर हिम्मत गायब हो जाती है।
तंदुरुस्ती मनुष्य के पेट में रहती है,
रोग आने पर तंदुरुस्ती गायब हो जाती है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

नई सुबह, नई किरणे, नई आशा, नई उम्मीदे, नये रास्ते ।

इंसान के अंदर जो समा जाये वह स्वाभिमान,
जो इंसान के बाहर छलक जाये वह अभिमान।

सबसे बडा पाप दृष्टि की विपरीतता ।

अज्ञानी की पहचान, सदा परिस्थितियों की शिकायत करना।

सबसे बडा घाटा समय की बरबादी ।

विकथाओं का मूल दिमाग का खाली रहना।

दुखी रहना ही अज्ञानता की निशानी है।

नेगेटिव सोच का नाम ही मोह है।

Always value your time.

प्रणाम परिणाम बदल देता है, अतः प्रणाम करना सीखना चाहिये।

Wheel is hard work and fuel call self confidence.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

Be happy with everyone.

परिस्थितियां जब विपरीत होती है तब व्यक्ति का प्रभाव और पैसा नहीं स्वभाव और सम्बन्ध काम आते हैं।

मूर्खो से उलझना आपकी मूर्खता को दर्शाता है।

दुनियाँ को मत हटाओ, आप स्वयं हट जाओ।

सुधरना आसान है और सुधारना महा कठिन ।

Live in peace not in pieces.

Expect nothing and accept everything.

कहाँ खर्च करूँ अपने दिल की दौलत
सब यहाँ भरी जेबो को सलाम करते हैं।

सुखद क्षण का आभास होता है, जब हम, पूर्ण रूप से जिनेन्द्र प्रभु की भक्ति मे लीन हो जाते हैं। संसार के सारे सुख गौण प्रतीत होने लगते है, एक मात्र सुख की अनुभूति, परमपिता परमेश्वर की आराधना, भक्ति, साधना में होने लगती है। जब भक्त और भगवान एकमेक हो जाते हैं, जहां कही भी दृष्टि जाती है, भगवान ही नजर आते हैं, सच्ची भक्ति कदाचित इसी को कहते हैं।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

नींद तो बचपन में आती थी,
अब तो बस थक कर सो जाते हैं।

सब फुरसत में है मगर वक्त किसी के पास नहीं।

छोटा बनके रहोगे तो मिलेगी हर बडी रहमत,
दोस्तो बडा होने पर तो माँ भी गोद से उतार देती है।

नाथ दर्शन तुम्हारे जो कर जायेगे
उनके सारे अशुभ कर्म टल जायेगे।

जमाने में कहाँ टूटी हुई तकदीर बनती है,
तेरे दरबार में बिगड़ी हुई तकदीर बनती है।

तेरी रहमतो ने हमको दर पे बुला लिया है,
दर दर की ठोकरो से हमको बचा लिया है।

जाऐगा जब जहाँ से कुछ भी ना साथ होगा,
दो गज कफन का टुकड़ा तेरा लिबास होगा।

आप किसी की तारीफ कितनी भी कर सकते हो,
लेकिन बेइज्जती हमेशा नाप तोल कर करना
क्योकि ये वो उधार है जो हर कोई ब्याज सहित
चुकाने के लिये मरा जाता है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

All know the way but few actually Walk it.

Relationship is a Barter Trade.

चेतन मत ना नेह लगावे,
काली नागिन पर नारी,
पहली काया माया खाव,
दूजे घर में कलह लगाव,
तीजे जग विश्वास हटाने,
इज्जत भी सारी ।

अरब खरब की सम्पदा, उदय अस्त का राज
त्याग बिना सब व्यर्थ है, पाथर भरी जहाज ।

लोभ बाप को बाप बखाना ।

मुस्कान चेहरे की कीमत बढ़ाती है,
प्रेम हमारे ह्रदय की कीमत बढ़ाता है,
सच्चाई हमारे विचारों की कीमत बढ़ाती है,
आदर हमारे संस्कारो की कीमत बढ़ाता है।
ईमानदारी हमारे व्यवहार की कीमत बढ़ाती है.
मधुरता हमारी वाणी की कीमत बहाती है,
ज्ञान हमारे अभिप्राय की कीमत बढ़ाता है,
संयम हमारे चरित्र की कीमत बढाता है,
मित्र और परिवार हमारे जीवन की कीमत बढाते है।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

अरे धन वालो धन पाया है तो बनो दानी,
नहीं निकलेगा कुवे से तो सड जायेगा पानी।

पानी बाढे नाव में, घर मे बाढे नाव,
दोनो हाथ उलीचिये ये सज्जन को काम।

स्वयं हमारे हम सदा नही अन्य है कोय,
आकिंचन ही ब्रह्म है. ब्रह्मचर्य तब होय।

इकट्टे कर लो चाहे जितने हीरे मोती
मगर याद रखना कफन के जेब नहीं होती।

इक टुकडे के कारणे कुत्ता घर घर जाय,
रहिमन धीरज के रखे हाथी मण भर खाय।

शुचिता धर्म अनादि चेतन क्यों कर इसको भूला है,
सर्व सुरखों की खान यही है मुक्तिपुरी का झूला है
शत्रु लोभ ने इसे भुलाया पीकर ममता का प्याला,
लोभ पाप का बाप कहा है कर दे इसका मुंह काला।

उत्तम कुल में पैदा होने से कोई महान नहीं होता,
लाखो की कमाई करने से कोई गुणवान नहीं होता,
संसार में महती आवश्यकता है संयम धर्म की,
केवल डिग्रियां प्राप्त करने से कोई विद्वान नहीं होता।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

चाँद के उदय से प्रकाश होता है,
सूरज के उदय से फूलो का विकास होता है,
साधना के मंदिर में जब लग जाती है लो
तो आतमा से आतमा का प्रकाश होता है।

जिंदगी एक किराये का घर है,
एक ना एक दिन बदलना पड़ेगा,
मौत जब तुमको आवाज देगी,
तुमको घर से निकलना पड़ेगा।

अब घोर नहीं भौर चाहता हूँ,
अब ओर नही छोर चाहता हूँ।

आदमी कितने अंधेरे में खोया है,
हथेली पर मुकद्दर तलाश करता है,
प्यास बुझती है पानी की दो चार घूट से
हवस इतनी की समंदर की तलाश करता है।

सत्य हर मुश्किल को आसान बना देता है,
सत्य शुद्धात्म की पहचान करा देता है,
सत्य मानव के जीवन की कसौटी है,
सत्य इंसान को भगवान बना देता है।

No one knows about you better than your self.

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

नितं आयु तेरी झरे धन पेला मिल खाय,
तू तो रीता ही रहा हाथ हिलाता जाय।

सच्चाई छिप नहीं सकती बनावट के उसूलो से,
कि खुशबु आ नहीं सकती कभी कागज के फूलो से।

जब तक मन में खोट तथा पाप विकार है,
सारे मंत्र पूजा पाठ और जाप बेकार है।

दुनिया में देखो सैकडो आये चले गये,
सब अपनी अपनी करामात दिखाते चले गये,
रावण रहा ना भीम अर्जुन महाबली,
इस काल बलि से तो सब हारे चले गये।

मन में मिलावट है, बातो में बनावट है।

कथनी मीटी खांडसी, करनी विष की लोप,
कथनी से करनी करे, नर से नारायण होय।

व्यर्थ है पूजा यदि कलुषता भरी मन में,
व्यर्थ है श्रंगार सारा यदि मानवता नहीं हम में,
व्यर्थ सारा हो रहा है. पुरुषार्थ जो भी आज तक,
व्यर्थ है मस्तक झुकाना यदि सरलता नही मन में।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

प्रभु खोजने से नहीं मिलते, उनमे खो जाने से मिलते है।

इधर चलती कतरनी उधर चलती कर मे माला है,
है मन में और, कहते और, करते और लाला है,
ओ प्रभु के अनुयायियों कुछ जो जरा विचारों,
तुम्हारे आचरण ने धर्म को बदनाम कर डाला है।

फूल नमने पर हम नम जाते है,
चलने वाले दर्द होने पर थम जाते है,
नमन झुकना भी एक कला है,
झुकने वाले सबके दिलो में जम जाते हैं।

नमे सो अमवा, इमली नमे, सो दाडम दाख,
आंक विचारा क्या नमे जिसकी ओछी साख।

जहां पर देव दर्शन हो, वही भव पार होता है,
जहाँ मुनियों की वाणी हो, वही उद्धार होता है,
मुझे लगता नही नवकार से ऊँचा यहाँ कोई,
वहाँ सब पाप कट जाते जहाँ नवकार होता है।

सुबह बचपन हँसते देखा
दोपहर मस्त जवानी
शाम बुढ़ापा ढ़लते देखा
रात को खतम कहानी।

www.jainnaajan.in
Jeevan Saar 6

मनुष्य का अपना क्या है ? जन्म दूसरो ने दिया, नाम दूसरो ने दिया, शिक्षा दूसरो ने दी, रिश्ता भी दूसरो से जुडा, काम करना भी दूसरो ने सिखाया, अन्त में शमशान भी दूसरे ले जायेंगे। तुम्हारा अपना इस संसार मे है क्या? जो तुम अंहकार करते हो।

उसका कद आपसे बड़ा होगा,
जो आपके सामने झुका होगा,
झुकेगा वहीं जिसमे जान है,
अकड तो मुर्दे की पहचान है।

You are the writer, director, produces and creator of your own life.

पहले मुड़ के देखते थे और अब देख के मुड जाते है।

Reserved people get more benefit than de serve people.

न माँग कुछ जमाने से,
ये देकर फिर सुनाते हैं,
किया एहसान जो एक बार,
वो लाख बार जताते हैं,
है जिनके पास कुछ दौलत,
समझते हैं खुदा है हम,
ऐ बन्दे तू माँग उस खुदा से,
जहाँ माँगने वो एहसान वाले जाते हैं।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

जरा बताओ किसे गरूर है अपनी दौलत पर,
चलो उसे बादशाहो से भरा कब्रिस्तान दिखा दूँ।

आत्मशुद्धि के लिए सदा जो दशलक्षण अपनायेगा,
वही भक्त निज मन मंदिर में प्रभु के दर्शन पायेगा।

कितने ही बडे झूले मे झूलो,
पर अपनी औकात मत भूलो।

खुदा ऐसी खुदाई न दो कि अपने अलावा दूसरा दिखाई न दे।

अपना कद घटाले फायदा हो जायेगा,
गैरो की महफिल मे भी दाखिला हो जायेगा।

दान त्याग का प्रथम मंगलाचरण,
मुक्ति पथ पर बढ़ता आचरण ।

चिन्तन का आत्मा से सम्यक सहचर्य,
इसी को कहते हैं विज्ञजन ब्रह्मचर्य।

उत्तम ब्रह्मचर्य है सबको,
ब्रह्मगति का पाठ पढ़ाता,
भोग, साज श्रंगार, विषय को
तजने का प्रिय सबको सिखाता ।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6

उच्च कुल जाति बल धन ऐश्वर्य प्रभुता,
पुण्य उदय पाकर क्या मान करे बावरे,
आपको महान जान औरन को तुच्छ मान,
पीके मद महा घरे भूमि पे ना पांव रे,
बड़े बड़े धनी गुनी चक्रवर्ती शहनशाह,
ऊंचे चढ़ि देख गिरे खोल तो किताब रे,
ताते अब छोड मान सभी को समान जान,
सर्व धर्म में प्रधान, मार्दव को भाव रे।

ब्रह्मचर्य उत्तम रमे, निश्चय हो शिव भूप
शील शलाका जो चढे पडे न भव के कूप।

नेकी कर जूते खा, मैने भी खाये, तू भी खा।

समय बचाये व्यर्थ न गँवाये ।

दोस्त साथ हो तो रोने में भी शान है,
दोस्त ना हो तो महफिल भी शमशान है।

एक साँस भी तब आती है जब एक साँस छोडी जाती है।

प्रेम चाहिये तो समर्पण खर्च करना होगा,
साथ चाहिये तो समय खर्च करना होगा,
विश्वास चाहिये तो निष्ठा खर्च करनी होगी।

www.jainbhajan.in
Jeevan Saar 6